THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 333 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ शु.11 2080 मंगलवार, 20 फरवरी-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

व्यापार, विकास और विश्वास का माहौल

पीएम ने 10 लाख करोड़ की परियोजनाओं का किया शुभारंभ

लखनऊ, 19 फरवरी (एजेंसियां)। मुझे यूपी के सामर्थ और डबल इंजन सरकार के परिश्रम पर पूरा विश्वास है। मैं योगी जी को विशेष बधाई देता हूं। हर हिन्दुस्तानी को गर्व होता है कि यूपी ने ठान लिया है कि वो एक ट्रिलियन डालर की इकोनॉमी बनेगा। देश के सभी राजनीतिक दलों से कहूंगा कि राजनीति छोड़िए और यूपी से सीखिए। आप कितने ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी अपने राज्य को बनाएंगे, ये संकल्प करके मैदान में आइए। देश तभी आगे बढ़ेगा जब यूपी की तरह हर राज्य बड़े सपने और संकल्प लेकर चल पड़ेगा।

उद्योग जगत के साथियों के लिए यूपी में अनंत अवसर की बेला है। आपने कभी सोचा नहीं होगा उतनी तेजी से यूपी अपने सारे संकल्पों को पूरा कर रहा है। ये बातें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के चौथे संस्करण के उद्घाटन समारोह के दौरान कही। प्रधानमंत्री ने रिमोट का बटन दबाकर 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक की 14 हजार से ज्यादा परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने चलचित्र के माध्यम से बदलते उत्तर प्रदेश की झलक भी देखी।

यूपी की तस्वीर बदल देंगे उद्योग :

अपने उद्बोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि सात वर्ष पहले हम सोच भी नहीं सकते थे कि यूपी में निवेश और नौकरियों को लेकर ऐसा माहौल बनेगा। पहले चारों तरफ अपराध, दंगे, छीनाझपटी यही खबरें आती रहती थीं। उस दौरान अगर कोई कहता कि यूपी को विकसित बनाएंगे तो शायद कोई सुनने को भी तैयार नहीं होता। आज लाखों करोड़ का निवेश उत्तर प्रदेश में उतर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में हजारों प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो रहा है। ये उद्योग यूपी की तस्वीर बदलने वाले हैं। उत्तर प्रदेश में बीते सात साल में रेड टेप कल्चर को खत्म करके रेड कार्पेट कल्चर का माहौल बना है। यूपी में ना केवल क्राइम कम हुआ है, बल्कि बिजनेस कल्चर का विस्तार भी हुआ है। बीते सात साल में यूपी में व्यापार, विकास और विश्वास का माहौल बना है। यहां आए सभी निवेशकों के बीच आशावाद दिख रहा है।

डबल इंजन सरकार ने दिखाया है कि अगर बदलाव की सच्ची नीयत है तो उसे कोई रोक नहीं सकता। बीते कुछ वर्षों में यूपी से होने वाला एक्सपोर्ट दोगुना हो चुका है। यूपी वो राज्य है जहां देश में सबसे ज्यादा एक्सप्रेसवे हैं। यहां सबसे ज्यादा इंटरनेशनल एयरपोर्ट हैं। यहां देश की पहली रैपिड रेल चल रही है। वेस्टर्न और ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का बड़ा नेटवर्क यूपी से गुजरता है। नदियों के नेटवर्क का भी मालवाहक जहाजों के लिए उपयोग किया जा रहा है। ट्रांसपोर्टेशन सस्ता हुआ है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को लेकर पूरी दुनिया में अभूतपूर्व पॉजिटिविटी दिख रही है। पीएम मोदी ने कतर और यूएई की यात्रा का जिक्र करते हुए बताया कि हर देश भारत के विकास को लेकर आश्वस्त और भरोसे से भरा हुआ है। पूरी दुनिया भारत को बेहतर रिटर्न की गारंटी मान रही है। उन्होंने कहा कि अक्सर देखा जाता है कि चुनाव नजदीक होने पर लोग नये निवेश से बचते हैं। लेकिन आज उत्तर प्रदेश में सोच भी तोड़ दी है। दुनियाभर के इन्वेस्टर्स को सरकार की पॉलिसी और स्टेबिलिटी पर पूरा भरोसा है। ये विश्वास लखनऊ में झलक रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में जिस प्रकार की सोच आजादी के बाद से अनेक दशकों तक रही है उस पर चलते हुए ये परिवर्तन संभव ही नहीं था। तब की सरकारों की सोच थी कि देश के नागरिकों का जैसे तैसे गुजारा कराओ। उन्हे हर मूलभूत सुविधा के लिए तरसा के रखो। पहले की सरकारें केवल चुनिंदा शहरों में अवसर उपलब्ध कराती थीं, जिसके कारण देश का बड़ा हिस्सा विकास से वंचित रह गया। डबल इंजन सरकार ने पुरानी राजनीतिक सोच को बदल कर रख दिया है। हम हर नागरिक के जीवन को आसान बनाने में जुटे हैं। जीवन आसान होगा तो निवेश और कारोबार करना भी आसान होगा।

प्रधानमंत्री ने विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की चर्चा करते हुए कहा कि सरकार जब अपनी तरफ से लाभार्थियों को लाभ पहुचाती है, तो यही सच्चा अर्थ में सामाजिक न्याय और सच्चा सेक्युलरिज्म होता है। पहले भ्रष्टाचार और भेदभाव के चलते लोगों को योजनाओं का लाभ पाने के लिए लंबी लाइन लगानी होती थी। एक दफ्तर से दूसरे दफ्तर में दौड़ना होता था। मोदी की गारंटी है कि जबतक हर लाभार्थी को उसका हक नहीं मिलता, हमारी सरकार शांत नहीं बैठेगी। यही वो समाजिक न्याय है, जिसका सपना जेपी और लोहिया ने देखा था। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की योजनाएं सामाजिक न्याय और अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि केवल भगत सिंह की तरह फांसी पर लटकने से ही देश की सेवा होती है, ऐसा नहीं है। देश के लिए काम करने से भी देश की सेवा होती है।

प्रधानमंत्री ने लखपति दीदी योजना, पीएम स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना की भी विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि इससे ग्रामीण और शहरी मध्यम वर्ग की खरीद शक्ति बढ़ी है। उन्होंने एमएसएमई को यूपी की ताकत बताया। साथ ही ओडीओपी और पीएम श्रम सम्मान योजना की भी चर्चा करी। प्रधानमंत्री ने काशी की चर्चा करते हुए कहा कि वहां का सांसद होने के नाते काशी के लकड़ी के खिलौनों को हमेशा प्रमोट करता हूं। भारत में खिलौना कारोबार की बहुत समृद्ध परंपरा रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पर्यटन हब बनने का सामर्थ्य है। लाखों लोग काशी और अयोध्या आ रहे हैं। टूरिज्म सेक्टर से जुड़े उद्योगों के लिए ये सुनहरा अवसर है। उन्होंने कहा कि 2025 में यूपी में कुंभ का आयोजन होगा, ये यूपी की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत महत्वपूर्ण अवसर होगा। प्रधानमंत्री ने सौर ऊर्जा की चर्चा करते हुए कहा कि पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से ना केवल देशवासियों को मुफ्त बिजली मिलेगी, बल्कि अतिरिक्त बिजली कमाई का साधन भी बनेगी। इस क्षेत्र में इंस्टॉलेशन, मेंटेनेंस और सप्लाई चेन में लाखों रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

सोनिया के राज्यसभा निर्वाचन से पहले कांग्रेस टूटने के कगार पर

दिल्ली पहुंचे राजस्थान के 7 कांग्रेस विधायक, भाजपा बड़े उलटफेर की तैयारी में

जयपुर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। सोनिया गांधी के राजस्थान से राज्यसभा प्रत्याशी बनने के बाद कांग्रेस पार्टी को विधायकों और वरिष्ठ नेताओं के टूटने का डर सता रहा है। चर्चा है कि भाजपा बड़े उलटफेर की तैयारी में लगी है।

कांग्रेस के आधा दर्जन से अधिक वरिष्ठ नेता-विधायक दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। सीडब्ल्यूसी सदस्य और पूर्व कैबिनेट मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय सोमवार को भाजपा में शामिल हो गए। अब गहलोत सरकार में केबिनेट मंत्री रहे लालचंद कटारिया, उदयलाल आंजना और राज्य मंत्री रहे राजेंद्र यादव सहित 7 से अधिक विधायक-नेताओं के कांग्रेस का दामन छोड़ने की चर्चाएं चल रही हैं।

इस हलचल से पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित कई वरिष्ठ नेताओं की धड़कनें बढ़ गई हैं। कांग्रेस के विधायक टूटने से क्या सोनिया गांधी के राज्यसभा के निर्वाचन पर कोई फर्क पड़ेगा? विपक्ष को और भी बैकफुट पर क्यों लाना चाहती है भाजपा? भाजपा अपनी रणनीति में सफल रही तो लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के सामने कैसे-कैसे संकट खड़े हो जाएंगे?

सूत्रों के अनुसार कांग्रेस में अंदरखाने तूफान मचा हुआ है और मेल-मुलाकातों व एक-दूसरे के संपर्क में रहने का दौर शुरू हो गया है। कांग्रेस को अंदाजा नहीं था कि सोनिया गांधी के राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन भरने के बाद ऐसा सियासी संकट खड़ा हो जाएगा।

सोनिया गांधी के प्रत्याशी बनने के कारण इस राज्यसभा चुनाव से कांग्रेस की प्रतिष्ठा जुड़ गई है। विधायकों की संख्या के लिहाज से कांग्रेस के पास फिलहाल 19 वोट अधिक हैं, लेकिन राज्यसभा के लिए राजस्थान से सोनिया गांधी के पर्चा भरने के बाद खुद के खेमे में ऐसा माहौल और बयानबाजियों के चलते प्रदेश कांग्रेस को पूरे देश में शर्मिंदा होना पड़ रहा है।

वागड़ क्षेत्र के बड़े नेता व पूर्व कैबिनेट मंत्री महेंद्रजीत सिंह मालवीय भाजपा में शामिल हो गए हैं। वहीं, राजधानी की बात करें, तो पूर्व कैबिनेट मंत्री लालचंद कटारिया, पूर्वी राजस्थान से राज्य मंत्री रहे राजेंद्र यादव सहित अर्जुनसिंह बामनिया, नानालाल निनामा और रमीला खड़िया जैसे विधायकों के भाजपा से संपर्क में होने की चर्चाएं हैं।

भाजपा में जाने पर अब नाथ परिवार का इनकार

क्या विजयवर्गीय ने रोकी कमलनाथ की राह?

इंदौर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के भाजपा में जाने की अटकलों को अब विराम लगता दिख रहा है। खुद कमलनाथ ने सामने आकर भाजपा में नहीं जाने की बात कही है। इसे लेकर वे कुछ देर में मीडिया से विस्तार से बात करेंगे। लेकिन इधर माना जा रहा है कि भाजपा के एक धड़े के विरोध के बाद कमलनाथ की भाजपा में एंट्री नहीं हो सकी।

गौरतलब है कि कई दिनों से चर्चा है कि कमलनाथ अपने बेटे के साथ भाजपा में जाएंगे। उनके छिंदवाड़ा के दौरे रद्द कर अचानक दिल्ली पहुंचना, मीडिया से बातचीत में न इनकार, न इकरार वाली स्थिति होने से अटकलों को और बल मिलता रहा। कहा ये भी जा रहा है कि कमलनाथ के इस समय भाजपा में आने से भाजपा को कोई बड़ा फायदा होता नहीं दिख रहा, वहीं पार्टी के ही कई नेता कमलनाथ को लेकर साफ कह चुके हैं कि उनके लिए भाजपा के दरवाजे बंद हैं।

सुप्रीम कोर्ट बोला- अगले आदेश तक शरद गुट नया नाम इस्तेमाल करे

चुनाव आयोग को निर्देश- नया चिन्ह दे, अजित गुट से भी जवाब मांगा

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने अजित पवार गुट को असली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) बताया था। इसके खिलाफ शरद पवार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी। सोमवार को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट से जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 3 हफ्ते बाद होगी।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने शरद पवार को पार्टी चिन्ह के लिए चुनाव आयोग जाने की परमिशन दे दी है। साथ ही कहा है कि चुनाव आयोग एक हफ्ते में चुनाव चिन्ह अलॉट करे। कोर्ट ने अगले आदेश तक शरद गुट को नए नाम का ही इस्तेमाल करने कहा है।

कोर्ट रूम में क्या-क्या दलीलें हुई...

एडवोकेट अभिषेक सिंघवी : चुनाव आयोग का आदेश 27 फरवरी तक राज्यसभा चुनावों के लिए की गई एक अंतरिम व्यवस्था है। महाराष्ट्र विधानसभा सत्र 26 फरवरी से शुरू हो रहा है, और शरद पवार गुट बिना किसी नाम या प्रतीक के होगा।

महाराष्ट्र विधानसभा सत्र 26 फरवरी से शुरू होने वाला है। लोकसभा चुनाव से पहले पैम्फलेट छपने शुरू हो जाएंगे। हमें वही नाम जारी रखने की अनुमति दी जाए क्योंकि तब मैं बिना किसी नाम के रह जाऊंगा।

जस्टिस विश्वनाथन : आप दोनों ने पार्टी के संविधान का उल्लंघन किया है। अब इस विभाजन को हटाकर विलय लाने का पूरा उद्देश्य क्या है? वोट देने वाले मतदाता का क्या होगा?

आंध्र प्रदेश में बढ़े बर्ड फ्लू के मामले

कैसे जानें कहीं आप भी तो नहीं हो गए हैं शिकार?

नेल्लोर, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बर्ड फ्लू तेजी से बढ़ने वाली संक्रामक बीमारी है, हालिया रिपोर्ट के मुताबिक आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले में बर्ड फ्लू के केस बढ़ रहे हैं। यहां पिछले कुछ दिनों में बड़ी संख्या में मुर्गियों की मौत हुई है। हजारों मुर्गियों की मौत के बाद स्थानीय अधिकारी सतर्क हो गए और नैदानिक परीक्षणों में क्षेत्र में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई।

बर्ड फ्लू का खतरा चूंकि इंसानों में भी हो सकता है, इसे ध्यान रखते हुए जिले में आवश्यक प्रतिबंध लगा दिए गए हैं। जिले के अधिकारियों ने आदेश दिया है कि जिन इलाके में मुर्गियां मरी हैं, उसके दस किलोमीटर के दायरे में आने वाली चिकन की दुकानों को तीन दिनों के लिए और एक किलोमीटर के दायरे में आने वाली दुकानों को तीन महीने के लिए बंद कर दिया जाए।

बर्ड फ्लू को एवियन इन्फ्लूएंजा (एच5एन1) के नाम से भी जाना जाता है। ये एक वायरल संक्रमण है जो न केवल पक्षियों, बल्कि मनुष्यों और अन्य जानवरों को भी संक्रमित कर सकता है।

ये पक्षियों, विशेषकर मुर्गियों के लिए घातक माना जाता है और इंसानों में भी इसका जोखिम हो सकता है। आंध्र प्रदेश में बढ़ रहे मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को सुरक्षित रहने और बचाव के उपाय करते रहने की सलाह देते हैं।

क्यों होता है ये संक्रमण :

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, प्रभावित क्षेत्र में एच5एन1 का संक्रमण तेजी से बढ़ने का खतरा हो सकता है। घरेलू मुर्गीपालन वाले स्थानों पर ये आसानी से फैल सकता है। यह रोग संक्रमित पक्षी के मल, नाक के स्राव या मुंह या आंखों से निकलने वाले स्राव के संपर्क से मनुष्यों में फैलता है। इसके अलावा अधपके मांस खाने से भी बीमारी का खतरा हो सकता है, पर इसके मामले कम देखे जाते रहे हैं।

बर्ड फ्लू की पहचान कैसे की जा सकती है :

बर्ड फ्लू की समस्या मुख्यतौर पर सामान्य फ्लू जैसे लक्षणों की तरह ही होती है। संक्रमण के शिकार लोगों को खांसी, दस्त, श्वसन संबंधी कठिनाइयों के साथ बुखार होने, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, नाक बहने और गला खराब होने की दिक्कत हो सकती है। यदि आप बर्ड फ्लू के लक्षणों का अनुभव कर रहे हैं तो आइसोलेट हो जाएं और डॉक्टर की सलाह पर ही दवाओं का सेवन करें। कुछ प्रकार के टेस्ट की मदद से इस संक्रमण का आसानी से पता लगाया जा सकता है।

इसका मृत्युदर हो सकता है अधिक :

डॉक्टर कहते हैं, संक्रमण के खतरों के प्रति जागरूक रहना और सभी आवश्यक सावधानियां बरतना इन बीमारियों से बचने का एक प्रभावी तरीका है। जो लोग नियमित रूप से मुर्गी या पक्षियों के संपर्क में रहते हैं, मुर्गी पालन करते हैं उनमें संक्रमण का खतरा अधिक हो सकता है। एच5एन1 बर्ड फ्लू गंभीर लक्षण पैदा कर सकता है और इसकी मृत्यु दर भी अधिक है। संक्रमितों में इसकी मृत्युदर 50 प्रतिशत से अधिक हो सकती है।

सपा ने यूपी की 11 लोकसभा सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान किया

मुख्तार के भाई अफजाल को गाजीपुर से टिकट दिया

गाजीपुर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी (एसपी) ने सोमवार को उत्तर प्रदेश लोकसभा की 11 और सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया। पार्टी ने गाजीपुर से मुख्तार अंसारी के भाई और बीएसपी सांसद अफजाल अंसारी को टिकट दिया है। 2019 लोकसभा चुनाव में अफजाल सपा के समर्थन से बसपा के टिकट पर सांसद बने थे।

अफजाल के अलावा सपा ने मुजफ्फरनगर से हरेंद्र मलिक, आंवला से नीरज मौर्य, शाहजहांपुर से राजेश कश्यप, हरदोई से ऊषा वर्मा, मिश्रिख से रामपाल राजवंशी, प्रतापगढ़ से एसपी सिंह पटेल, बहराइच से रमेश गौतम, गोंडा से श्रेया वर्मा, मोहनलाल गंज से आरके चौधरी और चंदौली से वीरेंद्र सिंह को कैंडिडेट बनाया है।

हल्द्वानी हिंसा : मास्टरमाइंड मलिक से होगी 2.68 करोड़ की वसूली

नगर निगम ने जारी की आरसी, डीएम को भेजा पत्र

नैनीताल, 19 फरवरी (एजेंसियां)। हल्द्वानी में नगर निगम ने हिंसा के मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक के खिलाफ 2.68 करोड़ की आरसी जारी कर दी है। इस आरसी को वसूली के लिए डीएम को भेज दिया गया है। अब तहसील के माध्यम से वसूली की जाएगी। सोमवार को नगर आयुक्त पंकज उपाध्याय ने आरसी जारी की। वसूली को लेकर डीएम को पत्र भी भेज दिया है। पत्र में कहा गया है कि अब्दुल मलिक के कब्जे में सरकारी जमीन को हटाने के दौरान हुई हिंसा में निगम के कई वाहन समेत सामान जल गया। इनकी लागत 2.44 करोड़ है। कहा कि निगम की ओर से अब्दुल मलिक के घर में नोटिस चस्पा किया गया था। 15 फरवरी तक पैसा जमा करने के लिए कहा गया था।

संदेशखाली को लेकर गरमाया माहौल, सत्तापक्ष-विपक्ष में नोकझोंक

कोलकाता, 19 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली हिंसा को लेकर राज्य सरकार और विपक्ष दल आमने-सामने हैं। विपक्षी पार्टियों ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर तीखा हमला करते हुए राज्य में कानून व्यवस्था ध्वस्त होने का आरोप लगाया है। वहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी भाजपा पर पलटवार करते हुए इलाके में अशांति फैलाने का आरोप लगाया है। सत्ता दल और विपक्ष के इस नोक-झोंक के बीच राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी संदेशखाली हिंसा को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बताया कि इलाके से तनावपूर्ण खबरें सामने आ रही है।

संदेशखाली पहुंचकर महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने मीडिया को बताया कि वह

महिलाओं से बात करना चाहती हैं। उन्होंने आगे कहा, मैं पुलिस से बात करूंगी। मैं चाहती हूं कि पीड़िता मुझसे बात करें। महिला आयोग उनके साथ है। हम प्रत्येक शिकायत पर कार्रवाई करेंगे। चाहे वह हत्या हो या दुष्कर्म, पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। उन्होंने पीड़ितों के परिजनों को गिरफ्तार किया। यह केवल संदेशखाली की समस्या नहीं बल्कि पूरे राज्य की समस्या है। मैं यह रिपोर्ट राष्ट्रपति को दूंगी। अब वह इसपर कार्रवाई करेंगी। महिलाएं डरी हुई है, क्योंकि शाहजहां शेख को अभी भी गिरफ्तार नहीं किया गया है। हमें उसकी गिरफ्तारी के लिए दबाब बनाना पड़ेगा।

इससे पहले महिला आयोग की कोलकाता एयरपोर्ट पर भी मीडिया से इस मुद्दे पर बात की थी। उन्होंने कहा, जैसा कि आप सब जानते हैं, संदेशखाली से बहुत तनावपूर्ण खबरें आई है। मैं वहां जा रही हूं और मैं चाहती हूं कि उन्हें (महिलाओं) न्याय मिले। मैं डीजी और स्थानीय पुलिस से भी मुलाकात करूंगी। मैं महिलाओं से मिलना चाहती हूं। उन्हें अपने समर्थन का आश्वासन देना चाहती हूं।

उन्होंने आगे कहा, मैं राज्यपाल से मिलूंगी और उसके बाद कल राष्ट्रपति से मुलाकात करूंगी। बहुत सी बातें सामने आ रही हैं, लेकिन पुलिस उन्हें दबा देती है। मैं जिला अधिकारी और पुलिस अधीक्षक से मुलाकात नहीं कर पाई हूं। ममता बनर्जी अपने अधिकारियों को केंद्रीय एजेंसियों से मिलने नहीं दे रहीं है।

आयरन फैक्ट्री में विस्फोट तीन श्रमिक घायल

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता) । पुलिस ने सोमवार को कहा कि तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले के कोंडुर्ग गांव में विस्फोट के बाद तीन लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। कोंडुर्ग पुलिस स्टेशन के सब इंस्पेक्टर कृष्णा के मुताबिक, "रंगारेड्डी जिले के कोंडुर्ग में स्कैन एनर्जी आयरन कंपनी में (भट्ठी) नंबर 4 में पिघलने वाले लोहे में विस्फोट हो गया। तीन लोग घायल हो गए हैं। उन्हें शादनगर के शिवराम नगर अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है।" अधिकारी ने आगे कहा कि दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पा लिया। उन्होंने कहा कि घटना का मामला दर्ज किया जाएगा। आगे की जांच चल रही है।

कमलनाथ बोले- भाजपा में नहीं जा रहा हूं

दिल्ली में बंगले पर बैठक की; आवास पर दोबारा लगाया जय श्रीराम का झंडा

भोपाल/दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। एमपी के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और उनके बेटे सांसद नकुलनाथ के बीजेपी में शामिल होने की अटकलों पर सोमवार दोपहर में ब्रेक लग गया। कमलनाथ ने एक मीडिया हाउस से कहा कि मैं भाजपा में नहीं जा रहा हूं। इससे पहले उन्होंने अपने बंगले पर बैठक की, जिसमें मप्र के विधायक, पूर्व विधायक और वरिष्ठ नेता शामिल हुए। दिल्ली में कमलनाथ के बंगले पर कल से लगा हुआ जय श्री राम का झंडा आज दोपहर में हटा दिया गया। कुछ समय बाद फिर लगा दिया गया। इधर, प्रदेश प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को बैठक बुलाई है। सभी विधायक और वरिष्ठ नेता इस बैठक में मौजूद रहेंगे।

भंवर जितेंद्र सिंह को जिम्मेदारी

एमपी कांग्रेस में टूट की खबरों को लेकर एकजुटता की जिम्मेदारी प्रदेश प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह को दी गई है। जितेंद्र सिंह मंगलवार को भोपाल आएंगे। वे विधायकों से वन टु वन चर्चा करेंगे। बैठक सुबह 10.30 बजे शुरू होगी। बताया जा रहा है कि विधायकों को लोकसभा चुनाव और भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर चर्चा करने का बोलकर बुलाया गया है।

कमलनाथ के भाजपा में शामिल होने की खबरों के बारे में पूछने पर कांग्रेस नेता उमंग सिंघार ने कहा, 'यह सब अफवाहें हैं, कमलनाथ ने कभी ऐसा कुछ नहीं कहा है। वह पार्टी की संपत्ति हैं'। कमलनाथ के करीबी और पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने रविवार को मीडिया से कहा, 'कमलनाथ ने कहा कि उन्होंने (पार्टी छोड़ने के बारे में) ऐसा कुछ भी नहीं सोचा है। अभी उनका फोकस इस बात पर है कि मध्यप्रदेश की 29 लोकसभा सीटों पर जातीय समीकरण कैसे होंगे। कमलनाथ के बीजेपी में जाने की बात मीडिया की उपज है। वे कहीं नहीं जा रहे हैं।'

वहीं, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा, 'मेरी कमलनाथ जी से बात हुई है। उन्होंने कहा कि मीडिया में जो

कमलनाथ
उम्र-77। शिक्षा- ग्रेजुएट

नकुलनाथ
उम्र-49। शिक्षा- एमबीए

बातें आ रही हैं, ये भ्रम हैं। मैं कांग्रेसी था, हूं और रहूंगा।' हालांकि, देर रात तक कमलनाथ की तरफ से कोई बयान नहीं आया कि वे कांग्रेस में रहेंगे या भाजपा में शामिल होंगे। उन्होंने सुबह दिल्ली में अपने आवास से निकलते वक्त मीडिया से सिर्फ इतना ही कहा था, 'अभी तो मेरी कहीं बात नहीं हुई है। मैं तेरहवीं में जा रहा हूं।'

फंसा दल-बदल का पेंच

बताया जा रहा है कि राहुल गांधी ने रविवार को कमलनाथ से फोन पर चर्चा की। इसके बाद सियासी समीकरण बदल गए। राहुल ने नाथ से कहा कि आपने पार्टी और देश के लिए बहुत कुछ किया है। पार्टी ने हमेशा सम्मान किया है, आगे भी करती रहेगी।' इसी के बाद कथित दल-बदल पर पेंच फंस गया। जीतू पटवारी भी बोले कि कमलनाथ जी ने कहा है- जो बातें आ रही हैं, सब भ्रम है। लोकतंत्र में हार-जीत लगी रहती है। हर परिस्थिति में कांग्रेस के विचार के साथ जीवन जिया है और अंतिम सांस तक जिऊंगा।

रविवार को दिल्ली में कमलनाथ से मिलने के बाद सज्जन सिंह वर्मा ने कहा, 'अभी मेरी कमलनाथ से चर्चा हुई। वे चार्ट लेकर बैठे हुए थे कि मध्यप्रदेश में लोकसभा चुनाव के टिकट कैसे बांटे जाएं? जातीय समीकरण क्या होंगे? कमलनाथ ने कहा है कि अभी मेरा ऐसा (बीजेपी में शामिल होने का) विचार नहीं है, न मैंने किसी से चर्चा की है। कमलनाथ जी ये कह रहे हैं कि ये सब मीडिया वालों का बनाया हुआ प्रश्न है। मैंने किसी मीडिया वाले से यह नहीं कहा कि मैं कहां जा रहा हूं?' वर्मा ने कहा- मैंने पूछा कि मीडिया वाले यह सवाल उठा रहे हैं तो कमलनाथ ने कहा कि मैंने किसी एक मीडिया वाले से यह कहा हो तो उसे मेरे सामने ले आओ। वे स्वयं बात उठा रहे हैं और स्वयं जवाब दे रहे हैं।

नकुल और प्रियानाथ जॉइन कर सकते हैं बीजेपी

सूत्रों की मानें तो कमलनाथ की बजाय उनके बेटे नकुलनाथ और बहू प्रियानाथ भाजपा जॉइन करेंगे। हालांकि, ये अब तक साफ नहीं हो पाया है कि उनकी जॉइनिंग कब होगी? वहीं, कमलनाथ बीजेपी में शामिल होने की बजाय राजनीति से संन्यास या चुनावी राजनीति से दूर रहने की घोषणा कर सकते हैं। कमलनाथ ने शनिवार को दिल्ली पहुंचने के बाद मीडिया के सवालों पर ये जरूर कहा था कि अगर ऐसा कुछ हुआ तो मीडिया को सबसे पहले बता देंगे।

21 फरवरी को मुख्यमंत्री मोहन यादव का छिंदवाड़ा में दौरा प्रस्तावित है। सियासी जानकारों का कहना है कि इस दौरे पर कमलनाथ के कई समर्थक बीजेपी की सदस्यता ले सकते हैं। छिंदवाड़ा के परासिया से कांग्रेस से दूसरी बार के विधायक सोहनलाल वाल्मिक ने कमलनाथ और नकुलनाथ से कांग्रेस में ही रहने का आग्रह किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया।

वाल्मीकि ने कहा, आपने सदा कांग्रेस की मजबूती के लिए काम किया है। देश में आपके लाखों समर्थक हैं। छिंदवाड़ा की जनता हमेशा आपके साथ खड़ी है। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आगे भी आप कांग्रेस का नेतृत्व संभालें। लोकसभा में कांग्रेस को जितने के लिए काम करें।

सपा ने कांग्रेस को दिखाए तेवर

न्याय यात्रा में शामिल होने को लेकर अखिलेश यादव शर्तों पर अडे

लखनऊ, 19 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा में शामिल होने पर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सीट बंटवारा होने पर यात्रा में शामिल होंगे। अभी सीटों का बंटवारा फाइनल नहीं हुआ है।

सोमवार को समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि गठबंधन को लेकर अभी बातचीत चल रही है, उनके पास लिस्ट आ गई है, हमने भी उन्हें लिस्ट दे दी है। जैसे ही सीटों का बंटवारा हो जाएगा, समाजवादी पार्टी उनकी न्याय यात्रा में शामिल होगी। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि कांग्रेस के साथ कई दौर की बातचीत हो चुकी है। कई सूचियां उधर से आई हैं। कई सूचियां इधर से भी गई हैं। जब तक सीटों का बंटवारा नहीं हो जाएगा, तब तक समाजवादी पार्टी उनकी न्याय यात्रा में शामिल नहीं हो पाएगी।

लाभ लेकर तो हर कोई चला ही जाता है: अखिलेश

बीएसपी से कांग्रेस की बातचीत पर अखिलेश यादव ने कहा कि कौन सा दल किस दल से बात कर रहा है इस पर मुझे कुछ नहीं कहना। स्वामी प्रसाद मौर्य और हाल के दिनों में हो रहे इस्तीफों पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि लाभ लेने के लिए हर कोई आता है लेकिन मौके पर कौन टिकता है। किसी के मन में क्या है यह कौन बताएगा? क्या ऐसी कोई मशीन है जिससे पता चल पाए कि किसके मन में क्या चल रहा है? लाभ लेकर तो हर कोई चला ही जाता है।

मेरे लिए पद नहीं विचार मायने रखता है: मौर्य

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के बयान पर समाजवादी पार्टी नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार न तो केंद्र में है और न ही प्रदेश में है, कुछ देने की हैसियत में नहीं है। उन्होंने जो भी दिया है वह मैं उन्हें सम्मान के साथ वापस कर दूंगा। मेरे लिए पद नहीं विचार मायने रखता है। अखिलेश यादव की कही हुई बात उन्हें मुबारक।

संदेशखाली पर संसद की विशेषाधिकार समिति की कार्यवाही पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

लोकसभा सचिवालय को नोटिस

नई दिल्ली , 19 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की पूरी सियासत अभी संदेशखाली के ईर्दगिर्द भटक रही है। संदेशखाली सियासी जंग का मैदान बना हुआ है। यहां महिलाओं के आरोपों के बीच, पुलिस और भाजपा सांसदों में झड़प हो गई थी। भाजपा सांसद सुकांत मजूमदार की शिकायत पर लोकसभा सचिवालय की विशेषाधिकार समिति ने पश्चिम बंगाल के कुछ अधिकारियों को नोटिस जारी किया था। इसी मामले में राज्य सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जिस पर शीर्ष अदालत ने समिति की कार्यवाही पर रोक लगा दिया।

यह है मामला

पिछले हफ्ते सभी भाजपा सांसदों

को संदेशखाली जाने से रोका जा रहा था, तभी सुकांत मजूमदार पुलिस से भिड़ गए। इस दौरान उन्हें चोटें भी आईं। सांसदों से दुर्व्यवहार के मामले में शिकायत मिलने पर लोकसभा सचिवालय की विशेषाधिकार समिति ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और संबंधित जिले के डीएम एसपी और थानाध्यक्ष को समन जारी कर 19 फरवरी को पेश होने का आदेश दिया था।

राज्य के अधिकारियों की ओर से अदालत में वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अभिषेक सिंघवी पेश हुए। सिब्बल ने कहा, 'राजनीतिक गतिविधियां विशेषाधिकार का हिस्सा नहीं हो सकती हैं।'

प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ताओं की दलीलों का संज्ञान लिया और सोमवार सुबह साढ़े दस बजे पेश होने के लिए जारी नोटिसों पर रोक लगा दी।

विशेषाधिकार समिति के वकील ने दी ये दलील

समिति के वकील ने शीर्ष अदालत द्वारा नोटिस पर रोक लगाए जाने का विरोध किया और कहा कि यह विशेषाधिकार समिति की पहली बैठक है। अधिकारियों पर किसी तरह का कोई आरोप नहीं लगाया गया है। यह एक नियमित प्रक्रिया है। एक बार जब कोई सांसद नोटिस भेजता है और अध्यक्ष सोचते हैं कि मामले में आगे जांच की जा सकती है तो नोटिस जारी किए जाते हैं।

पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव भगवती प्रसाद गोपालिका और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार को लोकसभा सचिवालय की समिति ने सोमवार को पेश होने के लिए समन जारी किया था। पीठ ने लोकसभा सचिवालय और अन्य को नोटिस जारी किया और चार सप्ताह के भीतर उनसे जवाब मांगा और इस बीच निचले सदन की समिति के समक्ष कार्यवाही पर रोक लगा दी।

विधानसभा में बोले सीएम केजरीवाल

इन्होंने हमारी योजनाओं को रोका एलजी से की अपील

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा में बजट सत्र की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। कार्यवाही शुरू होने से पहले मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल विधानसभा पहुंचे और सदन की कार्यवाही में भाग लिया। इसके बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सदन को संबोधित किया और भाजपा पर जमकर निशाना साधा। इसके अलावा उन्होंने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना से एक अपील भी की।

विधानसभा में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम शानदार स्कीम लेकर आए। लोगों को दफ्तर के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। ये लोग स्कीम का विरोध कर रहे हैं। इन लोगों ने हमारी

सरकार द्वारा लाई गई ज्यादातर स्कीमों को बंद कर दिया। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि ये लोग इतनी नफरत करते हैं। दिल्ली के अफसर हमारी बात नहीं सुनते हैं। सीएम केजरीवाल ने सदन के अंदर उपराज्यपाल वीके सक्सेना से अपील की। उन्होंने कहा कि अगर आप एक फोन भी कर देंगे तो ये अफसर काम करेंगे।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में 10 लाख से ज़्यादा लोगों के पानी के ज़्यादा बिल आए हैं। इन्हें ठीक करने की हम योजना लाए हैं। ये लोग उसे भी लागू नहीं करने दे रहे। पर चिंता मत करना, पहले की तरह इसे भी लागू करवाएंगे। इसके लिए हम आंदोलन करेंगे। हम आंदोलन से ही तो निकले हैं। हमने बहुत आंदोलन किए हैं।

सदन के अंदर सीएम केजरीवाल ने कहा कि आप लोग हमारे कामों को रोकते रहो, हम काम करते रहेंगे। आपने फरिश्ते योजना को रोका, सीसीटीवी का पैसा रोका, जल बोर्ड का पैसा रोका। आप रोकते रहें, हम काम करते रहेंगे। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अधिकारी आरोप लगा रहे हैं कि उन्हें ईडी और सीबीआई से गिरफ्तार और निलंबित करने की धमकी दी जा रही है। अगर उन्होंने वन टाइम सेटलमेंट योजना को पास सकते हैं। यह एक असंवैधानिक संकट है। जब अधिकारी कैबिनेट के प्रस्ताव को पारित करने से मना कर रहे हैं। आज हमने इस मामले पर चर्चा की।

सिद्धारमैया को सुप्रीम कोर्ट से राहत

विरोध मार्च निकालने के मामले में शिकायतकर्ता को नोटिस

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगा दी। सर्वोच्च न्यायालय ने 2022 में एक विरोध मार्च निकालने के मामले में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और अन्य के खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगाई। इसके साथ ही कोर्ट ने मामले में सिद्धरमैया और अन्य के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने के अनुरोध वाली उनकी याचिका पर कर्नाटक सरकार और शिकायतकर्ता को नोटिस जारी किया।

गौरतलब है कि मामले में इसी महीने की शुरुआत में कर्नाटक हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, राज्य के कैबिनेट मंत्रियों एमबी पाटिल, रामलिंगा रेड्डी और कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। साथ ही उन लोगों को जनप्रतिनिधि अदालत में पेश होने का निर्देश दिया था।

अदालत ने सीएम सिद्धारमैया को छह मार्च, ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर रामलिंगा रेड्डी को सात मार्च, कांग्रेस के कर्नाटक प्रभारी आरएस सुरजेवाला को 11 मार्च को और भारी उद्योग मंत्री एमबी पाटिल को 15 मार्च को पेश होने के लिए कहा है।

क्या है मामला?

ठेकेदार संतोष पाटिल बेलगावी के रहने वाले थे। वे उडुपी के एक होटल में मंगलवार को मृत पाए गए। उन्होंने पूर्व में ईश्वरप्पा पर अपने द्वारा किए गए कार्यों पर कमीशन की मांग करने का आरोप लगाया था। जिसके बाद मंत्री ईश्वरप्पा ने न केवल उनके आरोपों को खारिज किया था बल्कि उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा भी दायर किया। वहीं, इस दौरान एक बात और सामने आई है कि अपने कथित व्हाट्सएप संदेश में, पाटिल ने मंत्री को उनकी मृत्यु के लिए जिम्मेदार ठहराया।

वर्तमान सीएम सहित कांग्रेस नेताओं ने अप्रैल 2022 में इसी मामले में केएस ईश्वरप्पा की गिरफ्तारी की मांग करते हुए एक विरोध प्रदर्शन में भाग लिया था। यह मार्च तत्कालीन मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के घर का घेराव करने और ईश्वरप्पा के इस्तीफे को लेकर सरकार पर दबाव बढ़ाने के लिए था। इस मार्च से कई सड़कें जाम हो गई थीं, जिससे ट्रैफिक पर काफी असर पड़ा था।

शिवाजी महाराज की मूर्ति स्थापित करने पर मचा बवाल

गोवा के मंत्री का आरोप- जनता को भड़का रहे सियासी लोग

पणजी , 19 फरवरी (एजेंसियां)। गोवा के मडगांव शहर के पास एक गांव में सोमवार को कुछ लोगों ने शिवाजी महाराज की मूर्ति स्थापित की। वहीं, एक अन्य गुट ने इसपर आपत्ति जताई, जिसके बाद इलाके में तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गई। क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए पुलिसबलों को तैनात किया गया।

दरअसल, आज छत्रपति शिवाजी महाराज की 394वीं जयंती है। इस खास मौके पर साओ जोस डे एरियाल गांव में रविवार को उनकी एक प्रतिमा स्थापित की गई। एक अधिकारी ने बताया कि प्रतिमा स्थापित करने के बाद ही दो गुटों के बीच झड़प हो गई। पुलिस अधीक्षक सुनीता सावंत ने कहा, फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। गांव में पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। गोवा के समाज कल्याण मंत्री सुभाष फल देसाई ने रविवार को गांव का दौरा किया। उन्होंने कहा कि मूर्ति को एक निजी भूमि पर स्थापित किया गया है और इसके लिए स्थानीय पंचायत से सभी अनुमति ले गई थी। इसके अलावा डिप्टी कलेक्टर को भी इसकी जानकारी दी गई थी। उन्होंने आगे कहा, 'छत्रपति शिवाजी महाराज

की मूर्ति से किसी को कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। कुल राजनीतिक बल स्थानीय लोगों कोइसके खिलाफ भड़का रहे हैं।'

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भाजपा नेता सवियो रोड्रिग्स ने कहा, 'एक भारतीय ईसाई होने के नाते छत्रपति शिवाजी के योगदानों के प्रति मेरे मन में सम्मान है। मुझे निराशा है कि गोवा में कुछ लोग हमारी मातृभूमि के लिए उनके बलिदान को अपनी सांप्रदायिक राजनीति खेलने के लिए विवाद का मुद्दा बना रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा कि शिवाजी एक कट्टर देशभक्त थे और सभी भारतीयों को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए।

नेशनल कॉन्फ्रेंस के बाद अब पीडीपी भी इंडिया गठबंधन से हुई अलग

जम्मू , 19 फरवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में इंडिया गठबंधन को एक और झटका लगा है। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के बाद अब पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने भी लोकसभा चुनाव में अलग प्रत्याशी उतारने का फैसला किया है। पार्टी की संसदीय समिति जल्द ही प्रत्याशियों के नाम की घोषणा करेगी। इससे पहले नेकां चुनाव लड़ने का एलान कर चुकी है।

पीडीपी की लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर मध्य कश्मीर में हुई बैठक के बाद पार्टी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने कहा कि देश में आगामी लोकसभा चुनावों के लिए उनकी पार्टी पूरी तरह से तैयार हैं। जल्द ही प्रदेश में लोकसभा सीटों के उम्मीदवारों के नाम पर तय कर लिए जाएंगे। मोहम्मद सरताज मदनी के नेतृत्व वाला पार्टी संसदीय बोर्ड जल्द ही उम्मीदवारों को अंतिम रूप देगा।

बैठक में पार्टी के वरिष्ठ

उपाध्यक्ष अब्दुल रहमान वीरी, महासचिव डॉ. महबूब बेग व गुलाम नबी लोन हंजुरा, अतिरिक्त महासचिव आशिया नकाश, पूर्व मंत्री नईम अख्तर व जहूर अहमद मीर के साथ ही जिला अध्यक्ष, निर्वाचन क्षेत्र प्रभारी, क्षेत्रीय अध्यक्ष उपस्थित रहे।

ज्ञात हो कि सबसे पहले नेकां उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा था कि नेकां के कब्जे वाली सीटों को छोड़कर अन्य सीटों पर गठबंधन के बारे में विचार होगा। इसके बाद नेकां प्रमुख ने अकेले ही चुनाव मैदान में उतरने का एलान कर दिया था।

बीजेपी के सात विधायकों ने खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा

विधानसभा के फैसले को दी चुनौती

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली विधानसभा के बजट सत्र के दौरान भारतीय जनता पार्टी के निलंबित विधायकों ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष के फैसले को चुनौती दी है। दिल्ली भाजपा के सात विधायक जिन्हें विधानसभा से निलंबित कर दिया गया था। उन्होंने फैसले को चुनौती देते हुए दिल्ली हाईकोर्ट का रूख किया। कोर्ट ने मामले को आज सुनवाई के लिए तत्काल सूचीबद्ध करने की अनुमति दी। बीती 16 फरवरी को इन भाजपा विधायकों को निवंबित किया गया था।

केंद्र का किसानों को 4 फसलों पर एमएसपी का प्रस्ताव

5 साल मक्का, कपास, अरहर-उड़द खरीदने का ऑफर, किसान बोले-2 दिन में सोचकर बताएंगे

अंबाला, 19 फरवरी (एजेंसियां)। पंजाब-हरियाणा के शंभू बॉर्डर पर पिछले 7 दिन से आंदोलन कर रहे किसान नेताओं और केंद्र सरकार के बीच रविवार (18 जनवरी) को चौथे दौर की बैठक हुई। मीटिंग में सरकार ने 4 फसलों पर एमएसपी देने का प्रस्ताव दिया। किसान संगठनों ने इस पर दो दिन विचार करके 20 फरवरी की शाम को अपना फैसला सुनाने की बात कही है।

सरकार का प्रस्तावः

सरकार की तरफ से किसानों से बात करने पहुंचे केंद्रीय मंत्री

पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार मक्का, कपास, अरहर और उड़द पर एमएसपी देने को तैयार है। अगले 5 साल तक चारों फसलों की खरीद सहकारी सभाओं के जरिए होगी। नैफेड और एनसीसीएफ से 5 साल के लिए कॉन्ट्रैक्ट होगा।

किसान सभी फसलों को एमएसपी पर खरीद के लिए कानून की मांग कर रहे हैं। उनकी मांग है कि फसलों की कीमतें स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट के आधार पर तय की जाएं। इसके अलावा किसानों ने मिर्च, हल्दी और दूसरे मसालों के लिए राष्ट्रीय आयोग के गठन की मांग भी की है।

किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि सभी जत्थेबंदियों से 19 और 20 फरवरी को विचार-विमर्श करेंगे।

जानबूझकर अरविंद केजरीवाल ने किया 'गैरकानूनी काम'?

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी कथित शराब घोटाले में अब तक 6 समन दे चुकी है लेकिन अभी तक वो जांच एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए हैं। अब खबर ये हैं कि ईडी ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के खिलाफ आईपीसी की धारा 174 के तहत शिकायत दर्ज करवाई थी। ईडी ने केजरीवाल पर कथित तौर पर जानबूझकर तीन समन न मानने का आरोप लगाया है।

सूत्रों के हवाले से दी गई इस जानकारी में यह भी कहा गया है कि कोर्ट ने इस मामले का संज्ञान लिया है। कोर्ट ने प्रथम दृष्टया माना है कि अरविंद केजरीवाल ने अपराध किया है जिसके लिए उन पर मुकदमा चलाया जा सकता है। सूत्रों द्वारा दी गई इस जानकारी में यह भी कहा गया है कि कोर्ट के सामने सवाल समन की वैधता का नहीं है, बल्कि केजरीवाल की ओर से जानबूझकर उक्त तीन समन को इग्नोर करने के कथित गैरकानूनी कृत्य का है।

केजरीवाल को सातवीं बार समन भेज सकती है ईडी

सूत्रों द्वारा दी गई जानकारी के मुताकि, ईडी कथित शराब घोटाले से जुड़े मामले में अरविंद केजरीवाल को एक और समन भेज सकती है। आपको बता दें कि दिल्ली की एक अदालत ने ईडी समन की अवज्ञा करने के लिए केजरीवाल को 17 फरवरी को व्यक्तिगत तौर पर पेश होने से छूट दी थी।

सुविचार: दया के छोटे-छोटे से कार्य प्रेम के जरा-जरा से शब्द हमारी पृथ्वी को स्वर्गोपम बना देते हैं।

डीजीपी और अतिरिक्त डीजीपी ने सम्मक्का सरलम्मा जातरा का दौरा किया

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य के पुलिस महानिदेशक रवि गुप्ता और अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक इंटेलिजेंस बी. शिवधर रेड्डी ने सोमवार को मुलुगु जिले के तडवई मंडल के मेदाराम में सम्मक्का सरलम्मा जातरा का दौरा किया और देवी-देवताओं की पूजा की। बाद में उन्होंने नोडल अधिकारियों के साथ बैठक में हिस्सा लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, डीजीपी रवि गुप्ता ने कहा कि सम्मक्का सरलम्मा जतारा एशिया का सबसे बड़ा आदिवासी त्योहार है और इसमें दो करोड़ से अधिक भक्तों के शामिल होने की उम्मीद है। उन्होंने अधिकारियों को महोत्सव के अगले चार दिनों के लिए पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि त्योहार के आयोजन में यातायात प्रबंधन सबसे महत्वपूर्ण है और अधिकारियों को पर्याप्त कर्मियों को तैनात करने और यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपाय करने का निर्देश दिया कि भक्तों को किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों से निचले स्तर के कर्मचारियों के बीच जागरूकता पैदा करने को भी कहा। इस अवसर पर अतिरिक्त डीजीपी इंटेलिजेंस बी. शिवधर रेड्डी, मुलुगु जिला एसपी शबरीश, विकाराबाद एसपी कोटि रेड्डी, आदिलाबाद एसपी गौश आलम और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

त्रिडंडी चिन्नाजियर स्वामी ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की।

सड़क दुर्घटना में सरकारी सचेतक घायल

जगतियाल 9 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी सचेतक और धर्मपुरी विधायक अदलुरी लक्ष्मण कुमार सोमवार सुबह जगतियाल जिले के येंडापल्ली मंडल के अंबरीपेट गांव के पास एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गए। घटना में विधायक के साथ-साथ उनके दो गनमैन और कार चालक को भी मामूली चोटें आईं। यह घटना तब हुई जब विपरीत दिशा से आ रही एक लॉरी से टकराने से बचने की कोशिश में विधायक का वाहन पलट गया। कांग्रेस विधायक अदलुरी लक्ष्मण को बेहतर इलाज के लिए हैदराबाद के यशोदा अस्पताल में स्थानांतरित किया गया है। डॉक्टरों के मुताबिक, उनकी स्वास्थ्य स्थिति स्थिर है और वरिष्ठ डॉक्टरों की देखरेख में उनकी निगरानी की जा रही है। हादसा उस वक्त हुआ जब विधायक हैदराबाद में एक शादी में शामिल होने के बाद धर्मपुरी लौट रहे थे। कार में एयर बैलून खुलने से खतरा टल गया। हादसे में कार सवार चार लोग घायल हो गए।

मेडारम भक्तों के लिए बड़ा झटका, बसों में मुर्गियों और भेड़ों के लिए प्रवेश नहीं

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेडारम महाजातरा का मतलब है कि कई भक्त माता को प्रसाद के रूप में मुर्गियां, भेड़ और बकरियां चढ़ाते हैं। टीएसआरटीसी के एमडी सज्जनार ने स्पष्ट किया कि मेडारम जाने वाली बसों में मुर्गियों, भेड़ और बकरियों जैसे कोई पशुधन प्रवेश नहीं है। सज्जनार ने भक्तों से आरटीसी बसों में मूक जानवरों को नहीं लाने में सहयोग करने को कहा। मेडारम मेले की पृष्ठभूमि में, जोनल ट्रेनिंग कॉलेज और आरटीसी के राज्य स्तरीय अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ जोनल स्टाफ ट्रेनिंग कॉलेज, वारंगल में एक बैठक आयोजित की गई। सज्जनार ने कार्यक्रम में भाग लिया और मेडारम जातरा के लिए आरटीसी के संदर्भ में बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में कर्मचारियों को कई निर्देश दिए। बाद में उन्होंने मीडिया से बात की। उन्होंने भक्तों से अनुरोध किया कि वे आरटीसी सेवाओं का उपयोग करें।

मेडारम मेले के मद्देनजर राज्यभर में 6,000 से अधिक बसें चलाई जाएंगी। उन्होंने कहा कि राज्य में 51 प्वाइंट से बसें चलेंगी। उन्होंने कहा कि महालक्ष्मी योजना के तहत आरटीसी बसों में पहले की तरह मुफ्त यात्रा की सुविधा होगी और इस बार कुल 30 लाख श्रद्धालु आरटीसी बसों में यात्रा कर सकेंगे। तदनुसार, आरटीसी कर्मियों को राज्य भर में स्थापित परिचालन बिंदुओं पर तैनात किया गया है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कतारबद्ध लाइन के साथ-साथ अस्थायी बस स्टैंडों पर पेयजल एवं शौचालय की व्यवस्था की गयी है। ट्रैफिक को ध्यान में रखते हुए मेडारम में 15 किलोमीटर तक 48 क्यू लाइनें लगाई गई हैं। बताया गया है कि श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानी न हो इसके लिए सभी तरह के उपाय किए गए हैं। सज्जनर ने मेडारम बसों के आरटीसी ड्राइवरों, कर्मचारियों से आह्वान किया कि किसी भी परिस्थिति में दुर्घटना न हो। मेडारम महाजतारा में 15,000 कर्मी ड्यूटी कर रहे हैं और अधिकारियों को उनके लिए उपयुक्त व्यवस्था करने की सलाह दी गई है। मेला ड्यूटी करने वाले बस चालकों को सलाह दी जाती है कि वे शून्य विफलता के साथ दुर्घटना मुक्त मेला के लिए प्रयास करें। आरटीसी स्टाफ को यात्रियों के प्रति सेवा भाव से अपना कर्तव्य निभाना चाहिए।

भौतिकी में अपस्किलिंग के लिए शिक्षक अभिविन्यास कार्यक्रम शुरू

हैदराबाद ,19 फरवरी (स्वतंत्रत वार्ता)। यूजीसी-एमएमटीटीसी-यूओएच - हैदराबाद विश्वविद्यालय में मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र ने भौतिकी में अपस्किलिंग के लिए शिक्षक अभिविन्यास कार्यक्रम शुरू किया, जो हैदराबाद विश्वविद्यालय, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर) और होमी भाभा सेंटर फॉर साइंस एजुकेशन का एक सहयोगात्मक प्रयास है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह सोमवार को एमएमटीटीसी (एचआरडीसी) में आयोजित किया गया था। हैदराबाद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.जे. राव इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए, जो शिक्षा को आगे बढ़ाने और अकादमिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। टीआईएफआर का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रोफेसर एम. कृष्णमूर्ति सम्मानित अतिथि थे। उनकी अमूल्य अंतर्दृष्टि और विशेषज्ञता ने अकादमिक परिदृश्य में बहुत योगदान दिया है, और उनकी उपस्थिति ने इस आयोजन को बहुत महत्व दिया है। उपस्थित विशिष्ट अतिथियों में प्रोफेसर के.सी. जेम्स राजू, डीन, स्कूल ऑफ फिजिक्स शामिल थे, जिनका अटूट समर्थन और मार्गदर्शन इस पहल में महत्वपूर्ण रहा है। इसके अतिरिक्त, प्रोफेसर जी. मनोज कुमार, (एसीआरएचईएम) कार्यक्रम समन्वयक हैं, जिनका समर्पण और दृष्टिकोण इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण रहा है। उपस्थित अन्य अतिथि टीआईएफआर से डॉ. शिरीष पठारे थे, जिनकी भागीदारी ने कार्यक्रम को काफी समृद्ध किया है। इस उद्घाटन समारोह ने भौतिकी शिक्षा में शैक्षणिक प्रथाओं को बढ़ाने की दिशा में एक यात्रा की शुरुआत की। कार्यक्रम का उद्देश्य दक्षिण भारत के उच्च शिक्षण संस्थानों के संकाय सदस्यों को भौतिकी के क्षेत्र में नवीनतम शिक्षण पद्धतियों और सामग्री अपडेट से लैस करना है, जिससे निरंतर सीखने और व्यावसायिक विकास की संस्कृति को बढ़ावा मिले। इस संयुक्त फ्लैगशिप कार्यक्रम को अन्य विज्ञान विषयों तक बढ़ाया जाएगा। दक्षिण भारत के विभिन्न संस्थानों के प्रतिभागी इस कार्यक्रम का हिस्सा हैं जो क्षेत्र में शिक्षा की गुणवत्ता को आगे बढ़ाने के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उनकी सक्रिय सहभागिता और समर्पण सराहनीय है और शिक्षण में उत्कृष्टता के प्रति उनके जुनून के प्रमाण के रूप में काम करते हैं। एमएमटीटीसी के निदेशक प्रोफेसर प्रकाश बाबू, जिनका नेतृत्व और प्रतिबद्धता इस प्रयास की सफलता के लिए अभिन्न अंग रही है। यह कार्यक्रम सामूहिक रूप से हमारे शैक्षणिक संस्थानों में भौतिकी शिक्षा के मानकों को बढ़ाने के महान लक्ष्य की दिशा में प्रयास करेगा।

पुलिस प्रशिक्षण जीवन में एक महान अवसर : तरूण जोशी

प्रशिक्षण के लिए जाने वाले कांस्टेबल को राचकोंडा आयुक्त का निर्देश

हैदराबाद ,19 फरवरी (स्वतंत्रत वार्ता)। राचकोंडा कमिश्नर तरूण जोशी ने कहा कि पुलिस प्रशिक्षण का मूल उद्देश्य चयनित उम्मीदवारों को अनुशासन सिखाना और उन्हें पुलिस विभाग में शामिल होने के बाद प्रभावी ढंग से काम करने के लिए तैयार करना है। आज अंबरपेट मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में आयुक्त ने उन चयनित कांस्टेबल अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जो राज्य सरकार की पुलिस कांस्टेबल की नौकरियों के लिए चयनित हुए हैं और जल्द ही प्रशिक्षण के लिए जाएंगे। उन्हें संबोधित करते हुए सीपी ने कहा, पुलिस कांस्टेबल प्रशिक्षण के लिए जाना जीवन का एक बड़ा नया चरण है। यह सुझाव दिया जाता है कि प्रशिक्षण के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों के प्रशिक्षण केन्द्रों में जाने का अवसर मिलता है तथा सभी को प्रशिक्षण में सिखाये गये विषयों को अनुशासन एवं समर्पण के साथ सीखना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण केंद्र में नौ माह के दौरान जो बातें सीखी जाएंगी, वे प्रशिक्षण के बाद नौकरी ज्वाइन करने के बाद विद्युत संबंधी जिम्मेदारियों को संभालने में काफी उपयोगी साबित होंगी। बताया गया है कि प्रशिक्षण केंद्र में परिचय प्राप्त कुछ नए मित्रों के साथ प्रशिक्षण के बाद एक ही स्थान पर काम करने का मौका मिलता है, इसलिए प्रशिक्षण केंद्र अभ्यर्थियों को नए मित्र भी उपलब्ध कराता है। इस कार्यक्रम में डीसीपी एडमिन इंदिरा, डीसीपी एडिशनल डीसीपी श्यामसुंदर, एसीपी नरेंद्र गौड़, इम्यूनल, सीएओ पुष्पराज समेत अन्य अधिकारी शामिल रहे।

बीआरएस पार्टी से कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए वरिष्ठ नेता आनंद गौड़ को टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने गांधी भवन में कांग्रेस का दुपट्टा पहनाकर पार्टी में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। इस अवसर पर नरसिंगा राव, कोरुटला निर्वाचन क्षेत्र के नेता आदि उपस्थित रहे।

मंत्री को सस्पेंड करने का अधिकार नहीं, पूर्व ओएसडी हरिकृष्णा को हाईकोर्ट से राहत

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के हकीमपेट स्पोर्ट्स स्कूल के पूर्व ओएसडी हरिकृष्णा को तेलंगाना हाई कोर्ट से राहत मिली है। मालूम हो कि हरिकृष्णा को छात्राओं के यौन उत्पीड़न के आरोप के चलते निलंबित किया गया था। हरिकृष्णा ने अपने निलंबन को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट में याचिका दायर की। याचिका पर सुनवाई करने वाली अदालत ने फैसला सुनाया कि मंत्री को निलंबित करने की कोई शक्ति नहीं है। साथ ही समिति की जांच में आरोप साबित नहीं होने पर हाई कोर्ट ने हरिकृष्णा का निलंबन हटा दिया था। कहा गया है कि हरिकृष्णा के यौन उत्पीड़न की बात में कोई सच्चाई नहीं है।

मालूम हो कि पिछले दिनों स्कूल के छात्रों ने मीडिया से कहा था कि हरिकृष्णा उनके साथ पिता जैसा व्यवहार करते थे। छात्रों ने दुख जताते हुए कहा कि वे हरिकृष्णा के विकास को बर्दाश्त नहीं कर सके और साजिश के तहत उन्हें फंसाने की कोशिश की गयी। हाईकोर्ट के फैसले से हरिकृष्णा को बड़ी राहत मिली है। हकीमपेट स्पोर्ट्स स्कूल में ओएसडी छात्रों के साथ यौन उत्पीड़न की घटना ने पूरे राज्य में सनसनी फैला दी थी। इस पर सबसे पहले एमएलसी कल्वाकुंटला कविता ने प्रतिक्रिया दी।

अंतिम मतदाता सूची नियमानुसार जारी : विकास राज

आसिफाबाद, 19 फ़रवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी विकास राज ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के नियमानुसार निर्वाचन सूची संशोधन कार्यक्रम-2024 के तहत अंतिम मतदाता सूची तैयार कर जारी कर दी गई है। सोमवार को हैदराबाद से राज्य के अतिरिक्त निर्वाचन अधिकारी सरफराज अहमद ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी जिला कलेक्टरों, अतिरिक्त कलेक्टरों, आरडीओ और तहसीलदारों के साथ मतदाता सूची, संसदीय चुनाव के संचालन और स्वीप वोटिंग पर समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि निर्वाचन सूची संशोधन कार्यक्रम के तहत प्रपत्र 6, 7 एवं 8 के माध्यम से प्राप्त आवेदनों का निर्वाचन आयोग के नियमानुसार परीक्षण कर गहन जांच करायी गयी, विवरण ऑनलाइन दर्ज किया गया और अंतिम मतदाता सूची की घोषणा की गई।

उन्होंने कहा कि चुनाव से संबंधित मुद्दों पर स्थानीय जन प्रतिनिधियों को जानकारी प्रदान की जानी चाहिए और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए ताकि आगामी संसदीय चुनावों में सभी पात्र लोग अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

जिला कलेक्टर हेमन्त बोरकड़े ने बताया कि आगामी संसदीय चुनाव के लिए जिले में सेक्टर अधिकारियों का प्रशिक्षण हो चुका है, मतदान कराने के लिए अधिकारियों व कर्मचारियों का विवरण एकत्रित कर लिया गया है, सहायक मतदान केंद्र स्थापित कर दिए गए हैं तथा डाक मतपत्र जारी करने वाले कर्मचारियों को भी प्रशिक्षण दे दिया गया है।

हरि ओम छठी पुण्यतिथि हरि ओम

स्व.श्रीमति सुन्दरबाई चोयल

धर्मपत्नी: स्व. श्री घीसारामजी चोयल

मरुधर मे काणेचा (राज.) स्वर्गवास : 20-02-2018

छाया मिले आपकी हरदम, सिर पर आपका हाथ हो
जीवन के हर मोड़ पर, सदा आपका आशीर्वाद हो

: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता : रामलाल (सुपुत्र), प्रकाश, राजु, मदनलाल (पौत्र), पवन, प्रवीन, गौरव, माहिर (पड़पौत्र), पूजा, मोनिका, भूमिका, देविका (पड़पौत्री) एवं समस्त चोयल परिवार

: फर्म : ✻ सागर इन्टरप्राईजेस ✻ आईजी मोबाईल्स
✻ श्री कृष्णा इन्टरप्राइजेस मेट्रो के पीछे, कूकटपल्ली
9246874888, 9293140031, 9396333322

P.Solankey

मल्टीपल पीवी मॉड्यूल और पीवी सेल बनाने वाली इकाइयां स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मेसर्स रिन्यूसिस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने तेलंगाना में कई पीवी मॉड्यूल और पीवी सेल विनिर्माण इकाइयों की स्थापना के लिए राज्य उद्योग विभाग के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। एमओयू पर उद्योग और वाणिज्य, आईटीईएंडसी और विधायी मामलों के मंत्री श्रीधर बाबू की उपस्थिति में फैब सिटी, महेश्वरम, रंगारेड्डी जिले में उनके कारखाने के परिसर में हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर पीआरएल सचिव जयेश रंजन, डॉ. विष्णु वर्धन रेड्डी, वीसी एवं एमडी टीएसआईआईसी और श्रीनाथ नायडू, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे। रिन्यूसिस एक विश्व स्तर पर प्रसिद्ध कंपनी है जिसका मुख्यालय सिंगापुर में है और इसने सौर पीवी मॉड्यूल और इसके प्रमुख घटकों - एनकैप्सुलेंट्स, बैकशीट्स और पीवी कोशिकाओं की भारत की पहली एकीकृत विनिर्माण सुविधा स्थापित की है। यह इस क्षेत्र में अग्रणी खिलाड़ियों में से एक है, जो दुनिया भर के लगभग 50 देशों में पीवी उत्पादों का सफलतापूर्वक निर्यात करता है। रिन्यूसिस के वर्तमान में भारत में तीन विनिर्माण संयंत्र हैदराबाद, बेंगलुरु और पातालगंगा में है। हैदराबाद कारखाना उनकी सबसे बड़ी एकीकृत सुविधा है। एमओयू पर हस्ताक्षर के साथ, कंपनी ने अगले 5 वर्षों में 11,000 सदस्यों को प्रत्यक्ष रोजगार पैदा करने और तेलंगाना में अपने परिचालन का विस्तार करने के लिए लगभग 6000 करोड़ रुपये का चरणबद्ध निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। मंत्री श्रीधर बाबू ने अपनी नई परियोजनाओं के लिए हैदराबाद को चुनने के लिए कंपनी टीम को धन्यवाद दिया और परियोजनाओं को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में नई सरकार औद्योगिक क्षेत्र के त्वरित विकास के लिए पूरी तरह से तैयार है और इसके लिए जल्द ही एक नई औद्योगिक नीति लागू की जाएगी।

सार्वजनिक उद्यान नामपल्ली के वरिष्ठ नागरिकों ने सार्वजनिक उद्यान के सौंदर्यीकरण के संबंध में मुख्यमंत्री के रेवंत रेड्डी को पत्र लिखा है । पत्र उन्होंने टीपीसीसी सचिव मणिलाल शाह और मोहम्मद आबिद अली को सौंपा। इस अवसर पर सरवर पाशा, अब्दुल रहीम, जैकब, वेंकट और अन्य।

सीएम रेवंत सूची लेकर आलाकमान से मिले

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पीसीसी चीफ और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी आज दोपहर बेगमपेट हवाईअड्डे से विशेष उड़ान से दिल्ली रवाना हो गये। इस दौरे के दौरान वह शाम को कांग्रेस पार्टी के नेताओं से मुलाकात की। खबर है कि रेवंत रेड्डी आलाकमान से आगामी संसदीय चुनाव में पार्टी उम्मीदवारों के चयन और राज्य में निगम पदों को भरने पर चर्चा की। कांग्रेस पार्टी को पहले ही संसदीय चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों से आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। सांसद के टिकट को लेकर बीआरएस से आने वाले नए पार्टी सदस्यों के साथ-साथ उनकी अपनी पार्टी के उन नेताओं का भी काफी दबाव है, जिन्हें विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं मिला। यह कहा जा रहा है कि जिन लोगों को सांसद का टिकट नहीं मिला, उन्हें निगम में जगह द्वारा खुश किये जाने की संभावना है। इस पृष्ठभूमि में, ऐसा लगता है कि सीएम पार्टी हाइकमान के साथ इन मुद्दों पर चर्चा करने के लिए दिल्ली गये हैं। साथ ही लोकसभा उम्मीदवारों के बारे में भी स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। कांग्रेस सरकार पहले ही 11 मंत्रियों को विभाग आवंटित कर चुकी है। छह और रिक्तियों को भरने के लिए कैबिनेट विस्तार का काम पूरा होने वाला है।

पूर्व तट रेलवे

नीलामी सूची सं.: WAT-ADVT-OSN-27

लॉट नं./श्रेणी: ADVT-WAT-VSKP-OSN-201-23-2 (Advertising-On Station Premise (Non-Digital)

विवरण : विशाखापट्नम रेलवे स्टेशन के गेट नं.1 से परिचलन क्षेत्र, गेट नं.3 में प्लेटफॉर्म-8 की ओर फुट ओवर ब्रिज, प्लेटफॉर्म-8 का प्रवेश द्वार एवं प्लेटफॉर्म-1 से प्लेटफॉर्म-8 के अंदर प्लेटफॉर्म के पिलर्स पर विज्ञापन होर्डिंग्स / ग्लो साइन (नॉन-डिजिटल)। विज्ञापन के लिए प्रस्तावित कुल एरिया -2570 Sft.

लॉट प्रारंभ की तिथि व समय : दिनांक 28.02.2024 को 1100 बजे, लॉट की अंतिम तिथि व समय : 28.02.2024 को 1130 बजे। न्यूनतम बढ़ोतरी : 0.2%, ट्रिप/दिन : 1826 दिन

ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण विस्तृत विवरण वेबसाइट http://www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, वाल्टियर

PR-1100/O/23-24

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं. eT-West-WAT-02-2024, दिनांक :13.02.2024

कार्य का नाम : मण्डल अभियन्ता/वेस्ट/वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन किरन्डुल रेलवे कॉलोनी में स्टाफ क्वार्टर के चारों ओर प्रस्तावित प्री-कास्ट RCC कम्पाउन्ड वॉल।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में) : ₹ 52,01,242.85, EMD (रुपये में) : 1,04,000/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 12 (बारह) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 07.03.2024 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदाओं के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव के बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की अंतिम तिथि से कम से कम 10 दिन पहले वेबसाइट का अवलोकन करें।

मंडल रेल प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-1099/O/23-24

संभल में कल्किधाम का शिलान्यास

मोदी बोले- आज सुदामा कृष्ण को पोटली में कुछ देते तो उन पर भी भ्रष्टाचार का केस हो जाता

संभल, 19 फरवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज (19 फरवरी) संभल के दौरे पर हैं। यहां उन्होंने कल्किधाम मंदिर का शिलान्यास किया। कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ और कल्किधाम ट्रस्ट के अध्यक्ष भी मौजूद रहे।

मोदी ने कल्किधाम ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद कृष्णम की कई बार तारीफ की। अयोध्या के राम मंदिर, यूएई के मंदिर, भारत की दुनिया में बढ़ती साख और सरकार की उपलब्धियों का जिक्र किया। प्रमोद कृष्णम ने पीएम से कहा कि आपको भावनाओं के अलावा क्या दे सकता हूं। इस पर मोदी ने कहा कि अच्छा है कि आपने भावनाएं दीं। अगर आज के दौर में सुदामा भगवान कृष्ण को पोटली देते तो इसका वीडियो बन जाता, इस पर पीआईएल लग जाती और भ्रष्टाचार का केस हो जाता।

संभल में कल्किधाम का निर्माण कांग्रेस से हाल ही निष्कासित हुए आचार्य प्रमोद कृष्णम करवा रहे हैं। प्रमोद कृष्णम ने पीएम की तारीफ करते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी गैरों को अपना बनाने का काम कर रहे हैं। कुछ ऐसे अभागे नेता हैं, जो अपनों को भी गैर बनाने का काम कर रहे हैं।

मोदी ने अपने एक्स पर कल्किधाम शिलान्यास का जिक्र किया था। उन्होंने लिखा-संभल में श्री कल्किधाम देशभर के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रतीक है। यहां दिव्य-भव्य मंदिर के शिलान्यास का सौभाग्य मिलेगा।

भारत के सपने को पूरा होते देखेंगे

मोदी ने कहा कि 25 साल के कर्तव्य काल में परिश्रम की पराकाष्ठा करनी है। हर प्रयास, हर काम से राष्ट्र को क्या लाभ होगा, ये प्रश्न हमारे मन में सबसे पहले आना चाहिए। यही प्रश्न सामूहिक चुनौतियों के समाधान देगा। कल्कि आशीर्वाद से संकल्पों की ये यात्रा समय से पहले सिद्धि तक पहुंचेगी। सशक्त और समर्थ भारत के सपने को शत-प्रतिशत पूरा होता देखेंगे।

मोदी ने कहा कि गरीब की सेवा का भाव समाज को नर में नारायण की प्रेरणा देने वाले आध्यात्मिक मूल्यों से मिली है। भारत जब भी बड़े संकल्प लेता है, उसके मार्गदर्शन के लिए ईश्वरीय चेतना किसी ना किसी रूप में हमारे बीच जरूर आती है। इसलिए गीता में कृष्ण ने कहा- संभवामि युगे-युगे। इस वचन के साथ ये आदेश देते हैं- कर्म करते जाओ, फल की चिंता मत करो।

10 साल में कामों के विस्तार को देखिए

मोदी ने कहा- 4 करोड़ से ज्यादा लोगों को पीएम आवास योजना के तहत पक्के घर, 11 करोड़ परिवारों को शौचालय यानी इज्जतघर, ढाई करोड़ परिवारों को बिजली, 10 करोड़ परिवारों को पानी कनेक्शन, 80 करोड़ को मुफ्त राशन, 10 करोड़ महिलाओं को सब्सिडाइज्ड सिलेंडर, 50 करोड़ को आयुष्मान कार्ड, 10 करोड़ किसानों को सम्माननिधि, कोरोना काल में मुफ्त वैक्सीन, स्वच्छ भारत अभियान। आज पूरी दुनिया इनकी प्रशंसा कर रही है। सरकार के इन प्रयासों से देशवासियों का सामर्थ्य जुड़ गया है।

अर्थव्यवस्था को मजबूत किया, अंतरिक्ष में भी भारत ने झंडे गाड़े

मोदी ने कहा कि हमारी पहचान इनोवेशन हब के तौर पर हो रही है। पहली बार दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जैसे मुकाम पर पहुंचे। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव तक पहुंचने वाले पहले देश बने। वंदेभारत और नमो भारत जैसी आधुनिक ट्रेनें चल रही हैं। बुलेट ट्रेन चलने की तैयारी हो रही है। हाईवे और एक्सप्रेस वे की ताकत देश के पास है। पहली बार भारत का नागरिक किसी भी देश में हो, अपने आपको गौरवान्वित महसूस कर रहा है। आत्मविश्वास का ये ज्वार अद्भुत अनुभूति है। शक्ति भी अनंत है और संभावनाएं भी अपार हैं।

राष्ट्र को सफल होने के लिए ऊर्जा सामूहिकता से मिलती है। वेद कहते हैं- निर्माण के लिए हजारों करोडों. हाथ हैं। गतिमान होने के लिए हजारों लाखों करोड़ों पैर हैं। आज हमें भारत में उसी विराट चेतना के दर्शन हो रहे हैं। सबका साथ-सबका विश्वास-सबका प्रयास की भावना से हर देशवासी एक भाव और संकल्प से राष्ट्र के लिए काम कर रहा है।

मोदी ने कहा कि भारत पराभव से भी विजय को खींचकर लाने वाला राष्ट्र है। हम पर सैकड़ों वर्षों तक इतने आक्रमण हुए, कोई और देश होता तो लगातार इतने आक्रमणों की चोट से नष्ट हो गया होता। हम डटे रहे और भी ज्यादा मजबूत होकर सामने आए। आज सदियों के वो बलिदान फलीभूत हो रहे हैं।

तेजस्वी की जनविश्वास यात्रा को सम्राट ने बताया लूट यात्रा

बोले-पूरे परिवार को पहले ये बताना चाहिए कि बिहार में कितना भ्रष्टाचार किया

पटना, 19 फरवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय बैठक के बाद बीजेपी के तमाम नेताओं का पटना आगमन शुरू हो गया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पटना एयरपोर्ट पहुंचते हीं तेजस्वी यादव के जन विश्वास यात्रा पर निशाना साधा है।

उन्होंने कहा कि पहले उनको लूट यात्रा निकालना था, बिहार में उनके परिवार ने भ्रष्टाचार किया। उन्हें पहले तो लूट यात्रा को बताना चाहिए कि कितना भ्रष्टाचार उन्होंने और उनके परिवार ने किया।

दरअसल तेजस्वी यादव 20 फरवरी को मुजफ्फरपुर से जन विश्वास यात्रा की शुरुआत करेंगे। इसे लेकर राष्ट्रीय जनता दल ने तैयारी शुरू कर दी है।

यात्रा के दौरान तेजस्वी मुजफ्फरपुर के सकरी मैदान में एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद तेजस्वी यादव सीतामढ़ी और शिवहर में भी जनसभा को संबोधित करेंगे।

बीजेपी ने 400 सीटों के पार का दिया है मूल मंत्र

दिल्ली में आयोजित दो दिवसीय बैठक में देश के तमाम भाजपा नेता पहुंचे थे। इस बार 400 सीटों के पार का मूल मंत्र दिया गया है। सम्राट चौधरी ने आगे कहा कि 2024 के चुनाव के लिए पूरी तैयारी है।

भारतीय जनता पार्टी और एनडीए मिलकर बिहार की सभी सीट जीतने का काम करेगी। इसके साथ ही इस तरह की रूटीन बैठक लगातार भाजपा के द्वारा किया जाता है।

वरीय नेताओं ने अपनी पूरी ताकत झोंकी

बिहार में महागठबंधन के सरकार से अलग होने के बाद तेजस्वी यादव की यह पहली जनसंपर्क यात्रा बिहार में शुरू हो रही है। जिसमें वह जनता से सीधे रूबरू होंगे। ऐसे में इस रैली को सफल बनाने को लेकर राजद के तमाम वरीय नेताओं ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है।

मुजफ्फरपुर में रैली को सफल बनाने की कमान संभाल रहे राजद के एमएलसी मोहम्मद कारी सोहैब ने कहा कि बिहार में 17 महीने की सरकार के दौरान जिस तरह युवाओं को रोजगार मुहैया कराने का काम किया है।

उससे बिहार के युवाओं में तेजस्वी यादव के रूप में उम्मीद की नई किरण नजर आ रही है। यही वजह है कि नेता प्रतिपक्ष की इस जन विश्वास यात्रा को लेकर जनता में काफी उत्साह दिख रहा है।

जहां बिहार की जनता तेजस्वी यादव को सुनने के लिए बेताब है। इसको लेकर राष्ट्रीय जनता दल का हर कार्यकर्ता इस जनसंपर्क यात्रा को सफल बनाने के लिए पूरी मजबूती के साथ डटा हुआ है।

तेजस्वी बोले- सीएम से 10 लाख नौकरी की घोषणा करवाई

जेडीयू का पलटवार, कहा- तेजस्वी की आर्थिक हेराफेरी की मंशा थी, अलग होने का यह भी कारण

पटना, 19 फरवरी (एजेंसियां)। जेडीयू और आरजेडी जब सत्ता में साथ थी तब नौकरी को लेकर क्रेडिट लेने की होड़ दोनों पार्टियों में होने लगी थी। अब जब नीतीश-तेजस्वी अलग हैं तो, यह और भी तेज है। नौकरियों की क्रेडिट तेजस्वी ले रहे हैं।

तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि '2020 चुनाव में 10 लाख सरकारी नौकरियां देने के मेरे संकल्प पर मुख्यमंत्री कहते थे कि 10 लाख नौकरी देना एकदम असंभव है। यह गुमराह करने वाली बात है। कहां से देगा? कुछ पता है? पैसा क्या, आसमान से आएगा? पैसा क्या, जेल से आएगा? कुछ सेंस है? पैसा क्या ऊपर से आएगा? राज्य में तो पैसा नहीं है।' वहीं JDU ने पलटवार करते हुए कहा है कि नौकरी और पदस्थापना में तेजस्वी की आर्थिक हेराफेरी की मंशा थी। आरजेडी से अलग होने का यह भी कारण था।

तेजस्वी ने आगे कहा कि 9 अगस्त 2022 को मेरे उपमुख्यमंत्री बनते ही 15 अगस्त 2022, को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पटना के गांधी मैदान से इन्हीं CM से 10 लाख नौकरी और 10 लाख रोजगार की घोषणा करवाई। वहां इन्होंने कहा कि नई पीढ़ी के लोग साथ आए हैं, तो ये आपको नौकरी देंगे। 17 महीनों में डिप्टी सीएम के तौर पर ही सही, लेकिन हमने 4 लाख से अधिक नौकरियां दी और 3 लाख नौकरियां अंतिम चरण तक प्रक्रियाधीन करवा दी, जो इस वर्ष युवाओं को मिल जाएगी'

'हेराफेरी की मंशा पूरी नहीं कर पाए तेजस्वी'

तेजस्वी यादव के इस दावे को जेडीयू ने आड़े हाथ लिया है। जेडीयू के प्रवक्ता और पूर्व मंत्री नीरज कुमार ने कहा है कि तेजस्वी यादव तो लैंड फॉर जॉब के लिए जाने जाते हैं, वे कहां से नौकरी के चक्कर में पड़ गए। नौकरी देना तो नीतीश कुमार की कार्य प्रणाली का एक हिस्सा है। यही कारण है कि जिस लालूवाद को आप विचारधारा मानते हैं उन्होंने 33 हजार 499 शिक्षक नियोजन किया।

दूसरी तरफ नीतीश कुमार ने तो एक झटके में एक लाख 20 हजार शिक्षकों की नियुक्ति की। पुलिस बल में 19 हजार 538 बहाली किए। नीतीश कुमार ने 14 हजार 630 नियुक्तियां कीं। नीरज कुमार ने कहा कि नियुक्ति में गड़बड़ी की गुंजाइश आप खोज रहे थे तेजस्वी यादव, यह नीतीश कुमार के रहते संभव नहीं था। गठबंधन से अलग होने का यह भी कारण था कि नौकरी और पदस्थापना में आर्थिक हेराफेरी की मंशा थी।

राहुल ने पब्लिक से कहा-तुम लोग सो गए हो

खुलकर कहता हूं, 73% लोग जो बब्बर शेर हैं, जो हिंदुस्तान को चलाते हैं, वो डर गए

प्रतापगढ़, 19 फरवरी (एजेंसियां)। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का सोमवार को 37वां दिन है। यूपी में यात्रा का चौथा दिन है। राहुल ने प्रतापगढ़ से यात्रा शुरू की। इसके बाद अपने पुराने संसदीय क्षेत्र अमेठी पहुंचेंगे। अमेठी और गौरीगंज में पदयात्रा के बाद बाबूगंज में जनसभा को संबोधित करेंगे। इस दौरान उनके साथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी रहेंगे।

16 फरवरी को न्याय यात्रा ने चंदौली से यूपी में एंट्री की थी। 17 फरवरी को राहुल ने काशी में 12 किलोमीटर लंबा रोड शो किया। 18 फरवरी को प्रयागराज के आनंद भवन से यात्रा शुरू हुई। लक्ष्मी टॉकीज चौराहे पर इलाहाबाद यूनिवर्सिटी की छात्राओं ने राहुल को गुलाब के फूल दिए। मऊमाइमा सकरामऊ गांव में राहुल ने रात्रि विश्राम किया।

न्याय यात्रा दोपहर 1 बजे प्रतापगढ़ से अमेठी पहुंचेगी। राहुल कई जगह पदयात्रा भी करेंगे। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी भी सोमवार से 4 दिन के दौरे पर अपने संसदीय क्षेत्र अमेठी में रहेंगी। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर भाजपा सांसद दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ ने कहा- पहले तो उनसे ये पूछिए कि भारत टूटा कब था।

सांगीपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस में राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने कहा, मंगलवार को दोपहर तक यात्रा निरस्त रहेगी। क्योंकि राहुल को सुल्तानपुर में एक कोर्ट में पेश होना है। दोपहर बाद न्याय यात्रा अमेठी से शुरू होगी।

लालगंज में राहुल ने करीब 20 मिनट तक पब्लिक को संबोधित किया। राहुल ने क्या कुछ कहा।

राहुल लालगंज से निकल गए हैं। अब वह बाबा घुलसरनाथ धाम दर्शन करने जा रहे हैं। यहां

भगवान शंकर की पूजा-अर्चना करेंगे। इसके बाद गांधी इंटर कॉलेज सांगीपुर में लंच करेंगे। फिर यहां से अमेठी के लिए निकलेंगे।

राहुल ने कहा, मैं खुलकर तुम्हारे सामने बोल रहा हूं...तुम लोग सो गए हो। 73% हिंदुस्तान के लोग जो बब्बर शेर हैं, जो हिंदुस्तान को चलाते हैं, जो देश को आगे लेकर जाते हैं, वो सो गए हैं। डर गए हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि जातिगणना का समय आया तो नरेंद्र मोदी ओबीसी को भूल गए। जब रुपए का सवाल आया तो नरेंद्र मोदी ओबीसी शब्द को भूल गए। जो बात मैं कह रहा हूं ये आपको हिंदुस्तान के टीवी पर नहीं दिखेगा। क्योंकि टीवी अडानी का है। हमारा पहला कदम जाति जनगणना होगा। उसमें बैकवर्ड कितने हैं, दलित कितने और आदिवासी कितने। इसके बाद इकोनॉमिक आर्थिक सर्वे, फिर पता चलेगा कि पिछड़ो के पास देश का कितना धन है।

गरीब जनरल कास्ट, अमीर जनरल कास्ट और दलित आदिवासियों के पास कितना धन है। जिस दिन वो ऐसे लिख दिया जाएगा, उस दिन सारे के सारे बब्बर शेर जाग जाएंगे।

लालगंज में राहुल 100 का नोट दिखाते हुए बोले- ये है तुम्हारी भागीदारी, अच्छी तरह देखो। 100 में 6 रुपए 10 पैसे की भागीदारी है तुम्हारी। क्या राम मंदिर में अपने दलित व गरीबों का चेहरा दिखा। बड़े-बड़े उद्योगपतियों को बुलाया गया। लेकिन आदिवासी चेहरा राष्ट्रपति जी को नहीं बुलाया गया।

लालगंज में राहुल गांधी ने कहा- पिछले 7 साल में देश भर में 70 से ज़्यादा पेपर लीक हुए। इससे 1.5 करोड़ प्रभावित हुआ।

यूपी के 24 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट

ओले गिरने की भी संभावना, 4 दिन ऐसा ही रहेगा मौसम

कानपुर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। यूपी के मौसम में आज से फिर उलटफेर के आसार हैं। मौसम विभाग ने सोमवार को प्रदेश के 24 शहरों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इन शहरों में ज्यादातर जिले पश्चिम यूपी के हैं। इसके अलावा, कुछ जगह बारिश के साथ ओलावृष्टि भी हो सकती है। इससे पहले 13 फरवरी को यूपी में 1.5 मिमी. औसत बारिश रिकॉर्ड की गई थी। यानी, करीब 6 दिन बाद फिर से बारिश हो सकती है। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले 4 दिन यानी 23 फरवरी तक कमोबेश मौसम ऐसा ही रहेगा। 1.5 मिमी की तुलना में औसत दोगुनी बारिश होने का अनुमान है। इसके अलावा, 30-40 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चल सकती हैं। मौसम बिगड़ने से फसलों का नुकसान होगा। इसके अलावा, शादियों की व्यवस्था में भी दिक्कत आ सकती है।

इधर, प्रदेश में दिन और रात में तापमान का अंतर बढ़ता जा रहा है। 24 घंटे में 29.6 डिग्री के साथ आगरा सबसे गर्म जिला रहा है। वहीं, मुजफ्फरनगर में रात का तापमान 7.8 डिग्री रहा, जोकि सबसे ठंडा था। यानी, दिन और रात के तापमान में करीब 22 डिग्री सेल्सियस का अंतर रहा है।

मौसम विभाग के मुताबिक, आगरा ,अलीगढ़, अमरोहा, बदायूं, बागपत, बरेली, बिजनौर, बुलंदशहर, एटा, फिरोजाबाद, गाजियाबाद, हापुड़, हाथरस, कासगंज, मैनपुरी, मथुरा, मेरठ, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर, रामपुर, सहारनपुर, संभल, गौतमबुद्धनगर और शामली में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

बीजेपी नेता को मारी 3 गोलियां, गंभीर

शादी से लौटे थे; गाड़ी पार्क कर घर में जाने के दौरान हुई ताबड़तोड़ फायरिंग

बेतिया, 19 फरवरी (एजेंसियां)। बेतिया में अपराधियों ने घर के बाहर ही भाजपा नेता नागेंद्र कुशवाहा (45) पर फायरिंग कर दी। अपराधियों ने ताबड़तोड़ 3 गोली चलाई है। नागेंद्र कुशवाहा की हालत गंभीर बनी हुई है। दो गोली बाएं हाथ में और एक कलाई में लगी है। कुछ ही देर पहले वो एक शादी से घर लौटे थे। गाड़ी पार्क कर वो घर के अंदर जा ही रहे थे कि अपराधियों ने फायरिंग कर दी। घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के आईटीआई चौक की है।

परिजनों ने घायल भाजपा नेता को इलाज के लिए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया है। अस्पताल में उन्हें देखने के लिए कई भाजपा नेता पहुंचे।

घायल भाजपा नेता बहुत बड़े ठेकेदार बताए जा रहे हैं। उनके तीन

बच्चे हैं। एक बेटी और दो बेटे हैं। सभी की उम्र 10 से 18 साल के बीच है। उनके घर से गैरेज की दुरी करीब 200 मीटर है। वो गैरेज में स्कॉर्पियो खड़ी कर के लौट रहे थे।

घटनास्थल से पुलिस को एक खोखा मिला है। बताया जा रहा है कि प्लसर बाइक पर सवार होकर दो की संख्या में बदमाश पहुंचे थे। घटना का कारण अभी तक पता नहीं चल सका है।

घर के बाहर की फायरिंग

घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि नागेंद्र कुशवाहा (45) शादी समारोह से अपने घर लौटे थे। जैसे ही वह अपने घर पहुंचे और गैरेज में गाड़ी लगाकर बाहर निकले कि अपराधियों ने उन पर फायरिंग कर दी।

आईटीआर के रहने वाले नागेंद्र कुशवाहा भाजपा के जिला कमेटी के सदस्य हैं और कॉन्ट्रैक्टर का काम करते हैं।

विनोद कुशवाहा ने बताया कि हम लोगों ने फायरिंग की आवाज सुनी तो घटनास्थल की ओर दौड़े। वहां पहुंचे तो देखा कि मेरे मित्र नागेंद्र कुशवाहा दर्द से छटपटा रहे थे। उन्हें गोली लगी थी। परिजनों के साथ हम लोग उन्हें लेकर जीएमसीएच पहुंचे।

दोहरे हत्याकांड को लेकर सरकार पर लगा बड़ा आरोप

मुजफ्फरपुर में राजद ने उठाया सवाल, कहा-एक वर्ग विशेष को किया जा रहा है टारगेट

मुजफ्फरपुर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर के पारू में हुई दोहरे हत्याकांड और लगातार बिगड़ती विधि व्यवस्था को लेकर राजद ने सरकार की भूमिका पर सवाल उठाया है। राजद एमएलसी मो. कारी सोहैब ने आरोप लगाया की जब से सूबे में बीजेपी जेडीयू की सरकार बनी है। तब से पूरे राज्य में एक समुदाय विशेष को टारगेट बनाकर सुनियोजित हमला किया जा रहा है। मुजफ्फरपुर के दोहरे हत्याकांड के मुद्दे को उठाते हुए राजद एमएलसी ने कहा कि जिस तरह दोनों बाप बेटे की गोली मारकर हत्या की गई है। वह काफी निंदनीय है।

आरजेडी एमएलसी कारी सोहैब ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जब से महागठबंधन की सरकार हटी है। तब से बिहार में एक खास वर्ग के लोगों को टारगेट किया जा रहा है। उनकी हत्याएं की जा रही हैं। मुजफ्फरपुर ही नहीं पूरे बिहार में ऐसा ही माहौल है। लेकिन इसके बावजूद अपराधियों पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। डबल मर्डर हुए 4 दिन बीत चुके हैं लेकिन अभी तक कोई पुलिस का एक्शन नहीं हुआ। इस मामले में नही कोई साजिशकर्ता पकड़ा गया।

सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बीजेपी की गोद में बैठकर कुर्सी-कुर्सी खेल रहे हैं। दंगाइयों की गोद में जाकर बैठ गए हैं। पूरा बिहार अब नीतीश कुमार के कंट्रोल में नहीं है। यह सरकार चलाने का काम कुछ अधिकारी कर रहे हैं। जो इस कठपुतली सरकार को अपने इशारे पर चला रहे है।

दरअसल, मुजफ्फरपुर जिले के पारु थाना क्षेत्र में दुकान के उद्घाटन से पहले बाप-बेटे की दुकान के अंदर अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले को लेकर इलाके में अभी भी दहशत का माहौल है। चौक पर कई दुकानें नहीं खुल रही हैं।

इतना ही नहीं इस मामले में अभी तक कोई गिरफ्तारी और एक्शन भी नहीं हुआ है जिसको लेकर आक्रोश देखने को मिल रहा है। अब राजद ने इस मुद्दे को विधानसभा में उठाने की बात कही है।

आशिक के साथ मिल कर पति का गला घोंटा

लखनऊ, 19 फरवरी (एजेंसियां)। लखनऊ में एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर सिक्योरिटी गार्ड पति की गला दबाकर हत्या कर दी। पति रात में ड्यूटी करता था।, तब ही उसकी एक युवक से दोस्ती हुई जो धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। प्रेमी अपने दो दोस्तों को लेकर आया। इसके बाद तीनों घर के बाहर टहलने लगे। इसी बीच क्षेत्र में गस्त कर रहे गुडंबा थाने के दो सिपाही ने देर रात तीन युवकों को टहलते देख हिरासत में लेकर थाने पहुंचे। जहां पूछताछ में आरोपियों ने हत्या की बात कबूल कर ली। सूचना मिलने पर एसीपी गाजीपुर विकास जायसवाल और इंस्पेक्टर गुडंबा नीतीश कुमार श्रीवास्तव भी मौके पर पहुंचे। इसके बाद सिक्योरिटी गार्ड की पत्नी पूनम को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

नेहरू विहार कॉलोनी में 40 साल का गुरु प्रसाद यादव उर्फ नीरज अपनी पत्नी पूनम और दो बेटों अंकित (14) और अर्पित (10) के साथ रहता था। वह सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था। उसकी ज्यादातर ड्यूटी रात में ही रहती थी। इसके चलते नीरज को शराब पीने की लत लग गई थी। इतना ही नहीं, वह अपनाई कमाई का ज्यादातर हिस्सा शराब पर खर्च कर देता था। साथ ही नशे में रोज पत्नी और बच्चों से मारपीट करता था।

युवक ने वीडियो कॉल पर आकर काटी गर्दन

मेरठ, 19 फरवरी (एजेंसियां)। मेरठ में एक युवक ने वीडियो कॉल परआकर अपनी गर्दन काट ली। वो दोस्त से फोन पर बात कर रहा था। दोस्त ने उसके भाई और पड़ोसी को जानकारी दी। पड़ोसी दौड़कर आए, दरवाजा खटखटाया। नहीं खोलने पर पैर से तोड़ा। युवक के गले से खून निकल रहा था। पड़ोसियों ने रोकना चाहा, तो वह चाकू हाथ में लिए था। बोला-'दूर हट जाओ मेरे सामने से, मां कसम मैं खुद को मार लूंगा।' इसके बाद किसी ने उसे पकड़ा। आनंद अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों का कहना है कि अभी कंडीशन ठीक नहीं है। मामला लोहिया नगर थाना क्षेत्र के गृहम कॉलोनी का है।

कपिल ने पंजाब में अपने दोस्त खुशबीर को वीडियो कॉल किया। वीडियो कॉल पर बात करते-करते दोनों में कुछ बात हुई। इसके बाद कपिल ने अचानक चाकू से गर्दन काट ली।

भारतीय नौसेना का सैन्य अभ्यास मिलन-24 आज से : 51 देशों के 35 वॉरशिप विशाखापत्तनम पहुंचे

पहली बार आईएनएस विक्रांत और विक्रमादित्य साथ नजर आएंगे

विशाखापत्तनम, 19 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना आज से विशाखापत्तनम में सबसे बड़े सैन्य अभ्यास मिलन-24 की शुरुआत कर रही है। इसमें 51 देशों की नौसेनाएं शामिल हो रही है। जिनके 35 प्रमुख वॉरशिप और 50 एयरक्राफ्ट मिलन-24 में शामिल होने भारत पहुंच चुके हैं।

मिलन-24 का यह 12वां एडीशन है, जो 27 फरवरी तक चलेगा। नौसेना ने इसे ट्रिपल C (सौहार्द, सामंजस्य, सहयोग) की थीम दी है। मिलन-24 हर दो साल में होने वाला सैन्य युद्धाभ्यास है, जो 1995 में केवल चार देशों के साथ शुरू हुआ था।

मिलन-24 में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान, वियतनाम, थाईलैंड के अलावा मालदीव, यूके, मलेशिया, कनाडा, स्पेन, जर्मनी, इटली, दक्षिण कोरिया, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, म्यांमार, इराक, ब्राजील और यमन भी अपने प्रतिनिधि भेज चुके हैं।

पहले जानिए भारतीय नौसेना किस-किस का प्रदर्शन करेगी...

भारतीय नौसेना आईएनएस विक्रमादित्य और आईएनएस

विक्रांत के साथ कम से कम 30 जंगी पोत लेकर उतरेगी। युद्धाभ्यास का नाम 'मल्टी लेटरल नेवल एक्सरसाइज- मिलन-2024' है।

मिलन-24 के दौरान सी फेज में 4 दिन लहरों पर होगा प्रदर्शन

51 देशों की नौसेनाओं के प्रतिनिधियों की चर्चा के बीच, 24 फरवरी से 27 फरवरी तक मिलन-24 के दौरान सी फेज का आयोजन होगा। यह वह समय है, जब नौसेनाएं समंदर की लहरों पर करतब दिखाती हैं।

अरब सागर के कमर्शियल कॉरिडोर पर हाल ही में हुए ड्रोन हमलों ने दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। मिलन युद्धाभ्यास में नौसेनाएं ड्रोन हमलों से बचने का अभ्यास करेंगी और पायरेसी के खिलाफ नेवी ऑपरेशन्स को भी डिजाइन करेंगी।

मौजूदा तनाव के बीच शामिल होगी मालदीव की नौसेना

मालदीव ने लेफ्टिनेंट कर्नल यूसुफ निशार के नेतृत्व में अपनी नौसेना टुकड़ी भेजने का फैसला किया है। मालदीव ने मिलन-24 में हिस्सा लेने का फैसला तब किया, जब दोनों देशों की हाई लेवल कोर कमेटी ने दो बार मीटिंग की। जिनमें इस पर चर्चा की गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक मालदीव-भारत के बीच तीसरी हाईलेवल मीटिंग फरवरी के आखिरी हफ्ते में होगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मार्च में मिनिकॉय जाएंगे। जहां वे आईएनएस जटायु का उद्घाटन करेंगे।

भारत-मालदीव के बीच क्यों उठा विवाद

दोनों देशों के बीच तनाव तो तब से चल रहा है, जब 9 सितंबर 2023 को मालदीव के राष्ट्रपति चुनाव में चीन समर्थक मोहम्मद मोइज्जू की जीत हुई। उनके सत्ता में आते ही मालदीव ने 'इंडिया आउट' की नीति लागू कर दी। मोइज्जू ने भारत से अपने सैनिकों को वापस बुलाने को कह दिया। 2018 में चीन समर्थक राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन के समय मालदीव ने मिलन नौसैनिक अभ्यास में भाग लेने के भारत के न्योते को इनकार कर दिया था। उस वक्त मालदीव पूरी तरह से बीजिंग के प्रभाव में था।

सुप्रीम कोर्ट ने चंडीगढ़ मेयर चुनाव के बैलट पेपर मंगवाए

चुनाव अधिकारी से पूछा- बैलट पर निशान क्यों लगाया था; कहा- उन पर अलग केस चले

चंडीगढ़, 19 फरवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को चंडीगढ़ मेयर चुनाव दोबारा कराए जाने की जगह नई व्यवस्था दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मौजूदा बैलट पेपर्स की गिनती कर चंडीगढ़ मेयर का चुनाव किया जाए। इसमें उन बैलट पेपर्स को शामिल ना किया जाए, जिन पर रिटर्निंग अफसर ने निशान लगाए थे। सुप्रीम कोर्ट ने बैलट पेपर्स कोर्ट में पेश करने के निर्देश दिए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट रजिस्ट्रार जनरल से कहा कि मंगलवार को कोर्ट में बैलट पेपर्स और वीडियो लाने के लिए एक ज्यूडिशियल अफसर की नियुक्ति कीजिए। सुप्रीम कोर्ट ने प्रशासन को निर्देश दिए कि ज्यूडिशियल अफसर और रिकॉर्ड्स की सुरक्षा के लिए व्यवस्था कीजिए। अदालत मंगलवार को 2 बजे चुनाव का पूरा वीडियो और बैलट पेपर्स की जांच करेगी।

अदालत ने रिटर्निंग अफसर अनिल मसीह से पूछा- आपने बैलट पेपर्स पर X का निशान क्यों लगाया। इस पर मसीह ने कहा कि उन्होंने 8 खराब बैलट पर निशान लगाए थे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अनिल मसीह पर अलग केस चलना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने यह वीडियो देखकर चुनाव अधिकारी को

लगाई थी फटकार

सुप्रीम कोर्ट में 5 फरवरी को सुनवाई के दौरान सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने वह वीडियो भी देखा था, जिसमें चुनाव अधिकारी अनिल मसीह बैलट पेपर पर क्रॉस लगाते दिख रहे हैं।

इसके बाद सीजेआई ने कहा था- वीडियो से साफ पता चल रहा है कि चुनाव अधिकारी ने बैलट पेपरों को डिफेस्ड (खराब) किया। क्या ऐसे ही चुनाव कराए जाते हैं? यह लोकतंत्र का मजाक है। लोकतंत्र की हत्या है। इस अफसर पर केस होना चाहिए।

चुनाव दोबारा हुए तो बदल जाएंगे समीकरण

आप के 3 पार्षदों के भाजपा में आने के बाद नगर निगम में पूरी तरह समीकरण बदल जाएंगे। एक सांसद को मिलाकर पहले से ही बीजेपी के पास 15 वोट हैं। 3 आप पार्षदों के बीजेपी जॉइन करने से यह आंकड़ा 18 हो गया। एक अकाली दल का वोट मिला कर ये संख्या 19 हो जाएगी। ऐसे में अगर सुप्रीम कोर्ट से मेयर चुनाव दोबारा करवाने को लेकर फैसला आता है तो भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ अपना मेयर बना लेगी।

नए पार्षदों में से चुना जा सकता है मेयर

चंडीगढ़ मेयर की कुर्सी अनुसूचित जाति के लिए रिजर्व है। इसलिए, बीजेपी की तैयारी है कि सोनकर के इस्तीफे के बाद इस कुर्सी का दावेदार उन 3 नामों में से एक को बनाया जाए, जो आप से छूटकर पार्टी में शामिल हुए हैं। इनमें 2 महिला पार्षदों में से एक को मेयर की कुर्सी मिल सकती है।

आप-कांग्रेस के जॉइंट कैंडिडेट के 8 वोट इनवैलिड हुए थे

चंडीगढ़ मेयर चुनाव आप और कांग्रेस ने मिलकर लड़ा था। 30 जनवरी को हुई वोटिंग में भाजपा के मनोज सोनकर को 16 और आप-कांग्रेस के कैंडिडेट कुलदीप कुमार को 12 वोट मिले। 8 वोट इनवैलिड कर दिए गए थे, ये सभी वोट आप-कांग्रेस प्रत्याशी को मिले थे।

इसी को आधार बनाकर आप-कांग्रेस के कैंडिडेट कुलदीप कुमार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। उन्होंने आरोप लगाया था कि चुनाव अधिकारी अनिल मसीह ने वोटों की गिनती में हेराफेरी की है। उनकी तरफ से कांग्रेस नेता और सीनियर वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दलीलें रखीं।

चंडीगढ़ में वोटों का गणित

चंडीगढ़ में कुल 35 पार्षद हैं, और एक वोट सांसद का वोट होता है। इस प्रकार कुल वोट 36 हैं। इनमें से 14 पार्षद और एक सांसद को मिलाकर 15 वोट भाजपा के पास हैं। जबकि, पिछले चुनाव में बीजेपी को 16 वोट मिले थे। इसमें माना जा रहा था कि एक वोट शिरोमणि अकाली दल के इकलौते पार्षद का भाजपा को मिला था। वहीं आप के पास 13 और कांग्रेस के पास 7 पार्षद हैं। 3 पार्षदों के भाजपा में जाने से अब आप के सिर्फ 10 पार्षद रह गए हैं। ऐसे में गठबंधन के पास अब कुल 17 वोट हैं।

आदित्य का दावा- उद्धव के कंधे पर रोए थे शिंदे:भाजपा से बचाने की गुजारिश की थी; महीने भर बाद उनके समर्थन से सीएम बन गए

ठाणे, 19 फरवरी (एजेंसियां)। उद्धव ठाकरे के बेटे और शिवसेना के नेता आदित्य ठाकरे ने दावा किया है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उद्धव ठाकरे के कंधे पर सिर रखकर रोए थे। आदित्य ने कहा कि शिंदे 22 मई 2022 को मातोश्री आए थे। उन्होंने उद्धव से कहा था कि भाजपा उन्हें झूठे मामलों में फंसाकर जेल भेज देगी। वे उन्हें भाजपा से बचा लें।

आदित्य ने कहा कि महीनेभर बाद ही शिंदे भाजपा के साथ मिल गए और सीएम बन गए। आज उनक पास सब कुछ है, लेकिन फिर भी वे रोते रहते हैं। दरअसल, शिंदे 17 फरवरी को कोल्हापुर में शिवसेना के अधिवेशन में बोल रहे थे। उन्होंने रोते हुए कहा कि एक पिता-पति के रूप में वे फेल रहे। मैं जब घर जाता था, तो बच्चे सो चुके होते थे। मैं अपने बेटे से हर महीने नहीं मिल पाता था।

शिंदे का ये बयान उनके बेटे और सांसद श्रीकांत शिंदे के बयान के बाद आया था। श्रीकांत ने कहा था- मेरे पिता काम में इतने व्यस्त रहते थे कि उनके पास परिवार के

लिए कभी समय नहीं रहा। मैं मां से शिकायत करता था कि पापा मुझे समय नहीं देते। श्रीकांत कल्याण लोकसभा सीट से शिवसेना के सांसद हैं। सांसद रहते उन्होंने ऑर्थोपेडिक्स से पोस्ट ग्रेजुएट किया और डॉक्टर बनें।

शिंदे बोले- मेरे बेटे के पास मुझसे जुड़ी कोई याद नहीं

बेटे की बातों पर शिंदे ने कहा- श्रीकांत के पास हमसे जुड़ी कोई यादें नहीं है। अगर कोई उनसे उनके माता-पिता के साथ गुजारे बचपन की यादों के बारे में पूछे तो वह बता नहीं सकते। जब उन्होंने एमबीबीएस किया तब भी मैं नहीं गया। उन्हें (श्रीकांत को) एक शिक्षित युवा के रूप में राजनीति में लाया गया। उन्होंने सांसद बनने के बाद एमएस की पढ़ाई पूरी की।

इससे पहले शिंदे ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक भी पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने लिखा- शिवसेना मेरी सब कुछ थी, शिव सैनिक मेरे परिवार थे। मैंने अपने पूरा जीवन उनके लिए काम किया। मुझे नहीं पता था कि आगे क्या होगा। मैं हमेशा आगे की सोच रखने वाला हूं। मैंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

आदित्य बोले- शिंदे के नेतृत्व में महाराष्ट्र पिछड़ रहा

आदित्य ठाकरे ने आरोप लगाया कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में महाराष्ट्र विकास के मामले में बाकी राज्यों से पिछड़ रहा है। महाराष्ट्र में बेरोजगारी बढ़ रही है। पिछले साल एक भी नया उद्योग स्थापित नहीं हुआ। नौकरी के कोई अवसर नहीं हैं। शिंदे सरकार अपने स्वार्थ को प्राथमिकता देते हुए आम नागरिकों की उपेक्षा कर रही है।

आदित्य ने कहा कि शिंदे एक शिवसैनिक के साथ-साथ एक इंसान के रूप में भी विफल हैं। आदित्य ने आरोप लगाया कि ईडी, आईटी, सीबीआई जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों का इस्तेमाल विपक्ष और शिवसैनिकों को निशाना बनाने के लिए किया जा रहा है।

आदित्य शिंदे के गढ़ ठाणे में शिवसेना की शाखाओं का दौरान करने पहुंचे थे। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आदित्य ने शिंदे की बोलने की नकल करते हुए कहा कि विश्वासघातियों ने शिवसेना छोड़ दी है लेकिन ठाणे के असली सैनिक हमारे साथ हैं।

कर्नाटक में दादी ने नाबालिग पोती की शादी कराई

मां-बाप को बिन बताए 14 साल की बच्ची को जबरदस्ती 24 साल के आदमी संग ब्याहा

बेंगलुरु, 19 फरवरी (एजेंसियां)। बेंगलुरु के सरजापुर में एक महिला ने गुरुवार (15 फरवरी) को जबरदस्ती अपनी 14 साल की नाबालिग पोती की शादी 24 साल के आदमी से करा दी। बच्ची के मां-बाप को इस बारे मे कोई जानकारी नहीं थी। पुलिस ने नाबालिग की अवैध शादी कराने के मामले में दादी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस और चाइल्ड प्रोटेक्शन यूनिट ने दादी समेत 8 लोगों पर मामला दर्ज किया है।

बच्ची की मां ने सरजापुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। नाबालिग की मां ने पुलिस को बताया कि मेरी बेटी नाबालिग है और उसकी जबरन शादी हलासीनकाईपुरा के विनोद कुमार से कर दी गई। लड़की की दादी,

चाची, चाचा और लड़के के माता-पिता की मौजूदगी में कैवार के यल्लम्मा मंदिर में यह शादी कराई गई।

पुलिस ने चाइल्ड मैरिज रिस्ट्रिक्शन एक्ट के तहत दर्ज किया मामला

पुलिस ने कहा कि दर्ज शिकायत के आधार पर उन्होंने लड़की की दादी को गिरफ्तार कर लिया और दूल्हे सहित मौके पर मौजूद आठ लोगों पर IPC की धारा 366 (अपहरण) और चाइल्ड मैरिज रिस्ट्रिक्शन एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है जिसके बाद अन्य लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मां और दादी के बीच भावी पति को लेकर होता था झगड़ा

जिला बाल संरक्षण यूनिट की एडवोकेट गीता ने बताया कि लड़की की शादी उसकी मर्जी के बिना की गई थी। वह अभी कक्षा 8 की स्टूडेंट है। पुजारी समेत शादी में शामिल हुए सभी लोगों को मामले में आरोपी माना जाएगा। लड़की स्कूल की छुट्टियों के कारण अपनी दादी के घर पर थी जब दादी ने शादी करने की योजना बनाई।

पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया कि लड़की की मां और दादी के बीच भावी पति के चुनाव को लेकर अक्सर झगड़े होते रहते थे। इससे गुस्सा होकर उसकी दादी ने बच्ची के माता-पिता को बताए बिना उसकी शादी करने की योजना बनाई।

गैस गीजर से बाथरूम में महिला टीचर की मौत

26 साल की अमिता बेहोश हुई, दरवाजा तोड़कर निकाला; 3 महीने पहले मिली थी नौकरी

कानपुर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। कानपुर में गैस गीजर से एक महिला टीचर की मौत हो गई। तीन महीने पहले ही उसका चयन बिहार शिक्षक भर्ती में हुआ था। चचेरी बहन की शादी में शामिल होने के लिए छुट्टी पर आई थी। शादी समारोह के बाद घर लौटी और बाथरूम में नहाने के दौरान गैस गीजर लीकेज होने से बेहोश हो गई। परिवार के लोगों ने इलाज के लिए हॉस्पिटल में एडमिट कराया। दो दिन बाद महिला टीचर ने दम तोड़ दिया।

रावतपुर क्षेत्र के केशवपुरम आवास विकास में रहने वाले संतोष यादव का ट्रक बॉडी का कारखाना है। संतोष ने बताया कि उनकी बेटी अमिता यादव (26) का तीन महीने पहले बिहार की शिक्षक भर्ती में चयन हुआ था। उन्नाव रघुवीर खेड़ा में रहने वाली चचेरी बहन की शादी में शामिल होने के लिए 10 दिन की छुट्टी लेकर घर आई थी। उन्नाव से शादी से घर लौटने के बाद 16 फरवरी की शाम नहाने के लिए बाथरूम में गई, लेकिन बाहर नहीं निकली।

दरवाजा तोड़ा तो बेहोश पड़ी थी

काफी देर तक बाथरूम से कोई आवाज नहीं आने पर मां ललिता ने आवाज दी, लेकिन कोई हरकत नहीं हुई। उन्होंने अमिता के पिता संतोष और भाई अमन को

भाई के साथ टीचर अमिता

जानकारी दी। परिवार के लोग घबरा गए और तरवाजा तोड़ा तो बाथरूम में अचेत हालत में पड़ी हुई थी। परिवार के लोगों ने एक निजी अस्पताल में एडमिट कराया। डॉक्टरों ने बताया कि हालत बेहद नाजुक है। सिर्फ पल्स और हार्टबीट चल रही है, लेकिन शरीर में कोई हरकत नहीं है।

दो दिन तक कोई सुधार नहीं होने पर परिवार के लोगों ने अमिता को हैलट में एडमिट कराया। रविवार रात को शिक्षिका अमिता की हार्टबीट भी थम गई। मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया। मां और पिता अस्पताल में बेहोश होकर गिर पड़े। भाई भी बदहवास हो गया। परिवार के लोगों ने किसी तरह खुद को संभाला। इसके बाद सूचना पर रावतपुर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। सोमवार को शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

3 महीने पहले ही लगी थी नौकरी

पिता संतोष ने बताया कि उनकी बेटी शुरू से ही पढ़ने में तेज थी, लेकिन यूपी में शिक्षकों की वैकेंसी नहीं होने के चलते नौकरी नहीं मिल सकी। तीन महीने पहले ही बिहार शिक्षक भर्ती में उसका चयन हुआ था। बेटी की नौकरी लगने के बाद परिवार की माली हालत में सुधार हुआ था। इसके साथ ही बेटी की शादी के लिए लड़के की भी तलाश चल रही थी।

लेकिन, गैस गीजर ने पूरे परिवार की खुशियों को पलभर में छीन लिया। पिता बोले कि जिनके भी घर में गैस गीजर लगा हो उसे फौरन निकालकर फेंक देना चाहिए। गैस गीजर बेहद खतरनाक और जानलेवा है।

हाईकोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को सही ठहराया, दोषियों की सजा बरकरार रखी

कोच्चि, 19 फरवरी (एजेंसियां)। केरल उच्च न्यायालय ने सोमवार को टीपी चंद्रशेखरन की हत्या के मामले में दोषियों की सजा को बरकरार रखा। न्यायालय ने निचली अदालत के फैसले को चुनौती देने वाली दोषियों की याचिकाएं खारिज कीं। वामपंथी नेता की चार मई 2012 को ओंचियम में हत्या कर दी गई थी। न्यायमूर्ति एके जयशंकरन नांबियार और न्यायमूर्ति कौसर एडप्पागथ की खंडपीठ ने मामले में याचिका पर सुनवाई की। पीठ ने चंद्रशेखरन की हत्या के मामले में दो दोषियों को बरी करने के निचली अदालत के फैसले को सही ठहराया। उच्च न्यायालय ने आपराधिक साजिश के लिए दोनों की दोषसिद्धि को बरकरार रखा। चंद्रशेखर रिवॉल्यूशनरी मार्क्सवादी पार्टी (आरएमपी) के नेता थे।

उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखा। इसके साथ ही अदालत ने हत्या के लिए अनूप, मनोज उर्फ किरमानी मनोज, एनके सुनील उर्फ कोडी सुनी, टीके राजीव, केके मुहम्मद शफी, एस सिजित, के शिनोज, केसी रामचंद्रन, मनोज और कुन्हानंदन को दोषी

ठहराया। अदालत ने यह भी कहा कि इन याचिकाओं के लंबित रहने के दौरान कुन्हानंदन की मौत हो गई थी। अदालत दोषियों की ओर से दायर उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। जिनमें उनकी दोषसिद्धि और सजा को रद्द करने की मांग की गई थी। उच्च न्यायालय ने दोषियों की सजा को बढ़ाने की राज्य की याचिका पर भी सुनवाई की। चंद्रशेखरन की पत्नी केके रेमान ने एक अन्य याचिका दायर की थी। जिसमें बरी किए गए एक आरोपी को दोषी ठहराने की मांग की गई थी। अदालत ने अपने आदेश में कहा, हम केके कृष्णन और जियोती बाबू को बरी करने के फैसले को खारिज करते हैं और उन्हें भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 120 बी और 302 के तहत दोषी ठहराते हैं। हम अन्य आरोपियों को भी बरी करने के फैसले को रद्द करते हैं। कोझिकोड की निचली अदालत ने मामले में माकपा के जिला सचिव पी मोहनन सहित चौबीस दोषियों को बरी कर दिया था।

हिमाचल की ऊंची चोटियों पर बर्फबारी : पर्यटकों के लिए अटल टनल बंद; 7 जिलों में आज रेड अलर्ट

शिमला, 19 फरवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश की अधिक ऊंची चोटियों पर बीती रात से ही बर्फबारी हो रही है। अटल टनल और जलोड़ी दर्रा के लिए वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। कुल्लू और लाहौल स्पीति के ऊंचे क्षेत्रों में हल्का हिमपात जारी है, जबकि शिमला सहित प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में सुबह से ही मौसम खराब बना हुआ है। ताजा हिमपात होने के बाद पर्यटकों के लिए अटल टनल रोहतांग को बंद कर दिया गया है।

इस बीच मौसम विभाग ने आज के लिए भारी बर्फबारी का रेड अलर्ट जारी किया है। इस विंटर सीजन में पहली बार रेड अलर्ट दिया गया है। यह अलर्ट 7 जिलों के लिए जारी किया गया है। केलांग में आधा फीट और अटल टनल में पौना फीट तक बर्फ की सफेद चादर बिछ गई है।

चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, शिमला, किन्नौर, लाहौल स्पीति और मंडी के कुछेक स्थानों पर भारी हिमपात हो सकता है। इस दौरान सोलन और सिरमौर के ऊंचे क्षेत्रों में भी हल्की बर्फबारी हो सकती है, जबकि प्रदेश के अन्य क्षेत्रों में भारी बारिश, तूफान और ओलावृष्टि की भी चेतावनी दी गई है।

कल-परसों के लिए येलो अलर्ट

कल व परसों के लिए येलो अलर्ट दिया गया है। 22 फरवरी को भी प्रदेश के ज्यादातर क्षेत्रों में हल्की बारिश व बर्फबारी का पूर्वानुमान है, जबकि 23 व 24 फरवरी को अधिक ऊंचे क्षेत्रों को छोड़कर शेष हिमाचल में मौसम साफ हो जाएगा।

सरकार ने जारी की एडवाइजरी

मौसम विभाग के अलर्ट के बाद सरकार ने सावधानी बरतने की एडवाइजरी जारी की है। पर्यटकों व स्थानीय लोगों को अधिक ऊंचे क्षेत्रों में नहीं जाने और बहुत जरूरी होने पर ही घरों से बाहर निकलने की एडवाइजरी जारी है। भारी हिमपात की वजह से परिवहन, विद्युत आपूर्ति और पेयजल सेवाओं में बाधा उत्पन्न हो सकती है।

प्रदेश में बढ़ेगी ठंड

वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होने के बाद अगले पांच दिनों तक पहाड़ों पर एक बार फिर से ठंड लौटेगी। पिछले कल तक तापमान नॉर्मल से काफी ज्यादा चल रहा था। मगर, बीती रात से इसमें गिरावट शुरू हो गई है और अगले पांच-छह दिन तक और ज्यादा गिरावट आएगी।

सूचना के अनुसार, बीती रात 10 बजे तक रोहतांग दर्रा में 4 इंच, कोकसर में 2, सिस्सू में 1 इंच ताजा बर्फबारी हो चुकी है। वहीं, अटल टनल रोहतांग, सोलंग नाला, बारालाचा, शिकुंला पास, छितकुल की चोटियों पर भी बर्फबारी हो रही है।

अटल टनल पर्यटकों के लिए बंद

ताजा हिमपात के बाद अटल टनल रोहतांग को पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है। यहां से अभी इमरजेंसी व्हीकल ही भेजे जा रहे हैं। बर्फबारी को देखते हुए पुलिस ने एहतियातन वाहनों की आवाजाही रोकी है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 20 फरवरी - 2024

विमान यात्रियों से बेरुखी

इन दिनों विमान यात्रा करने से पहले सौ बार सोच लें कि विमान तल पर पहुंचने के बाद उन्हें किसी भी तरह की परेशानी से दो चार होना पड सकता है। यहां तक कि मौत भी हो सकती है। कुछ इसी तरह का नजारा मुंबई हवाई अड्डे पर तब देखने को मिला जब एक अस्सी वर्ष के बुजुर्ग की मौत सिर्फ इसलिए हो गई कि उन्हें पहियादार कुर्सी मुहैया नहीं कराई गई। सबसे दुखद पहलू यह है कि कुर्सी के लिए संबंधित विमानन कंपनी से पहले ही अनुरोध कर दिया गया था। मगर विमानन कंपनी का कहना है कि पहिएदार कुर्सी की किल्लत थी और बुजुर्ग को इंतजार करने के लिए कहा गया था, लेकिन पता नहीं कब वे पैदल ही चल पड़े। सवाल है कि न्यूयार्क से चल कर मुंबई पहुंचे बुजुर्ग ने अगर पहले ही इसके लिए बुकिंग कराई थी, तब उसे सही समय पर कुर्सी मुहैया कराना आखिर किसकी जिम्मेदारी थी? विमानन कंपनियों की बदहाली किसी से छुपी नहीं है। ज्यादा दिन नहीं हुए, जब एक यात्री विमान के शौचालय में गया और तकनीकी खराबी की वजह से उसी में बंद हो गया। उस समय उस पर क्या बीती होगी जब उसे उसी बंद शौचालय में ही सफर पूरा करना पडा हो जहां वह फ्रेश होने गया था। दुर्भाग्यपूर्ण तो यह है कि जब कोई यात्री विमान यात्रा के दौरान हवाई अड्डे पर पहुंचने से लेकर हर स्तर पर जाने-अनजाने में नियम के विरुद्ध कोई व्यवहार करता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई करने में तनिक भी देरी नहीं की जाती है। इसके पीछे का मकसद यह बताया जाता है कि ताकि किसी भी तरह की अव्यवस्था न उत्पन्न हो। जाहिर है विमान यात्रा बेहद संवेदनशील होती है और उसमें मामूली गलती भी बड़ा खतरा पैदा कर सकती है। इसका एक संदेश यह भी है कि विमान सेवाओं को संचालित करने वाले महकमे की ओर से भी कोई लापरवाही न बरती जाए। मगर आए दिन देखा जाता है कि अव्यवस्था की वजह से यात्रियों को भारी परेशानियों से गुजरना पडता है। ठंड के सीजन में कई हवाई अड्डों पर धुंध व घने कोहरे की वजह से हवाई यात्रा में दस-बारह घंटे या इससे भी ज्यादा देरी को भी सामान्य मान लिया जाता है। लेकिन जब यात्री से कोई त्रुटि हो जाए तो कंपनियां बहुत तेजी से कार्रवाई करने पर उतारू हो जाती हैं। हाल ही में एक विमान के यात्री हवाई पट्टी पर ही उतर कर खाना खाने या वक्त काटने लगे। सुरक्षा जांच से गुजरने और उड़ान भरने के बाद तकनीकी खराबी की वजह से विमान को आपात स्थिति में फिर से उतारने की घटनाएं भी सामने आईं। अंदाजा लगाया जा सकता है कि एक बेहद छोटी खामी के चलते विमान यात्रियों के साथ क्या हो सकता है। देखा जाए तो यह सब लापरवाही अव्यवस्था के ही अंतर्गत आती है और इसके लिए जिम्मेदारी तय किए जाने का प्रावधान भी बना है, लेकिन नियमों के मुताबिक कभी कोई कार्रवाई होती न दिखी है और न ही सुनी गई है। मुंबई हवाई अड्डे पर व्हील चेयर मुहैया न होने से बुजुर्ग की मौत एक सबसे व्यवस्थित मानी जाने वाली सेवा की कलई खोलती है। देखना दिलचस्प होगा कि इस विमानन कंपनी पर क्या कार्रवाई होती है।

किसान का बसंती राग

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

अबकी वसंत बौराया हुआ है। सरसों तो फूल-फूलकर पीले हुए जा रहे हैं। फिर भी खेतों में मातमभरी उदासी छायी हुई है। उनका मालिक किसान वसंत का स्वागत करने के बजाय दिल्ली की सीमाओं पर धरने पर बैठा है। उसे नहीं पता कि दिल्ली में बहरे शासन करते हैं और अंधे-गूँगे तालियाँ बजाते हैं। जहां अकबर ने कौओं की गिनती करने में बीरबल को लगा दिया वहाँ हम ऐसे इंसान को ढूँढ़ने की फिराक में हैं जिसके भीतर हृदय बसता है और औरों के लिए धड़कता है। किसान भूल गए हैं कि औरों के लिए धड़कने वाले दिल सिर्फ किताबों में मिलते हैं। असलियत में गीदड़, सियार, उल्लुओं और कौओं की सरकार हैं। यहाँ सिर्फ शोर चलता है किसी का जोर नहीं। चौबीसों घंटे भाषणों का शोर, झूठे एजेंडों का शोर, ताली-थाली बजाने का शोर, कुत्तों की तरह भौंकने का शोर, कौओं की काँव-काँव का शोर, कोई गीदड़ जाए तो शोर ,कोई गीदड़ पैदा हो तो शोर, जमीन से आसमान तक शोर ही शोर है। अगर कुछ नहीं है तो वह इंसानियत है। देश को अन्न खिलाने वाले पर लाठियों का जोर है। हाँ-हाँ चारों ओर सिर्फ शोर ही शोर है।

जनता जानती है कि पेट्रोल, डीजल, गैस की कीमतें बढ़ गयी हैं। किसान जान गए हैं कि किसान बिल वापस होने वाले नहीं हैं लेकिन वसंत नहीं जानता कि उसे अमलतास को ओढ़े रखना है या उतार फेंकना है। किसान अपनी खाल बचाकर आएगा तब ही अमलतास की चादर ओढ़ पाएगा न! अबकी टेसू सारे दिल्ली में चलने वाली लाठियों से थरथराकर झड़ रहे हैं। जो अमिया बनने की कगार पर हैं वे अपने भविष्य की कल्पना मात्र से डाल से जौहर करने को तैयार हैं। न जाने इस बार महुआ को क्या हुआ कि सुगंध फैलाने की जगह सिंधु सीमा पर बैठे किसानों के मैले-कुचले कपड़ों, पीड़ा के मारे निकल रही कराह से बस्सा रहे हैं। महुआ वसंती रंग की जगह किसानों पर बरसी लाठियों से बहने वाले खून से सना-सना लग रहा है। इस बार कलियों ने सौगंध खायी हैं जब तक किसानी चेहरे नहीं चहकते तब तक वे फूल नहीं बनेंगी। काश कोई कलियों को बता पाता कि न नौ मन तेल होगा न राधा नाचेगी। न सरकार कानून वापिस लेगी न किसान चहकेंगे। अब भला कलियाँ खाक चहकेंगी।

इस बार न जाने तितलियों की क्या मति मारी गयी है कि फूल न मिलने से उड़-उड़कर दिल्ली की सीमाओं पर जा रही हैं। उन बेवकूफों को कौन बताए कि दिल्ली में फूल नहीं धूल मिलती है। इसीलिए तो इतने दिनों से अन्नदाता धूल फांक रहे हैं। ठिठुरती सर्दी जाते-जाते किसानों को इतना कह गयी है कि मैं तो बड़ी दयालु थी जो तुम्हें जान बख्श गयी, यदि सरकार होती तो कब की लील गयी होती। जब-जब वसंत ने किसानों को देखा तब-तब उनके हाथों में हल का हंसिया का हमदम देखा। इस बार भी वसंत ने किसान को भूखा, सड़क पर टूटा और भाग्य से लूटा देखा। उसे पता है वसंत की खुशहाली में किसानों की आत्महत्या, साहूकारों के कर्जे और अनबिहाई बिटिया की पीड़ा बसती है। अन्नदाता भूखा नंगा पैदा होता है, भूखा नंगा जीता है और भूखा नंगा मरता है। गीता वचन 'खाली हाथ पैदा होने वाले खाली हाथ ही मरते हैं' को शत प्रतिशत चरितार्थ करते हुए उसमें एक और कटु सत्य जोड़ देते हैं कि पैदाईशी खाली हाथ और मरणासन्न खाली हाथ के बीच भी ये खाली हाथ ही जीते हैं। इसीलिए तो किसान के नाम पर परेशान कहलाते हैं।

न जाने क्यों इस बार हंसवाहिनी शारदा रो रही है। न जाने क्यों उसके वीणा के तार टूटे हुए हैं। अब भला बिना किसानों के संग वसंती राग कैसे संभव हो पाएगा।

संदेशखाली हिंसा : देश को शर्मसार करने वाली घटना

अमित कुमार अम्बष्ट

पश्चिम बंगाल की तृणमूल सरकार का आपराधिक रिकॉर्ड किसी से छुपा नहीं है. बंगला देशियों को संरक्षण और मुस्लिम तुष्टीकरण का आरोप भी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर हमेशा लगता रहा है , इसी क्रम में विगत कुछ महीनों से पश्चिम बंगाल का एक गाँव सुर्खियों में हैं , कोलकाता के 24 उत्तर परगना जिले में स्थित संदेशखाली गाँव अचानक देश की सियासत और चर्चा का केन्द्र बन गया है , इसकी शुरूआत एक हिंसात्मक घटना से तब हुई जब 5 जनवरी को ईडी तृणमूल कांग्रेस नेता शाहजहाँ शेख के आवास पर छापेमारी के लिए पहुंची थी , ईडी करोड़ों रुपये के राशन वितरण घोटाले की जांच के छापेमारी करना चाहती थी, लेकिन इसी दौरान ईडी पर हमला हो गया . इसमें तीन ईडी अधिकारी घायल हो गए थे. इसके बाद तीन एफ आई आर दर्ज किए गए और गिरफ्तारी से बचने हेतु कथित तौर पर शाहजहाँ शेख बांग्लादेश भाग गया लेकिन शाहजहाँ शेख के भागने के बाद जब महिला आयोग की टीम संदेशखाली पहुंची तो महिलाएं अपनी व्यथा सुनाकर रोने लगीं , इतना ही नहीं जब राज्यपाल सीवी आनंद बोस भी संदेशखाली पहुंचे, तब भी शाहजहां शेख पीड़ित महिलाओं ने अपनी व्यथा से राज्यपाल को अवगत करवाया था. गिरफ्तारी के डर से शाहजहाँ शेख के भागने के बाद स्थानीय महिलाओं को बल मिला और पहली बार अपनी खामोशी तोड़ , फिर महिलाओं ने शाहजहाँ शेख और उनके गुर्गे पर जो आरोप लगाएं हैं वो न सिर्फ दिल दहलाने वाले है, एक राज्य जिसकी मुख्यमंत्री महिला हैं, एक राज्य जो राष्ट्रीय स्तर पर महिला की आवाज होने का दम भरता है , एक राज्य जहाँ महिलाओं को कथित तौर पर सुरक्षित समझा जाता है , ऐसे राज्य में मुख्यमंत्री के नाक के नीचे ऐसी घटना घटित हो रही हो और ममता बनर्जी इससे अनभिज्ञ हो, ऐसा नहीं हो सकता है. संदेशखाली की पीडित महिलाओं का आरोप है कि उन्हें देर रात पार्टी दफ्तर में बुलाया जाता था , इसके बाद उन्हें मनोरंजन करने के लिए कहा जाता था , अगर महिलाएं मना करती थीं तो उन्हें शाहजहां शेख के लोग परेशान करते थे , महिलाओं ने टीवी इंटरव्यू में बताया कि शाहजहां शेख, शिबू हजारा और उत्तम सरकार के लोग नाबालिग बच्चों को नहीं छोड़ते थे , उन्हें शराब के साथ हथियार थमा देते थे , विरोध करने पर महिलाओं के पति और परिवार पर जुल्म किया जाता था , इतना ही नहीं ,उनके मछली पालन वाली जमीन पर भी कब्जा कर लिया गया था , यही वजह है जब राशन घोटाले में पहली ईडी की टीम ने पांच जनवरी को शाहजहां शेख के खिलाफ कार्रवाई को पहुंची तो वहां के लोगों को लगा कि अब अत्याचार से छुटकारा मिला , महिलाओं को हिम्मत मिलने पर उन्होंने प्रदर्शन किया तो आरोप है कि उन्हें शाहजहां शेख के करीबी शिबू हजारा ने धमकाया तो महिलाओं ने गुस्से में पोल्ट्री फार्म को आग के हवाले कर दिया। आरोप है कि हजारा ने कुछ कब्जे की जमीन के साथ सरकारी जमीन पर पोल्ट्री फार्म बनाए थे .इस पूरे घटना क्रम से पश्चिम बंगाल से लेकर दिल्ली तक की सियासत गर्म है और बीजेपी और तृणमूल कांग्रेस आमने- सामने हैं , ऐसे में यह समझना जरूरी है कि आखिर शाहजहाँ शेख कौन है ? आखिर इसका इतना ख़ौफ क्यों है कि एक पूरा गाँव इतने लम्बे समय तक चुप्पी साधे इसका जुल्म सहता रहा ? क्या शाहजहाँ शेख को ममता सरकार का संरक्षण और अपराध की खुली छूट है ? इस पूरी घटना में पश्चिम बंगाल पुलिस की क्या भूमिका है ? एक अपराधी बिना सरकार के संरक्षण के कैसे अपराध के बाद देश छोड़कर भाग सकता है ? आखिर ममता बनर्जी महिलाओं की बात पर भरोसा क्यों नहीं कर रही ? और अगर सबकुछ संदेशखाली में ठीक है सिर्फ राजनीतिक साजिश है तो विपक्षी नेताओं को संदेशखाली जाने से क्यों रोका जा रहा है ? 42 साल का शाहजहां शेख उत्तर 24 परगना में 'भाई' के नाम से मशहूर है. उसके इशारे पर ही राशन घोटाले की जांच करने पहुंची ईडी और सीआरपीएफ टीम पर हमले किए गए . मछली कारोबारी रहे शाहजहां शेख ने 2004 में ईंट भट्ठा यूनियन से अपनी राजनीति शुरू की. सीपीआई(एम) ने उसे यूनियन लीडर बना दिया , फिर उसने कई धंधों में हाथ आजमाया , जमीन की खरीद फरोख्त और सूद पर पैसे देने के कारोबार में उसने तरक्की की , 2011 में उसने सीपीएम छोड़कर टीएमसी का दामन थाम लिया. किसी जमाने में मुकुल राय के खास रहा शाहजहां शेख टीएमसी के दिग्गज नेता ज्योतिप्रिय मल्लिक का करीबी बन गया , इसके बाद सत्ता के गलियारे और प्रशासन में उसकी धमक बढ़ गई , आरोप है कि 2018 में ग्राम पंचायत के उप प्रमुख बनने के बाद उसने जमीन हड़पने का अभियान शुरू कर दिया . इतना ही नहीं अगर मीडिया रिपोर्ट की माने तो शाहजहाँ शेख पर मानव तस्करी जैसे कई आरोप हैं।

यह शाहजहाँ शेख की ममता सरकार का संरक्षण और पुलिस- प्रशासन पर गहरी पकड़ का नतीजा ही था कि 2011 से चले आ रहे महिला उत्पीड़न और शाहजहाँ शेख के जुल्म के बावजूद न सिर्फ महिलाए अपितु पूरा गाँव मौन रहा या यूँ कहें कि उनकी आवाज दबा दी गयी. इस पूरे घटना क्रम में पुलिस की भूमिका भी निश्चित रूप से संदेहास्पद है क्योंकि ई डी पर हमले के बाद एक अपराधी राज्य की सीमा से बाहर केसे जा सकता है , वो भी तब जब सरकार ड्रोन से पूरे इलाके पर नजर रखने का दम भर रही हो ।लेकिन सबसे बड़ा सवाल है कि आखिर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को पीड़ित महिलाओं के आँसू में बीजेपी के साजिश की बू आ रही क्यों आ रही है. इससे शर्मनाक बात शायद कुछ हो ही नहीं सकती कि एक महिला मुख्यमंत्री, महिलाओं की पीड़ा को साजिश करार दे रहीं हैं और अगर सचमुच यह राजनीतिक साजिश भी है, तब भी ममता बनर्जी को जाँच के पूरे होने तक महिलाओं के साथ होना खड़ा होना चाहिए न कि एक अपराधी छवि वाले अपने दल के नेता के साथ । इतना ही नहीं, अगर संदेशखाली में सबकुछ ठीक है तो आखिर क्यों ईडी और भाजपा नेताओं को 144 लगा कर रोका जा रहा है , यहाँ तक कि 144 के उल्लंघन न करते हुए पीडित महिलाओं से मिलने की इजाजत भाजपा के नेताओं को नहीं है , उन्हें रोका जा रहा है. पश्चिम बंगाल बीजेपी के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार संदेशखाली के दौरे के बाद अस्पताल में भर्ती हैं , पार्टी की तरफ से कहा गया था कि उन्हें धक्का दिए जाने के बाद चोट आई है ,बीजेपी के राष्ट्रीय नेतृत्व ने एक प्रतिनिधिमंडल भेजा था , यूपी में डीजीपी रहे बृजलाल के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्री प्रतिमा भौमिक, संगीता यादव, कविता पागीदगार और सांसद सुनीता दुग्गल की टीम संदेशखाली पहुंची लेकिन पुलिस ने इस प्रतिनिधि मंडल को भी रोक दिया. इतना ही नहीं पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि हमने निलंबन के खिलाफ 1 घंटे तक विरोध प्रदर्शन किया , संदेशखाली में जो हुआ उसके खिलाफ आवाज उठाने के लिए ममता बनर्जी ने मुझे और चार अन्य विधायकों को विधानसभा से निलंबित कर दिया, अगर यह सच है तो इसे लोकतंत्र की हत्या और तानाशाही ही माना जाना चाहिए। अब जबकि कोलकाता हाई कोर्ट की सिंगल बेंच उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में हुई घटना पर स्वतः संज्ञान लिया और दो अलग-अलग मामलों में सुनवाई की इजाजत दी , जस्टिस अपूर्ब सिन्हा रॉय ने कहा कि मैं संदेशखाली में दो घटनाओं से स्तब्ध हूं , पहला मामला स्थानीय लोगों की जमीन जबरदस्ती कब्जा करने के आरोप से जुड़ा है , दूसरा बंदूक की नोक पर स्थानीय महिलाओं के यौन उत्पीड़न के आरोप के संबंध में है ,यह अदालत मामले में खुद संज्ञान लेते हुए सुनवाई की इजाजत देती है , इतना ही नहीं, अब यह मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गया है , दरअसल वकील आलोक अलख श्रीवास्तव ने संदेशखाली के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल (जनहित याचिका) दायर की है और याचिका में मांग की है कि कोर्ट की देखरेख में सीबीआइ या एसआईटी की टीम मामले की जांच करें।

ऐसे में ममता सरकार का बैकफुट पर आना लाजिमी है , ममता बनर्जी से इसके मद्देनजर कई प्रशासनिक फेर बदल किया है तथा संदेशखाली हिंसा में शामिल टीएमसी नेता शिबू हाजरा को पुलिस ने गिरफ्तार किया है , हिंसा के मामले में यह पहली और बड़ी गिफ्तारी हुई है , शिबू हाजरा को संदेशखाली हिंसा के मास्टरमाइंट शाहजहां शेख का करीबी माना जाता है, लेकिन शाहजहाँ शेख अब भी फरार है ।

रायबरेली से नेहरू-गांधी परिवार का रिश्ता शायद खत्म न होने पाए!

पंकज कुमार श्रीवास्तव

हालांकि,सत्रहवीं लोकसभा की अंतिम बैठक हो चुकी है लेकिन सत्रहवीं लोकसभा को आधिकारिक रूप से भंग किया जाना अभी शेष है। इस बीच 14 फरवरी,2024 को रायबरेली की सांसद सोनिया गांधी ने राज्यसभा के लिए अपनी उम्मीदवारी का पर्चा दाखिल कर दिया है। अब यह बात स्पष्ट ही थी कि वह 18वीं लोकसभा के लिए रायबरेली सीट से आमचुनाव नहीं लड़ेंगी। तथापि,15 फरवरी,2024 को सोनिया गांधी ने रायबरेली के लोगों के नाम भावुक कर देने वाला पत्र लिखा है। सबसे पहले तो उन्होंने रायबरेली के लोगों को 'स्नेही परिवारजन'कहकर संबोधित किया है। पत्र के पहले ही पैराग्राफ की शुरुआत में वह कहती हैं-'मेरा परिवार दिल्ली में अधूरा है।यह रायबरेली आकर-आप लोगों से मिलकर पूरा होता है।'इन शब्दों से वह अपने परिवार में रायबरेली के तमाम लोगों को जोड़ लेती हैं या यों कहें कि रायबरेली के तमाम लोगों के साथ अपने परिवार को एकाकार कर लेती हैं। इस पहले पैराग्राफ में ही वह आगे कहतीं हैं-'यह नेह-नाता बहुत पुराना है और अपने ससुराल से मुझे सौभाग्य की तरह मिला है।' रायबरेली के लोगों के स्नेहिल रिश्तों का श्रेय वह अपने ससुराल के लोगों यानि कि सास-ससुर(पूर्व प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी और फिरोज गांधी)को देती हैं जिन्होंने भी संसद में रायबरेली का प्रतिनिधित्व किया था और खुद को सास-ससुर की विरासत को आगे बढ़ाने वाली बताया है।

दूसरे पैराग्राफ में वह याद दिलाती हैं कि उनके श्वसुर फिरोज गांधी और सास इंदिरा गांधी ने भी रायबरेली का प्रतिनिधित्व किया था। वह याद दिलाती हैं-तब से अब तक यह सिलसिला जिंदगी के उतार-चढ़ाव और मुश्किल भरी राह पर प्यार और जोश के साथ आगे बढ़ता गया और इस पर हमारी आस्था मजबूत होती गई।

इस पत्र के तीसरे पैराग्राफ के पहले वाक्य में सोनिया गांधी कहती हैं-'इसी रोशन रास्ते पर आपने मुझे भी चलने की जगह दी।' कहने का अभिप्राय यह कि इन शब्दों से सोनिया गांधी रायबरेली के लोगों के साथ अपने आत्मीय रिश्तों का श्रेय खुद को नहीं रायबरेली के लोगों को दे रही हैं। अगले वाक्य में वह कहती हैं-'सास और जीवनसाथी को हमेशा के लिए खोकर मैं आपके पास आई और आपने अपना आंचल मेरे लिए फैला दिया।'यह किसी भी महिला द्वारा दिया जाने वाला ऐसा वक्तव्य है जो किसी को भी भावुक कर देगा। साथ ही वह उस ऐतिहासिकता को भी दुहराता है कि महज 7 साल के अंतराल पर इस देश के अति विशिष्ट परिवार की दो पीढ़ियों-इंदिरा गांधी और राजीव गांधी-ने अपने सार्वजनिक मूल्यों के लिए अपने प्राणों की आहुतियां दी हैं।इस तीसरे पैराग्राफ में ही सोनिया गांधी आगे कहतीं हैं-'पिछले दो चुनावों में विषम परिस्थितियों में भी आप एक चट्टान की तरह मेरे साथ खड़े रहे,मैं यह कभी भूल नहीं सकती। यह कहते हुए मुझे गर्व है कि आज मैं जो कुछ भी हूं,आपकी बदौलत हूं और मैंने इस भरोसे को हरदम निभाने की कोशिश की है।'यह किसी भी जनप्रतिनिधि द्वारा अपनी जनता के प्रति एक श्रेष्ठ आभार संदेश है।

इस पत्र के चौथे पैराग्राफ में सोनिया गांधी उन मजबूरियों का जिक्र करती हैं, जिसके चलते वे लोकसभा चुनाव नहीं लड़कर राज्यसभा जाने का निर्णय लेने को बाध्य हुईं। वह कहती हैं-'अब स्वास्थ्य और बढ़ती उम्र के चलते मैं अगला लोकसभा चुनाव नहीं लड़ूंगी।'वह आगे कहतीं हैं-इस निर्णय के बाद मुझे आपकी सीधी सेवा का अवसर नहीं मिलेगा लेकिन यह तय है कि मेरा मन-प्राण हमेशा आपके पास रहेगा। मुझे पता है कि आप भी हर मुश्किल में मुझे और मेरे परिवार को वैसे ही संभाल लेंगे जैसे अब तक संभालते आए हैं।

किसी पारिवारिक आत्मीय स्वजन की तरह सोनिया गांधी ने पत्र के अंतिम पैराग्राफ में'बड़ों को प्रणाम,छोटों को स्नेह' प्रेषित किया है।साथ ही जल्द मिलने का वादा करना नहीं भूलीं।

भारत का संसदीय इतिहास कोई 72 वर्ष का हो चला। इन 72 वर्षों में रायबरेली ने 17 आमचुनाव और 3 उपचुनाव देखें हैं। इसमें सिर्फ 4 जनप्रतिनिधि ऐसे रहे जिन्होंने कुल 12 वर्षों के लिए रायबरेली संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया और जो या तो नेहरू-गांधी परिवार के बाहर के थे अथवा उन्हें नेहरू गांधी परिवार की व्यक्तिगत पारिवारिक शुभकामनाएं अप्राप्त थीं।

नेहरू-गांधी परिवार और रायबरेली के आम मतदाताओं के बीच आत्मीय और भावुक रिश्ते की शुरुआत भारत में संसदीय इतिहास के शुरूआत से ही हो गई थी।1952 के पहले आमचुनाव में इस संसदीय सीट से कांग्रेस के टिकट पर भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के इकलौते दामाद फिरोज गांधी ने चुनाव लड़ा और जीता। फिरोज गांधी नेहरू के इकलौते दामाद तो थे ही , स्वयं भी स्वतंत्रता सेनानी और पत्रकार के रूप में उनकी स्वतंत्र पहचान थी। निजी बीमा कंपनियों द्वारा गड़बड़ झाले को उन्होंने सार्वजनिक पटल पर रखा और अगर 1956 में बीमा कंपनियों का राष्ट्रीयकरण कर भारतीय जीवन बीमा निगम की स्थापना की गई तो उसके पीछे फिरोज गांधी जैसे लोगों का सद्प्रयास था। 1957में भी वही जीते। भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपनी नैसर्गिकता के कारण मूंदड़ा कांड को भी उन्होंने उजागर किया और जिसके कारण टीटी कृष्णमाचारी जैसे केंद्रीय मंत्री को भी इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा था। 1959 में केरल में ई एम एस नंबूदरीपाद की सरकार को बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लागू किए जाने के फैसले से भी फिरोज गांधी इत्तफाक नहीं रखते थे। 8 सितम्बर,1960 को फिरोज गांधी के असामयिक निधन से यह सीट खाली हो गई और उपचुनाव में नेहरू-गांधी परिवार से बाहर के आरपी सिंह सांसद चुने गए।(हालांकि,वह कांग्रेसी ही थे।) 1962के आमचुनाव में यह सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हो गई सो एक अन्य कांग्रेसी बैजनाथ कुरील ने रायबरेली संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया और वह 1967 तक सांसद रहे।इस प्रकार,1960-67 के 7 वर्षों में नेहरू-गांधी परिवार के बाहर के दो कांग्रेसियों ने रायबरेली संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

पंडित जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद लाल बहादुर शास्त्री प्रधानमंत्री बने और इंदिराजी को उन्होंने अपने कैबिनेट में जगह दी। उन्हें राज्यसभा का सदस्य भी बनाया गया। जनवरी,1966 में लाल बहादुर शास्त्री के असामयिक निधन के बाद इंदिराजी प्रधानमंत्री बनीं। इंदिराजी के कार्यकाल में पहला आमचुनाव 1967 में हुए थे। 1967में रायबरेली सीट अनारक्षित हो गई।इंदिराजी ने अपने संसदीय क्षेत्र के रूप में पति फिरोज गांधी के संसदीय क्षेत्र रायबरेली को ही चुना।1971 में भी इंदिराजी रायबरेली से ही चुनी गईं।1971के आमचुनाव में इंदिराजी की तरफ से कुछ तकनीकी वैधानिक भूलें हो गईं। पराजित उम्मीदवार राजनारायणजी ने उन तकनीकी वैधानिक भूलों को आधार बनाकर इंदिराजी के चुनाव को न्यायालय में चुनौती दी। 12 जून,1975 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जगमोहन लाल सिन्हा ने अपने फैसले से इंदिराजी के चुनाव को रद्द कर दिया। इंदिराजी ने इमरजेंसी लगाकर आमचुनाव एक वर्ष के लिए स्थगित कर दिए। 1971 के बाद आमचुनाव 1976में नहीं ,1977 में हुए थे।

पाकिस्तान में फौज ही है सब कुछ

पाकिस्तानी सेना ने पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पार्टी को सत्ता में लाने की पटकथा चुनाव से पहले ही लिख दी थी। उसने अपने घनघोर आलोचक इमरान खान को जेल में डाल दिया। उन्हें चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया। पार्टी का चुनाव चिह्न छीन लिया गया। पार्टी को निर्दलीय उम्मीदवारों के रूप में अपने प्रत्याशी उतारने पड़े। इसके बावजूद उन उम्मीदवारों ने नवाज शरीफ की पीएनएल (एन) और बिलावल की पीपीपी को धूल चटा दी। भले ही नवाज शरीफ की पार्टी फिर भी सरकार बना रही है, पर अब पूरा विश्व जान गया है कि उस दल को सत्ता सौंपी गई है, जिसे जनता ने बहुमत नहीं दिया है। दरअसल पाकिस्तान में अब तक अपराजेय रही सेना साल-डेढ़ साल से अपना दबदबा कायम रखने के लिए संघर्ष कर रही है। पर कुछ समय से उसका हर दांव उल्टा पड़ रहा है।

असल में पाकिस्तान ने जब से दुनिया के नक्शे में आकार लिया, तब से एकाध अपवाद छोड़कर फौज ही हुकूमत करती रही है। संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना की संक्षिप्त पारी छोड़ दें, तो कोई भी राजनेता तभी काम कर पाया, जब उसने सेना के साथ तालमेल बिठाया। हालांकि अंतिम दिनों में जिन्ना भी अपनी छवि पर दाग लगने से नहीं रोक पाए थे। यहीं से पाकिस्तान के लोकतंत्र की गाड़ी पटरी से उतर गई। फौज धीरे-धीरे निरंकुश होती गई और उसके अधिकारी अपने-अपने धंधे करते रहे। यह फौज जुल्फिकार अली भुट्टो को प्रधानमंत्री भी बनवाती और सरेआम फांसी पर लटकाती है, बहुमत से चुनाव जीतने के बाद भी बंगबंधु शेख मुजीब उर रहमान को जेल में डालती है और एक मुल्क के दो टुकड़े भी होने देती है। बेनजीर भुट्टो की हत्या भी ऐसी ही साजिश का परिणाम थी। कारगिल में घुसपैठ कराके अपनी किरकिरी कराने वाली भी यही फौज है। यानी सेना को जम्हूरियत तभी तक अच्छी लगती है, जब तक हुक्मरान उसकी जेब में रहें और उसके इशारों पर नाचते रहें। देश का पिछड़ापन और तमाम गंभीर मसले उसे परेशान नहीं करते। वह जानती है कि लोग जब तक हिंदुस्तान से नफरत करते रहेंगे, तब तक उसकी दुकान चलती रहेगी। पाकिस्तान में महंगाई चरम पर है, बेरोजगारी बढ़ती जा रही है, आतंकवादी वारदातें कम नहीं हो रही हैं, उद्योग-धंधे चौपट हैं, दुनिया में पाकिस्तान की किरकिरी हो रही है और देश दिवालिया होने के कगार पर है। शाहबाज शरीफ कल भी फौज की कठपुतली थे, आज भी हैं और कल भी रहेंगे। आज यदि सेना इमरान को प्रधानमंत्री बना दे, तो वे फिर फौज के गीत गाने लगेंगे और शाहबाज शरीफ को सेना गद्दी से उतार दे, तो वह उसके खिलाफ धरने पर बैठ जाएंगे।

मुंबई पर मंडरा सकता है बड़ा खतरा

अशोक भाटिया

मुंबई व पालघर में आज से दो दिनों के मौसम के लिए बताया जा रहा है कि ठण्ड बढेगी और बरसात भी हो सकती है । फरवरी माह में यह जलवायु परिवर्तन आश्चर्य की बात मानी जाएगी पर यह आश्चर्य नहीं है. यह सब बार - बार होने वाली जलवायु परिवर्तन का नतीजा है । आम तौर पर जलवायु परिवर्तन से होने वाले खतरों पर लोग ज्यादा बात नहीं करते हैं लेकिन सरकार और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में इसको लेकर गंभीर चिंता है और नई-नई रिपोर्ट चौंकाने वाली हैं। विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने एक रिपोर्ट में कहा कि भारत, चीन, बांग्लादेश और नीदरलैंड में समुद्री जल स्तर बढ़ गया है। इस रिपोर्ट में ये कहा गया कि बढ़े हुए समुद्री जल स्तर से अलग-अलग महाद्वीपों के कई बड़े शहर डूब सकते हैं। इनमें शंघाई, ढाका, बैंकॉक, जकार्ता, मुंबई, मापुटो, लागोस, काहिरा, लंदन, कोपेनहेगन, न्यूयॉर्क, लॉस एंजिल्स, ब्यूनस आयर्स और सैंटियागो शामिल हैं। इस बार समुद्री जल स्तर के बढ़ने की वजह इंसान है और ये1971 के बाद पहली बार हो रहा है। WMO की रिपोर्ट में बताया गया है कि 1900 के बाद से समुद्र का जल स्तर तेजी से बढ़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, 1993 से 2002 के बीच हर साल औसतन 2.1 मिमी जल स्तर बढ़ा था जबकि 2003 से 2012 के बीच सालाना औसतन 2.9 मिमी जल स्तर बढ़ा। वहीं, 2013 से 2022 के बीच हर साल औसतन 4.5 मिमी जल स्तर बढ़ा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि तापमान के 2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने से समुद्री जल स्तर 2 से 6 मीटर तक बढ़ सकता है। 5 डिग्री सेल्सियस तक तापमान बढ़ने से 19 से 22 मीटर तक जल स्तर बढ़ने का खतरा है।

WMO की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले तीन हजार सालों में समुद्र का जल स्तर इतनी तेजी से बढ़ना परेशानी का सबब है। रिपोर्ट में ये भी बताया गया कि समुद्र भी पिछले 11 हजार सालों सबसे ज्यादा गर्म हुआ है। रिपोर्ट में समझाया गया है कि समुद्र के जल स्तर में हर साल औसतन 0.15 मीटर तक भी बढ़ोतरी होने से बाढ़ से प्रभावित होने वाली आबादी 20 फीसदी बढ़ जाएगी। समुद्र के जल स्तर में 0.75 मीटर की बढ़ोतरी होने से 40 फीसदी आबादी को खतरा होगा। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि दुनिया की 10 फीसदी आबादी यानी करीब 90 करोड़ लोग तटीय इलाकों में रहते हैं और समुद्री जल स्तर बढ़ने से इन पर सबसे ज्यादा खतरा है यानी धरती पर रह रहे 10 में से 1 व्यक्ति को बाढ़ की मार झेलनी पड़ेगी। उन्होंने बताया कि कई अफ्रीकी देशों में लोगों का जीवन समुद्री जल स्तर बढ़ने से खत्म हो सकता है।

गुटेरेस का कहना है कि समुद्री जल स्तर बढ़ने से कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। बढ़ते जल स्तर से 25 से 45 करोड़ लोगों के जीवन पर असर पड़ेगा।कई आइलैंड या देश गायब हो सकते हैं साथ ही रहने के लिए जमीन और पीने के लिए पानी का खतरा भी पैदा हो जाएगा। ऐसा 80 साल से भी कम समय में हो सकता है। ये समय कम है ऐसे में ये भी एक बड़ी चुनौती बनेगी। जल स्तर बढ़ने की सबसे बड़ी वजह जलवायु परिवर्तन है जिसकी वजह से धरती का तापमान घट - बढ़ रहा है । तापमान बढ़ने से बर्फ पिघल रही है और समंदर भी गर्म हो रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के मुताबिक हर साल अंटार्कटिका में 150 अरब टन बर्फ पिघल रही है। जलवायु परिवर्तन को समझने से पहले जलवायु को समझना जरूरी है। जलवायु का मतलब किसी दिये गए क्षेत्र में लंबे समय तक औसत मौसम से होता है। जब भी किसी क्षेत्र विशेष के औसत मौसम में बदलाव आता है तो उसे जलवायु परिवर्तन कहते हैं। जलवायु परिवर्तन को किसी एक खास जगह से लेकर एक साथ पूरी दुनिया में भी महसूस किया जाता है। फिलहाल जलवायु परिवर्तन का असर पूरी दुनिया में देखने को मिल रहा है। पृथ्वी का अध्ययन करने वाले वैज्ञानिकों का कहना है पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। वैज्ञानिकों को बीते 100 सालों में पृथ्वी का तापमान 1 डिग्री फारेनहाइट तक बढ़ा हुआ होना परेशान कर रहा है। पृथ्वी के तापमान में यह परिवर्तन पृथ्वी की जनसंख्या से काफी कम हो सकता है। लेकिन इस तरह का कोई परिवर्तन मानव जाति पर बड़ा और खतरनाक असर डाल सकता है। अभी बढ़ा हुआ पृथ्वी का तापमान और महासागरों का बढ़ता जलस्तर जलवायु परिवर्तन का ही नतीजा है। जलवायु परिवर्तन के लिए प्राकृतिक और मानवीय गतिविधियां जिम्मेदार होती हैं। ऐसा 1971 के बाद पहली बार हो रहा है जब जल स्तर के बढ़ने की वजह इंसान यानी मानवीय गतिविधियां है।

मानवीय गतिविधियों में तेजी से बढ़ता शहरीकरण, औद्योगिकीकरण है। WMO की रिपोर्ट में बढ़ते समुद्री जल स्तर से भारत को भी खतरा है। सबसे ज्यादा खतरा मुंबई को है। 2021 में इंटरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज यानी IPCC ने एक रिपोर्ट जारी की थी।

एक सिक्के से प्रसन्न हो जातीं हैं मां लक्ष्मी

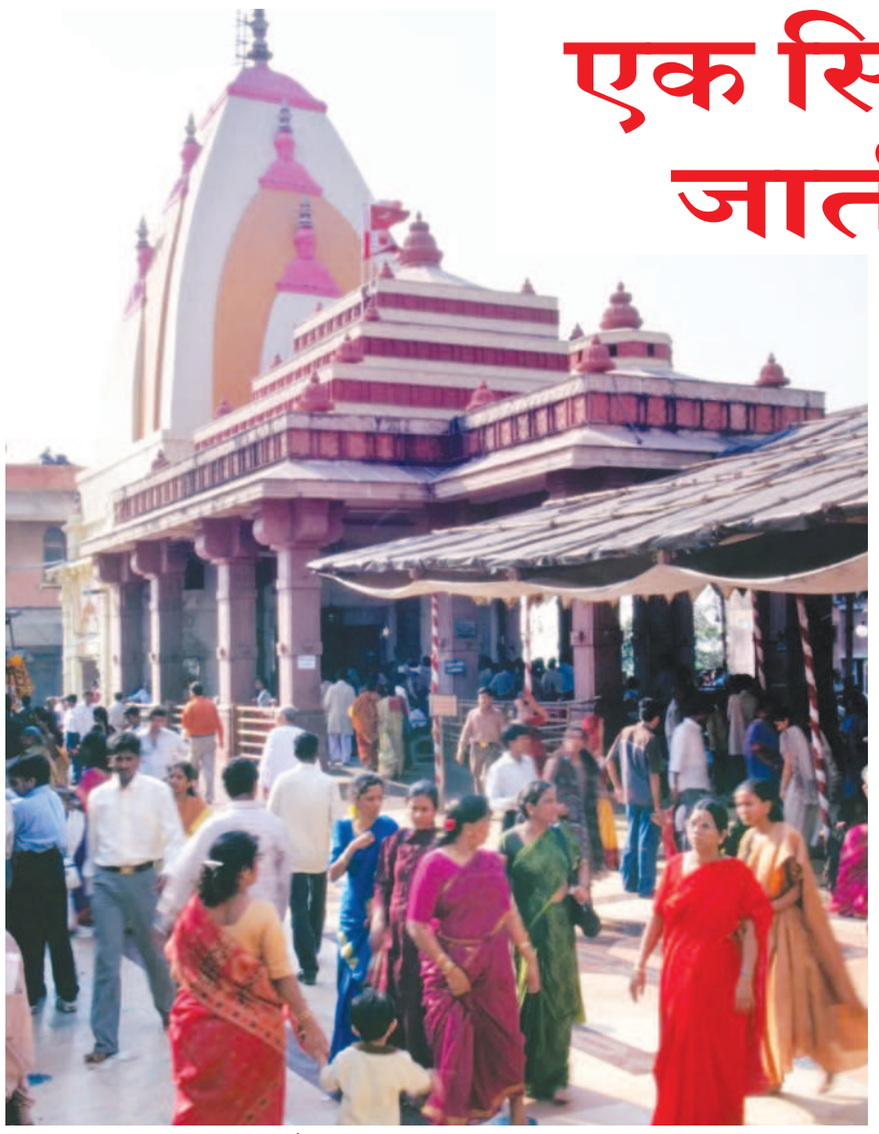

संपूर्ण भारत में ऐसे कई मंदिर हैं, जो अपनी मान्यताओं के चलते भक्तों के दिलों में आस्था की दिव्य अलख जगाते हैं। कई तो ऐसे मंदिर हैं जहां केवल मत्था टिकाने से मुरादें पूरी हो जाती हैं। तो कहीं पर लोग चिट्ठियों में अपनी मन्नतें पूरी होने की अर्जी लगाते हैं। इन अद्भुत मंदिरों की श्रेणी में से एक है देश की व्यावसायिक राजधानी मुंबई में स्थापित मां लक्ष्मी का मंदिर। यहां तो महज एक सिक्के से ही धन की देवी माता लक्ष्मी प्रसन्न हो जाती हैं। यही नहीं यहां देवी के दर्शनों के लिए लोग प्रातः बेला के बजाए रात्रि के प्रहर में अधिकाधिक संख्या में पहुंचते हैं। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं.....

अद्भुत है मंदिर निर्माण की प्रक्रिया

मंदिर को लेकर अंग्रेजी शासन के दौरान का उल्लेख मिलता है। जानकारी मिलती है कि उस दौरान मुंबई में वर्ली और मालाबार हिल को जोड़ने के लिए दीवार बनाने का कार्य चल रहा था। इस निर्माण कार्य में सैकड़ों मजदूर लगे थे ताकि कहीं भी किसी भी तरह की कोई परेशानी न आए और दीवार का कार्य जल्दी से जल्दी पूरा कराया जा सके। लेकिन बावजूद इसके दीवार बन ही नहीं पा रही थी। कई बार तो यहां तक हुआ कि दीवार पूरी बनने के बाद ढह जाती। इसे लेकर ब्रिटिश इंजीनियर्स काफी परेशान हो गये। उन्हें कोई रास्ता ही नहीं सूझ रहा था कि आखिर कैसे इस दीवार का काम पूरा कराया जा सके।

स्वयंभू हैं समुद्र किनारे बसी माता लक्ष्मी

मुंबई के भूलाभाई देसाई मार्ग पर समुद्र किनारे स्थित माता लक्ष्मी मंदिर की प्रतिमा स्वयंभू है। कहानी मिलती है कि जब ब्रिटिश इंजीनियर्स काफी परेशान हो गये तो एक दिन उस प्रॉजेक्ट के चीफ इंजीनियर को माता लक्ष्मी ने सपने में दर्शन दिये। बताया जाता है कि मां ने उन्हें सपने में कहा कि वर्ली में समुद्र किनारे उनकी एक मूर्ति है। उसे निकालकर समुद्र के किनारे ही मेरी स्थापना करो। मां ने आगे कहा कि यदि वह ऐसा करेंगे तो वर्ली-मालाबार हिल के बीच की दीवार आसानी से खड़ी हो जाएगी।

असंमजस में पड़ गया चीफ इंजीनियर

बताया जाता है कि जब चीफ इंजीनियर की नींद खुली तो पहले तो उसे अपने सपने पर विश्वास नहीं हुआ। लेकिन जब वह दीवार के बारे में विचार करता तो उसे लगता कि क्यों न एक बार वह सपने में बताये गए स्थान पर जाकर देख ले। पूरा दिन इसी उधेड़बुन में बीत गया। शाम होते-होते उसने कामगारों को सपने में बताये गए स्थान पर जाकर मां की मूर्ति ढूढ़ने को कहा। कहा जाता है कि कुछ ही समय बाद कामगारों को मां की मूर्ति मिल गई। वह उसे लेकर चीफ इंजीनियर के पास पहुंचे। मां की मूर्ति देखते ही वह भाव विभोर हो उठा। इसके बाद उसने मां की प्रतिमा को प्रणाम किया।

मां के बताए गये स्थान पर हुई प्रतिमा की स्थापना

प्रतिमा मिलने के बाद चीफ इंजीनियर ने सपने में मां के द्वारा बताए गये स्थान पर मूर्ति की स्थापना करवाकर एक छोटा सा मंदिर बनवा दिया। कहा जाता है उसके बाद वर्ली और मालाबार हिल को जोड़ने वाली दीवार आसानी से बन गई। इसके बाद मंदिर को लेकर आस-पास के भक्तों में आस्था बढ़ती गई। अब देश के कोने-कोने से श्रद्धालु माता लक्ष्मी के मंदिर में अर्जी लगाने पहुंचते हैं।

मंदिर में स्थापित हैं तीन देवियां

चीफ इंजीनियर के मंदिर निर्माण करवाने के बाद साल 1831 में धाकजी दादाजी नामक व्यापारी ने मंदिर को विस्तार रूप दिया। इस मंदिर में माता महालक्ष्मी, देवी महाकाली और देवी महासरस्वती की प्रतिमाएं स्थापित हैं। खास बात यह है कि मां महालक्ष्मी को शेर पर सवार करके महिषासुर का वध करते हुए दिखाया गया है।

रात में होते हैं दर्शन

मंदिर में स्थापित तीनों देवियों की प्रतिमाओं के असली स्वरूप सोने के मुखौटों से ढंके हुए हैं। वास्तविक मूर्ति के दर्शनों के लिए भक्तों को रात्रि साढ़े नौ बजे का इंतजार करना होता है। यही वह समय होता है जब प्रतिमाओं के ऊपर से आवरण हटा दिया जाता है। तकरीबन 10 से 15 मिनट तक के लिए प्रतिमाओं पर कोई आवरण नहीं डाला जाता। इस दौरान भक्तों का तांता लगा रहता है। हालांकि मंदिर में सुबह 6 बजे मंदिर के खुलने के साथ ही माता का अभिषेक होता है। इसके बाद ही मूर्तियों के ऊपर आवरण चढ़ा देते हैं।

सिक्कों से पूरी होती हैं मनौती

महालक्ष्मी मंदिर की खास बात यह है कि यहां भक्तों की मन्नतें महज एक सिक्के से ही पूरी हो जाती हैं। मंदिर को लेकर आस्था है कि यहां मन्नत मांगकर सिक्का चिपकाने से जो भी मांगा जाए वह पूरा हो जाता है। हैरान करने वाली बात यह है कि यहां दीवार पर सिक्के चिपकाने के लिए किसी तरह के ग्लू की जरूरत नहीं होती। सिक्के अपने आप ही चिपक जाते हैं।

कोयले और हीरे में कोई रासायनिक फर्क नहीं है

जाएं। लेकिन मैं उनसे पूछता हूं, आप किसकी बात सुन कर उलझे थे? आप अपने आप उलझ गए थे, बच्चे भी अपने आप उलझ जाएंगे। यह हो भी सकता है कि अगर उन्हें समझ दी जाए, विचार दिया जाए, बोध दिया जाए, तो शायद वे अपनी ऊर्जा को व्यर्थ करने से बच सकें, ऊर्जा को बचा सकें, रूपांतरित कर सकें।

रास्ते के किनारे पर कोयले का ढेर लगा होता है। वैज्ञानिक कहते हैं कि कोयला ही हजारों साल में हीरा बन जाता है। कोयले और हीरे में कोई रासायनिक फर्क नहीं है, कोई केमिकल भेद नहीं है। कोयले के भी परमाणु वही हैं जो हीरे के हैं; कोयले का भी रासायनिक-भौतिक संगठन वही है जो हीरे का है। हीरा कोयले का ही रूपांतरित, बदला हुआ रूप है। हीरा कोयला ही है।

मैं आपसे कहना चाहता हूं कि सेक्स कोयले की तरह है, ब्रह्मचर्य हीरे की तरह है। लेकिन वह कोयले का ही बदला हुआ रूप है।

वह कोयले का दुश्मन नहीं है हीरा। वह कोयले की ही बदलाहट है। वह कोयले का ही रूपांतरण है। वह कोयले को ही समझ कर नई दिशाओं में ले गई यात्रा है। सेक्स का विरोध नहीं है ब्रह्मचर्य, सेक्स का ही रूपांतरण है, ट्रांसफार्मेशन है। और जो सेक्स का दुश्मन है, वह कभी ब्रह्मचर्य को उपलब्ध नहीं हो सकता है।

ब्रह्मचर्य की दिशा में जाना हो– और जाना जरूरी है, क्योंकि ब्रह्मचर्य का मतलब क्या है? ब्रह्मचर्य का इतना मतलब हैः वह अनुभव उपलब्ध हो जाए, जो ब्रह्म की चर्या जैसा है। जैसा भगवान का जीवन हो, वैसा जीवन उपलब्ध हो जाए। ब्रह्मचर्य यानी ब्रह्म की चर्या, ब्रह्म जैसा जीवन। परमात्मा जैसा अनुभव उपलब्ध हो जाए।(क्रमशः)

कौन मुझे खींच रहा है? और मैं आपसे कहता हूं, उस अनुभव को पाने के सुगम रास्ते हैं। ध्यान, योग, सामायिक, प्रार्थना, सब उस अनुभव को पाने के मार्ग हैं। लेकिन वही अनुभव हमें आकर्षित कर रहा है, यह सोच लेना, जान लेना जरूरी है।

एक मित्र ने मुझे लिखा कि आपने ऐसी बातें कहीं, कि मां के साथ बेटी बैठी थी, वह सुन रही है! बाप के साथ बेटी बैठी है, वह सुन रही है! ऐसी बातें सबके सामने नहीं करनी चाहिए।

मैंने उनसे कहा, आप बिलकुल पागल हैं। अगर मां समझदार होगी, तो इसके पहले कि बेटी सेक्स की दुनिया में उतर जाए, उसे सेक्स के संबंध में अपने सारे अनुभव समझा देगी। ताकि वह अनजान, अधकच्ची, अपरिपक्व सेक्स के गलत रास्तों पर न चली जाए। अगर बाप योग्य है और समझदार है, तो अपने बेटे को और अपनी बेटी को अपने सारे अनुभव बता देगा। ताकि बेटे और बेटियां गलत रास्तों पर न चले जाएं, जीवन उनके विकृत न हो जाएं। लेकिन मजा यह है कि न बाप का कोई गहरा अनुभव है, न मां का कोई गहरा अनुभव है। वे खुद भी सेक्स के तल से ऊपर नहीं उठ सके। इसलिए घबराते हैं कि कहीं सेक्स की बात सुन कर बच्चे भी इसी तल में न उलझ

वास्तु की इन गलतियों के कारण भी बार-बार बीमार पड़ते हैं लोग

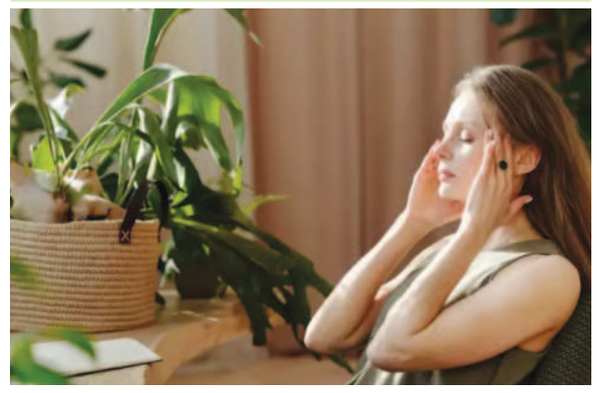

क्या आप बार-बार बीमार पड़ते हैं या फिर आप हमेशा ही थका-थका महसूस करते हैं? अगर आपका जवाब हां है, तो हो सकता है कि वास्तु की कुछ गलतियां आपकी हेल्थ के लिए जिम्मेदार हो। आमतौर पर वास्तु से जुड़ीं गलतियां होने से इसका असर आपकी हेल्थ पर पड़ता है। घर में कुछ सामान ऐसा होता है, जिनके होने से घर में नेगेटिव एनर्जी आती है। जैसे, सोचिए कि अगर आपके कमरे में सामान इधर-उधर पड़ा रहेगा या आपका बिस्तर साफ नहीं होगा, तो आपको आलस आएगा और कुछ भी काम करने का मन नहीं करेगा। इसी तरह वास्तु शास्त्र भी है, आप अगर कुछ बातों का ख्याल नहीं रखते, तो आपके घर में नेगेटिव एनर्जी आ सकती है, जिसका असर आपकी फिजिकल और मेंटल हेल्थ दोनों पर पड़ता है।

दक्षिण दिशा में न रखें बेड

दक्षिण दिशा यमराज की मानी जाती है, इसलिए दक्षिण दिशा की तरह पैर करके सोने से भी बचना चाहिए। वास्तु के अनुसार दक्षिण दिशा में पैर करके सोने से सिर और पैरों में दर्द हो सकता है। इसके अलावा आपको हमेशा शरीर के बाकी हिस्सों में दर्द की शिकायत भी होने लगती है।

खिड़ियां और दरवाजे बंद करके न रखें

खुली और ताजा हवा किसे पसंद नहीं होती लेकिन जरूरी नहीं है कि खुली हवा आपको सिर्फ बाहर ही मिले बल्कि घर में भी आप हवा का ख्याल रखें। वेंटिलेशन के लिए आपको दरवाजे और खिड़कियां हमेशा बंद रखकर नहीं रखनी चाहिए। इस घर में नेगेटिव एनर्जी आती है। आप अगर सुबह-शाम खिड़िया और दरवाजे बंद करके रखते हैं, तो उसका असर आपकी सेहत पर पड़ता है।

नेचुरल लाइट्स के लिए स्पेस न होना

आजकल घरों में एलईडी लाइट्स लगाने का ट्रेंड काफी बढ़ गया है, जिसकी वजह से लोग दिन में भी इन लाइट्स को ऑन रखना पसंद करते हैं।

इसकी एक वजह यह भी होती है कि घरों में प्राकृतिक रोशनी जाने की जगह ही नहीं होती, जिस वजह से हमेशा लाइट्स जलाकर रखनी होती है लेकिन यह लाइट्स देखने में कितनी भी सुंदर लगे लेकिन आपकी हेल्थ के लिए सही नहीं है। अच्छी सेहत के लिए आपके घर में प्राकृतिक रोशनी का आना बहुत जरूरी है।

घर में पेड़-पौधे न होना

आजकल घरों में स्पेस बहुत कम होता है, इसलिए घरों में पेड़ लगाना बहुत ही मुश्किल है लेकिन अच्छी सेहत के लिए आप अपने घर में इनडोर प्लांट्स तो रख ही सकते हैं। घर में हरियाली रहने से आपकी हेल्थ अच्छी रहती है। कुछ ऐसे पौधे होते हैं, जिन्हें आप घरों में आसानी से रख सकते हैं। इनमें एयर प्यूरिफॉयर प्लांट्स जरूर रखें।

मिलेगी मनचाही नौकरी, आज से अपनाएं ये 4 आसान उपाय

वास्तु शास्त्र के नियमों के पालन करने से इंसान अपने करियर को सुखमय बना सकता है। कई बार ऐसा होता है कि व्यक्ति को अधिक मेहनत करने के बाद भी मनचाही नौकरी नहीं मिलती है। अगर आप भी इस समस्या का सामना कर रहे हैं, तो वास्तु शास्त्र के उपाय आपके लिए बेहद लाभकारी होंगे।

वास्तु शास्त्र में ऐसे कई उपायों के बारे में बताया गया, जिनको करने से व्यक्ति मनचाही नौकरी हासिल कर सकता है।

वास्तु के मुताबिक, पीला रंग सकारात्मकता को दर्शाता है और यह रंग सफलता का प्रतीक भी माना जाता है। ऐसे में नौकरी के स्थान पर पीला रंग इस्तेमाल करना चाहिए। अगर आप कोई इंटरव्यू देने जा रहे है तो पीले रंग कई शर्ट भी पहन सकते है।

नौकरी के लिए वास्तु टिप्स

– उत्तर दिशा को कुबेर की दिशा माना जाता है। अगर आपकी नौकरी नहीं लग पा रही है तो घर की उत्तर दिशा की दीवार पर आप मुख्य आईना लगाएं। ध्यान रखें कि यह आईना इतना बड़ा हो जिसमें आपका पूरा शरीर नजर आए। वास्तु का यह उपाय करने से जल्द ही नौकरी मिलती है।

– घर का मध्य स्थान ब्रह्म स्थान होता है। यह भगवान बृहस्पति का भी स्थान माना जाता है। बृहस्पति की स्थिति मजबूत हो करियर में खूब तरक्की मिलती है। इसके लिए घर के मध्य स्थान पर कोई भारी सामान रखें। इस जगह को खाली रखने से करियर में लाभ मिलता है।

– वास्तु शास्त्र में उत्तर दिशा को करियर और व्यावसायिक तरक्की से जोड़ा गया है। अपने घर की उत्तर दिशा में गंदगी जमा न होने दें।

उसे हमेशा साफ रखें। इस दिशा में रखी गैरजरूरी चीजों को हटा दें। इससे इस क्षेत्र में एनर्जी का प्रवाह बेहतर हो जाएगा और आपकी नौकरी की संभावना बढ़ जाएगी।

– नौकरी के इंटरव्यू और लिखित परीक्षा में सफलता पाने के लिए अपने कमरे की उत्तर दिशा में हरे-भरे पौधे रखें। हरियाली नई शुरुआत का प्रतीक होती है और अच्छे अवसरों को आकर्षित करती है। आप अपनी स्टडी टेबल पर भी इनडोर प्लांट रख सकते हैं। इससे आपकी किस्मत खुल सकती है।

बंद पड़ी घड़ियां लाती हैं दुर्भाग्य

दक्षिण दिशा के स्वामी मृत्यु के देवता यमराज को माना गया है, इसलिए दक्षिण दिशा की ओर लगी घड़ी में समय देखना अशुभ माना जाता है। दक्षिण दिशा में कभी भी घड़ी नहीं लगानी चाहिए, इस दिशा में घड़ी लगाने से घर से सदस्यों की उन्नति बाधित होती है और घर के मुखिया का स्वास्थ्य प्रभावित होता है।

दरवाजे के ठीक ऊपर भी घड़ी को न लगाएं, दरवाजे पर घड़ी लगाने से नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है जिससे कई प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार दीवार पर घड़ी लगाने की सबसे शुभ दिशा है, पूर्व और उत्तर क्योंकि पूर्व दिशा और उत्तर दिशा को वृद्धि की दिशा माना गया है, इसलिए घर, कार्यालय, ऑफिस में प्रगति के लिए घड़ी को पूर्वी दीवार अथवा उत्तरी दीवार पर ही लगाना चाहिए जिससे जब भी आपको समय देखना हो तो आपकी नजर पूर्व या उत्तर की दीवार पर ही पड़े।

सही दिशा में पेंडुलम वाली घड़ी लगाना शुभ माना गया है, इससे उन्नति के नए अवसर प्राप्त होते रहते हैं।

अक्सर देखा गया है, कुछ लोग अपने घर की घड़ी को कुछ मिनट पीछे अथवा कुछ मिनट आगे कर देते हैं। घड़ी को कुछ मिनट पीछे करने वालों

का तर्क है, कि ऐसा करने से वे कुछ समय पूर्व घर से निकलकर गन्तव्य तक बिना देरी के पहुंच जाएं। फेंगुशुई के अनुसार घर की घड़ी का समय से पीछे चलना अच्छा नहीं माना जाता, इसलिए घड़ी का समय हमेशा सही होना चाहिए, समय आगे या पीछे नहीं होना चाहिए, सही समय वर्तमान में रहना भी सिखाता है जो प्रगति के लिए आवश्यक है।

वास्तु फेंगशुई के अनुसार कार्य क्षमता को बढ़ाने एवं घर की ऊर्जा को संतुलित करने के लिए मधुर संगीतमय घड़ी शुभ दिशा में लगानी चाहिए। मधुर संगीत वाली घड़ी लगाने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है और घर में घड़ी की मधुर ध्वनि खुशियों में वृद्धि करती है।

क्या आपने भी सपने में देखा टूटा हुआ कांच? तो हो जाएं सतर्क

स्वप्न शास्त्र के मुताबिक सपने हमें भविष्य में होने वाली घटनाओं का संकेत देते हैं। अगर सपने में टूटा हुआ शीशा देखते हैं, तो इसके कई अलग-अलग अर्थ हो सकते हैं। व्यक्ति जब नींद में होता है तब वह सपनों की दुनिया में चला जाता है। हर व्यक्ति कई प्रकार के सपने देखता है। अगर सपने में टूटा हुआ कांच देखा है, तो यह व्यक्ति के लिए आने वाली असफलताओं एवं कठिन दिनों की चेतावनी है। स्वप्न शास्त्र में सपने में टूटा हुआ शीशा देखने के बारे में क्या बताया है।

अगर आप खुद को सपने में कांच तोड़ते हुए देखते हैं, तो ऐसी छवि अक्सर प्रियजनों की चालाकी के कारण मानसिक पीड़ा का संकेत देती है। साथ ही आपको किसी करीबी से विश्वासघात मिल सकता है। सपने में कांच तोड़ने का मतलब है किसी ऐसे रहस्य की खोज करना जो सपने देखने वाले के लिए बेहद चौंकाने वाला होता है।

महिलाओं को सपने में टूटा दर्पण दिखना महिलाओं को सपने में दर्पण टूटा दिखाई देना, उनके आसपास के लोगों के प्रति सावधानी बरतने का संकेत हो सकता है।

यह सपना अक्सर जीवन में महत्वपूर्ण घटनाओं से पहले आता है। सपने में टूटा कांच देखना भी नकारात्मक संकेत देता है। यह भविष्य की योजनाओं और आशाओं के पतन, किसी रिश्तेदार की मृत्यु, मानसिक पीड़ा, आंसू और दुःख का प्रतीक हो सकता है। साथ ही, यह किसी करीबी की दोहरी मानसिकता का संकेत भी हो सकता है जो आपको चोट पहुंचा सकती है। ऐसे लोगों से दूरी बनाकर रखना उचित होगा।

टूटे कांच में किसी अजनबी को देखना

सपने में टूटा हुआ कांच अपने हाथ में रखना महत्वपूर्ण परिवर्तनों का संकेत देता है। यदि आप अपने प्रतिबिंब को देखते हुए मुस्कुरा रहे हैं या खुशी मना रहे हैं, तो यह सकारात्मक परिवर्तनों का संकेत है। उदास और भयभीत चेहरा नकारात्मक परिवर्तनों का संकेत देता है। सपने में अगर टूटे कांच में किसी अजनबी को देखते हैं, तो इसका मतलब वास्तविक जीवन में व्यक्ति को अपने व्यवहार के बारे में सोचने की जरूरत है। इसके साथ ही अपने पसंदीदा व्यक्ति के साथ बातचीत करने की शैली को बदलने की जरूरत है।

'सुनाई दे रहा है, बहरा नहीं हूं', अवॉर्ड शो में करण जौहर पर बुरी तरह भड़के रणबीर कपूर !

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर इन दिनों कई अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। वहीं उनकी साल 2023 में रिलीज हुई फिल्म 'एनिमल' लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। संदीप रेड्डी वांगा के निर्देशन में बनी यह फिल्म 1 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इस फिल्म की कहानी को खूब पसंद किया गया था। सिनेमाघरों में हर दिन नए रिकॉर्ड बनाने के बाद अब यह फिल्म ओटीटी पर धमाल मचा रही है। 'एनिमल' में रणबीर कपूर की एक्टिंग को खूब पसंद किया गया था।

वहीं फिल्म के डायलॉग अभी भी चर्चा में बने हुए हैं। इसी बीच रणबीर कपूर और करण जौहर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर

वायरल हो रहा है। यह वीडियो किसी अवॉर्ड फंक्शन का है। वीडियो में रणबीर कपूर बुरी तरह से करण जौहर पर चिल्लाते नजर आ रहे हैं।

करण जौहर पर चिल्लाए रणबीर कपूर

दरअसल सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। यह वीडियो गुजरात के अवॉर्ड शो की बताई जा रही है। इस अवॉर्ड शो को करण जौहर और आयुष्मान खुराना होस्ट करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में देखा सकता है कि करण जौहर, रणबीर कपूर से मदद मांगते नजर आ रहे हैं। वह कहते हैं कि "रणबीर ही कर सकता है, रणबीर ही करेगा, रणबीर को ही करना चाहिए, रणबीर को हमारी मदद करनी चाहिए।"

इस पर रणबीर कपूर एनिमल का डायलॉग बोलते हुए कहते हैं कि 'सुनाई दे रहा है, बहरा नहीं हूं मैं।' उनके इस रिएक्शन से करण हैरान रह गए। यह वीडियो एक फैन पेज से शेयर किया है। हालांकि रणबीर गुस्से में दिख रहे थे, लेकिन ऐसा लग रहा था जैसे यह उस एक्ट का हिस्सा था जो तीनों अवॉर्ड शो के लिए पेश कर रहे थे।

रणबीर कपूर वर्कफ्रंट

बता दें कि रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म एनिमल में अनिल कपूर, बॉबी देओल, तृप्ति डिमरी और शक्ति कपूर सहित कई सितारे अहम भूमिका में थे। फिल्म की कहानी पिता और बेटे के इर्द-गिर्द घूमती नजर आई थी। वहीं रणबीर कपूर के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' में नजर आएंगे।इसके अलावा वे 'एनिमल पार्क' में भी हैं, जो वर्ष 2023 की हिट फिल्म 'एनिमल' का सीक्वल है। वहीं, रणबीर 'ब्रह्मास्त्र 2' में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इन सबके अलावा वह नितेश तिवारी की 'रामायण' में राम की भूमिका में दिखेंगे।

'अपवित्र' होने का लगा लांछन, ब्रेकअप के बाद पिता को खोया, डिप्रेशन से लौटीं

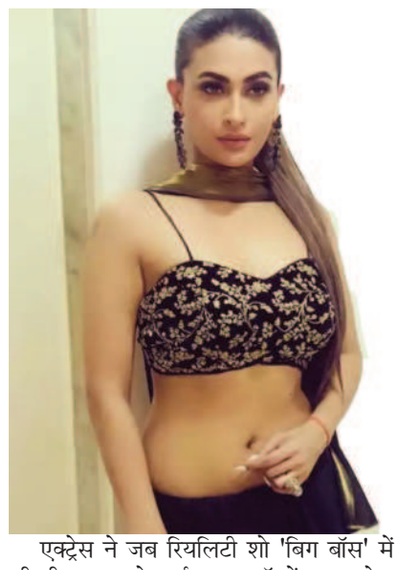

एक्ट्रेस ने जब रियलिटी शो 'बिग बॉस' में एंट्री की थी, तब उनके कई एक्स ब्वॉयफ्रेंड सामने आकर उन्हें लेकर कई खुलासे करने लगे थे. उन पर शादीशुदा होने के बावजूद डबल-डेट करने का आरोप मढ़ा गया था. एक्ट्रेस के एक ब्वॉयफ्रेंड ने उन्हें 'अपवित्र' कहा. ब्रेकअप, फिर पिता के निधन ने उन्हें तोड़कर रख दिया था. वे डिप्रेशन में चली गई थीं. एक्ट्रेस के पिछले ब्वॉयफ्रेंड ने उन्हें शादी के लिए प्रपोज किया था, मगर उससे भी उनका ब्रेकअप हो गया.

शो 'बिग बॉस' में एक्ट्रेस अपने भावी ब्वॉयफ्रेंड से मिली थीं. उन्हें एक्टर में अपना जीवनसाथी नजर आया. वे शुरुआती नोक-झोंक के बाद एक-दूसरे के प्यार में पड़ गए. जब रियलिटी शोज से निकले, तो कपल बनकर.

एजाज खान ने पवित्रा पुनिया को शादी के लिए प्रपोज किया. दोनों की शादी का फैंस लंबे वक्त से इंतजार कर रहे थे, मगर अंत में उनके ब्रेकअप की खबर ने उन्हें निराश किया. दोनों को अलग हुए कुछ महीने बीत गए हैं. ब्रेकअप के बाद पिता के निधन ने पवित्रा पुनिया को तोड़ दिया. उन्हें दोगुना दर्द झेलना पड़ा. वे उस मुश्किल वक्त में डिप्रेशन में चली गईं. पवित्रा पुनिया ने एक ताजा इंटरव्यू में अपने कठिन वक्त के बारे में खुलकर बात की. उन्होंने खुलासा किया कि वे जब 'बिग बॉस 13' में पहुंची थीं, तब उनके कई एक्स ब्वॉयफ्रेंड ने सामने आकर उनके खिलाफ बुरी बातें कही थीं.

तब पवित्रा को लेकर उनके एक्स ब्वॉयफ्रेंड पारस छाबड़ा ने खुलासा किया था कि जब एक्ट्रेस के पति ने उन्हें मैसेज किया, तब उन्हें पता चला कि वे शादीशुदा हैं. वे बोले थे, 'मुझे पता चला कि पवित्रा ने बिग बॉस के घर में मेरे बारे में कुछ बुरी बातें कही हैं. पहला, मुझे लगता है कि पवित्रा के स्वभाव की वजह से उनका नाम 'अपवित्र' होना चाहिए. वह मुझे डबल डेट कर रही थीं. वह किस तरह की लड़की हैं?'

पवित्रा ने एक नए इंटरव्यू में इसका जवाब देते हुए कहा, 'मुझे लेकर बहुत कुछ कहा गया. वे मुझे 'अपवित्र' ही क्यों न कहें, मगर उनका कोई हक नहीं कि वे मेरे बारे में ऐसी बातें कहें. अगर कह भी दिया, तो मुझे इसकी कोई परवाह नहीं.'

37 साल की पवित्रा पुनिया ने आखिर में कहा, 'उनका दिल जानता है कि मैंने उनके लिए क्या किया है. पवित्रा उनके लिए कैसी रही है, वे बहुत अच्छे से जानते-समझते हैं. वे पीठ-पीछे कुछ भी कहें, लेकिन इससे कुछ बदलने वाला नहीं है. मैंने उनके लिए जो किया, वह उसे नहीं बदल सकते.'

'अगर हम पैसों के लिए फिल्में बनाना बंद कर दें तो' नसीरुद्दीन शाह ने हिंदी सिनेमा पर साधा निशाना

नसीरुद्दीन शाह का नाम बॉलीवुड के उन सितारों में शामिल है जिनकी एक्टिंग का पूरा देश कायल है। हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह अकसर अपने किसी न किसी बयान को लेकर चर्चा में बने रहते हैं। अकसर वह फिल्मों के बारे में अपने विचार साझा करते हैं।

वह लगभग हर मुद्दे पर पर अपनी राय रखते नजर आते हैं। वह बॉलीवुड सेलेब्स और हिंदी सिनेमा पर भी निशाना साधते रहते हैं। अब हाल ही में एक्टर ने एक बार फिर बॉलीवुड फिल्मों पर निशाना साधा है। एक्टर ने कहा कि हिंदी सिनेमा में कुछ बेहतर तभी होगा जब पैसे कमाने के लिए फिल्में बनाना बंद कर दिया जाए।

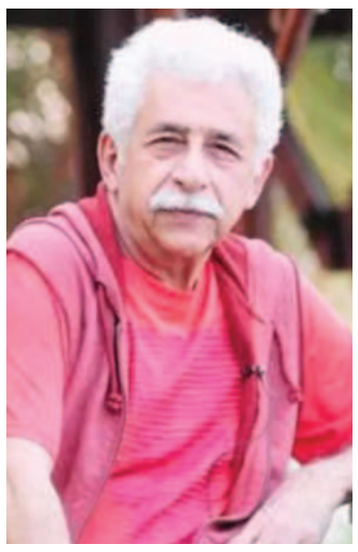

नसीरुद्दीन शाह ने क्या कहा

दरअसल नसीरुद्दीन शाह ने नई दिल्ली में 'मीर की दिल्ली, शाहजहांनाबादः द इवॉल्विंग सिटी' में कहा कि "हिंदी फिल्म निर्माता पिछले 100 वर्षों से एक ही तरह की फिल्में बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि कि यह वास्तव में मुझे निराश करता है कि हम यह कहने में गर्व महसूस करते हैं कि हिंदी सिनेमा 100 साल पुराना है लेकिन हम एक ही तरह की फिल्में बना रहे हैं।'

एक्टर ने आगे कहा कि 'मैंने हिंदी फिल्में देखना बंद कर दिया है, मुझे वे बिल्कुल पसंद नहीं हैं। हिंदुस्तानी खाना हर जगह पसंद किया जाता है क्योंकि इसमें दम है। हिंदी फिल्मों में क्या दम है? दुनिया भर में भारतीय हिंदी फिल्में देखी जाती हैं क्योंकि यह उनको अपने घर से जोड़ती है, लेकिन जल्द ही हर कोई इससे ऊब जाएगा।'

अब बहुत देर हो चुकी है

शाह ने आगे कहा कि "हिंदी सिनेमा के लिए उम्मीद तभी है जब हम उन्हें पैसा कमाने के साधन के रूप में देखना बंद कर दें। लेकिन मुझे लगता है कि अब बहुत देर हो चुकी है। अब कोई समाधान नहीं है क्योंकि जिन फिल्मों को हजारों लोग देखते हैं वे बनती रहेंगी और लोग बनाते रहेंगे। इसलिए जो लोग गंभीर मुद्दों पर फिल्में बनाना चाहते हैं, उनकी जिम्मेदारी है कि वे आज की वास्तविकता दिखाएं और इस तरह से दिखाएं कि उन्हें करोड़ों ना मिलें, या ईडी उनके दरवाजे पर दस्तक न दे।" उन्होंने कहा कि कई ईरानी फिल्म निर्माताओं ने अधिकारियों के जुल्म के बाद भी फिल्में बनाईं। साथ ही, उन्होंने भारतीय कार्टूनिस्ट आरके लक्ष्मण का उदाहरण देते हुए कहा कि वे आपातकाल के दिनों में भी कार्टून बनाते रहे हैं।

पति से अलग होते ही खिल उठी धर्मेंद्र-हेमा की लाडली ईशा देओल, कैमरे के सामने आकर बोलीं - 'मैं ठीक हूं'

धर्मेंद्र और हेमा मालिनी की लाडली ईशा देओल बीते कई दिनों से अपने तलाक की खबरों के चलते सुर्खियों में बनी हुई हैं. एक्ट्रेस ईशा देओल ने 11 साल बाद पति भरत तख्तानी से अलग होने का फैसला कर लिया है. पति भरत तख्तानी से अलग होने के बाद ईशा देओल पहली बार कैमरे के सामने आई हैं. हाल ही में एक्ट्रेस को गोवा एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया. ईशा देओल बॉलीवुड के बाकि दिग्गजों के साथ एक्टर जैकी भगनानी और एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह की शादी में शामिल होने पहुंचीं हैं. इस दौरान धर्मेंद्र की लाडली तलाक की खबरों के बीच पहली बार पैपराजी से मुखातिब हुईं.

ईशा देओल ने पति से अलग होने की पुष्टि करने के बाद पहली बार पैपराजी से बातचीत करते हुए बताया कि वह बिल्कुल ठीक है. गोवा एयरपोर्ट पर स्पॉट किए जाने के दौरान ईशा व्हाइट कलर की टी-शर्ट और जींस पहने दिखीं. उन्होंने व्हाइट कलर के मैचिंग हैट के साथ अपना लुक पूरा किया.

11 साल बाद टूटा रिश्ता

बात दें, ईशा देओल और भरत तख्तानी शादी के 11 साल बाद अलग होने जा रहे हैं. इस कपल की दो बेटियां भी हैं. ईशा और भरत ने साथ में एक स्टेटमेंट जारी करते हुए कहा था. 'हम दोनों ने आपसी सहमति से एक-दूसरे से अलग होने का

फैसला किया है. इस दौरान हमारे बच्चों की खुशियां हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं. हम उम्मीद करते हैं कि आप सभी हमारे इस फैसले की इज्जत करेंगे'.

वरुण धवन के पास है अरबों की दौलत, नेट वर्थ जान नहीं होगा यकीन

वरुण धवन ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी जिंदगी में आने वाले नन्हे मेहमान से जुड़ी जानकारी शेयर की। वरुण धवन और उनकी पत्नी नताशा दलाल जल्द ही मां-बाप बनने वाले हैं। नताशा प्रेग्नेंट हैं और दोनों फिलहाल इस खूबसूरत फेज को एन्जॉय कर रहे हैं। वरुण ने इंस्टा पर पत्नी नताशा के साथ एक तस्वीर शेयर की और लिखा, 'हम माता-पिता बनने वाले हैं। आपकी दुआओं और प्यार की जरूरत है। वरुण धवन मशहूर डायरेक्टर डेविड धवन के बेटे हैं। अपनी दमदार एक्टिंग से वरुण ने अपने फैंस के दिलों में एक खास जगह बनाई है। आज हम आपको बताएंगे बॉलीवुड में कई हिट फिल्म अपने नाम कर चुके वरुण की नेट वर्थ, कार और प्रॉपर्टी के बारे में विस्तार से।

वरुण धवन एक लग्जरी और

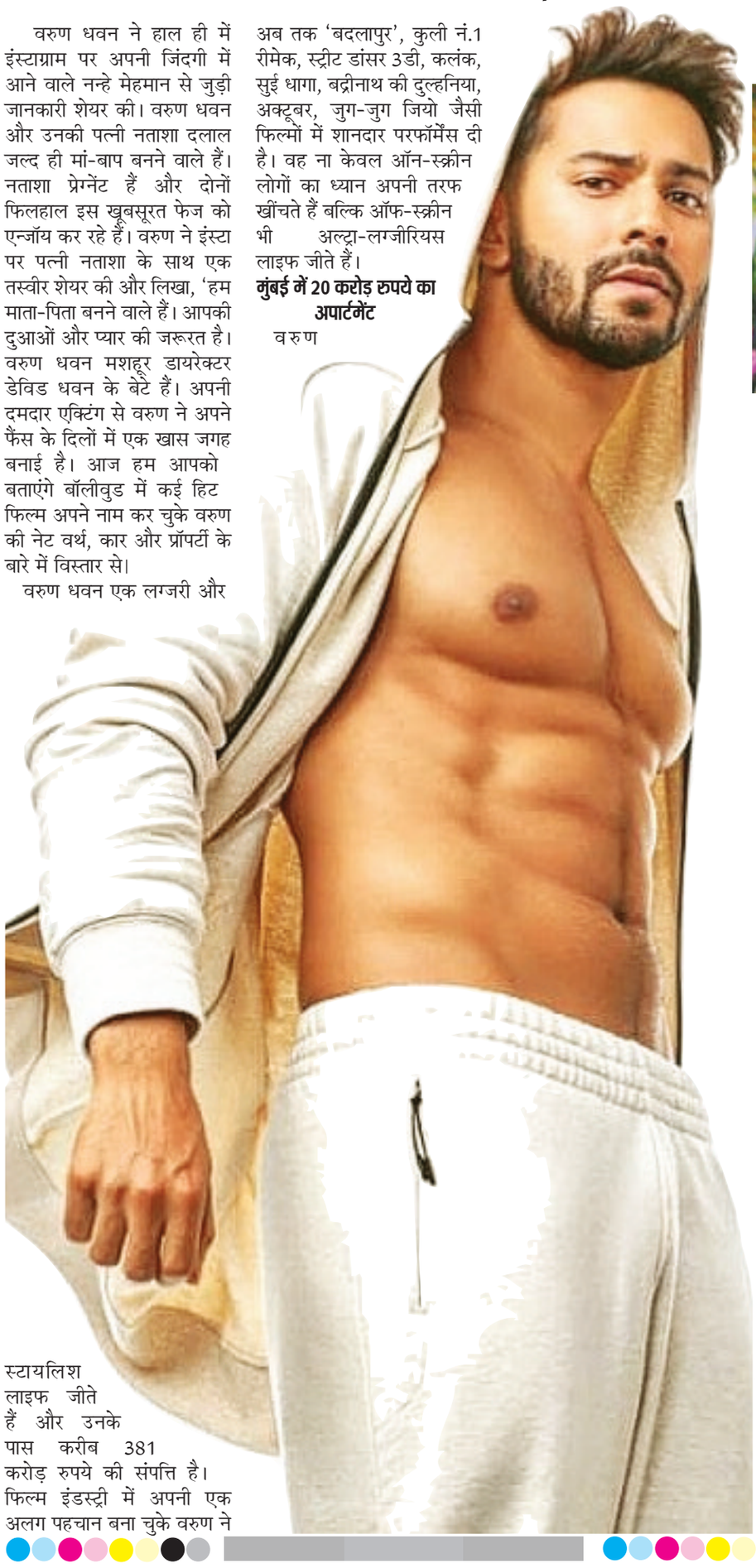

स्टायलिश लाइफ जीते हैं और उनके पास करीब 381 करोड़ रुपये की संपत्ति है। फिल्म इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बना चुके वरुण ने अब तक 'बदलापुर', कुली नं.1 रीमेक, स्ट्रीट डांसर 3डी, कलंक, सुई धागा, बद्रीनाथ की दुल्हनिया, अक्टूबर, जुग-जुग जियो जैसी फिल्मों में शानदार परफॉर्मेंस दी है। वह ना केवल ऑन-स्क्रीन लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचते हैं बल्कि ऑफ-स्क्रीन भी अल्ट्रा-लग्जीरियस लाइफ जीते हैं।

मुंबई में 20 करोड़ रुपये का अपार्टमेंट

वरुण धवन के पास मुंबई के जुहू में एक शानदार घर है। 2017 में खरीदा

गए इस अपार्टमेंट की वैल्यी करीब 20 करोड़ रुपये है। एलीगेंट इंटरीयिर वाले वरुण और नताशा के इस घर में एक बड़ा लिविंग रूम, एक जिम और स्टायलिश बेडरूम हैं। इस घर में एक फोटो वॉल बनाई गई है जिससे इसमें एक पर्सनल टच मिलता है।

लग्जरी कार और बाइक के शौकीन हैं वरुण धवन

वरुण धवन के पास कई महंगी कारों और बाइक का कलेक्शन है। उनके पास ऑडी Q7 है जिसकी कीमत 89.90 लाख रुपये है। इसके अलावा उनके कार कलेक्शन में मरसीडीबेंच GLS 350d 4Matic (88 लाख रुपये) और रग्ड लैंडरोवर LR3 (59 लाख रुपये) जैसी महंगी कारें भी हैं।

वहीं बात करें बाइक की तो वरुण के पास रॉयल बाइक है जिसकी कीमत करीब 2.40 लाख रुपये है। उनके पास एक शानदार पोलारीस स्पोर्ट 850 क्वाड बाइक भी है जिसकी टोइंग क्षमता 680 किलोग्राम की है। इस बाइक में कई सारे एडवांस्ड फीचर दिए गए हैं। वरुण जब सिल्वर स्क्रीन से दूर होते हैं तो वह अपने ट्रैवन के पैशन को पूरा करने में बिजी होते हैं। उन्हें अकसर बीच डेस्टिनेशन पर स्पॉट किया जाता है। हाल ही में उन्होंने अपनी पत्नी और विराट कोहली, अनुष्का शर्मा, सैफ अली खान और करीना कपूर खान के साथ स्वीस में न्यू ईयर सेलिब्रेट किया था।

वरुण धवन हिंदी सिनेमा के उन युवा अभिनेताओं में से एक हैं जो सबसे ज्यादा फीस चार्ज करते हैं। वरुण धवन की नेट वर्थ करीब 50 मिलियन डॉलर (करीब 381 करोड़ रुपये) है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अपनी फिल्म कूली नं 1 के लिए वरुण ने 25 करोड़ रुपये चार्ज किए थे।

पेरेंट्स बनने वाले हैं वरुण धवन-नताशा दलाल

वरुण धवन और नताशा दलाल जल्द ही पेरेंट्स बनने वाले हैं। वरुण ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर फैंस के साथ ये खुशखबरी शेयर की है। उन्होंने पत्नी नताशा के साथ एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा- वी आर प्रेग्नेंट, आप सभी के आशीर्वाद और प्यार की जरूरत है। शेयर की गई ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर में नताशा का बेबी बंप साफ दिखाई दे रहा है। शादी के तीन साल बाद कपल पेरेंट्स बनने वाले हैं। वरुण और नताशा के चाहने वाले उनके पोस्ट पर बधाई दे रहे हैं। बता दें वरुण और नताशा 24 जनवरी 2021 को शादी के बंधन में बंधे थे।

बचपन से साथ हैं नताशा-वरुण

एक इंटरव्यू में नताशा ने वरुण के बारे में बात करते हुए कहा था, वरुण और मैं एक ही स्कूल में पढ़ते थे। जब हम दोस्त थे तब हमारी उम्र 20 के आसपास पहुंच चुकी थी। मुझे याद है, जब हम एक दूसरे से दूर रहने लगे थे। दूर रहकर हमें एहसास हुआ था कि हमारा रिश्ता दोस्ती से बढ़कर है।

जब वरुण को नताशा के लिए अपनी फीलिंग्स का एहसास हुआ तो उन्होंने नताशा को इंप्रेस करने के लिए खूब पापड़ बेले, लेकिन कुछ भी काम नहीं आया। बल्कि चार बार रिजेक्शन के बाद पूरी कहानी में ही ट्विस्ट आ गया। हालांकि रिजेक्ट होने के बाद भी वरुण ने हार नहीं मानी और बार-बार कोशिश करते रहे। फिर एक दिन कोशिश रंग लाई और नताशा भी मान गईं।

12वीं क्लास तक दोनों दोस्त थे

करीना कपूर के रेडियो चैट शो 'व्हाट वुमन वांट' में पहुंचे वरुण ने नताशा के साथ अपनी बॉन्डिंग पर खुलकर बात की थी।

बाफ्टा में फिल्म ओपेनहाइमर को सबसे ज्यादा 7 अवॉर्ड :

किलियन मर्फी बेस्ट एक्टर, एमा स्टोन बेस्ट एक्ट्रेस; साड़ी में नजर आईं दीपिका

एमा स्टोन बेस्ट एक्ट्रेस

77वें बाफ्टा (ब्रिटिश एकेडमी फिल्म अवॉर्ड्स) के विनर्स की अनाउंसमेंट हो चुकी है। क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म ओपेनहाइमर ने बेस्ट फिल्म समेत 7 बाफ्टा अपने नाम किए। इसी फिल्म के लिए डायरेक्टर क्रिस्टोफर नोलन को बेस्ट डायरेक्टर, एक्टर किलियन मर्फी को बेस्ट लीड एक्टर (मेल) और एक्टर रॉबर्ट डाउनी जूनियर को बेस्ट स्पोर्टिंग एक्टर के अवॉर्ड से नवाजा गया।

इस साल बाफ्टा में ओपेनहाइमर को सबसे ज्यादा 13 कैटेगरी में नॉमिनेशन मिले थे। बाफ्टा में इस बार किसी भी भारतीय फिल्म को नॉमिनेशन नहीं मिला था।

'ओपेनहाइमर' में लीड रोल प्ले करने वाले एक्टर किलियन मर्फी को बेस्ट एक्टर इन लीडिंग रोल के बाफ्टा से नवाजा गया।

सेरेमनी में 'ओपेनहाइमर' को बेस्ट फिल्म और इसी फिल्म के लिए डायरेक्टर क्रिस्टोफर नोलन को बेस्ट डायरेक्टर का बाफ्टा दिया गया।

'आयरन मैन' फेम एक्टर डाउनी जूनियर ने 'ओपेनहाइमर' के लिए बेस्ट स्पोर्टिंग एक्टर का अवॉर्ड अपने नाम किया।

'पुअर थिंग्स' ने अपने नाम किए 5 अवॉर्ड्स

ओपेनहाइमर के अलावा फिल्म पुअर थिंग्स ने 5 बाफ्टा अपने नाम किए। एक्ट्रेस एमा स्टोन ने फिल्म के लिए बेस्ट लीडिंग एक्ट्रेस का अवॉर्ड जीता। इसके अलावा फिल्म ने कॉस्ट्यूम, मेकअप एंड हेयर, प्रोडक्शन डिजाइन और स्पेशल विजुअल इफैक्ट के लिए भी अवॉर्ड अपने नाम किया। इस फिल्म को बाफ्टा में 11 नॉमिनेशंस मिले थे।

अवॉर्ड नाइट में बॉलीवुड की फेमस एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण भी बतौर प्रेजेंटेटर शामिल हुईं। वो यहां डिजाइनर सब्यासाची मुखर्जी की शिमरी व्हाइट साड़ी में नजर आईं। इससे पहले भी दीपिका कान फिल्म फेस्टिवल में साड़ी पहनकर शामिल हुई थीं। दीपिका के अलावा फुटबॉलर डेविड बेकहम, दुआ लीपा, ह्यू ग्रांट, चिवेटेल एजियोफोर, इदरीस एल्बा, गिलियन एंडरसन और एंड्रयू स्कॉट जैसे सेलेब्स भी अवॉर्ड में बतौर प्रेजेंटेटर शामिल हुए।

बतौर प्रेजेंटेटर शामिल हुईं दीपिका

आपकी आंतों के लिए 'दुश्मन' जैसे हैं ये खाद्य पदार्थ

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए पाचन का ठीक रहना आवश्यक है और पाचन ठीक रहे इसके लिए जरूरी है कि आपकी आंतें ठीक तरीके से काम करती रहें। आंतें, भोजन को पचाने से लेकर मेटाबॉलिज्म को ठीक रखने, भोजन से पोषक तत्वों को निकालने में मदद करती हैं। हालांकि लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं को जोखिम बढ़ता जा रहा है, आंतों की सेहत पर भी इसका नकारात्मक असर हो रहा है।

आहार में गड़बड़ी के कारण आंतों में मौजूद गुड बैक्टीरिया प्रभावित हो सकते हैं, जिससे पाचन विकारों का खतरा हो रहता है।आंतों में होने वाली समस्या के कारण थकान, पेट की खराबी, त्वचा की समस्याओं के साथ कई प्रकार की ऑटोइम्यून बीमारियों का भी जोखिम हो सकता है। कहीं आपको भी आंतों की कोई दिक्कत तो नहीं है?

आंतों के लिए जरूरी हैं गुड बैक्टीरिया

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हमारे शरीर के पाचन तंत्र में बैक्टीरिया, वायरस और कवकों की लगभग 200 विभिन्न प्रजातियां होती हैं। कुछ सूक्ष्मजीव हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं जबकि कुछ के अविश्वसनीय रूप से लाभ हो सकते हैं। शोध से संकेत मिलता है कि आंतों में पर्याप्त मात्रा में गुड बैक्टीरिया होने से पाचन विकारों के अलावा कई प्रकार की बीमारियों जैसे मधुमेह, इंफ्लामेटरी बाउल सिंड्रोम (आईबीडी) की दिक्कतों से बचाव हो सकती है।

तले हुए और प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ

आहार में कुछ प्रकार की चीजों, विशेषतौर पर तले हुए और प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थ आंतों के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। तले हुए खाद्य पदार्थ आंत संबंधी समस्याएं पैदा कर सकते हैं और पचान को कठिन बना सकते हैं। तले हुए खाद्य पदार्थों की ही तरह से प्रोसेस्ड चीजों के सेवन के कारण भी आंतों और पाचन विकारों का खतरा हो सकता है। इन चीजों के अधिक सेवन के कारण कई प्रकार की क्रोनिक बीमारियों का भी जोखिम हो सकता है।

ज्यादा कैफीन भी आंतों के लिए हानिकारक

कैफीन के अधिक सेवन को संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माना जाता है। इसके अधिक सेवन से आंतों की कार्यक्षमता प्रभावित हो सकती है। अधिक मात्रा में कॉफी का सेवन करने से सीने में जलन, अपच और एसिड रिफ्लक्स जैसी पाचन संबंधी समस्याओं के बढ़ने का खतरा हो सकता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि ज्यादा कैफीन का सेवन करने से नींद विकारों की भी जोखिम हो सकता है।

रेड मीट के अधिक सेवन से करें बचाव

अध्ययनकर्ताओं ने बताया, रेड मीट वैसे को आयरन के सबसे बेहतर स्रोतों में से एक है, पर इसके नियमित या अधिक सेवन के कारण अपच की समस्या हो सकती है। यह आंत में बैक्टीरिया के विकास को भी ट्रिगर करता है, धमनियों को अवरुद्ध कर सकता है और इसके अधिक सेवन से हृदय रोग का खतरा भी बढ़ सकता है। रेड मीट का अधिक सेवन करने वाले लोगों में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की समस्या भी अधिक हो सकती है, जो हृदय रोगों के प्रमुख कारकों में से एक है।

इन लक्षणों का मतलब आपका लिवर हो रहा है डैमेज

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए पाचन का ठीक रहना जरूरी है और पाचन ठीक रहे इसके लिए आवश्यक है कि आपका लिवर ठीक तरीके से काम करते रहे। लिवर में होने वाली किसी भी तरह की समस्या का शरीर पर कई प्रकार से नकारात्मक असर हो सकता है। लिवर, रक्त से विषाक्त पदार्थों को निकालता है, रक्त शर्करा के स्तर को ठीक बनाए रखता है और रक्त के थक्के को नियंत्रित करता है। लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण लिवर से संबंधित बीमरियों का खतरा अधिक हो सकता है।

लिवर में होने वाली समस्याओं पर अगर समय रहते ध्यान न दिया जाए तो इससे लिवर डैमेज होने का भी खतरा हो सकता है। लिवर में होने वाली गंभीर समस्याएं जानलेवा भी हो सकती हैं इसलिए जरूरी है कि शरीर के इस महत्वपूर्ण अंग का विशेष रूप से ख्याल रखा जाए।

लिवर डैमेज का खतरा

लिवर की कई बीमारियों में शुरुआती स्थिति में कोई भी लक्षण नजर नहीं आते हैं, लिवर डैमेज की स्थिति के साथ भी ऐसा ही है। लिवर डैमेज या सिरोसिस की समस्या जानलेवा हो सकती है, इसलिए इसके कुछ संकेतों को पहचानना जरूरी है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, लिवर की ज्यादातर बीमारियों के लिए अल्कोहल का सेवन करना प्रमुख कारक माना जाता रहा है, पर जो लोग शराब नहीं भी पीते हैं उनमें भी लिवर की क्षति का खतरा हो सकता है। पीलिया, त्वचा में खुजली और अंगों में सूजन जैसे लक्षण इस बात के संकेत हैं कि आपका लिवर ठीक नहीं है या इसमें कोई बीमारी हो सकती है।

इन लक्षणों पर दें ध्यान

लिवर का प्रमुख कार्य विषाक्त पदार्थों का ब्रेक डाउन करना होता है। लिवर में होने वाली किसी भी प्रकार की बीमारी या लिवर डैमेज की स्थिति में शरीर में विषाक्त पदार्थों के बढ़ने का खतरा हो सकता है। इस तरह की स्थिति में आपको थकान, अस्पष्टीकृत रूप से वजन घटने, भूख में कमी होने और अक्सर उल्टी महसूस होते रहने की समस्या हो सकती है। डॉक्टर से मिलकर लिवर की जांच के माध्यम से इस अंग में होने वाली किसी भी तरह की समस्या का समय रहते पता लगाने में मदद मिल सकती है।

त्वचा से संबंधित दिक्कतें

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, लिवर की बीमारियों में त्वचा से संबंधित समस्याओं के विकसित होने का खतरा देखा जाता है। लिवर में समस्या के कारण बिलीरुबिन की मात्रा बढ़ जाती है जिसके कारण आपको पीलिया होने का खतरा हो सकता है। बार-बार पीलिया होते रहना इस बात का संकेत है कि लिवर ठीक से काम नहीं कर रहा है। इसके अलावा लिवर में होने वाली समस्या के कारण रक्तप्रवाह से विषाक्त पदार्थों की मात्रा बढ़ने लगती है जिसके परिणामस्वरूप थकान, सिरदर्द और त्वचा संबंधी समस्याएं होती हैं।

शरीर में बढ़ सकती है सूजन की दिक्कत

लिवर में होने वाली बीमारियों का एक प्रमुख संकेत मूत्र में होने वाली समस्या भी है। आपको पेशाब के रंग में गाढ़ापन या अधिक पीलापन महसूस हो सकता है। लिवर की समस्या के कारण फ्ल्यूड रिटेंशन की भी दिक्कत हो सकती है, जो शरीर के कई अंगों में सूजन की दिक्कत बढ़ाने वाली मानी जाती है, विशेषकर पैरों और टखनों में सूजन की समस्या संकेत है कि लिवर में किसी प्रकार की दिक्कत

हमें सुबह में ही गहरी नींद क्यों आती हैं ?

आप जानते हैं गहरी नींद में हमारी बॉडी टूट फूट मरम्मत करती है यह बॉडी को रिपेयर करती है सुबह की जो वायु होती है वह एक औषधि है।सुबह की ताजा वायु वर्कशॉप की तरह हमारे बॉडी को रिपेयर करती है आप जानते हैं हमारी बॉडी को प्रति क्षण, प्राणवायु चला रही है इसलिए सुबह की जो हवा होती है वह हमारी बॉडी के लिए औषधि का कार्य करती है। इसलिए गहरी नींद आती है ताकि हमारी बॉडी विधिवत टूट फूट मरम्मत और सफाई का कार्य कर सके, ताकि हम अगले दिन के लिए पूरी तरह कार्य करने के लिए तैयार हो सके ।

हमारी बॉडी सुबह ज्यादा रिपेयर करती है और जब गहरी नींद होती है उसी में यह कार्य विधिवत ढंग से हो पता है क्योंकि हमारा दिमाग ऑर्डर देता है हमारा दिमाग शांत होता है इसलिए इस तरह गहरी नींद आती है।

सुबह को ब्रह्म मुहूर्त के नाम से सारी दुनिया जानती है ब्रह्म मुहूर्त अर्थात हमारी जो प्राण शक्ति है हमारे अंदर जो शक्ति है वही यह सब कार्य करती है हमारी बॉडी को रिपेयर करके अगले दिन के लिए तैयार करती है इसीलिए सुबह के समय को ब्रह्म मुहूर्त कहा जाता है और इसीलिए गहरी नींद आती है। आज ऐसी स्थिति हो गई है कि लोग रात्रि 8:00 के बाद खाना बनाना और खाना खाना शुरू करते हैं इनमें से कोई रात को 10:00 बजे खाता है कोई 11 या 12 बजे खाता है कितने लोग दो-दो बजे रात को खाते हैं आखिर बॉडी क्या करें ।

जो विधि है खाने की उसमें कहा जाता है कि सुबह 8:00 बजे से लेकर शाम को 6:00 बजे तक डिनर समाप्त हो जाना चाहिए ताकि बॉडी को पूरा खाना डाइजेस्ट करने का समय मिले और टूट-फूट मरम्मत और सफाई का समय मिले ताकि व्यक्ति सुबह 4:00 बजे ब्रह्म मुहूर्त में स्फूर्ति के साथ जाग जाए और योग ध्यान व्यायाम करें।

मेथी दानों को पानी में डालकर सुबह पिएं, सेहत को होंगे कई चमत्कारी लाभ

मेथी दाना सेहत की दृष्टि से बेहद गुणकारी है. ये छोटे-छोटे सुनहरे भूरे रंग के बीज कई रोगों से आपको सुरक्षित रखते हैं. मेथी में मौजूद पोषक तत्वों की बात करें तो इसमें पोटैशियम, कार्बोहाइड्रेट्स, मैग्नीशियम, सोडियम, डाइटरी फाइबर, प्रोटीन, विटामिन सी, कैल्शियम, आयरन, विटामिन बी6 आदि होते हैं. मेथी दाना ब्रेस्टमिल्क प्रोडक्शन को बढ़ाता है. टेस्टोस्टेरॉन लेवल बढ़ाए, ब्लड शुगर को कंट्रोल करे. जब आप मेथी के दानों को पानी में रखकर उस पानी को पीते हैं तो ये भी डायबिटीज समेत कई समस्याओं में फायदेमंद साबित होता है.

इंडियनएक्सप्रेस में छपी एक खबर के अनुसार, मेथी के बीज बेहद ही पौष्टिक और सेहत के लिए लाभदायक होते हैं. जो लोग वजन कम करना चाहते हैं, वे इसका सेवन कर सकते हैं. मेथी के बीज वजन को तेजी से कम करने लिए जाने जाते हैं. हालांकि, मेथी की तासीर गर्म होती है, इसलिए इसका एक बार में अधिक सेवन करने से बचना चाहिए वरना पेट खराब हो सकता है. मेथी के दाने भूख को कम करते हैं और पेट भरे होने का अहसास कराते हैं. इससे आप ओवरईटिंग से बचते हैं, जो वेट लॉस में मददगार होता है.

मेथी हाइपरग्लाइसेमिक सेटिंग्स के तहत इंसुलिन स्राव में सुधार कर सकती है और इंसुलिन संवेदनशीलता बढ़ा सकती है. ऐसे में आप मेथी को पानी में भिगोकर खाएं या इस पानी का सेवन करें, हर तरह से लाभ होगा.

मेथी के दाने पीसीओएस या पीसीओडी में भी बेहतर हैं. साथ ही इसके सेवन से एनीमिया की समस्या दूर होती है. पुरुषों में टेस्टोस्टेरोन लेवल बूस्ट करती है. ब्रेस्ट मिल्क प्रोडक्शन बढ़ाए, महिलाओं को पीरियड्स में होने वाले दर्द से राहत मिलता है. यहां तक कि कैंसर जैसी घातक बीमारी को भी दूर कर सकती है. आप इसे सब्जी में डालें, रोस्ट करके खाएं, पानी में डालकर भीगे मेथी खाएं या फिर मेथी वाला पानी पिएं. हर तरीके से मेथी का सेवन फायदा ही पहुंचाएगा.

यदि आपके बाल बहुत झड़ते हैं या रूसी की समस्या अधिक है तो मेथी बालों के लिए बेस्ट साबित हो सकती है. मेथी वाले पानी को रोज पीने से बाल स्वस्थ रहते हैं. डैंड्रफ की समस्या दूर होती है. आप मेथी वाले पानी से अपने बालों को शैम्पू करने के बाद धो भी सकते हैं.

मेथी के सेवन से या इसे पानी में डालकर इस पानी को पीने से पाचन शक्ति में भी सुधार होता है. डाइटरी फाइबर होने के कारण मेथी कब्ज की समस्या से भी छुटकारा दिलाती है.

मेथी के बीज का ऐसे करें सेवन- एक से दो बड़े चम्मच मेथी दाने को एक गिलास पानी में डालकर रातभर के लिए छोड़ दें. इस पानी में कैलोरी की मात्रा बिल्कुल नहीं है. ये एक बेहतर डिटॉक्स ड्रिंक है, जिसे सुबह खाली पेट पीना अधिक फायदेमंद होता है. साथ ही बचे हुए मेथी के बीजों को चबाकर खा जाएं, इन्हें फेंके नहीं.

शरीर के लिए बहुत फायदेमंद है छाछ नियमित सेवन से मजबूत रहता है पाचन तंत्र

बसंत के आगमन के साथ ही हमें ठंड से छुटकारा मिलने लगता है और तापमान में कुछ गरमाहट का अहसास होता है। गर्मियों की शुरूआत से ही ठंडी छाछ गर्मियों के लिए एक सुखदायक पेय है। इसके असंख्य स्वास्थ्य लाभ भी हैं। पारंपरिक छाछ दूध की मलाई को मथकर मक्खन बनाने के बाद बचा हुआ अवशेष है। इसे दही में पानी मिलाकर पतला करके भी बनाया जा सकता है। इसे आमतौर पर 'छाछ' के नाम से जाना जाता है। व्यावसायिक रूप से उपलब्ध सुसंस्कृत छाछ बिना वसा वाले दूध को लैक्टिक एसिड पैदा करने वाले बैक्टीरिया के साथ किण्वित करके तैयार किया जाता है। यह पारंपरिक छाछ की तुलना में अधिक चिपचिपा होता है।

गर्मियों के मौसम में लोग ठंडी चीज़ें पीना पसंद करते हैं। कई प्रकार के ठन्डे पेय बाजार में उपलब्ध होते हैं, जिन्हें पीने से गर्मियों में राहत तो मिलती है लेकिन सेहत की दृष्टि से यह चीज़ें सही नहीं मानी जाती लेकिन गर्मियों में छाछ पीना सारे विकल्पों से कहीं अधिक बेहतर है। इसे गर्मियों के लिए सबसे बेहतर पेय माना जाता है, इसे पीने से आपको गर्मी से भी राहत मिलेगी और कई सारे फायदे भी मिलेंगे।

छाछ का पोषण मूल्य

100 मिलीलीटर छाछ लगभग 40 कैलोरी ऊर्जा देती है। मक्खन हटाने के कारण इसमें दूध की तुलना में कम वसा और कम

कैलोरी होती है। यह प्रोटीन और कैल्शियम का अच्छा स्रोत है, जो इसे छाछ के पोषण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनाता है। इसमें सोडियम, पोटेशियम, विटामिन और फॉस्फोरस के अंश भी होते हैं।

घर पर छाछ कैसे बनाएं?

1 कप दूध लें और उसमें 1 बड़ा चम्मच सिरका या नीबू का रस मिलाएं। अच्छी तरह हिलाएं और इसे लगभग 5 मिनट तक ऐसे ही रहने दें। आपका छाछ तैयार है।

फिर छाछ के फायदे और स्वाद को बढ़ाने के लिए छाछ में अपने स्वाद के अनुसार थोड़ा सा तेल, कढ़ी पत्ता, हींग, धनिया, जीरा, काला नमक, काली मिर्च, अदरक, हरी मिर्च, पुदीना आदि डालकर तड़का लगाएं। इसके अतिरिक्त, छाछ की तैयारी करना आसान हो सकता है, इसलिए हमने नीचे कुछ सरल व्यंजनों को सूचीबद्ध किया है। हालाँकि हम छाछ से क्या बनाया जाए इसके बारे में कुछ सुझाव दे रहे हैं, लेकिन अपने आप को इन व्यंजनों तक ही सीमित न रखें और खुद भी नई चीज़ें आज़माएँ:

—अपने पके हुए माल जैसे नींबू केक, चॉकलेट केक और क्रीम-पनीर केक में अतिरिक्त स्वाद के लिए छाछ मिलाएं।

—चाउडर बनाते समय छाछ का उपयोग करें (एक प्रकार का समृद्ध सूप जो आमतौर पर समुद्री भोजन तत्वों के साथ परोसा जाता है), इसे सूप के अंतिम चरण में जोड़ें और वैकल्पिक रूप से स्मोक्ड सैल्मन के साथ स्वाद बनाएं।

—छाछ, शहद, खुबानी, अजवाइन, सिरका, पुदीने की पत्तियां और पनीर के साथ एक शानदार सलाद ड्रेसिंग बनाएं। इसका उपयोग कटे हुए चिकन या अपनी पसंद के किसी अन्य सब्जी-आधारित सलाद पर किया जा सकता है।

—फूले हुए, स्वादिष्ट पैनकेक के लिए अपने नियमित पैनकेक बैटर में पानी या दूध के बजाय बेकिंग सोडा और अनसाल्टेड मक्खन के साथ छाछ मिलाएं। आप वैकल्पिक रूप से इसके ऊपर मेपल सिरप या स्ट्रॉबेरी डाल सकते हैं।

—चाहे आप इसे दुकान से खरीदें या घर का बना छाछ आज़माएँ, इसका उपयोग केवल आपकी रचनात्मकता और प्राथमिकताओं तक ही सीमित है। छाछ एक बहुमुखी, स्वास्थ्यवर्धक और स्वादिष्ट सामग्री है इसलिए आज ही इसका उपयोग शुरू करें!

बार-बार पढ़ने के बाद भी याद किया हुआ भूल जाते हैं

प्रश्न : मेरी उम्र 30 वर्ष है। लगता है मैं नपुंसकता का रोगी हूं। शिश्न में उत्थान नहीं होता और ना ही सेक्स की इच्छा होती है। कृपा कर आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- क ख ग, हैदराबाद

उत्तर : जीवन में चिंता, संभोग के समय एकांत की कमी, मधुमेह रोग, हस्तमैथुन, संभोग के समय डर, वीर्य में स्पर्म का अभाव नपुंसकता को उत्पन्न करते हैं।

आयुर्वेद में इसका इलाज है। घरेलू चिकित्सा में : उड़द की दाल के लड्डू प्रतिदिन खाकर अनुपान में दूध पीने से वीर्य बढ़ता है। नागौरी असगंध व विधारा दोनों 250 ग्राम लेकर चूर्ण बना ले, इसे सुबह शाम दो -दो चम्मच देसी घी में मिलाकर खाएं एवं अनुपान में गाय का दूध पिएं ।अवश्य लाभ होगा।

ऊंझा एक्टिविट कैप्सूल, ऊंझा मन्मथाभ्र रस टिकियां एवं औरा अश्वगंधा घनवटी को सुबह- शाम गाय के दूध के साथ लेने पर नपुंसकता दूर होती है।

ऊंझा वसंत कुसुमाकर रस, ऊंझा पूर्ण चंद्र रस को वाजीटोन के संग लेने से नपुंसकता दूर होती है। भोजन के बाद ग्रेप्सविन, ऊंझा अश्वगंधारिष्ट एवं ऊंझा सारस्वतारिष्ट लेने से पाचन सुचारू होकर चिंता, उद्वेग, व्यग्रता दूर होकर शरीर पुष्ट होता है और नपुंसकता दूर होती है।

प्रश्न : मैं दसवीं का छात्र हूं। बार-बार पढ़ने के बाद भी याद किया हुआ भूल जाता हूं। याददाश्त अच्छी हो जाए ऐसा कोई उपाय बताएं।

- मंगलम शर्मा, विकाराबाद

उत्तर : आप सुबह सूर्योदय से पहले ब्रह्म मुहूर्त में अपने नित्य कर्मों से निवृत्त हो कर अध्ययन के लिए बैठा करें।

आप के अध्ययन की जगह शांत, वेंटीलेशन से भरपूर और उचित प्रकाशयुक्त हो। आप सुबह - शाम ऊंझा ब्राह्मी वटी एवं स्मृति सागर रस टिकिया दूध के साथ लिया करें। भोजन करने के बाद ऊंझा सारस्वतारिष्ट का सेवन करें। रात्रि सोने से पूर्व ऊंझा शंखपुष्पी सिरप 20 मिलीलीटर को आधे कप गुनगुने पानी में मिलाकर सेवन किया करें। ऐसा कुछ महीने सेवन करने से आपकी स्मृति ठीक होने लगेगी। पढ़ा हुआ याद रहेगा और आप परीक्षा में अपनी स्मृति का प्रयोग कर उत्तीर्ण हो जाओगे।

प्रश्न : दांतों में पीप और खून आता है। शायद मसूढ़ों में सूजन भी है। उपाय बताएं।

- मोहम्मद सलीम, हैदराबाद

उत्तर : डेंटल कैरीज में दांतों में कैविटीज बन सकती है। और अन्न के कण जमें होने पर संक्रमण की हमेशा गुंजाइश रहती है । मसूढ़ों में सूजन आने (जिंजिवाइटिस) में मसूढ़ें फूल जाते हैं। इसमें कई बार रगड़ने से खून भी आ सकता है। इसका आयुर्वेद में उपचार है। आप ऊंझा दशनसंस्कार चूर्ण में में ऊंझा इरिमेदादी तेल मिलाकर मंजन करें। कुछ देर यह औषधि मुंह में ही रखें। बाद निवाये पानी में नमक डालके कुल्ली करें। मसूढ़ों की सूजन और स्पंजी गमस में सीधे ऊंझा इरिमेदादि तैल मसूढ़ों पर लगाएं। इससे जरूर आराम मिलेगा। खाने में हरी सब्जियां, मौसमी फल, आंवला आदि का प्रयोग करें।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

लोन-फ्रॉड केस में चंदा और दीपक कोचर की गिरफ्तारी अवैध

हाई कोर्ट ने कहा- सीबीआई ने शक्ति का दुरुपयोग किया, गिरफ्तारी बिना दिमाग लगाए की गई

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने लोन फ्रॉड मामले में चंदा कोचर और उनके पति दीपक कोचर की गिरफ्तारी को अवैध बताया है। सोमवार को बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा कि सीबीआई ने चंदा और दीपक कोचर की गिरफ्तारी बिना दिमाग लगाए और कानून का उचित सम्मान किए बिना की है।

इसके अलावा कोर्ट ने यह भी कहा है कि यह पावर का दुरुपयोग है।

जस्टिस अनुजा प्रभुदेसाई और एन आर बोरकर की डिवीजन बेंच ने 6 फरवरी को आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर चंदा कोचर और दीपक कोचर की गिरफ्तारी को अवैध ठहराया था। वहीं जनवरी 2023 में एक दूसरी बेंच ने उन्हें जमानत देने के अंतरिम आदेश की पुष्टि की थी।

कानून का सम्मान किए बिना इस तरह की गिरफ्तारी शक्ति का दुरुपयोग

अब कोर्ट ने कहा कि सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन उन परिस्थितियों या सपोर्टिव मटेरियल को प्रदर्शित करने में असमर्थ रही है, जिसके आधार पर गिरफ्तारी का फैसला लिया गया था। कोर्ट ने कहा कि ऐसी परिस्थितियां गिरफ्तारी को अवैध बना देती हैं। अदालत ने कहा, 'दिमाग का इस्तेमाल किए बिना और कानून का सम्मान किए बिना इस तरह की नियमित गिरफ्तारी शक्ति का दुरुपयोग है।'

कोर्ट ने जांच एजेंसी की इस दलील को भी मानने से इनकार कर दिया कि गिरफ्तारी इसलिए की गई, क्योंकि कोचर जांच में सहयोग नहीं कर रहे थे। इस पर कोर्ट ने कहा कि आरोपियों को पूछताछ के दौरान चुप रहने का अधिकार है।

सीबीआई ने 23 दिसंबर 2022 को चंदा और दीपक को किया था गिरफ्तार

वी डि यो कॉ न - आईसीआईसीआई बैंक लोन मामले में सीबीआई ने 23 दिसंबर 2022 को चंदा और दीपक को गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्होंने तुरंत गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट का रुख किया और इसे अवैध घोषित करने की मांग की थी। इसके अलावा अंतरिम आदेश के माध्यम से जमानत पर रिहा करने की मांग भी की थी। 9 जनवरी 2023 को अदालत ने एक अंतरिम आदेश में कोचर को जमानत दे दी थी। यह देखते हुए कि सीबीआई ने लापरवाही से और बिना दिमाग लगाए गिरफ्तारी की थी। वहीं 6 फरवरी के आदेश में बेंच ने कहा कि क्रिमिनल प्रोसीजर कोड की धारा 41ए को नियमित गिरफ्तारी से बचने के लिए पेश किया गया था।

टाटा समूह का मार्केट कैप पाकिस्तान की जीडीपी से भी आगे

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। टाटा समूह की कंपनियों का संयुक्त बाजार मूल्य पाकिस्तान के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) को पार कर गया है। मीडिया रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि कैसे नमक से सॉफ्टवेयर तक का कारोबार करने वाले समूह की सूचीबद्ध कंपनियों ने शेयर बाजार में एक साल में बड़ा रिटर्न दिया है। इस रिटर्न के बूते टाटा समूह का संयुक्त मूल्य अब संकटग्रस्त पाकिस्तान की पूरी अर्थव्यवस्था से अधिक हो गया है। पाकिस्तान पाकिस्तान फिलहाल राजनीतिक अस्थिरता, ऋण संकट और मुद्रास्फीति से जूझ रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, टाटा समूह का कुल बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) लगभग 365 बिलियन डॉलर या 30 लाख करोड़ रुपये से अधिक है और यह पाकिस्तान की जीडीपी से अधिक है। आईएमएफ के अनुमानों के अनुसार पाकिस्तान की जीडीपी लगभग 341 बिलियन डॉलर है।

टाटा समूह के सभी सूचीबद्ध कारोबारों में आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी टीसीएस का बाजार पूंजीकरण करीब 15 लाख करोड़ रुपये या 170 अरब डॉलर है। आईएमएफ के अनुमान के अनुसार, अकेले टीसीएस ही पाकिस्तान की नकदी संकट और कर्ज में डूबी अर्थव्यवस्था के आधे के बराबर है। हालांकि टाटा समूह की सभी कंपनियों ने ग्रुप के कुल मार्केट वैल्यू में वृद्धि में योगदान दिया है, लेकिन टाटा मोटर्स और ट्रेंट का इसमें सबसे बड़ा योगदान है।

टाटा मोटर्स के शेयरों में महज एक साल में 110 फीसदी की तेजी आई है, जबकि ट्रेंट के शेयरों में 200 फीसदी की भारी तेजी आई है। इसके अलावे टाटा टेक्नोलॉजीज, टीआरएफ, बेनेरास होटल्स, टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन, टाटा मोटर्स, ऑटोमोबाइल कॉर्पोरेशन ऑफ गोवा और आर्टसन इंजीनियरिंग जैसे शेयरों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, टाटा ग्रुप की कम से कम 25 कंपनियां स्टॉक एक्सचेंजों पर लिस्टिंग हैं और उनमें से सिर्फ एक टाटा केमिकल्स में साल भर में 5 पर्सेंट की गिरावट आई है। लेकिन ये सिर्फ समूह की सूचीबद्ध कंपनियां हैं। टाटा समूह के तहत कई गैर-सूचीबद्ध कंपनियां हैं, जिनमें टाटा संस, टाटा कैपिटल, टाटा प्ले, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स और एयर इंडिया शामिल हैं।

अगर इन कारोबारों पर विचार किया जाए तो टाटा समूह के कुल बाजार पूंजीकरण में उल्लेखनीय वृद्धि आई है। प्रदान करने के लिए, टाटा कैपिटल, जो कथित तौर पर अगले साल अपना आईपीओ लॉन्च करने की योजना बना रहा है, की गैर-सूचीबद्ध बाजार पर लगभग 2.7 लाख करोड़ रुपये की मार्केट वैल्यू है। टाटा समूह एक पेशेवर रूप से प्रबंधित समूह है, बड़े पैमाने पर परोपकारी ट्रस्टों के स्वामित्व में है और इसमें को एक व्यक्तिगत प्रमोटर नहीं है। गौरतलब है कि रतन टाटा की टाटा संस में 1 फीसदी से भी कम हिस्सेदारी है।

पाकिस्तान में जारी है आर्थिक संकट

पाकिस्तान इतिहास में अपने सबसे खराब आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है। पड़ोसी देश 125 अरब डॉलर के बाहरी कर्ज और देनदारियों से जूझ रहा। यह देश जुलाई से शुरू होने वाले 25 अरब डॉलर के विदेशी ऋण भुगतान के लिए धन जुटाने की तैयारी कर रहा है। इसके अलावा, पाकिस्तान का तीन अरब डॉलर का आईएमएफ कार्यक्रम अगले महीने समाप्त होने वाला है, जिससे उसकी वित्तीय चुनौतियां और बढ़ जाएंगी। पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 8 बिलियन डॉलर के आसपास मंडरा रहा है, पाकिस्तान की आवश्यक आयात को कवर करने की क्षमता केवल दो महीने तक सीमित है।

इसके अलावा, पाकिस्तान के ऋण और जीडीपी अनुपात 70 प्रतिशत से अधिक हो गया है, जिससे क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों के बीच ब्याज भुगतान की स्थिरता के बारे में चिंता बढ़ गई है।

एक्सिस बैंक के साथ मिलकर पेटीएम देगा यूपीआई सर्विस

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। टीपीएपी बनने के लिए एनपीसीआई को आवेदन करेगा, आरबीआई की रोक के कारण मंजूरी जरूरी

पेटीएम और एक्सिस बैंक थर्ड पार्टी एप्लिकेशन प्रोवाइडर बनने के लिए इस हफ्ते एनपीसीआईके पास आवेदन करेंगे। अगर उन्हें इसकी मंजूरी मिल जाती है तो पेटीएम अपनी यूपीआई सर्विस जारी रख पाएगा। मनी कंट्रोल ने इसे लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की है।

अभी पेटीएम अपनी यूपीआई सर्विस पेटीएम पेमेंट बैंक के जरिए देता है, लेकिन आरबीआई ने पेटीएम के इस बैंक पर रोक लगा दी है। 15 मार्च के बाद यूजर न तो फास्टैग जैसी सर्विस के इस्तेमाल के लिए वॉलेट में पैसा डाल पाएंगे और न ही यूपीआई चलेगा।

इस लिहाज से पेटीएम के लिए एनपीसीआई की मंजूरी काफी अहम है। पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस ने हाल ही में ये भी बताया था कि उसने मर्चेंट्स पेमेंट्स के सेटलमेंट के लिए भी एक्सिस बैंक के साथ

पार्टनरशिप की है।

पिछले कुछ दिनों से एनपीसीआई के साथ चर्चा

रिपोर्ट के मुताबिक दोनों पार्टी पिछले कुछ दिनों से यूपीआई को रेगुलेट करने वाली संस्था एनपीसीआई के साथ चर्चा में हैं। पेटीएम के यूजर्स को यूपीआई पेमेंट में कोई समस्या न हो इसे ध्यान में रखते हुए एनपीसीआई तेजी से इस एप्लीकेशन पर काम कर सकती है।

गूगलपे, फोनपे जैसे ऐप्स की भी बैंकों से पार्टनरशिप

फोनपे, गूगलपे जैसे यूपीआई ऐप भी थर्ड पार्टी एप्लीकेशन प्रोवाइडर है। इनकी यूपीआई सर्विस के लिए पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर बैंक्स के साथ पार्टनरशिप है। हालांकि, पेटीएम की को अभी तक बैंक पार्टनरशिप की जरूरत नहीं थी क्योंकि पीपीबीएल खुद एक बैंक है।

अप्रूवल के बाद पेटीएम भी टीपीएपी के रूप में काम करेगा

गूगलपे, अमेजनपे, क्रेड और फोनपे जैसे यूपीआई ऐप्स की एक्सिस बैंक समेत अन्य के साथ पार्टनरशिप है। पेमेंट फेलियर और ट्रांजैक्शन स्पीड से जुड़े रिस्क को ध्यान में रखते हुए ये ऐप्स एक से ज्यादा बैंकों के साथ पार्टनरशिप करते हैं।

एनपीसीआई के अप्रूवल के बाद पेटीएम भी अपने कॉम्पिटिटर्स की तरह टीपीएपी के रूप में काम करेगा।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यानी आरबीआई ने पेटीएम पेमेंट बैंक में डिपॉजिट और अन्य ट्रांजैक्शंस की डेडलाइन को 15 मार्च तक बढ़ा दिया है। आज यानी शुक्रवार 16 फरवरी को आरबीआई ने इसे लेकर एक सर्कुलर जारी किया है। पिछले कुछ दिनों में सेंट्रल बैंक को लोगों के बहुत सारे सवाल भी मिले थे।

तमिलनाडु राज्य का पेश किया बजट, '7 भव्य तमिल सपने' पर है आधारित

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु सरकार ने सोमवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपना बजट पेश किया, जिसमें ''7 भव्य तमिल सपने' को आधार बनाया गया। इसके मूल में सामाजिक न्याय एवं महिला कल्याण शामिल है।

वित्त मंत्री थंगम थेन्नारसु ने बजट पेश किया और कई घोषणाएं कीं। इसमें दिवंगत द्रमुक संरक्षक एवं पूर्व मुख्यमंत्री एम करुणानिधि के नाम पर एक आवासीय योजना 'कलैग्नारिन कनावु इलम' शामिल है।

उन्होंने कहा कि योजना के तहत 2030 तक राज्य

भर के ग्रामीण इलाकों को 'झोपड़ी-मुक्त' बनाने के लिए आठ लाख कंक्रीट के मकान बनाए जाएंगे। थेन्नारसु ने अपने बजट भाषण में कहा कि सामाजिक न्याय, हाशिये पर पड़े लोगों का कल्याण, तमिल युवाओं को वैश्विक स्तर पर सफल बनाना सात लक्ष्यों में से एक है। अन्य बातों के अलावा उन्होंने नगर निगमों के आसपास के क्षेत्रों की सड़कों सहित नागरिक सुविधाओं के लिए बजट में 300 करोड़ रुपये आवंटित करने की घोषणा की। थेन्नारसु ने कहा कि राज्य ने अपनी कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से गरीबी उन्मूलन में बहुत महत्वपूर्ण प्रगति की है। उन्होंने कहा कि नीति आयोग के अनुसार तमिलनाडु में गरीबी रेखा से नीचे केवल 2.2 प्रतिशत लोग हैं।

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पेश किए गए बजट में तमिलनाडु सरकार ने 49,000 करोड़ रुपये से अधिक के राजस्व घाटे का अनुमान लगाते हुए कई नई घोषणाएं की गई हैं। थेन्नारसु ने कागज रहित ई-बजट पेश किया।

वित्त वर्ष 2023-24 के संशोधित अनुमान में राजकोषीय घाटे के अनुमान को मामूली बढ़ाकर 92,075 करोड़ रुपये से 94,060 करोड़ रुपये कर दिया गया है। राज्य सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) अनुमान में कमी के कारण 2023-24 में राजकोषीय घाटा जीडीपी का 3.45 प्रतिशत रहने का अनुमान है। पहले इसके 3.25 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था।

भारत के कार सेल्स बिजनेस में एंट्री लेगी मित्सुबिशी मोटर्स

मोबिलिटी में 30% हिस्सा खरीदेगी जापानी कंपनी, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स को देगी बढ़ावा

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। जपानी कार मैन्युफैक्चरिंग कंपनी मित्सुबिशी मोटर्स भारत के कार सेल्स बिजनेस में एंट्री ले सकती है। निक्केई एशिया की एक खबर के मुताबिक, कंपनी दक्षिण एशियाई देशों में कार डीलरशिप ऑपरेट करने वाली कंपनी टीवीएस मोबिलिटी में 30% से ज्यादा हिस्सेदारी खरीदेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक दोनों कंपनियों के बीच हुए समझौते के तहत टीवीएस मोबिलिटी भारत में कार सेल्स बिजनेस को बंद कर देगी। इस डील के तहत मित्सुबिशी 33 मिलियन डॉलर से 66 मिलियन डॉलर (करीब 273 करोड़ रुपए से 547 करोड़ रुपए) का निवेश कर सकती है।

हर कार ब्रांड के लिए डेडिकेटेड शोरूम बनाएगी मित्सुबिशी

टीवीएस मोबिलिटी के 150 मौजूदा आउटलेट्स का इस्तेमाल करते हुए मित्सुबिशी हर कार ब्रांड के लिए डेडिकेटेड शोरूम बनाएगी। रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी शुरुआत में होंडा की कारों की बिक्री बढ़ाने पर जोर देगी। मित्सुबिशी कार ब्रांडों और मॉडलों की रेंज बढ़ाने के लिए जापानी व्हीकल मैन्युफैक्चरर्स के साथ चर्चा भी करेगी।

ईवी को अपनाने के लिए बढ़ावा देगी कंपनी

कंपनी का लक्ष्य भारत में ईवी को व्यापक रूप से अपनाने के लिए बढ़ावा देना है। इसके साथ ही कंपनी नई सर्विस शुरू करने की भी योजना बना रही है, जैसे कस्टमर्स को स्मार्टफोन ऐप के जरिए कार के रखरखाव को शेड्यूल करना और बीमा खरीदने में सक्षम बनाना है, ताकि कस्टमर्स एक्सपीरिएंस को बेहतर किया जा सके।

नई कारों की बिक्री में विश्व स्तर पर तीसरे स्थान पर भारत

भारत नई कारों की बिक्री के मामले में चीन और अमेरिका के बाद तीसरे स्थान पर है, लेकिन सुजुकी मोटर को छोड़कर देश में जापानी व्हीकल मैन्युफैक्चरर की कमजोर उपस्थिति है। मित्सुबिशी का लक्ष्य नई कंपनी के माध्यम से स्थानीय ब्रांडों के साथ जापानी कारों को बेचने का है।

गिरफ्तारी और तस्करी की जानकारी देने के निर्देशों में संशोधन

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने सीमा शुल्क अधिकारियों द्वारा गिरफ्तारी, तस्करी और वाणिज्यिक धोखाधड़ी की जानकारी देने से संबंधित दिशा-निर्देशों में संशोधन किया है। इस कदम का मकसद 'सिंडिकेट' द्वारा धोखाधड़ी के प्रयासों पर लगाम लगाना और जोखिम आधारित लक्ष्य में सुधार करना है।

रिपोर्ट नहीं की जा रही साझा

सीबीआईसी की ओर से फील्ड अधिकारियों को दिए एक निर्देश में कहा गया है कि गिरफ्तारी, तस्करी और वाणिज्यिक धोखाधड़ी की घटना की रिपोर्ट सीमा शुल्क क्षेत्रों (जोन) द्वारा या तो साझा नहीं की जा रही है या यदा-कदा ही साझा की जा रही है। कई मामलों में गिरफ्तारी की रिपोर्ट में जो ब्योरा दिया जाता है, वह पर्याप्त नहीं होता।

24 घंटे के अंदर देनी होगी रिपोर्ट

सीबीआईसी के संशोधित दिशा-निर्देशों के अनुसार, सीमा शुल्क क्षेत्र के मुख्य आयुक्त/महानिदेशक को किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी के 24 घंटे के अंदर इसकी रिपोर्ट ईमेल के माध्यम से सीबीआईसी को भेजनी होगी।

ये हैं अब नियम

गिरफ्तारी रिपोर्ट में हिरासत में लिए गए व्यक्ति की राष्ट्रीयता और उसके अपराध का ब्योरा देना होगा। इसके अलावा अधिकारियों को जब्त किए गए सामान की मात्रा और उसके मूल्य का विवरण भी उपलब्ध कराना होगा। ऐसे मामलों में जहां सीमा शुल्क अधिकारी द्वारा गिरफ्तारी नहीं की गई है, तस्करी और वाणिज्यिक धोखाधड़ी से संबंधित रिपोर्ट संबंधित क्षेत्र के आयुक्त द्वारा 'तुरंत' सीबीआईसी को भेजी जानी है।

वाणिज्यिक धोखाधड़ी के मामलों में यह निर्देश यह देखते हुए कि सीमा शुल्क आयुक्तों से उनके अधिकार क्षेत्र के तहत तस्करी और वाणिज्यिक धोखाधड़ी के मामलों के संबंध में 'अद्यतित रहने की उम्मीद की जाती है', सीबीआईसी ने कहा कि घटना की रिपोर्ट में उड़ान/यात्रा/क्रूज संख्या और सीमा शुल्क घोषणा दस्तावेज का विवरण होना चाहिए।

निफ्टी ने 22,186 का ऑल टाइम हाई बनाया

सेंसेक्स 281 अंक की तेजी के साथ 72,708 पर बंद, पेटीएम में लगातार दूसरे कारोबारी दिन अपर सर्किट

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन आज यानी 19 फरवरी को शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली। निफ्टी ने 22,186 का ऑल टाइम हाई बनाया। हालांकि, यह हाई से थोड़ा नीचे आकर 81 अंक की तेजी के साथ 22,122 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, सेंसेक्स में 281 अंक की तेजी रही, जो 72,708 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 17 में तेजी और 13 में गिरावट देखने को मिली। इसके अलावा पेटीएम के शेयर में लगातार दूसरे कारोबारी दिन 5% का अपर सर्किट लगा।कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में सबसे ज्यादा 1.87% की तेजी रही एनएसई के सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो निफ्टी रियल्टी, पीएसयू बैंक और आईटी को छोड़कर सभी में तेजी देखने को मिल रही है। कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में सबसे ज्यादा 1.87% की तेजी रही। वहीं, मीडिया में 0.41%, फार्मा में 0.88%, एफएमसीजी में 0.79%, हेल्थकेयर में 0.53% और ऑटो में 0.28% की तेजी रही। जेफरीज ने पेटीएम का कवरेज रोका ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने पेटीएम की पेरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस के कवरेज पर रोक लगा दी है। ये रोक बैंक रेगुलेटर आरबीआई की

कार्रवाई के चलते लगाई गई है। प्राइस स्थिर होने के बाद फिर से ब्रोकरेज फर्म शेयर के टारगेट के बारे में जानकारी देगी।

शुक्रवार को बाजार में रही थी तेजी

इससे पहले पिछले हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार यानी 16 फरवरी को शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली थी। सेंसेक्स 376 अंक की तेजी के साथ 72,426 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी में भी 129 अंक की तेजी रही, ये 22,040 के स्तर पर बंद हुआ था।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 22 में तेजी और 8 में गिरावट देखने को मिली थी। स्पाइसजेट के शेयर में 11.28% की तेजी देखने को मिली थी। दरअसल, स्पाइसजेट प्रोमोटर अजय सिंह ने बिजी बी एयरवेज के साथ गो फर्स्ट को खरीदने के लिए बोली लगाई थी।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कुंभ में	कुंभ...	06-21 बजे
चंद्र-	मिथुन में	मीन...	07-59 बजे
मंगल	मकर में	मेष...	09-35 बजे
बुध-	कुंभ में	वृष...	11-20 बजे
गुरु-	मेष में	मिथुन..	13-20 बजे
शुक्र-	मकर में	कर्क...	15-33 बजे
शनि-	कुंभ में	सिंह...	17-25 बजे
राहु-	मीन में	कन्या..	19-51 बजे
केतु-	कन्या में	तुला....	21-57 बजे
		वृश्चिक..	00-07 बजे
		धनु.....	02-21 बजे
		मकर...	04-26 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु - वसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-44 सूर्यास्त. -18-15
भोग्य कलि वर्ष-426876
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- एकादशी - 09 - 55 - तक उपरान्त द्वादशी
मास - माघ शुक्ल पक्ष , मंगलवार 20 February
नक्षत्र - आर्द्रा - 12 - 12 - तक उपरान्त पुनर्वसु
योग - प्रीति - 11 - 45 - तक उप आयुष्मान
करण- विष्टि - 09 - 55 - तक उप- बव
विशेष:- जया एकादशी व्रत सर्वे
व्रत -त्योहार - भीष्म द्वादशी

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:24 से 16:51 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग	06:44 - 08:09 अशुभ	काल.	18:15 - 19:51 अशुभ
उत्पात	08:09 - 09:36 अशुभ	लाभ	19:51 - 21:24 शुभ
चंचल	09:36 - 11:03 शुभ	उत्पात	21:24 - 22:57 अशुभ
लाभ	11:03 - 12:30 शुभ	शुभ	22:57 - 24:30 शुभ
अमृत	12:30 - 13:57 शुभ	अमृत.	24:30 - 02:03 शुभ
काल	13:57 - 15:24 अशुभ	चंचल.	02:03 - 03:35 शुभ
शुभ	15:24 - 16:51 शुभ	रोग.	03:35 - 05:08 अशुभ
रोग	16:51 - 18:15 अशुभ	काल	05:08 - 06:44 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आज का दिन आपके लिए विशेष रूप से अच्छा है । आप अपना कुछ नया शुरू कर सकते हैं ,काफी समय लेने वाला अपना कोई अधूरा काम पूरा कर सकते हैं ,या कोई ऐसा काम जिसे आप लम्बे समय से टाल रहे हैं,को भी शुरू कर सकते हैं । आज शाम खेल और मौज मस्ती के नाम रहेगी । अपने नए-पुराने दोस्तों के साथ समय बितायें और मजे करें । खरीदारी में विशेष आनंद आएगा ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आपको थोडा सा अधिक लचीला रुख अपनाना चाहिए ,लेकिन आज आप ना तो कोई अच्छी सलाह और ना ही अपने मन की आवाज सुनना चाहते हैं । आपका यह अड़ियल रवैया आपके लिये घर और कार्यस्थल दोनों ही जगह पर आपके लिए नुक्सान का कारण बनेगा । इसका एक ही समाधान है कि आप अपना दिमाग खुला रखें और दूसरों की भी बातें सुनें ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आप उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं और आज आपको इसके लिए कई अच्छी संस्थाओं से प्रस्ताव भी मिलेंगे । छात्रवृति भी मिल सकती है । कोई आपका फायदा उठाने की ताक में है, प्रारम्भिक व्यवस्था करते हुए और सूचनाएं एकत्र करने में सावधान रहें ।आप पिछले कुछ दिनों से चिडचिडे और परेशान सा महसूस कर रहे हैं ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आप पिछले कई दिन से बेचैन और नाखुश सा अनुभव कर रहें हैं लेकिन आज आपका रुख इस समस्या को और अधिक गंभीरता से लेने का है । आपको यह जानना है कि इस समस्या की जड़ क्या है ,आज का दिन इस काम के लिए सबसे बेहतर है । लम्बे समय से उपेक्षित कुछ कामो की योजना बनाने के लिए भी अच्छा दिन है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आपके कार्यस्थल पर तनाव का माहौल है। यह तनाव का माहौल आपकी वजह से नहीं बल्कि , व्यापार में कुछ भारी नुकसान की वजह से हो सकता है। अपने आप में नकारात्मक ऊर्जा न भरे बल्कि इसके बजाय नकारात्मक विचारों की इस लहर के घेरे में आ रहे हैं, उन सभी लोगो को प्रेरित करने का प्रयास करें। आपके खर्चों का प्रबंधन करने के लिए विभिन्न स्रोतों से आवश्यक धन की प्राप्ति होगी ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

आज आप नए दोस्त बना सकते हैं और नए काम हाथ में ले सकते हैं । हमेशा की तरह अपने आप में यकीन बनाये रखें । इससे आप अपने लिए हर तय मंजिल तक पहुच पायेंगे । भविष्य की योजनायें बनाने के लिए बहुत अच्छा समय है,लेकिन वित्तीय स्थिति का ध्यान रखें ,जरुरत पड़ने पर ही खर्च करें ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज आप किसी भी ,अच्छे-बुरे तरीके से अपना लक्ष्य पा लेने के मूड में हैं । काफी समय तक हाशिये पर रहने के बाद आपको आज अपने ग्रहों की बदौलत काफी आत्मविश्वास का अनुभव होगा ।आप अपनी मानसिक प्रवृति के आधार पर फैसले ले सकते हैं,यकीन मानिए वे सही ही साबित होंगें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

दिन की शुरुआत अच्छी खबर से होगी । आप काफी समय से जिस योजना पर काम कर रहे थ ,वह आज फलीभूत होगी । सहकर्मियों के साथ कहीं बाहर जा सकते हैं । आपको अच्छा लगेगा । आज वित्त सम्बन्धी कोई फैसला लेंगे जो भविष्य में लाभकारी साबित होगा । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

अपने जीवन पर नियंत्रण रखें और और सब के कहने या कुछ करने की कोई भी परवाह ना करें । इसके स्थान पर आराम से खुद की इच्छाओं और आवश्यकताओं को समझने की कोशिश करें और उन का विश्लेषण करें ताकि किसी स्पष्ट निष्कर्ष पर पहुंच सकें । इस बात का विशेष ध्यान रखें की आपके फैसले से ऐसी किसी व्यक्ति को दुःख न हो जो आप पर भावनात्मक रूप से निर्भर है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आपकी जीभ तेज है और मस्तिष्क तार्किक है लेकिन आपकी यह योग्यता आज आपकी असुरक्षित प्रवृति के कारण प्रभावित होगी । हमेशा की तरह बहाव का विरोध करने के स्थान पर उसके साथ चलें । आपको अनुभव से काफी कुछ सीखने को मिल सकता है जबकि अभिमान से आपको कुछ नही मिलेगा । बाद में आप अच्छा और आत्मविश्वास से भरा अनुभव करेंगे ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आप आज किसी अपराजेय शक्तिपुंज के समान महसूस करेंगे और किसी भी विरोध पर आसानी से विजय हासिल कर लेंगे ।आज का दिन उस काम को करने का बहुत अच्छा दिन है जो आप काफी समय से करने की कोशिश कर रहे थे क्योंकि आज आपको कोई नही रोक सकता ।आज का दिन अपने सबसे महत्वपूर्ण काम करें,सफलता आपके कदम चूमेगी ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आपको आज बहुत सारी चीजों से जुड़े अपने वादों को निभाना है । अपनी सामजिक,वित्तीय तथा निजी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए तैयार रहें । आपके परिजनों ,दोस्तों और सहकर्मियों ,सभी को आपसे मदद की अपेक्षा रहेगी और आप इस दबाव को सह पाने में बिलकुल समर्थ हैं । आज अपने शब्दों और कामों,दोनों ही तरीको से लोगों की मदद करेंगे ।

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

छत्तीसगढ़ में नहीं थम रहे नक्सली हमले

चार दिन में कमांडर समेत 4 लोगों को मारा, सड़क पर फेंका शव

जगदलपुर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में लगातार नक्सली हमले हो रहे हैं। हमले नक्सली जवानों के साथ आम लोगों को भी निशाना बना रहे हैं। इस कड़ी में सोमवार को बारसूर थाना क्षेत्र के मालेवही कैंप से चार किलोमीटर दूर एक ग्रामीण के शव मिलने से हड़कंप मच गया। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस टीम मौके के लिए रवाना हुई। पुलिस शव की शिनाख्त में जुटी है। शव की शिनाख्त के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस का मुखबिर बताकर ग्रामीण को मारा

बता दें कि इससे पहले नक्सलियों ने वार्ता के लिए हामी भरी थी। इस दौरान नक्सलियों ने कहा था कि कैंप न खोले जाएं और उनके गिरफ्तार साथियों को छोड़ दिया जाए। वहीं, दूसरी नक्सली आए दिन हमला कर रहे हैं। 14 फरवरी को नक्सलियों ने सुकमा जिले के योलमपल्ली थाना पालामडामू के इंजरम भेज्जी मार्ग में पोडियम जोगी की हत्या कर शव को सड़क पर फेंक दिया। पोडियम जोगी बिजली मिस्त्री का काम करता था। नक्सलियों ने पुलिस मुखबिर और सीआईडी के तहत काम करने का आरोप लगाया था। नारायणपुर जिले के ओरछा थाना क्षेत्र के मंडली गांव में नल जल योजना में काम करने वाले प्लंबर इकबाल मियां अपने सहकर्मी के साथ 15 फरवरी को साप्ताहिक बाजार के सामने बने घर के बाहर खड़ा थे। तभी दो युवक पीछे से आकर इकबाल से बात करते हुए शराब कहां मिलेगी पूछा। इसी दौरान डंडे से सिर पर हमला करते हुए गला रेतकर फरार हो गए। पुलिस टीम अभी इसे नक्सली घटना नहीं मान रही है, क्योंकि किसी भी तरह से कोई भी नक्सली पर्चा नहीं मिला है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

18 फरवरी को बीजापुर के कुटरू थाना क्षेत्र के साप्ताहिक बाजार में सीएएफ कंपनी कमांडर तिजाउ राम भुआर्य की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी। इस घटना के बाद से इलाके में दहशत फैल गई। नक्सली वारदात बढ़ती ही जा रही हैं। वहीं, सरकार की तरफ से अभी कोई भी कड़ा कदम नहीं उठाया गया है।

21 से 23 फरवरी तक बारिश की संभावना

रांची समेत कई जिलों में छाए बादल तापमान गिरने के साथ बढ़ेगी ठंड

रांची, 19 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड में आज से एक बार फिर मौसम बदलने की संभावना है। रांची समेत प्रदेश के कई जिलों में सुबह से ही हल्के बादल नजर आने लगे हैं। मौसम विभाग के अनुसार 21 फरवरी से मौसम को कई जिलों में बारिश की संभावना है। विभाग ने आज और कल मौसम शुष्क रहने की संभावना जाहिर की है। हालांकि, विभाग की ओर से किसी तरह का अलर्ट जारी नहीं किया गया है। मौसम विभाग ने 21 फरवरी को मौसम में आने वाले बदलाव की वजह वेस्टर्न डिस्टर्बेंस बताया है। देश के पश्चिमोत्तर भाग में इसका असर है। हिमालय के तराई क्षेत्रों और आसपास के राज्यों मौसम बदला है और 21 फरवरी तक झारखंड में भी इसका असर नजर आने लगेगा। 21 फरवरी से लेकर 23 फरवरी तक राज्य के कई जिलों में बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक, 21 फरवरी को राज्य के उत्तर पूर्वी भाग में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। वहीं दूसरे दिन 22 फरवरी को मौसम का रुख बदलेगा और उत्तरी भाग में बारिश होगी। जबकि 23 फरवरी को राज्य के दक्षिणी पूर्व भागों में बारिश की संभावना है। इसके बाद मौसम फिर शुष्क रहेगा। राज्य में आज से लेकर 22 फरवरी तक राज्य में अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना है। पिछले 24 घंटे में मौसम के मिजाज पर नजर डालें तो मौसम शुष्क रहा है।

राज्य में सबसे अधिक तापमान 31 डिग्री सेल्सियस चाईबासा में दर्ज किया गया। वहीं, लोहरदगा में न्यूनतम तापमान 10.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

जेएमएम का 5 राज्यों की 12 लोकसभा सीट पर दावा

झारखंड में 7 सीटों पर चुनाव लड़ने का प्लान, कांग्रेस के साथ सीएम चंपई की बैठक

रांची, 19 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) ने लोकसभा चुनाव के लिए पांच राज्यों की 12 सीटों पर दावा ठोंका है। वहीं, पार्टी प्रदेश की 7 लोकसभा सीटों पर अपनी दावेदारी पेश कर रही है। इसे लेकर कांग्रेस और जेएमएम के बीच दिल्ली में दूसरे दौर की बैठक चल रही है। पहले भी सीट शेयरिंग को लेकर दिल्ली में बैठक हो चुकी है और राज्य में दोनों पार्टियों के प्रमुख भी सीट बंटवारे पर चर्चा कर चुके हैं। कहा जा रहा है कि कांग्रेस और जेएमएम अपने हिस्से की कुछ सीट महागठबंधन के दूसरे दलों को दे सकती है। दरअसल, जेएमएम इस बार अपना दायरा बढ़ाना चाहती है। क्षेत्रीय पार्टी के खांचे से निकलकर वह राष्ट्रीय पार्टी के रूप में अपनी पहचान मजबूत करने में लगी है। पार्टी ने पांच राज्य जिनमें झारखंड के साथ- साथ बिहार, बंगाल, ओड़िशा और असम में भी लोकसभा चुनाव लड़ना चाहती है। लोकसभा की सीट शेयरिंग को लेकर रविवार को दोनों पार्टियों के वरिष्ठ नेताओं के बीच बैठक हुई। बैठक में कांग्रेस की तरफ से मुकुल वासनिक, सलमान खुर्शीद और राजेश ठाकुर थे। वहीं, जेएमएम की तरफ से मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के साथ सुप्रियो भट्टाचार्य, विनोद पांडेय और विधायक सुदिव्य कुमार सोनू थे।

कहां तक पहुंची है बातचीत

सीट शेयरिंग को लेकर कई दौर की हुई बैठक के बाद भी इस पर अब तक कोई फैसला नहीं हो पाया है।

कांग्रेस, जेएमएम के साथ-साथ अपने दूसरे सहयोगी दलों की भी चिंता कर रही है। झारखंड में अगर 50-50 का फॉर्मूला तय होता है तो दूसरी पार्टियों के हिस्से में सीट कैसे आएगी इसे लेकर भी मंथन जारी है।

तालाब निर्माण में लगे पोकलेन को उग्रवादियों ने जलाया

चाईबासा, 19 फरवरी (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम के मनोहरपुर थानाक्षेत्र के रेंगालबेड़ा में तालाब निर्माण योजना के कार्य में लगे पोकलेन मशीन को पीएलएफआई उग्रवादियों ने जला दिया है। घटना के बाद उग्रवादियों ने यहां लाल रंग का बैनर भी लगाया है। इस बैनर में उन्होंने दोबारा इस तरह की घटना को अंजाम दने की धमकी देते हुए लिखा है। संगठन से संपर्क नहीं करने पर फरमान जारी करने की बात लिखा गया है। पुलिस घटना की जाँच कर रही है। यहां काम कर रहे मजदूरों में डर है कि दोबारा ऐसी घटना हो सकती है। पुलिस को शक है कि यह मामला लेवी से जुड़ा है बैनर में भी उग्रवादियों ने यही संकेत दिए है कि बैगर उनकी मर्जी के कोई निर्माण ना हो।

महतारी वंदन योजना, 20 रुपए लेकर मैरिज सर्टिफिकेट पर साइन

महिला पार्षद का वीडियो आया था सामने, एमआईसी सदस्यता समाप्त

भिलाई, 19 फरवरी (एजेंसियां)। भिलाई में महतारी वंदन योजना फॉर्म में साइन करने के लिए 20 रुपए की रिश्वत लेने वाली कांग्रेस पार्षद ईश्वरी साहू की एमआईसी सदस्यता रद्द कर दी गई है। रिसाली मेयर शशि सिन्हा ने पार्षद की महापौर परिषद की सदस्यता समाप्त करने का आदेश जारी किया है। महिला बाल विकास विभाग और आजीविका मिशन प्रभारी ईश्वरी साहू का कुछ दिन पहले एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। जिसमें में वो मैरिज सर्टिफिकेट में साइन करने के लिए 20-20 रुपए लेते हुए दिख रही है। वीडियो में वो ये स्वीकार भी कर रही है कि पूरा दिन बैठकर काम करती हैं तो 20 रुपए लेना कोई गलत नहीं है।

वीडियो वायरल होने के बाद भाजपा पार्षदों ने इस मुद्दे को आड़े हाथों लिया था। निगम के भाजपा पार्षद धर्मेंद्र भगत ने मामले की शिकायत दुर्ग संभागायुक्त कार्यालय में की। शिकायत में उन्होंने वार्ड-15 की कांग्रेस पार्षद और एमआईसी मेंबर ईश्वरी साहू के खिलाफ निगम अधिनियम 1956 की धारा 19 (अ) के तहत बर्खास्तगी की मांग की थी। इस मामले के तूल पकड़ने के बाद कांग्रेस की जमकर किरकिरी हो रही थी। इसे देखते हुए महापौर ने अपने अधिकार का प्रयोग करते हुए रविवार देर शाम ईश्वरी साहू की एमआईसी सदस्यता समाप्त करने का आदेश जारी किया। ईश्वरी साहू वार्ड 15 मौहरी मरोदा से पार्षद चुनाव जीती थीं। महापौर शशि सिन्हा ने उन्हें शहर सरकार में शामिल कर महापौर परिषद में शामिल किया था।

विपक्ष के पार्षदों ने लेन-देन की शिकायत को लेकर महापौर को ज्ञापन सौंपकर ईश्वरी साहू को हटाने की मांग की थी। पैसे लिए जाने की बात पर जब भिलाई नगर निगम के आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव से बात की, तो उन्होंने कहा कि महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ शासन की एक महत्वपूर्ण योजना है। ये पूरी तरह से निशुल्क है। इसका आवेदन हर महिला को करना है। आवेदन करने के लिए फॉर्म और प्रक्रिया पूरी तरह से निशुल्क है।

कांग्रेस के बैंक अकाउंट फ्रीज करने का विरोध

सभी जिलों में इनकम टैक्स ऑफिस के सामने जुटेंगे कांग्रेसी, प्रदेशव्यापी प्रदर्शन के लिए निर्देश जारी

रायपुर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस के खातों को फ्रीज करने का विरोध में आज सोमावर को कांग्रेस नेता कार्यकर्ता पूरे छत्तीसगढ़ में विरोध-प्रदर्शन करेगी। प्रदेश में विरोध प्रदर्शन को लेकर पीसीसी चीफ दीपक बैज ने निर्देश जारी किए हैं। वहीं दीपक बैज ने इसे केंद्र सरकार की तानाशाही बताते हुए मोदी सरकार पर निशाना साधा है। पीसीसी चीफ दीपक बैज ने सभी कांग्रेस नेताओं-कार्यकर्ताओं को ये निर्देश दिया है कि सोमवार सुबह 11 बजे से जिला मुख्यालयों के आयकर ऑफिस के सामने जमा हों, जहां विरोध-प्रदर्शन किया जाएगा। वहीं विरोध-प्रदर्शन में मोर्चा संगठन, प्रकोष्ठ, विभाग, स्थानीय वरिष्ठ नेताओं, विधायकों को अपने-अपने क्षेत्र के प्रदर्शन में शामिल होने का निर्देश दिया गया है। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस पार्टी को बड़ा झटका लगा है। पार्टी के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि आयकर विभाग ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और भारतीय युवा कांग्रेस के बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है। इस दौरान अजय माकन ने मीडिया को बताया कि अकाउंट फ्रिज होने के कारण पार्टी के पास न तो सैलरी देने का पैसा है और ना ही बिल का भुगतान हो पा रहा है। जानकारी के मुताबिक, साल 2018-2019 के लिए आईटी रिटर्न दाखिल करने में 45 दिनों की देरी के चलते आयकर विभाग की तरफ से यह कार्रवाई की गई है। इनकम टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल ने शुक्रवार को दोपहर 12.30 बजे कांग्रेस के फ्रीज खातों पर लगी रोक हटा दी है। इससे एक घंटे पहले कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि पार्टी के बैंक खातों को फ्रीज कर दिया गया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अजय माकन ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा था कि इनकम टैक्स ने यूथ कांग्रेस और कांग्रेस पार्टी से 210 करोड़ रुपए की रिकवरी मांगी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने खातों को फ्रीज करने के फैसले को केंद्र सरकार की तानाशाही बताई है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार विपक्षी दलों की लोकतांत्रिक और सांगठनिक गतिविधियों पर तानाशाही के साथ रोक लगाना चाहती है, इसीलिए बिना किसी वैध कारण के अखिल भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और भारतीय युवा कांग्रेस के बैंक अकाउंट को फ्रीज कर एक क्रूर कदम उठाया गया है।

भाजपा ने सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक और बुनियादी विकास के लिए कुछ नहीं किया

मुख्यमंत्री का बड़ा आरोप

चंपई सोरेन ने कहा कि झारखंड में 2027 तक राज्य का कोई भी गरीब बेघर या पक्के मकान से वंचित नहीं रहेंगे

हजारीबाग, 19 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी पर बड़ा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार ने राज्य में अपने कार्यकाल के दौरान सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए कुछ नहीं किया। सीएम सोरेन ने यह टिप्पणी झारखंड के हजारीबाग जिले में विनोबा भावे विश्वविद्यालय परिसर में राज्य सरकार की आवास योजना 'अबुआ आवास' के तहत अनुमोदन पत्रों को बांटने के लिए आयोजित कार्यक्रम के दौरान की। कार्यक्रम में हजारीबाग, रामगढ़, कोडरमा और चतरा जिले में रहने वाले योजना के लाभार्थियों ने हिस्सा लिया।

सीएम ने आरोप लगाया कि भाजपा ने 2000 के बाद से ज्यादातर वर्षों तक राज्य पर शासन किया, लेकिन उसने राज्य में सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि जब 2019 में हेमंत सोरेन सरकार सत्ता में आई, तो उसने बुनियादी ढांचे 'रोटी, कपड़ा और मकान' पर काम किया। इसके साथ ही शिक्षा पर खास जोर दिया गया।

सीएम ने कहा कि पिछली हेमंत सोरेन सरकार ने बार-बार केंद्र से घरों की मांग की। जब इसे नामंजूर कर दिया गया तो पूर्व मुख्यमंत्री ने राज्य निधि से लोगों को घर मुहैया कराए। चंपई सोरेन ने कहा कि झारखंड में 2027 तक राज्य का कोई भी गरीब बेघर या पक्के मकान से वंचित नहीं रहेंगे।

एक अधिकारी ने कहा कि झारखंड के हजारीबाग, रामगढ़, कोडरमा और चतरा के लगभग 1.13 लाख लाभार्थियों को 2026 तक घर उपलब्ध कराए जाएंगे, जबकि लगभग 2.83 लाख अन्य को अगले पांच वर्षों में चार जिलों में अपने घर मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि उनकी सरकार जल्द ही हजारीबाग जिले में एक डेयरी प्लांट स्थापित करेगी।

चंपई सोरेन ने कहा कि महिलाओं, अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति के लोगों को 50 साल की उम्र में पेंशन देने की पहल जल्द ही शुरू होगी। सरकार ने 100 यूनिट की जगह 125 यूनिट मुफ्त बिजली देने का भी फैसला किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली हेमंत सोरेन सरकार ने राज्य में गरीबों और आदिवासियों के बीच शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं शुरू कीं, क्योंकि शिक्षा के बिना कोई समाज विकसित नहीं हो सकता।

आठवीं की छात्रा ने लगाई फांसी

सरगुजा, 19 फरवरी (एजेंसियां)। अंबिकापुर के प्राइवेट स्कूल में पढ़ने वाली आठवीं की छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्रा का शव शहर के नमनाकला इलाके में एक निर्माणाधीन मकान में रविवार शाम को मिला। छात्रा के पिता का आरोप है कि एक लड़का उसे लगातार परेशान कर रहा था इससे वह टेंशन में थी। 12 दिन पहले कार्मेल स्कूल की ही छठवीं की छात्रा ने फांसी लगा ली थी। छात्रा ने सुसाइड नोट में स्कूल टीचर पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया था। हालांकि आठवीं की छात्रा की मौत के मामले में कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। जानकारी के मुताबिक, आठवीं की छात्रा का शव नमनाकला पावर हाउस के पास एक निर्माणाधीन मकान में रविवार शाम मिला। छात्रा का घर भी पास में ही है। उसकी शिनाख्त 15 साल की अनुष्का के रूप में हुई है। छात्रा के शव का सोमवार को मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पीएम कराया गया। वहीं घटना की सूचना मिलने पर सोमवार को कार्मेल स्कूल में छुट्टी कर दी गई।

छात्रा के पिता जयफुल मिंज एक निजी बैंक में गार्ड की नौकरी करते हैं। पिता ने बताया कि उसे मोहल्ले का एक लड़का स्कूल जाते-आते और कोचिंग जाने के दौरान परेशान करता था। इसकी शिकायत उन्हें दूसरों से मिली थी। रविवार की दोपहर अनुष्का अपने माता-पिता एवं भाई के साथ चर्च में आयोजित मिनी बाजार में गई थी। यहां से उसे पिता ने पढ़ने के लिए घर की चाबी देकर भेजा, लेकिन वह घर नहीं पहुंची। जयफुल मिंज का कहना है कि चर्च से निकलने के बाद छात्रा के साथ वह युवक भी पैदल आया था। उसके परेशान करने के कारण ही अनुष्का ने फांसी लगाई है। छात्रा के घर नहीं पहुंचने पर परिजन उसकी तलाश कर रहे थे, लेकिन उसका पता नहीं चला। इस बीच मोहल्ले में निर्माणाधीन मकान को देखने पहुंचे उस घर के मालिक को छात्रा का शव फांसी पर झूलता मिला। मौके पर पहुंचे जयफुल मिंज ने उसकी शिनाख्त कर ली। सूचना पर एएसपी पपुलेश कुमार, डीएसपी अखिलेश कौशिक सहित पुलिस बल मौके पर पहुंचा। छात्रा के शव का सोमवार को पोस्टमॉर्टम कराया गया है। मामले में एसडीओपी अखिलेश कौशिक ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजनों के शिकायत की तस्दीक की जा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद पुलिस आगे की जांच करेगी। बताया जा रहा है कि, पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे खंगाले जिसमें वह युवक खुदकुशी के पहले छात्रा के साथ दिखा था। कार्मेल स्कूल में अध्ययनरत कक्षा छठवीं की छात्रा ने एक पखवाड़े पूर्व स्कूल में प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए फांसी लगा ली थी। मामले में स्कूल की एक शिक्षिका को गिरफ्तार भी किया गया था।

महिला ने बच्चों संग कुएं में लगाई छलांग तीन मासूमों की मौत

सरायकेला, 19 फरवरी (एजेंसियां)। झारखंड के सरायकेला-खरसवां जिले में पारिवारिक झगड़े के बाद मां अपने बच्चों के साथ कुएं में छलांग लगा दी। इस दौरान तीन बच्चों की मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को बताया कि महिला की पहचान पूजा महतो के रूप में हुई है। उसे ग्रामीणों ने बचा लिया, लेकिन बच्चों की जान नहीं बचाई जा सकी। महिला को इलाज के लिए खरसावां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया है।

दरअसल, लोहरदगा जिले की रहने वाली पूजा का शनिवार को अपने मायके जाने को लेकर अपने पति से विवाद हो गया। उपमंडलीय पुलिस अधिकारी (सरायकेला) दिलीप खलको ने बताया कि महिला अपने तीन बच्चों को साथ लेकर उस समय कुएं में कूद गई, जब उसका पति किसी काम से रांची गया था।

हनुमान प्रतिमा को किया खंडित

जांजगीर-चांपा, 19 फरवरी (एजेंसियां)। जांजगीर-चाम्पा जिले में 11 दिन में दूसरी बार बजरंग बली की प्रतिमा खंडित की गई है। खेत में खंडित मूर्ति के साथ शराब की बोतलें के टुकड़े भी मिले है। असामाजिक तत्वों की इस घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीण, बजरंग दल और विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ताओं ने कटौद शिवरीनारायण मार्ग पर चक्काजाम कर भजन-कीर्तन किया।

ये पूरा मामला नवागढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम खैरताल-कटौद का है। दरअसल, ग्राम खैरताल-कटौद के सड़क किनारे भगवान बजरंग बली की प्रतिमा विराजित थी। जिसे रविवार 18 फरवरी को दोपहर असामाजिक तत्वों ने उठाकर खेत में फेंक दिया था।

इसकी जानकारी ग्रामीणों को तब लगी, जब कुछ लोग तालाब के किनारे से निकले। इस दौरान ग्रामीणों हनुमान की मूर्ति नहीं मिली। तब गांववालों ने मूर्ति को आसपास तलाशना शुरू किया। कुछ दूर एक खेत में लोगों को मूर्ति फेंकी पड़ी दिखाई दी। मूर्ति के ऊपर शराब की बोतल भी तोड़ी गई थी और शराब भी डाला गया था।

गांववालों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। लेकिन, जब पुलिस ने मामले में तुरंत कार्रवाई नहीं की तो ग्रामीण भड़क गए। वहीं बजरंग दल और विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकताओं को इसकी जानकारी मिलने पर वे अक्रोशित हो गए और चक्काजाम कर दिया। इस दौरान उन्होंने पुलिस और प्रशासन के खिलाफ भजन कीर्तन करते हुए जमकर नारेबाजी की। यह प्रदर्शन 4 घंटे तक चला।

प्रदर्शन से सड़क से गाड़ियों और लोगों का निकलना बंद हो गया। चक्काजाम होने की जानकारी मिलने पर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा। पहले नवागढ़ पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंची थी उसके बाद मामला बिगड़ता देख हेडक्वार्टर एसपी और तहसीलदार भी मौके पर पहुंचे। जहां बजरंग दल के कार्यकताओं ने कार्रवाई की मांग करते हुए 4 घंटों तक चक्का जाम किया। बजरंग दल और वीएचपी, नवागढ़ के कार्यकर्ता का कहना है कि हम भगवान का अपमान नहीं सहेंगे। इससे पहले भी 8 फरवरी को इसी हनुमान मूर्ति को खंडित कर खेत में फेंक दिया गया था।

इस मामले में भी पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी, लेकिन कार्रवाई नहीं की थी। वहीं दूसरी बार रविवार की दोपहर फिर से बजरंग बली के मूर्ति को खंडित कर खेत में फेंका गया।

एक्शन में रायपुर पुलिस

रायपुर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। राजधानी पुलिस प्रशासन ने अपने दल-बल सहित रायपुर के तेलीबांधा, माना और मंदिर हसौद क्षेत्र के होटल, लॉज, ढाबा, कैफे एवं बार पर छापा मारा। इस दौरान आकस्मिक चेकिंग की गई। पुलिस अधिकारियों ने उक्त प्रतिष्ठानों को सही समय में बंद करने, सर्विस रोड में वाहन की पार्किंग नहीं कराने और नियमों का पालन करने को लेकर चेकिंग की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रही।

इन सभी जगहों पर नशा कर हुडदंग करने वालों और किसी प्रकार का कोई सूखा नशा तो ग्राहकों को परोसा नहीं जा रहा है आदि की भी चेकिंग की गई। हाईवे रोड स्थित ढ़ाबा जहां लोग सर्विस रोड में अपनी वाहनों को पार्किंग कर यातायात बाधित करते हैं, ऐसे ढ़ाबा संचालकों को वाहनों को सर्विस रोड़ में पार्किंग नहीं कराने संबंधी चेतावनी दी गई। ऐसे वाहनों पर कार्रवाई भी की गई। साथ ही संचालकों को कहा गया कि ढ़ाबों में गार्ड अथवा बाउंसर रखें जो वाहनों को सर्विस रोड़ में खड़ी ना होने दें, जिससे यातायात सुचारू रूप से संचालित हो सके। होटल, लॉज, ढाबा, कैफे एवं बार के संचालकों को नियमों का पालन करने और निश्चित समयावधि में संस्थानों को अनिवार्य रूप से बंद करने सख्त निर्देश दिये गये। वहीं शराब पीकर दोपहिया/चारपहिया वाहन चलाने वालों और नशा कर वीआईपी रोड़ के आसपास हुडदंग करने वालों के विरूद्ध भी अभियान चलाया गया। चेकिंग अभियान के दौरान शराब का सेवन कर वाहन चलाने वाले और हुडदंग करने वाले कुछ व्यक्तियों पर भी कार्रवाई की गई।

हत्या के आरोपियों की अवैध संपत्ति पर चला बुलडोजर

मकानों पर चस्पा नोटिस, निगम ने की कार्रवाई

बिलासपुर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। बिलासपुर में रविवार देर शाम खमतराई रोड के पास अटल चौक में हत्या के आरोपी गोपी सूर्यवंशी के अवैध रूप से खोली गई दुकान पर बुलडोजर चलाया गया। सरकारी जमीन पर मकान बनाने पर नोटिस चस्पा किया गया। अधिकारियों के मुताबिक, अतिक्रमण कर दुकान मकान बनाने वालों के खिलाफ नगर निगम कमिश्नर अमित कुमार के निर्देश पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी के तहत गोपी सूर्यवंशी और अन्य आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

दरअसल, सरकंडा क्षेत्र में 15 फरवरी की रात दिपक नाम के ड्राइवर की हत्या हो गई थी। जिसके बाद डिप्टी सीएम अरुण साव से मृतक के परिजनों ने भाजपा के प्रतिनिधिमंडल के माध्यम से मृतक दीपक के पिता ने मोबाइल पर डिप्टी सीएम और गृहमंत्री विजय शर्मा से बात की। पीड़ित ने रोते हुए डिप्टी सीएम और गृह मंत्री से अपने बेटे के हत्यारों के मकान में बुलडोजर चलाने की मांग की थी।

इस पर गृह मंत्री ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया था। वहीं नगर निगम ने जब इस मामले की पड़ताल की तो आरोपी की दुकान अवैध रूप से पाई गई। जिस पर बुलडोजर चलाकर कार्रवाई की गई। वहीं सरकारी जमीन पर बने मकान पर नोटिस चस्पा किया। 24 घंटे के अंदर अवैध निर्माण नहीं हटाने पर उसे तोडने का अल्टीमेट दिया गया है।

हत्या के आरोपियों के खिलाफ बुलडोजर की कार्रवाई शुरू हुई। अवैध अतिक्रमण और निर्माण पर निगम का बुलडोजर चला। खमतराई अटल चौक के पास निगम की कार्रवाई जारी है। मृतक के परिजनों ने बुलडोजर कार्रवाई की मांग की थी।

डिप्टी सीएम अरुण साव ने सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया था। बीते दिनों आरोपियों ने पंकज उपाध्याय की निर्मम हत्या कर दी थी।

अमेरिका में संसद-राज्य सदन के लिए चुनाव लड़ने वाले पहले जेन जेड भारतवंशी बने अश्विन रामास्वामी

वॉशिंगटन, 19 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय अमेरिकी सॉफ्टवेयर इंजीनियर अश्विन रामास्वामी सीनेट डिस्ट्रिक्ट 48 का प्रतिनिधित्व करने के लिए अमेरिकी राज्य जॉर्जिया से डेमोक्रेट के रूप में चुनाव लड़ेंगे। इसके साथ ही वह अमेरिका में संसद-राज्य सदन के लिए चुनाव लड़ने वाले पहले जेन जेड भारतवंशी बन गए हैं, जो समुदाय से उभर रहे युवा राजनेताओं की एक नई पीढ़ी का संकेत है। रामास्वामी के माता-पिता 1990 में तमिलनाडु से अमेरिका आकर बस गए थे। जनरेशन जेड (जिसे जूमर्स के नाम से भी जाना जाता है) में 1997 और 2012 के बीच पैदा हुए लोग शामिल हैं।

24 वर्षीय रामास्वामी ने हाल ही में कहा, 'मैं अपने समुदाय को सम्मान दिलाने के लिए (जॉर्जिया) राज्य सीनेट के लिए दौड़ रहा हूं। मैं यह सुनिश्चित

करना चाहता हूं कि सभी को वही अवसर मिलें, जो मुझे मिल रहे थे।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि हमारे पास एक नई आवाज हो। जो लोग युवा हैं और राजनीति में दूसरी पृष्ठभूमि से आते हैं उन्हें मौका मिले।'

यह हैं उपलब्धियां

अश्विन सॉफ्टवेयर आर्किटेक्चर, प्रौद्योगिकी कानून और नीति के आसपास एक कंसल्टिंग कंपनी चलाते हैं और जॉर्जिया टेक, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी और जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी लॉ सेंटर में भाग ले चुके हैं। वर्तमान में, भारतीय-अमेरिकी रामास्वामी जॉर्जिया के डिस्ट्रिक्ट 48 में डेमोक्रेटिक पार्टी फॉर स्टेट सीनेट के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। रामास्वामी डेमोक्रेट हैं और वह मौजूदा रिपब्लिकन शॉन स्टिल की जगह लेने की उम्मीद कर रहे हैं।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच हो

रामास्वामी ने एक सवाल के जवाब में कहा, 'हर किसी को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके पास गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच हो। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि लोगों की नौकरियों और अर्थव्यवस्था, उद्यमशीलता तक पहुंच हो और स्वास्थ्य देखभाल, प्रजनन अधिकारों और इन सभी मुद्दों तक पहुंच हो जो हमारे लिए मायने रखते हैं। यही कारण है कि मैं चुनाव लड़ रहा हूं।'

जल्द खुलेगा बांग्लादेश का वीजा केंद्र

सिलचर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। पड़ोसी देश के एक दूत ने सोमवार को बताया कि असम की बराक घाटी के तीन जिलों के लोगों की मांग के बाद जल्द ही यहां बांग्लादेश वीजा केंद्र खोला जाएगा।

गुवाहाटी में बांग्लादेश के सहायक उच्चायुक्त रुहुल अमीन ने कहा कि कछार, करीमगंज और हैलाकांडी जिलों वाली बराक घाटी से बांग्लादेश के लिए वीजा की काफी मांग है। इसलिए अब यहां एक वीजा केंद्र खोलने का फैसला लिया गया है।

बता दें, सिलचर कछार जिला मुख्यालय है। अमीन ने कहा कि फिलहाल केंद्र के खोलने की तारीख तय नहीं की गई है। लेकिन जल्द ही यह फैसला भी ले लिया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि कटिगोराह के हरिनगर पार्ट-2 में बॉर्डर मार्केट शुरू करने के प्रस्ताव पर भी विचार किया जाएगा और उम्मीद है कि जल्द ही सकारात्मक परिणाम आएगा।

भारत की राह पर बढ़ेंगे सबसे बड़े मुस्लिम देश के नए राष्ट्रपति

ब्रह्मोस के हैं मुरीद, पीएम मोदी से हो रही तुलना

जकार्ता, 19 फरवरी (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे बड़े मुस्लिम देश इंडोनेशिया के नए राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो चुने गए हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक सुबिआंतो के सत्ता में आने के बाद अब भारत के साथ रिश्ते और मजबूत हो सकते हैं। इंडोनेशियाई राष्ट्रपति चुने गए सुबिआंतो देश के रक्षा मंत्री रह चुके हैं और विशेषज्ञों के मुताबिक भारत के साथ रक्षा संबंधों को वह मजबूत करना चाहते हैं। सुबिआंतो ने फिलीपीन्स की तरह से ही भारत की सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस को खरीदने की इच्छा जताई है। यही नहीं सुबिआंतो अब इंडोनेशिया के स्कूलों के अंदर भी मिड डे मील योजना को लागू कर सकते हैं। सुबिआंतो की तुलना पीएम मोदी से भी हो रही है जिन्हें अमेरिका ने लंबे समय तक वीजा नहीं दिया था। हालांकि अब राष्ट्रपति बनने के बाद सुबिआंतो आसानी से अमेरिका जा सकेंगे।

सुबिआंतो ने साल 2014 और साल 2019 में राष्ट्रपति चुनाव लड़ा था लेकिन उन्हें जीत नहीं मिल पाई थी। इस बार इंडोनेशियाई सेना के स्पेशल फोर्सेस के कमांडर रह चुके सुबिआंतो को इस बार इतने वोट मिल गए हैं कि वह आसानी से राष्ट्रपति बन जाएंगे। सुबिआंतो सेना से रिटायर हैं और पड़ोसी भारत के साथ मजबूत रिश्तों की वकालत करते हैं। भारत और इंडोनेशिया की समुद्री सीमा मिलती हैं। साल 2020 में कोरोना संकट के बाद भी सुबिआंतो भारत के दौरे पर आए थे और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की थी। वह भारत के साथ रक्षा संबंधों को मजबूत करना चाहते थे। इसमें ब्रह्मोस मिसाइल समझौता शामिल है।

राजनाथ और सुबिआंतो ने रक्षा संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया था और इसमें भी खासतौर पर समुद्री इलाके में शामिल थी। दोनों देशों की सेनाएं ट्रेनिंग और अभ्यास करती रहती हैं। अगर ऐसा होता है तो फिलीपीन्स के बाद इंडोनेशिया ऐसा दूसरा देश होगा जो ब्रह्मोस मिसाइल खरीदेगा। इस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल को भारत और रूस ने मिलकर बनाया है। भारत और इंडोनेशिया में भारतीय ब्रह्मास्त्र की खरीद को लेकर बातचीत हो चुकी है। विशेषज्ञों के मुताबिक सुबिआंतो भारत की बहुत सफल मिड डे मील और दूध योजना को अपने देश में स्कूलों लागू कर सकते हैं। सुबिआंतो ने चुनाव प्रचार के दौरान इसका कई बार उल्लेख किया था। सुबिआंतो के भाई हाशिम देश के बड़े उद्योगपति हैं और उनके भारत में काफी ज्यादा बिजनस संबंध हैं। निजी बातचीत में सुबिआंतो एशिया में गठबंधन बनाने की वकालत करते हैं जिसमें भारत भी शामिल है।

मैं पीएम तब बनूंगा, जब जनता चाहेगी

बिलावल ने सरकार में शामिल होने के लिए समीकरणों का किया खुलासा

कराची, 19 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने रविवार को सत्ता की साझेदारी के लिए समीकरणों का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि उन्हें यह पेशकश की गई थी कि प्रधानमंत्री का पद उनकी पार्टी और पूर्व पीएम नवाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) के बीच साझा किया जाएगा।

शनिवार को चार बार प्रधानमंत्री रह चुके नवाज शरीफ और बिलावल भुट्टो जरदारी की पार्टियों के बीच बैठक हुई। इस बैठक में दोनों पार्टियों के बीच कई मुद्दों पर बातचीत हुई, लेकिन उन्होंने अभी तक किसी भी तरह की कोई घोषणा नहीं की है। दोनों पार्टियों की तरफ से सरकार के गठन को लेकर भी कोई बयान जारी नहीं किया गया है।

पाकिस्तान में आठ फरवरी को हुए चुनाव में जेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के समर्थन वाले निर्दलीय उम्मीदवारों ने 265 में से 93 सीटें जीतीं। वहीं, पीएमएल-एन ने 75 और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने 54 सीटें जीतने में कामयाब रही। बता दें कि मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) भी अपनी 17 सीटों के साथ नवाज शरीफ और बिलावल भुट्टो का समर्थन करने पर सहमत हो गया है। सरकार बनाने के लिए किसी भी पार्टी को 266 सदस्यीय नेशनल असेंबली में लड़ी गई 265 सीटों में से 133 सीटें जीतनी होंगी। सिंध प्रांत के थट्टा शहर में एक रैली को संबोधित करते हुए 35 वर्षीय पीपीपी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो ने पीएमएल-एन की तरफ से अपनी पार्टी को पेश किए गए सत्ता-साझाकरण फॉर्मूले का खुलासा किया, जिसे उन्होंने अस्वीकार कर दिया।

बिलावल भुट्टो ने कहा, 'मुझे कहा गया कि तीन वर्षों के लिए उन्हें प्रधानमंत्री बनने दिया जाए, इसके बाद दो वर्षों के लिए हम प्रधानमंत्री पद ले लें। मैंने मना कर दिया। मैंने कहा कि मैं इस तरह से प्रधानमंत्री नहीं बनना चाहता हूं। मैं प्रधानमंत्री तब बनूंगा जब पाकिस्तान की जनता मुझे चुनेगी।'

बिलावल ने कहा कि देश को ऐसे पीएम की जरूरत है जो जनता की परेशानियों के बारे में बात करे। उन्होंने आगे कहा, 'सभी राजनेताओं और राजनीतिक पार्टियों को अपना स्वार्थ छोड़कर देश की जनता के बारे में पहले सोचना चाहिए।' उनकी यह टिप्पणी रावलपिंडी के आयुक्त लियाकत अली चट्ठा के उस आरोप के एक दिन बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि शहर में जो उम्मीदवार चुनाव हार रहे थे, उन्हें जिताया गया था।

इस्तीफा देने से पहले लियाकत अली चट्ठा ने दावा किया कि रावलपिंडी के 13 उम्मीदवारों को जबरदस्ती विजेता घोषित किया गया है। उनके इन दावों के बाद पाकिस्तान चुनाव आयोग ने जांच शुरू कर दी है। पूर्व पीएम इमरान खान की पीटीआई पार्टी ने आठ फरवरी के चुनावों में धांधली होने के खिलाफ देशभर में विरोध प्रदर्शन शुरू किया है।

पाकिस्तान में अंडरवर्ल्ड डॉन अमीर बलाज टीपू की हत्या

इस्लामाबाद, 19 फरवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के लाहौर में अंडरवर्ल्ड डॉन अमीर बलाज टीपू की हत्या कर दी गई। एक शादी समारोह में उसे गोली मारी गई। इस दौरान हमलावर भी मारा गया। अमीर बलाज टीपू माल परिवहन नेटवर्क का मालिक था। पाकिस्तानी मीडिया डॉन के मुताबिक, अमीर का लाहौर के साथ-साथ पूरे पाकिस्तान में भी रुतबा था। उसके पिता आरिफ अमीर और दादा बिल्ला ट्रकानवाला भी गैंगस्टर थे। 2010 में उसके पिता की भी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। 'डॉन' की रिपोर्ट के मुताबिक, एक अज्ञात हमलावर ने 18 फरवरी को लाहौर के चुंग इलाके में शादी समारोह के दौरान बालाज टीपू को गोली मार दी थी। दो अन्य मेहमानों को भी गोली लगी। वे गंभीर रूप से घायल हुए। अमीर बलाज का रुतबा इतना था कि उसके इर्द गिर्द हमेशा बंदूकधारी गार्ड रहते थे।

पासपोर्ट रैंकिंग: भारत 5 पायदान फिसलकर 85वें स्थान पर

इस्लामाबाद, 19 फरवरी (एजेंसियां)। भारत का पासपोर्ट कमजोर होता नजर आ रहा है। पासपोर्ट रैंकिंग जारी करने वाले ऑर्गेनाइजेशन हेनली एंड पार्टनर्स ने 2024 के लिए पासपोर्ट इंडेक्स जारी किया है। रैंकिंग में भारत 5 पायदा फिसलकर 85वें स्थान पर आ गया है। 2023 में भी भारत 80वें स्थान पर था। हालांकि, पिछले साल की तुलना में इस साल भारतीय 5 ज्यादा देशों में वीजा फ्री ट्रैवल कर सकते हैं। 2023 में भारत के लोग 57 देशों में बिना वीजा ट्रैवल कर सकते थे, जबकि इस साल यह आंकड़ा बढ़कर 62 हो गया है। वहीं, दुनिया में 6 देशों के पास सबसे पावरफुल पासपोर्ट है। इनमें जापान, सिंगापुर, स्पेन, फ्रांस, इटली और जर्मनी शामिल हैं। ये रैंकिंग इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) के डेटा पर आधारित हैं। भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान के पास दुनिया का चौथा सबसे कमजोर पासपोर्ट है। पाकिस्तान की पासपोर्ट रैंकिंग 106 है। यहां के नागरिक 34 देशों में वीजा फ्री ट्रैवल कर सकते हैं। करीब 2 साल से जारी जंग के बावजूद यूक्रेन का पासपोर्ट न सिर्फ भारत बल्कि रूस के पासपोर्ट से भी ज्यादा पावरफुल है। हेनली एंड पार्टनर्स की रैंकिंग में यूक्रेन के पासपोर्ट को 31वां स्थान मिला है। यहां के नागरिक 148 देशों में वीजा फ्री ट्रैवल कर सकते हैं। वहीं रूस के पासपोर्ट की रैंकिंग 53 है। रूसी नागरिक 119 देशों में बिना वीजा के जा सकते हैं। 3 महीने से हमास के साथ युद्ध लड़ रहे इजराइल की पासपोर्ट रैंकिंग 20 है। पासपोर्ट रैंकिंग में शुरुआती 5 पायदान पर यूरोपियन देशों का दबदबा है। इसमें दूसरे स्थान पर फिनलैंड, स्वीडन और साउथ कोरिया हैं, जिनके नागरिक बना वीजा के 193 देशों में ट्रैवल कर सकते हैं। वहीं ऑस्ट्रिया, डेनमार्क, आयरलैंड और नीदरलैंड के पासपोर्ट को थर्ड रैंकिंग मिली है।

पावरफुल पासपोर्ट के मामले में सबसे ऊंची छलांग यूएई ने लगाई है। इस देश ने 2014 के बाद से अपने वीजा-फ्री स्कोर में 106 देशों को जोड़ा है, जिसके साथ 2024 के फर्स्ट हाफ के लिए यूएई की पासपोर्ट रैंकिंग 12 रही है। वहीं अमेरिका का पासपोर्ट 6वें और ब्रिटेन का तीसरे स्थान पर है। चीन की पासपोर्ट रैंकिंग 64 है।

अफगानिस्तान का पासपोर्ट 109th रैंक के साथ दुनिया का सबसे कमजोर पासपोर्ट है। हेनली एंड पार्टनर्स के चेयरमैन क्रिश्चियन कैलिन ने कहा- 2006 की तुलना में अब यात्री दोगुने देशों में वीजा फ्री ट्रैवल कर सकते हैं।

फ्रांस ने दुनिया को दिखाई बेजोड़ हवाई ताकत

18 राफेल फाइटर जेट ने एक साथ भरी उड़ान, बनाया 'दिल'

पेरिस, 19 फरवरी (एजेंसियां)। रूस के साथ चल रहे तनाव के बीच फ्रांस ने दुनिया के सामने अपनी बेजोड़ हवाई ताकत का प्रदर्शन किया है। फ्रांस की वायुसेना और स्पेस फोर्स ने साफिर युद्धाभ्यास के दौरान 18 राफेल फाइटर जेट को उड़ाकर दुनिया को हैरान कर दिया है। इससे पहले फ्रांस ने 'एलिफेंट वॉक' के दौरान इन 21 राफेल विमानों को मोंट डी मार्सन रनवे पर खड़ा किया। फ्रांस ने इन विमानों का प्रदर्शन ऐसे समय पर किया है जब रूस के साथ नाटो देशों का तनाव काफी बढ़ा हुआ है। नाटो के देश भी रूस के सीमा के पास ही वशिाल युद्धाभ्यास इन दिनों चला रहे हैं।

बताया जा रहा है कि फ्रांसीसी वायुसेना ने यह अभ्यास 12 फरवरी से लेकर 16 फरवरी तक चला। इस अभ्यास को फ्रांसीसी वायुसेना और स्पेस फोर्स के 30वीं फाइटर विंग ने अंजाम दिया है। इस हवाई अभ्यास का उद्देश्य एक खास अवधि के भीतर फाइटर विमानों के स्क्वाड्रन की उपलब्धता को बढ़ाना है। बताया जा रहा है कि इस दौरान 180 से लेकर 200 युद्धक उड़ानों को अंजाम दिया गया। फ्रांसीसी वायुसेना ने हर दिन कम से कम 20 राफेल फाइटर जेट को उड़ाने का अभ्यास किया गया। इस अभ्यास के दौरान सभी तकनीकी और लॉजिस्टिक सपोर्ट फोर्स को भी जुटाया गया था।

साफिर युद्धाभ्यास के दूसरे दिन शानदार 'एलिफैंट वॉक' को अंजाम दिया गया जिसमें 21 राफेल फाइटर जेट शामिल थे। वहीं हवा में भी 18 राफेल फाइटर ने एक साथ उड़ान भरकर अपनी कलाबाजी से लोगों को हैरान कर दिया। इन 18 विमानों के वेलेंटाइन डे को देखते हुए आकाश में दिल का आकार बनाकर लोगों को बधाई दी। फ्रांस का राफेल फाइटर इन दिनों दुनियाभर के देशों की पहली पसंद बनता जा रहा है। भारत के 36 राफेल फाइटर खरीदने के बाद अब फ्रांस को दुनिया के कई देशों ने जमकर ऑर्डर दिया है।

राफेल फाइटर जेट को 4.5 पीढ़ी का फाइटर जेट माना जाता है जो कई घातक मिसाइलों से लैस है। इस लड़ाकू विमान के जरिए परमाणु हमला भी किया जा सकता है। भारत और फ्रांस के बीच इसके नेवल वर्जन पर भी बातचीत हुई है। अब फ्रांस राफेल फाइटर जेट एक अडवांस्ड वर्जन बनाने पर काम कर रही है। इसे सुपर राफेल कहा जा रहा है। माना जा रहा है कि भारत और फ्रांस में आने वाले समय में इसको लेकर भी बड़ी डील हो सकती है। भारत के अलावा दुनिया के कई देश राफेल फाइटर जेट उड़ाते हैं।

पुतिन 71 साल की उम्र में फिर इश्क फरमा रहे!

रूसी राष्ट्रपति से 32 साल छोटी है नई गर्लफ्रेंड 'बार्बी'

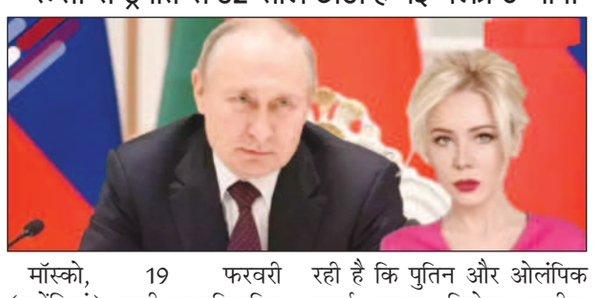

मॉस्को, 19 फरवरी (एजेंसियां)। रूसी राष्ट्रपति पुतिन के रोमांस के किस्से हमेशा चर्चा में रहे हैं। एक बार फिर उनके रोमांस से जुड़ी कहानी सामने आई है। डेली मेल की रिपोर्ट में यूक्रेनी मीडिया का हवाला देते हुए कहा गया कि पुतिन और लंदन में पढ़ी एक लड़की के बीच रोमांस चल रहा है। यह महिला इंटरनेट पर पुतिन के खिलाफ चीजों को सेंसर करती है। यह महिला पुतिन से 32 साल छोटी एकातेरिना कात्या मिजुलिना (39) हैं, जो रूस की सेफ इंटरनेट लीग की प्रमुख हैं। यह कट्टर पुतिन समर्थक और यूक्रेन विरोधी सीनेटर की बेटी हैं। लंबे समय से इस बात की चर्चा रही है कि पुतिन और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अलीना काबेवा का रिश्ता है। कई रिपोर्ट्स में उनके दो से तीन बच्चे होने का दावा भी किया जाता रहा है जो कथित तौर पर पुतिन के स्वामित्व वाले महल में रहते हैं। हालांकि पुतिन के नए अफेयर की खबरें रूसी सोशल मीडिया पर भी चल रही हैं। कात्या सीनेटर एलेना मिजुलिना की बेटी हैं, जो खुद पुतिन से उम्र में दो साल छोटी हैं। यूक्रेन के चैनल 24 के मुताबिक रूसी मानवाधिकार प्रचारक ओल्गा रोमानोवा ने कहा, 'कात्या मिजुलिना पूरी तरह से पुतिन की पसंद हैं। उन्हें हमेशा यह 'बार्बी' अच्छी लगती है।'

अगर मैं सत्ता में आती हूं तो भारत और नाटो देशों के साथ गठबंधन मजबूत करूंगी: हेली

वॉशिंगटन, 19 फरवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में इस साल राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। सभी उम्मीदवार अपनी-अपनी जीत के लिए प्रचार प्रसार में लग गए हैं। एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। इसी क्रम में, रिपब्लिकन पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार निक्की हेली ने कहा है कि अगर वह सत्ता में आती हैं तो उनका प्रशासन न केवल नाटो के साथ बल्कि भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान, दक्षिण कोरिया और फिलीपींस समेत कई अन्य देशों के साथ भी गठबंधन को मजबूत करेगा। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत रहीं 52 वर्षीय हेली ने कहा, 'अगर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप फिर से चुने जाते हैं तो मुझे बहुत सी चीजों के बारे में चिंता है। इनमें से एक नाटो गठबंधन है। ट्रंप का फिर से चुना जाना नाटो गठबंधन के लिए खतरा होगा। नाटो 75 साल की सफलता की कहानी है।' रिपब्लिकन पार्टी की 2024 के राष्ट्रपति पद की नामांकन दौड़ में निक्की हेली ट्रंप के खिलाफ एकमात्र उम्मीदवार बची हैं। दक्षिण कैरोलिना से दो बार की गवर्नर रहीं हेली ने कहा कि रूस ने कभी भी नाटो देश पर आक्रमण नहीं किया क्योंकि वह इस गठबंधन से बहुत भयभीत रहा है। यहां तक कि चीन भी इस गठबंधन से डरा हुआ है। इसलिए नाटो को मजबूत बनाए रखना महत्वपूर्ण है। उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) 31 सदस्य राज्यों, 29 यूरोपीय और दो उत्तरी अमेरिकी का एक अंतर-सरकारी सैन्य गठबंधन है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव प्रचार के दौरान नाटो सदस्य देशों पर जमकर निशाना साधा था। उन्होंने दो टूक लहजे में कहा था कि अमेरिका नाटो के उन सहयोगियों का बचाव नहीं करेगा, जो रक्षा पर पर्याप्त खर्च नहीं करते हैं। उन्होंने यहां तक कह दिया था कि वे रूस को उन देशों पर हमला करने के लिए प्रोत्साहित भी करेंगे। ऐसे में नाटो सदस्य देशों में खलबली मच गई है। वर्तमान में नाटो के 31 सदस्य देश हैं। जल्द ही स्वीडन भी नाटो का 32वां सदस्य बन जाएगा। अब तक नाटो में शामिल होने को रक्षा की गारंटी के रूप में देखा जाता रहा है। इस पर हेली ने कहा, 'गठबंधन में और अधिक दोस्तों को जोड़ना जरूरी है। यह गठबंधन छोड़ने का समय नहीं है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हम मजबूती से खड़े रहें। क्योंकि जब हम अपने दोस्तों के साथ मजबूती से खड़े होते हैं, तो हमारे दुश्मन झुके रहते हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'जब हम उन गठबंधनों को कमजोर दिखाना शुरू करते हैं, तभी हमारे दुश्मन आगे बढ़ते हैं। यही कारण है कि हम देख रहे हैं कि ईरान परमाणु बम बनाना चाहता है। रूस पोलैंड और बाल्टिक की ओर बढ़ना शुरू कर रहा है। इसलिए अगर मैं सत्ता में आती हूं तो हम न केवल नाटो को मजबूत करेंगे बल्कि भारत, ऑस्ट्रेलिया, जापान, दक्षिण कोरिया, फिलीपींस समेत कई अन्य देशों के साथ भी गठबंधन मजबूत करेंगे।

ब्राजील के राष्ट्रपति बोले- नेतन्याहू नरसंहार कर रहे

हिटलर ने ऐसा जुल्म यहूदियों पर ढाया था, इजराइल प्रधानमंत्री का जवाब- यह टिप्पणी शर्मनाक

ब्रासिलिया, 19 फरवरी (एजेंसियां)। 7 अक्टूबर को शुरू हुई इजराइल-हमास जंग में 28 हजार से ज्यादा फिलिस्तीनियों के मौत के बाद लूला डा सिल्वा ने कहा- नेतन्याहू गाजा में नरसंहार कर रहे हैं। जैसा जुल्म वो फिलिस्तीनियों पर कर रहे हैं वैसा हिटलर ने यहूदियों पर किया था। गाजा में इजराइली ऑपरेशन होलोकास्ट जैसा है। होलोकास्ट इतिहास का वो नरसंहार था, जिसमें छह साल में तकरीबन 60 लाख यहूदियों की हत्या कर दी गई थी। इनमें 15 लाख तो सिर्फ बच्चे थे। ये नरसंहार तब हुआ जब जर्मनी की सत्ता पर एडोल्फ हिटलर काबिज थे। ब्राजीलियन राष्ट्रपति के इस बयान को इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने शर्मनाक बताया। इसको लेकर इजराइल में मौजूद ब्राजील के राजदूत को तलब किया गया है। इथोरिया की राजधानी अदीस अबाबा में आयोजित अफ्रीकन यूनियन समिट में लूला ने इजराइल-हमास जंग पर चर्चा की। उन्होंने जंग और नरसिंहार के बीच का अंतर बताया। उन्होंने कहा- जंग दो देशों के सैनिकों के बीच होती है। लेकिन गाजा में सैनिक फिलिस्तीनी महिलाओं और बच्चों पर हमला कर रहे हैं। ये नरसिंहार है।

चीन बोला- हमारे स्टूडेंट्स को परेशान करना बंद करे अमेरिका

डॉक्यूमेंट्स होने के बावजूद एयरपोर्ट पर सख्त पूछताछ करते हैं, छात्रों को वापस भेजते हैं

बीजिंग, 19 फरवरी (एजेंसियां)। चीन ने अमेरिका से कहा है कि वो चीनी छात्रों को परेशान करना बंद करे। ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना में दोनों देशों के नेताओं-अधिकारियों की मुलाकात हुई।

इस दौरान चीन के पब्लिक सिक्योरिटी मिनिस्टर वांग शियाओहोंग ने अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी एलेजांद्रो मयोरकास से कहा- अमेरिकी एयरपोर्ट पर चीनी छात्रों से डॉक्यूमेंट्स होने के बावजूद सख्त पूछताछ की जाती है। कई बार तो उन्हें वापस चीन भेज दिया जाता है। बिना मतलब इतनी सख्ती बरतना सही नहीं है।

चीन के मंत्री ने कहा- अमेरिका हमारे स्टूडेंट्स को परेशान करना बंद करे और यह सुनिश्चित करे कि चीनी नागरिकों-छात्रों को बिना भेदभाव और सम्मान के साथ एंट्री मिले। अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि हालिया साल में चीनी नागरिकों ने अमेरिका में टूरिस्ट बनकर जासूसी की है। फरवरी 2023 में अमेरिका ने चीन के एक स्पाय बैलून को मार गिराया था। रिपोर्ट के मुताबिक- चीन के नागरिक अमेरिका में खुफिया जानकारी जुटाते हैं और बाद में इसे चीन पहुंचा देते हैं। अमेरिका चीन से दवाएं इम्पोर्ट करता है। चीन से एक्सपोर्ट होने वाली दवाओं में काफी मात्रा में फेंटानिल होता है। अमेरिका ने हाल ही के दिनों में चीन पर आरोप लगाए थे कि वो फेंटानिल वाली दवाओं से अमेरिका में नशे के कारोबार को बढ़ावा दे रहा है।

यूएस में फेंटानिल ड्रग के इस्तेमाल से हर साल 70 हजार से ज्यादा लोगों की मौत होती है। चीन के विदेश मंत्री किन गैंग ने पिछले साल एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था- अमेरिका हमें अपना सबसे बड़ा दुश्मन और विश्व राजनीति में सबसे बड़ी चुनौती मानता है।

फिलीस्तीन के क्षेत्र पर इजराइल के कब्जे को लेकर अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में होगी सुनवाई

हेग, 19 फरवरी (एजेंसियां)। नीदरलैंड के हेग में स्थित अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस) इस हफ्ते इजराइल के फिलीस्तीन की जमीन पर 57 साल के कब्जे की वैधता को लेकर सुनवाई शुरू करेगी। गौरतलब है कि इजराइल के खिलाफ पहले से ही आईसीजे में गाजा पर हमले को लेकर केस चल रहा है।

आईसीजे में इजराइल के खिलाफ इस नए केस में उसके फिलीस्तीन के वेस्ट बैंक, गाजा और पूर्वी यरुशलम में 1967 से जारी कब्जे की वैधता को लेकर सुनवाई होनी है। फिलीस्तीन का कहना है कि स्वतंत्र क्षेत्र बनाए गए इन इलाकों पर उसका अधिकार है और इजराइल का इस पर कब्जा अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन है। फिलीस्तीन के प्रतिनिधियों का कहना है कि इजराइल ने कब्जे वाली जमीन पर लोगों को बसाने की शुरुआत कर के नियमों को तोड़ा है। साथ ही फिलीस्तीनियों के साथ नस्लभेद को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। आईसीजे में इस मामले की सुनवाई में एक साल से ज्यादा का समय लग सकता है।

बताया गया है कि इस मामले में फिलीस्तीन की तरफ से इजराइल के खिलाफ सबूत पेश किए जाएंगे।

इसके बाद 51 देश और तीन अलग-अलग संस्थान- लीग ऑफ अरब स्टेट्स, ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन और अफ्रीकी यूनियन भी जजों को संबोधित करेंगे।

हालांकि, मामले में इजराइल की तरफ से बहस करने के लिए कोई भी पेश नहीं होगा। इजराइल ने पहले ही इस मामले में लिखित वाद कोर्ट में जमा कर दिया है।

अमित शाह लोकसभा चुनाव जीतने का देंगे मंत्र

बीकानेर-श्रीगंगानगर के अलावा चूरू के नेताओं से मिलेंगे, भजनलाल, सीपी जोशी व राठौड़ भी आएंगे

बीकानेर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को बीकानेर आएंगे। वे बीकानेर संभाग की तीन लोकसभा सीट के लिए दो सौ जिम्मेदार भाजपा नेताओं को जीत का मंत्र देंगे।

पार्क पैराडाइज होटल में होने वाले कार्यक्रम के लिए बीकानेर, श्रीगंगानगर-हनुमानगढ़ और चूरू लोकसभा क्षेत्र के वरिष्ठ नेताओं के साथ ही जयपुर से भाजपा नेता भी उपस्थित रहेंगे। दोपहर में बीकानेर से उदयपुर के लिए रवाना हो जाएंगे।

लोकसभा चुनाव से पहले राजस्थान की सभी 25 लोकसभा क्षेत्रों में अमित शाह प्रथम पंक्ति के नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। इस दौरान न तो लोकसभा उम्मीदवारी पर चर्चा होगी और न ही किसी नेता से अलग से मुलाकात होगी। शाह एक बड़े हॉल में करीब दो सौ नेताओं से रूबरू होंगे और जीत के लिए अपना मंत्र देंगे।

मंत्री अर्जुनराम मेघवाल की होगी मुख्य भूमिका

मीटिंग में बीकानेर से लोकसभा

सदस्य और केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल की मुख्य भूमिका रहने वाली है। मेघवाल ही शाह के साथ पूरे कार्यक्रम में रहेंगे। नाल हवाई अड्डे पर अमित शाह की अगवानी से उन्हें वापस नाल छोड़ने तक मेघवाल ही शाह के साथ रहेंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी बीकानेर आ रहे हैं। ऐसे में प्रशासन भी इसी आधार पर तैयारी कर रहा है। सर्किट हाउस को रिजर्व रखा गया है। सुरक्षा व्यवस्थाओं को चाक चौबंद किया गया है। मुख्यमंत्री सुबह विशेष विमान से जयपुर से बीकानेर आ रहे हैं। उनके साथ ही प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सीपी जोशी भी होंगे। इसके अलावा राज्य के कद्दावर भाजपा नेता राजेंद्र राठौड़ भी बीकानेर में होंगे।

पुराने संभाग के आधार पर होगी तैयारी

चूरू अब बीकानेर संभाग का हिस्सा नहीं है फिर भी लोकसभा चुनाव में पुराने संभाग के आधार पर ही तैयारी की जा रही है। ऐसे में चूरू लोकसभा क्षेत्र के नेता भी इसी मीटिंग में हिस्सा लेंगे। पूर्व मंत्री राजेंद्र राठौड़ भी मीटिंग में शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा लोकसभा चुनाव के प्रभारी सतीश पूनिया, बीकानेर के प्रभारी सीआर चौधरी भी कार्यक्रम में शामिल होंगे।

इसके अलावा लोकसभा चुनाव की प्रबंधन समिति व कोर समिति के सभी सदस्य शामिल होंगे। वर्तमान सांसद, विधायक और विधायक उम्मीदवार शामिल रहेंगे। इसके अलावा मेयर, सभापति स्तर के नेता भी शामिल होंगे। लोकसभा क्षेत्र के मीडिया प्रकोष्ठ से जुड़े पदाधिकारी, शहर व देहात भाजपा के पदाधिकारियों के साथ ही जिला प्रमुख, पंचायत समिति प्रधान आदि भी अमित शाह से रूबरू हो सकेंगे।

कार्यक्रम की तैयारी के लिए शहर भाजपा अध्यक्ष विजय आचार्य के साथ उनकी उनकी टीम जुट गई है। सोमवार सुबह पार्क पैराडाइज पहुंचे भाजपा नेताओं ने मीटिंग हॉल की व्यवस्थाओं को देखने के साथ ही उनके आगमन के रूट का भी निरीक्षण किया। उनके साथ वरिष्ठ भाजपा नेता मोहन सुराना भी तैयारियां देख रहे हैं।

संत बोले-अब मथुरा और काशी में बाबा विश्वनाथ की बारी

जयपुर में कहा- दोनों का हल कोर्ट से नहीं हो सकता, करेंगे आंदोलन

जयपुर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद गिरी का कहना है कि राम मंदिर के बाद अब श्री कृष्ण जन्मभूमि मथुरा और काशी में बाबा विश्वनाथ की बारी है। सारे समुदायों से इसके लिए शांतिपूर्वक बातचीत की जाएगी। जमीन के विवाद को खत्म करने की रणनीति बनाई जाएगी। अगर बात नहीं बनी तो संत हरिद्वार और प्रयागराज में होने वाले समागम में उग्र आंदोलन को लेकर फैसला करेंगे।

जयपुर में जवाहर नगर स्थित माहेश्वरी पब्लिक स्कूल के तक्षशिला सभागार में हुए अखिल भारतीय संत सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचें गोविंद गिरी ने यह बात कहीं। उन्होंने कहा कि अयोध्या में मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम के दौरान मेरी आंखें भीग रही थीं, क्योंकि उस वक्त मैं उन तमाम लोगों को याद कर रहा था, जिनके कारण आज हम वहां रामलला के दर्शन कर पाएं।

'मंदिर वहीं बनाएंगे' नारे का

बनाया था मजाक

स्वामी गोविंद गिरी ने कहा- 'रामलला हम आएंगे, मंदिर भव्य बनाएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे' का नारा दशकों तक हम लगाते आए। इस नारे का कुछ लोग मजाक बनाते थे। कहते थे- मंदिर कब बनाएंगे, तारीख नहीं बताएंगे। यह काफी समय तक चलता रहा, लेकिन संतों की संकल्प शक्ति का अनुभव हम सब लोगों ने किया। आज हम बड़े गर्व के साथ कह सकते हैं कि अयोध्या जी में मंदिर बनाने के बाद पहली बार एकत्रित हो रहे हैं।

उन्होंने कहा- अयोध्या में जिन लोगों के कारण रामलला के दर्शन कर पाएं। उनमें धर्मेंद्र महाराज का नाम प्रमुख है। जिनकी पुण्य स्मृति में हम यहां एकत्र हुए हैं। मंदिर आज अयोध्या में खड़ा है, उसमें अनेक लोगों का त्याग और बलिदान लगा है।

श्री पंचखण्ड पीठाधीश्वर आचार्य सोमेन्द्र ने कहा- अखिल भारतीय संत सम्मेलन ने अंतरराष्ट्रीय रूप ले लिया है। इसमें विश्व के अनेक हिस्सों से आए सभी संतों ने एक स्वर से प्रस्ताव पारित किया कि अयोध्या के बाद मथुरा कृष्ण-भूमि जन्म क्षेत्र और काशी विश्वनाथ के परिसर का अधिकार सनातन धर्मियों को मिलना चाहिए, जिससे उन जगहों पर भी अयोध्या के जैसे भव्य मंदिर का निर्माण करवाया जा सके।

इस सम्मेलन में गौ-सेवा और गौ-रक्षा पर एक प्रस्ताव पारित हुआ है। साथ ही सारे संतों ने यह मांग भी रखी है कि समान आचार संहिता (यूसीसी) पूरे भारत में लागू होनी चाहिए। संतों की मांग है कि धार्मिक पूजा पाठ के अधिकार से संबंधित जो धारा है, वह सभी लोगों पर समान रूप से लागू हो। जनसंख्या नियंत्रण कानून पर भी संतों ने अपने विचार रखें।

उन्होंने कहा- इन सभी मुद्दों को लेकर संत पूरे विश्व में जन जागरण अभियान चलाएंगे। इसके साथ एक ऐसा वातावरण तैयार करेंगे, जिससे मुस्लिम पक्ष स्वेच्छा से दोनों तीर्थ सौहार्द के साथ सनातनियों को सौंप देंगें। इस अभियान की शुरुआत जयपुर में इस सम्मेलन से कर दी गई है। होली के बाद सारे संत हरिद्वार और प्रयागराज में से किसी एक जगह पर जयपुर जैसा संत सम्मेलन करेंगे। इसके बाद इंडिया के बाहर यूरोप और अमेरिका में भी संत सम्मेलन होगा।

लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने प्रत्याशी पैनल किया तैयार

4 सीटों पर सिंगल नाम; सबसे ज्यादा दावेदार जयपुर सीट पर

जयपुर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव में प्रत्याशियों के चयन में पीछे रही कांग्रेस अब लोकसभा चुनाव की तैयारी के मामले में भाजपा से आगे निकलने के प्रयासों में है। कांग्रेस ने प्रदेश की सभी 25 सीटों के लिए 1 से 3 नामों का पैनल बना लिया है। अब दिल्ली में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के बाद उम्मीदवारों के नाम तय किए जा सकते हैं।

लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने पिछले दिनों 25 समन्वयक बनाए थे। इन्हें 25 सीटों के लिए करीब 200 दावेदारों ने आवेदन दिए हैं। कुछ सीटों पर 3 तो कुछ पर 10-11 दावेदार हैं। सर्वाधिक आवेदन जयपुर सीट से मिले हैं। केंद्रीय स्क्रीनिंग कमेटी ने इनमें से 60 नामों का पैनल बनाया है। इनमें 4 सीटों पर सिंगल नाम रखे गए हैं। आठ सीटों पर दो-दो, 12 पर 3-3 जबकि एक सीट पर चार नाम शामिल हैं।

कांग्रेस तीन सीटों पर प्रशासनिक अफसरों को टिकट दे सकती है

टोंक-सवाई माधोपुर, उदयपुर व दौसा में कांग्रेस कुछ आईएएस, आईआरएस अधिकारियों के नामों पर मंथन कर रही है। हालांकि इनमें से कुछ अधिकारी अभी राजकीय सेवा में हैं। टिकट मिला तो वे वीआरएस लेंगे।

जयपुर में कांग्रेस का बड़ा प्रदर्शन

बैरिकेड्स पर चढ़ी महिलाएं, खाचरियावास बोले- बीजेपी कांग्रेस को खत्म करना चाहती है

जयपुर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। आयकर विभाग की कार्रवाई के विरोध में आज कांग्रेस का जयपुर में बड़ा प्रदर्शन किया। कांग्रेस वॉर रूम से आयकर विभाग तक पैदल मार्च निकाला, जिसे स्टैच्यू सर्किल पर रोक लिया गया। इस दौरान पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा- बीजेपी कांग्रेस को खत्म करना चाहती है। लेकिन कांग्रेस खत्म होने वाली नहीं हैं। बीजेपी जितना टकराव पैदा करेगी, कांग्रेस उतना उभरकर सामने आएगी।

दरअसल, आयकर विभाग द्वारा कांग्रेस के खाते फ्रीज करने के विरोध में आज जयपुर में नेता और कार्यकर्ता करीब 11:15 पर कांग्रेस वॉर रूम से पैदल मार्च निकालते हुए आयकर विभाग की

ओर रवाना हुए। करीब 15 मिनट बाद 11:30 बजे स्टैच्यू सर्किल पर पुलिस ने सभी को रोक दिया। यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता और महिलाएं बैरिकेड्स पर चढ़कर प्रदर्शन करने लगे।

बैरिकेड्स फांदकर दूसरी तरफ पहुंचे नेता

कांग्रेस नेता बैरिकेड्स फांदकर दूसरी तरफ पहुंचे। लेकिन पुलिस ने उन्हें आगे नहीं बढ़ने दिया। कांग्रेस नेता, कार्यकर्ताओं के साथ जमीन पर बैठकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लग गए। करीब 12:15 पर पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया।

विधायक और पूर्व मंत्री पहुंचे

मार्च में शामिल होने के लिए विधायक अमीन कागजी, रफीक खान शिखा बराला, प्रशांत शर्मा, रोहित बोहरा मौके पर पहुंचे। वहीं, पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, यूथ कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष यशवीर सूरा भी पहुंचे।

प्रदर्शन के दौरान विधायक रफीक खान ने कहा- लोकतंत्र खतरे में है। जिस कारणों से खाते सीज किए गए हैं। उन कारणों पर जाएंगे तो देश के बड़े कॉर्पोरेट घरानों के खाते सीज हो जाएंगे। पॉलिटिकल पार्टियों को चुनाव लड़ने से रोका जा रहा है।

81 विधायकों के इस्तीफे पर बोले देवनानी

मामले से संबंधित दस्तावेजों को कोर्ट में पेश किया है

दौसा, 19 फरवरी (एजेंसियां)। मेहंदीपुर बालाजी के दर्शन करने दौसा पहुंचे विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान विधासभा स्पीकर को 81 विधायकों के इस्तीफा देने के मामले में जो भी दस्तावेज विधानसभा में मौजूद थे, उसके आधार पर कोर्ट में मामला पेश किया है। हालांकि कोर्ट में कौनसे दस्तावेज पेश किए हैं, इसके बारे में उन्होंने नहीं बताया।

मीडिया से बात करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि राजस्थान की विधानसभा को डिजिटल और पेपरलेस बनाने को लेकर जल्द ही काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मैं मेहंदीपुर बालाजी बहुत समय के बाद आया हूं। यहां बालाजी महाराज के दर्शन कर सुखद अनुभव की अनुभूति हुई है। उन्होंने कहा कि मेहंदीपुर बालाजी मंदिर को लेकर पूरे देश के लोगों में विशेष आस्था है।

निवर्तमान गहलोत सरकार के दौरान विधासभा स्पीकर को 81 विधायकों के इस्तीफा देने के मामले पर उन्होंने कहा- विधानसभा में जो कोई भी दस्तावेज मौजूद थे, उसके आधार पर कोर्ट में जजमेंट किया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में मैं ज्यादा टिप्पणी नहीं कर सकता।

देवनानी ने कहा कि जल्द ही राजस्थान विधानसभा को डिजिटल बनाने का काम किया जा रहा है, जिसके चलते विधानसभा को पेपरलेस बनाने पर लगभग 70-80 फीसदी काम पूरा हो चुका है।

आखिरकार महेंद्रजीत सिंह मालवीया ने 'हाथ' छोड़ थामा 'कमल', भाजपा में एंट्री मारते ही कही ये 6 बड़ी बातें

जयपुर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। मालवीया को लेकर पिछले तीन-चार दिन से चल रही चर्चाओं और अटकलों का दौर थम गया। प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह और प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने मालवीया को पार्टी का दुपट्टा पहनाकर औपचारिक रूप से सदस्यता दिलाई और स्वागत किया।

राजस्थान की राजनीति के वरिष्ठतम नेताओं में से एक महेंद्रजीत सिंह मालवीया ने आखिरकार कांग्रेस का 'हाथ' छोड़कर भाजपा का 'कमल' थाम लिया है। जयपुर स्थित प्रदेश भाजपा मुख्यालय में एक प्रेसवार्ता के दौरान भाजपा प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह और प्रदेशाध्यक्ष सीपी

जोशी ने मालवीया को पार्टी का दुपट्टा पहनाकर औपचारिक रूप से सदस्यता दिलाई और स्वागत किया। इसी के साथ मालवीया को लेकर पिछले तीन-चार दिन से चल रही चर्चाओं और अटकलों का दौर थम गया।

भाजपा ज्वाइन करने के बाद अपने पहले उद्बोधन में महेन्द्रजीत सिंह मालवीया ने कहा कि भाजपा में शामिल होना मेरी घर वापसी है। उन्होंने अब तक के अपने राजनीतिक सफर की जानकारी देते हुए कहा कि उन्होंने छात्र राजनीति भाजपा के ही छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के कार्यकर्ता के तौर पर शुरू की थी। कॉलेज शिक्षा के दौरान उन्होंने एबीवीपी के बैनर तले कई महत्वपूर्ण ज़िम्मेदारियों का निर्वहन किया।

मालवीया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा की रीती-नीति की जमकर तारीफ़ की। उन्होंने कहा कि राजस्थान में 'डबल इंजन' की सरकार बनने के साथ ही देश-दुनिया में जो हिंदुस्तान की जो ताकत और छवि बढ़ी है, वो वाकई प्रभावित करने वाली है। हिंदुस्तान पहले कहां था और अब कहां पहुंच गया है। इसके पीछे भारतीय जनता पार्टी की नीतियां और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विज़न झलकता है।

मालवीया ने अपने क्षेत्र में विकास की उम्मीद जताते हुए कहा कि भाजपा में शामिल होने के बाद वागड़ क्षेत्र का विकास हो सकेगा। हमसे सटे गुजरात और मध्य प्रदेश की मदद से ग्रामीण अंचलों में विकास हो सकेगा।

आईआईटी-ग्रेजुएट ग्राम विकास अधिकारी बना,करप्शन से तंग आकर सुसाइड किया

सरपंच-पूर्व सरपंच पर कराया था गबन का केस, नोट में लिखा-न आईएएस बना, न नौकरी कर पाया

नीमकाथाना. 19 फरवरी (एजेंसियां)। 'ये पंचायती राज डिपार्टमेंट बहुत गंदा है। यहां सब लोग झूठे हैं। कोई विश्वास के लायक नहीं है। सब ने मेरा विश्वास तोड़ा है। मैंने पंचायत से एक रुपए भी नहीं लिए। इलेक्शन में, शिविर में अपनी जेब से पैसे लगाए। सब मुझे गलत समझते हैं। चीपलटा पंचायत में बहुत करप्शन है। पता नहीं जिसने करप्शन किया उसे सजा मिलेगी या नहीं।' 'मैं आईआईटी कानपुर से ग्रेजुएट हूं। यूपीएससी करते-करते ग्राम विकास अधिकारी की जॉब में फंस गया हूं। मैं दो बार मेंस के पेपर दे चुका हूं। इस डिपार्टमेंट में इतना प्रताड़ित किया

जाता है कि न मैं नौकरी कर पा रहा हूं, न ही यूपीएसएसी की तैयारी कर पा रहा हूं। यहां कोई किसी की हेल्प नहीं करता। मैं पिछले 4 महीनों से डिप्रेशन हूं। अब मुझे नहीं जीना है, सब जानते हैं, कोई साथ नहीं देता।' ऊपर लिखी ये बातें 9 पन्नों के सुसाइड नोट का एक अंश हैं, जिसे लिखने के बाद देश के सर्वोच्च इंजीनियरिंग कॉलेज से ग्रेजुएट होकर ग्राम विकास अधिकारी बने ललित कुमार(25) ने सुसाइड कर लिया। उसका कसूर इतना था कि जिस सरपंच-पूर्व ग्रामीण विकास अधिकारी के खिलाफ उसने गबन का मामला दर्ज कराया था, वे उसे प्रताड़ित कर रहे थे। राजस्थान के नीमकाथाना के चीपलटा गांव का ग्राम विकास अधिकारी(वीडीओ) ललित कुमार ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

चचेरे भाई मनोज ने बताया कि ललित ने आईआईटी, कानपुर से ग्रेजुएट किया था। एक साल पहले ही ललित की चीपलटा में बतौर वीडीओ पहली जॉइनिंग हुई थी। उसकी अभी शादी भी नहीं हुई थी। वो तीन बहनों में अकेला भाई था। ललित नीमकाथाना के झाड़ली गांव का रहने वाला था। 15 फरवरी को ऑडिट टीम ने साल 2021-23 के विकास कामों के आए 5 लाख 20 हजार रुपए की गड़बड़ी पकड़ी।

पता चला कि सरपंच मनोज गुर्जर और तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी नरेंद्र प्रताप सिंह ने 24 जनवरी 2022 को चार लाख 99 हजार 204, 16 अगस्त 2022 को पांच हजार 807 और 5 सितंबर 2022 को 15 हजार रुपए का गबन किया।

पिता ने मोबाइल छीना तो फंदे से लटकी बेटी

पढ़ाई नहीं करने पर लगाई थी डांट; 6 दिन से स्कूल नहीं जा रही थी

अजमेर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। पढ़ाई नहीं करने पर पिता ने मोबाइल छीन लिया तो बेटी ने फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। वह 9th क्लास की स्टूडेंट थी। हादसा अजमेर के सिविल लाइंस इलाके में सोमवार सुबह करीब 10 बजे का है।

सिविल लाइंस थाना इलाके में घुघरा की रहने वाली भूमिका (15) पुत्री मनीष मिश्रा अपने घर में फंदे पर लटकी मिली। सबसे पहले बड़ी बहन विशाखा ने भूमिका को फंदे से लटके देखा और मां को बताया। परिजन फंदे से उतार कर भूमिका को जेएलएन हॉस्पिटल लेकर गए, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शव को मॉर्च्युरी में रखवाकर पुलिस को सूचना दी गई।

एएसआई रणजीत सिंह ने बताया- भूमिका के पिता मनीष मिश्रा पुष्कर काम पर गए थे। बड़ी बेटी और परिवार के अन्य सदस्यों से मामले की जानकारी मिली। सुसाइड के कारणों को लेकर जांच की जा रही है।

7 महीने पहले मिला था मोबाइल

भूमिका के पिता मनीष हलवाई हैं। उन्होंने बताया- मोबाइल का ज्यादा इस्तेमाल करने पर आज सुबह भूमिका को डांट लगाई थी। पढ़ाई में ध्यान नहीं देने के कारण उससे मोबाइल छीन लिया था। इसके बाद मैं अपने काम पर चला गया। मोबाइल छीन लेने से दुखी होकर भूमिका ने सुसाइड कर लिया। पिता ने बताया कि बेटी को करीब 7 महीने पहले ही तत्कालीन गहलोत सरकार की ओर से चलाई जा रही फ्री मोबाइल स्कीम के तहत मोबाइल मिला था।

हाईवे पर देसी कट्टा लहराता युवक गिरफ्तार

लूट के इरादे से वाहन चालकों को दे रहा था धमकी, कोर्ट ने भेजा जेल

चूरू, 19 फरवरी (एजेंसियां)। जिले की रतननगर पुलिस ने एनएच 52 पर देसी कट्टा लहराते हुए युवक को गिरफ्तार किया है। युवक कट्टा लहराकर आने-जाने वाले वाहन चालकों को डराने की कोशिश कर रहा था। गश्त के दौरान पहुंची पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर कट्टा जब्त कर लिया।

रतननगर थानाधिकारी रूपाराम ने बताया कि पुलिस गश्त कर रही थी। इस दौरान एनएच 52 पर गांव उंटवालिया के पास सड़क पर खड़ा होकर पूनियां कॉलोनी चूरू निवासी सुनील कुमार नाई (38) देसी कट्टा हाथ में लेकर लहरा रहा था। वह हाईवे से गुजरने वाले लोगों को डरा रहा था। वहीं, धमका कर लूट करने की कोशिश में था। लेकिन इससे पहले ही पुलिस मौके पर पहुंच गई।

पुलिस ने देसी कट्टा जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जिसे सोमवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। कार्रवाई करने वाले टीम में हैड कॉन्स्टेबल प्रमोद कुमार, कॉन्स्टेबल ओमप्रकाश, कपिल, मुनेश और अनिल कुमार शामिल रहे।

फतहसागर झील के पास दिखा लेपर्ड: गाड़ियों की लाइट और हॉर्न के बाद दुबका, राहगीरों ने बनाया वीडियो

उदयपुर, 19 फरवरी (एजेंसियां)। उदयपुर में फतहसागर झील के पास एक लेपर्ड सड़क पर घूमता दिखा। गाड़ियों की लाइट और हॉर्न के बाद लेपर्ड आगे निकलकर दुबक गया। मौके से गुजर रहे लोगों ने इसका मोबाइल से वीडियो भी बनाया।

लेपर्ड फतहसागर झील किनारे देवाली छोर के आगे वन विभाग के गेस्ट हाउस अरण्य कुटीर के पास देखा गया था। वीडियो में दिखा कि झील किनारे लगी बंसियों के पास

लेपर्ड खड़ा था। वहां से गुजरती गाड़ियों की लाइट और हॉर्न के बाद लेपर्ड आगे निकलकर दुबक गया। बाद में वह वहां से निकल गया।

आस-पास है पहाड़ी इलाका

जिस जगह लेपर्ड दिखा,उसके आस-पास पहाड़ी इलाका है। सामने की तरफ थूर मगरा और पास ही नीमजमाता का इलाका है। जानकार बताते है कि पहाड़ी इलाके से लेपर्ड प्यास बुझाने फतहसागर आया होगा। बता दें कि इस इलाके में लेपर्ड का मूवमेंट है।

जनवरी महीने के पहले सप्ताह में ही देवाली छोर पर खाली पड़े मकान में लेपर्ड घुस गया था और उसे पकड़ने के लिए वन विभाग की टीमों ने कसरत शुरू की। तब वह भागकर नीमज माता पहाड़ी की तरफ चला गया था।

हैदराबाद में उत्साह से मनाया गया शिव जन्मोत्सव

हैदराबाद, 19 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। श्री छत्रपति शिवाजी मराठा नवयुवक मण्डल, भाग्यनगर, श्री छत्रपति शिवाजी मराठा सांस्कृतिक ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में स्वराज्य संस्थापक श्री छत्रपति शिवाजी महाराज जन्मोत्सव हैदराबाद में उत्साह से मनाया गया।

जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में शहर के पुराना पुल स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज द्वार से शिवाजी महाराज प्रतिमा इमलीबन तक शोभा यात्रा निकाली गई। मध्यान्ह को निकली इस शोभा यात्रा का परिवर्तन शाम को जनसभा में हुआ। शोभा यात्रा में तेलंगाना वारकरी भजन मंडलियों द्वारा भजन कार्यक्रम किया गया और जय भवानी, जय शिवाजी के नारों से शहर गुंज उठा। ढोल पथक, ध्वज नृत्य भी प्रस्तूत किए गए। भारत माता, विठ्ठल रुक्मिणी की प्रतिमाएं सभी का ध्यान आकर्षित कर रही थी।

साथ ही अनेक कलाकार छत्रपति शिवाजी महाराज और अन्य महापुरुषों की वेषभूषा बना के शोभा यात्रा में सम्मिलित हुए जो आकर्षण का केंद्र बनें। युवाओं के साथही महिलाओं ने भी बडी संख्या में शोभा यात्रा में हिस्सा लिया।

जनसभा में मुख्य अतिथि लथामा फाउंडेशन और विरींची हॉस्पीटल्स् की अध्यक्ष श्रीमती माधवी लता कोम्पेल्ला ने अपने विचार रखें और शिवाजी महाराज को श्रद्धांजली अर्पित की। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक टी राजा सिंह, नगर सेवक जी शंकर यादव, नगरसेवक लाल सिंह, पूर्व विधायक प्रेमसिंह राठौड, पूर्व मंत्री सी कृष्णा यादव, भाग्य नगर गणेशोत्सव समिति के महासचिव डॉ पी भगवंत राव, सतीश अग्रवाल ने अपने संबोधन में महाराज कि महत्ता को पूनःउजागर किया।

शोभा यात्रा और कार्यक्रम के आयोजन में अध्यक्ष मदन जाधव, महामंत्री विश्वनाथ मोरे, संयोजक राम शेरिकर, गोपालराव जगताप, सह संयोजक लक्ष्मणराव जाधव, सलाहकार मारुति जगताप, तेलंगाना मराठा मंडल, तेलंगाना मराठा महिला मंडल, तेलंगाना वारकरी भजन मंडलियां और तेलंगाना मराठा गोल्ड एण्ड सिल्वर रिफाइनरीज के सदस्यों ने प्रमुख भूमिका निभाई। बडी संख्या में छत्रपति शिवाजी महाराज के भक्तों ने इस कार्यक्रम में भाग लेकर उन्हे नमन किया।

जिसमें बडी संख्या में युवा वर्ग और सामाजिक संस्थाओं के सदस्य भी शामिल थे।

ब्रेन डेड कांस्टेबल के अंग दान

पत्नि ने दी सहमति

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। डॉक्टरों द्वारा ब्रेन डेड करार दिए जाने पर रंगारेड्डी जिले के इब्राहिमपटनम निवासी 41 वर्षीय पुलिस कांस्टेबल मेकला श्याम सुंदर के परिवार ने उनके अंगों को दान करने के लिए अपनी सहमति दे दी है। शनिवार 27 जनवरी को श्याम सुंदर अपने घर पर अचानक गिर पड़े और बेहोश हो गए। तत्काल परिवार के सदस्य उन्हें कामिनेनी अस्पताल, एलबी नगर ले गए। वहां के डॉक्टरों ने श्याम सुंदर को 22 दिनों तक आईसीयू में उपचार किए, लेकिन उनके स्वास्थ्य में कोई सुधार नहीं हुआ। स्वास्थ्य स्थिति में सुधार का कोई संकेत न मिलने पर, अस्पताल के डॉक्टरों ने रविवार, 18 फरवरी को सुबह 10.35 बजे पुलिस कांस्टेबल को ब्रेन डेड घोषित कर दिया। जीवनदान अंग दान समन्वयकों ने परामर्श सत्रों की एक श्रृंखला आयोजित की और मृत पुलिस कांस्टेबल के परिवार के सदस्यों को अंग दान के महत्व के बारे में समझाया। मृतक पुलिस कांस्टेबल की पत्नी मेकाला लिखिता ने उनके अंग दान करने की सहमति दी। सर्जनों ने दो कॉर्निया और एक लीवर सहित तीन अंगों को पुनः प्राप्त किया और उन्हें अंग दान दिशानिर्देशों के आधार पर जरूरतमंद रोगियों को आवंटित किया।

करमनघाट श्री आईमाता मंदिर का सातवा वार्षिकोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। करमनघाट स्थित अलमासगुड़ा सीरवी समाज की आस्था का केन्द्र श्री आईमाता मंदिर में सीरवी समाज बन्धुओं के सानिध्य में श्री आईमाताजी मंदिर के दो दिवसीय सातवें वार्षिकोत्सव व ध्वजा रोहण समारोह 18 फरवरी जागरण व 19 फरवरी प्रात: वेला में पूजा-अर्चनाकर ध्वजा रोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सचिव पुखराज चोयल ने बताया कि हर वर्ष की भांति समाज बन्धुओं के सानिध्य में सातवा वार्षिकोत्सव व ध्वजा रोहण समारोह आयोजित किया गया। 18 फरवरी श्री आईमाता मंदिर, श्री शीतलामाता मंदिर, श्री सोनाणा खेतलाजी व श्री बाबा रामदेवजी मंदिर को विशेष फूलों व लाइटिंग से सजाकर, माई का श्रृंगारकर रात्रि 9.15 बजे से जागरण का आयोजन किया गया। माघ सुदी दसम 19 फरवरी को प्रात: वेला मे पूजा-अर्चनाकर 9.15 बजे पूर्व सचिव हिरालाल सैणचा गांधीनगर बडंगपेट के निवास स्थान से गाजे-बाजे के साथ नाचते-गाते हुए ध्वजा व ज्योत श्री आईमाता मंदिर लाई गयी।

श्री आईमाता मंदिर की ध्वजा हिरालाल, ओगड़राम सैणचा, श्री सोनाणा खेतलाजी की ध्वजा मनाराम, हंसाराम आगलेचा, श्री बाबा रामदेवजी की ध्वजा शेषाराम, पुखराज चोयल व श्री शीतला माताजी की ध्वजा तेजाराम, रामलाल चोयल परिवार द्वारा चढायी गयी। पुजारी अम्बारामजी सोलंकी द्वारा पुजा-अर्चना व महाआरती के पश्चात् पधारे सभी समाज बन्धुओं व अतिथियों के लिए भोजन-प्रसादी की व्यवस्था मंदिर प्रांगण में की गयी। जिसका समाज बन्धुओं ने सपरिवार लाभ लिया। सम्बोधन भाषण में सचिव पुखराज चोयल ने पधारे सभी समाज बन्धुओं को सातवें वार्षिकोत्सव व ध्वजा रोहण समारोह की शुभकामनाएं देते हुए भरोसा दिलाया कि मंदिर के चहुमुखी विकास के लिए सभी समाज बन्धुओं के सहयोग से मिलझुलकर कार्य करेंगे।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में उपाध्यक्ष भाणाराम बरपा, चेनाराम सिन्दड़ा, सचिव पुखराज चोयल, सहसचिव गजाराम सैणचा, कोषाध्यक्ष दौलतराम पंवार, मीडिया प्रभारी गोविन्दराम पंवार, पूर्व अध्यक्ष मगाराम परिहार, वेनाराम वरपा, हंसाराम आगलेचा, पूर्व सचिव हिरालाल सैणचा, चुन्नीलाल वरपा, पदाधिकारी, सदस्यगण व समाज बन्धु सपरिवार उपस्थित रहे। उपाध्यक्ष भाणाराम बरपा के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ।

डीआरडीएल में राजभाषा कार्यशाला संपन्न

हैदराबाद, 19 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल), डीआरडीओ, रक्षा मंत्रालय, हैदराबाद में राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में उपाध्यक्ष एम एल नारायणा, सहायक निदेशक डॉ अर्चना पाण्डेय, डॉ एन डी पाण्डेय प्रमुख उपस्थिती थी।

व्याख्याता के रूप में उपस्थित श्रीमती बेला ने हिंदी पत्राचार एवं हिंदी के प्रभाव पर प्रकाश डाला। उन्होंने राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत आने वाले दस्तावेजों को अनिवार्यता द्विभाषी रूप में जारी करने पर बल दिया। डॉ रवि चंद्रा ने कार्यशाला के दौरान हिंदी के उद्भव एवं विकास पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। राजभाषा नियम-अधिनियम एवं हिंदी भाषा पर बारीकी से चर्चा की। कार्यशाला के अंतर्गत महत्वपूर्ण अभ्यास कार्य भी करवाया गया। राजभाषा कार्यशाला में प्रयोगशाला के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यशाला के आयोजन में राहुल कुमार, नरपाल सिंह, सौरभ चोपड़ा, अंजली चतुर्वेदी एवं ई अरुणा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

साहित्य गरिमा पुरस्कार से सम्मानित

हैदराबाद, 19 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। साहित्य गरिमा पुरस्कार समिति, ऑथर्स गिल्ड ऑफ़ इंडिया, हैदराबाद चैप्टर एवं कादम्बिनी क्लब हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित समारोह में 11 साहित्यिकों को साहित्य गरिमा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ गरिकिपाटि नरसिम्हा राव, अध्यक्ष प्रो शुभदा वांजपे, डॉ अहिल्या मिश्र, अनंत कदम, डॉ अमिता दुबे, श्रीमती शांति अग्रवाल मंच पर उपस्थित थे। मुख्य अतिथी डॉ गरिकिपाटि नरसिंहा राव ने कार्यक्रम कि सरहाना कर शिव तांडव स्त्रोत प्रस्तुत कर सभी का दिल जीत लिया।

विशिष्ट अतिथि डॉ अमिता दुबे ने अपने विचार व्यक्त किए। अध्यक्षीय मंतव्य में प्रो शुभदा वांजपे ने कहा कि साहित्य और संगीत साधना की यह यात्रा निश्चित सराहनीय है। इस में हिंदी, तेलगु सभी भाषाओं का ख्याल रखा गया है।

कार्यक्रम में वीणा मेदनी (बंगलुरु) को शहीद की पत्नी एवं अन्य कहानियां पुस्तक के लिए और डॉ प्रणव भारती (अहमदाबाद) को प्रेम न हाट बिकाय उपन्यास के लिए साहित्य गरिमा पुरस्कार प्रदान किए गए। साथही नौ प्रायोजित पुरस्कारों से लाल्टू , के सत्यनारायण, देवा प्रसाद मायला, बी एल आच्छा, डॉ राशि सिन्हा, मोहित, डॉ दत्ता शिवराम साकोले, चंद्र प्रकाश दायमा, रंजिता मित्रा को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर एक दिवसीय संगोष्ठी भी संपन्न हुई। जिसमें अनेक राज्यों से हिंदी साहित्यिक सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में पुरस्कार ग्रहिताओं के परिवार जन एवं अनेक साहित्य प्रेमियों की उपस्थिति रही।

एलवी में छत्रपति शिवाजी महाराज प्रतिमा का अनावरण

भैंसा,19फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। तानूर मंडल के एलवी गांव में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के अनावरण किया गया। जिस में विधायक रामाराव पटेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हर नागरिक को सबसे पहले देश की सुरक्षा में सहयोग करना चाहिए और देश हित के लिए आगे बढ़ना चाहिए। युवाओं को सांस्कृतिक परंपराओं का सम्मान करना चाहिए और समाज के उत्थान के लिए काम करना चाहिए। इसमें भाजपा नेता, समिति सदस्य, ग्रामीण सरपंच सहित गंगाधर, चिन्ना रेड्डी और हिंदू वाहिनी कार्यकर्ता और युवा शामिल हुए।

आदिलाबाद शहर में छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती के अवसर पर शोभा यात्रा आयोजित की गई। इसमें महिलाओं के साथ भाजपा प्रदेश कार्य समिति की सदस्य सुहासिनी रेड्डी ने भाग लिया।

अग्रवाल मानव सेवा मंच द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर सम्पन्न

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल मानव सेवा मंच का 168 वा नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर रविवार को करुणाश्री सेवा समिति कृष्णा नगर में सम्पन्न हुआ। मंच के प्रधान संयोजक विनोद अग्रवाल, संयोजक विष्णु गुप्ता, श्याम सुंदर अग्रवाल, सह संयोजक जय प्रकाश अग्रवाल, उमाशंकर गोयनका, रतन गुप्ता, सुरेश गोयल, पवन पोद्दार, गोपाल अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, अभिमन्यु अग्रवाल, पुष्पक अग्रवाल, अनुराग गुप्ता अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा के अध्यक्ष पंकज संघी अग्रवाल समाज कोठापेट शाखा के अध्यक्ष महेन्द्र अग्रवाल और सचिव राजगोपाल अग्रवाल करूणाश्री सेवा समिति के अध्यक्ष आचार्य कदरी सत्यामूर्ति, सचिव पापुला वेंकटेश्वर राव, कोषाध्यक्ष सीमए राजपेटा सत्यनारायणा और मंच में सहायक मनोजसिंह ने भाग लिया। इस शिविर का करीब 300 स्थानीय लोगों ने लाभ उठाया। 10 मोतियाबिंद रोगियों को निःशुल्क शल्य चिकित्सा स्वरुप आईं सेंटर अबीड और पंजागुटा के द्वारा किया जाएगा। मंच की सभा में 169 वां शिविर 10 मार्च को उप्पागुडा, हैदराबाद स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में और 170 वां शिविर कांरवा, कोथापेट, हैदराबाद में आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

छत्रपति शिवाजी महाराज यूथ क्लब खैरताबाद की ओर से शिवजयंती मनाई गई। इस अवसर पर महेंद्र यादव, महेश यादव, मधुकर यादव, सुधाकर मगर, पुसा नरसिंग, जिग्नेश दोषी और अन्य कार्यकर्ताओं ने महाराज को पुष्पांजलि अर्पित की।

अफजलगंज में मराठा सेवा संघ के तत्वावधान मे जामबाग नगर सेवक राकेश जयसवाल कि प्रमुख उपस्थिती में छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती मनाई गई। इस अवसर पर अमित, भारत दामरे, प्रवीण, विशाल, व्यंकट राव, महादेव दामरे, शिवाजी, रामा राव, अरूणा, ज्योति, महादेवी एवं अन्य उपस्थित थे।

छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती के अवसर पर अग्रणी महिला मंच की ओर से इमलीबन शिवाजी महाराज की मूर्ति पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर अध्यक्ष सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल , संगीता जाजोदिया, सारिका अग्रवाल, सपना जैन, प्रीति गोयल एवं पवन भुवानिया आदि उपस्थित थे।

बजरंग सेना ने छत्रपति शिवाजी महाराज को अर्पित की श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 19 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। छत्रपति शिवाजी महाराज की 394वीं जयंती के अवसर पर बजरंग सेना तेलंगाना कि ओर से एन.आर. के लक्ष्मण राव के नेतृत्व में गौलीगुडा के पास प्रतिष्ठित शिवाजी ब्रिज पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस कार्यक्रम में उपाध्यक्ष श्रीनिवास गुप्ता, महिला मोर्चा अध्यक्ष रजनी श्रीरामोजू, येरम श्रीनिवास वीपी, सुनील अग्रवाल, मनोज मोगलगिड्डी, प्राची जैन, अभिनय तिवारी, नरेश और अन्य उपस्थित थे।

बसंत बहार काव्य गोष्ठी सम्पन्न

हैदराबाद, 19 फरवरी(स्वतंत्र वार्ता)। महिला काव्य मंच तेलंगाना की तत्वावधान तें बसंत बहार महिला काव्य गोष्ठी का ऑनलाइन आयोजन नरेश नाज़ के उपस्थिति में किया गया। गोष्ठी की अध्यक्षता डॉ अर्चना पाण्डेय ने की और कुमुद बाला मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थी। नरेश नाज़ ने गोष्ठी को सम्बोधित करने के उपरांत अपनी कविता प्रस्तूत की। इसके बाद डॉ पुष्पा सिंह, रीना प्रदीप कुमार, कामिनी सिंह, सोमाली यादव, वैशाली सिसोदिया, अंजलि चौरसिया, आर्या चौबे, आर्निका सोनी, कल्पना सचान सभी ने कविताएं प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि श्रीमती कुमुद बाला, डॉ अर्चना पांडेय ने कविताएं सादर की और सभी को धन्यवाद देते हुए गोष्ठी का समापन किया।

मंडल परिषद प्राइमरी, शांतीनगर, लिंगमपल्ली, सेरिलिंगमपल्ली मंडल में लक्ष्य फाउंडेशन द्वारा आयोजित इंग्लिश तेलुगु सुलेख , कला सामाजिक ज्ञान प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण किया गया। कार्यक्रम में डीएस खोबरागड़े, के रामलू एवं जी रामलु उपस्थित थे।

केंद्र सरकार की योजना प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया के तहत 40.50 लाख लागत से निर्मल जिले के बेस्टावर पटे स्थित

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

परिवार के आगे कुछ नहीं...
रोहित शर्मा ने अश्विन के राजकोट टेस्ट छोड़कर जाने पर कही दिल जीतने वाली बात

मुंबई, 19 फरवरी (एजेंसियां)। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने राजकोट टेस्ट के बाद अश्विन वाले मामले पर प्रतिक्रिया दी. उन्होने अश्विन के राजकोट टेस्ट बीच में ही छोड़कर चले जाने पर अपनी राय रखी. रोहित ने जो कहा वो दिल जीत लेने वाला रहा. उन्होंने कहा कि जब बात परिवार की आती है तो फिर मन में दूसरा ख्याल ही नहीं रहता. फैमिली सबसे टॉप प्रायोरिटी पर होती है. अश्विन की जगह कोई भी होता तो वो यही करता.

राजकोट टेस्ट में दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद अचानक ही अश्विन के टेस्ट मैच बीच में ही छोड़कर घर चले जाने की खबर सामने आई थी. अश्विन के टेस्ट मैच के बीच से हटने की वजह फैमिली इमरजेंसी को बताया गया था. इसी के चलते अश्विन तीसरे दिन के खेल में टीम इंडिया के साथ नहीं थे. हालांकि, फिर चौथे दिन वो टीम इंडिया के साथ वापस जुड़ गए.

अश्विन को लेकर रोहित का रिएक्शन

रोहित ने अश्विन को लेकर राजकोट टेस्ट के बाद जो कहा अब जरा उसे विस्तार से जान लीजिए. उन्होंने कहा कि बेशक मैच के बीच में सबसे एक्सपीरियंस बॉलर को खोना आसान नहीं होता. लेकिन बात जब परिवार की आती है तो फिर बाकी चीजें गौण हो जाती है. फैमिली सबसे ऊपर होती है. अश्विन परिवार के पास जाना चाहते थे. और, हम सब इस फैसले में उनके साथ खड़े थे.

यशस्वी बोले- भारत में ट्रेन-बस में चढ़ना भी चैलेंज
यहीं से चुनौतियों का सामना करना सीखा, टेस्ट क्रिकेट में बेस्ट देना चाहता हूं

मुंबई, 19 फरवरी (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने राजकोट टेस्ट में 434 रन से जीत हासिल कर ली है। 557 रन के टारगेट के सामने इंग्लैंड टीम चौथी पारी में 122 रन ही बना सकी। यशस्वी जायसवाल के दोहरे शतक की वजह से भारतीय टीम इंग्लैंड को 557 रन का टारगेट देने में सफल रही। जायसवाल ने 214 रन की पारी में 12 सिक्स लगाए।

मैच के बाद यशस्वी ने कहा- मैं टेस्ट क्रिकेट में अपना बेस्ट देना चाहता हूं। मैंने बचपन से ही मेहनत करना सीखा है। भारत में बस, ट्रेन या ऑटो में चढ़ने के लिए भी कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। मेरे बचपन से ही यही स्थिति रही है, जिसने मुझे चुनौतियों से लड़ने की आदत डाल दी है।

रोहित-जडेजा से बहुत कुछ सीखा

यशस्वी ने कहा- मैं खुद से कहता हूं कि जब मैं सेट हो जाऊं तो अच्छा स्कोर करूं, क्योंकि आप कभी भी आउट हो सकते हैं। सीनियर प्लेयर रोहित शर्मा और रवींद्र जडेजा से मैंने बहुत कुछ सीखा है। रोहित और जडेजा से प्रेरित होकर, मैं सेशन दर सेशन खेलता हूं। डगआउट में मैंने टेस्ट क्रिकेट में अपना 100% देने का फैसला किया।

जब भी मुझे टेस्ट क्रिकेट में मौका मिलता है तो मेरा टारगेट बेस्ट प्रदर्शन करना होता है। अच्छे फॉर्म का फायदा उठाना और उसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में बदलना जरूरी है।

टेस्ट क्रिकेट में 5 दिन बने रहना जरूरी - रोहित

भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने मैच के बाद कहा- जब आप टेस्ट क्रिकेट खेलते हैं तो आप इसे दो या तीन दिन में नहीं खेलते। आपको पांच दिन तक गेम में बने रहना है। हम तीसरे दिन अपनी योजनाओं पर अड़े रहे और जब ये चीजें हुईं, तो इस खेल के लिए नंबर 5 पर जडेजा का होना खुशी की बात है, हमने सोचा कि उनके पास इस फॉर्मेट में बहुत अनुभव है, और उन्होंने हाल ही में बहुत सारे रन बनाए हैं। हम साथ ही लेफ्ट-राइट बैटिंग भी चाहते थे।

हम जानते हैं कि भारत में बोर्ड पर रन महत्वपूर्ण हैं। हमारे लिए बढ़त भी अहम थी, लेकिन गेंदबाजों ने काफी जज्बा दिखाया और इंग्लैंड के बैटिंग ऑर्डर को टक्कर दी। हम यह नहीं भूल सकते कि हमारे पास अपना सबसे अनुभवी गेंदबाज (अश्विन) भी नहीं था।

जायसवाल ने करियर की शुरुआत बुलंदियों पर की - रोहित

रोहित ने कहा- मैंने जायसवाल के बारे में बहुत कुछ कहा है। मुझे यकीन है कि चेंजिंग रूम के बाहर भी लोग उसके बारे में बात कर रहे होंगे। मैं उसके बारे में शांत रहना चाहता हूं, उसके बारे में ज्यादा बात नहीं करना चाहता। उसने अपने करियर की शुरुआत बुलंदियों पर की है।

राजकोट में बॉलिंग मुश्किल - जडेजा

रवींद्र जडेजा को पहली पारी में शतक लगाने और मैच में कुल 7 विकेट लेने पर प्लेयर ऑफ द मैच मिला। जडेजा ने मैच के बाद कहा- हम मुश्किल स्थिति में थे, मैंने अपनी स्ट्रेंथ का साथ देने और अपने शॉट्स खेलने पर ध्यान दिया। ज्यादा सचेत न रहें, बस गेंद को देखें और खेलें। पहले बल्लेबाजी करते हुए गेंद अच्छी तरह से आती है। आपको राजकोट में आसानी से विकेट नहीं मिलेंगे, आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। अच्छे एरिया में गेंदबाजी करने की जरूरत है, सिर्फ गेंदबाजी करके विकेट नहीं ले सकते।

यशस्वी जायसवाल ने 214 रन की पारी खेली, 12 सिक्स लगाए

यशस्वी जायसवाल ने 214 रन की नाबाद पारी खेली। इस इनिंग्स में उन्होंने 12 सिक्स लगाए, जो किसी भी भारतीय द्वारा एक इनिंग में सबसे ज्यादा हैं। उन्होंने पूर्व भारतीय बैटर नवजोत सिंह सिद्धू और मयंक अग्रवाल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। सिद्धू ने 1994 में श्रीलंका के खिलाफ लखनऊ में पहली पारी में 8 सिक्स लगाए थे। वहीं, मयंक अग्रवाल ने 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ इंदौर के होलकर स्टेडियम में 8 सिक्स लगाए थे।

बुमराह को चौथे टेस्ट से मिल सकता है आराम
आखिरी मैच खेलना और न खेलना रांची की जीत-हार पर निर्भर करेगा

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को भारत और इंग्लैंड के बीच चल रही टेस्ट सीरीज के चौथे मुकाबले से आराम दिया जा सकता है।

यह दावा क्रिकेट वेबसाइट क्रिकबज ने किया है। वेबसाइट ने एक रिपोर्ट में लिखा कि बुमराह धर्मशाला में पांचवां और अंतिम टेस्ट खेलेंगे या नहीं, इसका फैसला बाद में होगा और यह 23 फरवरी से शुरू होने वाले चौथे टेस्ट के नतीजे पर निर्भर करेगा।

30 साल के बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में टॉप विकेटटेकर हैं। वे तीन मैचों में सबसे ज्यादा 17 विकेट ले चुके हैं। रिपोर्ट में बताया गया कि टीम इंडिया मंगलवार 20 फरवरी को राजकोट से रांची के लिए उड़ान भरेगी और बुमराह के टीम के साथ यात्रा करने की संभावना नहीं है। वे सोमवार को राजकोट से अहमदाबाद जा सकते हैं। किसी और खिलाड़ी के अगला टेस्ट नहीं खेलने की कोई सूचना नहीं है।

हालांकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड का कोई अधिकृत बयान नहीं आया है।

बुमराह को आराम क्यों दिया गया?

वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत बुमराह को आराम देकर आखिरी टेस्ट में तरोताजा रखना है। बुमराह इस सीरीज के तीन मुकाबलों में 17 विकेट लिए हैं। वे तीन मैचों में 80.5 ओवर गेंदबाजी कर चुके हैं। ऐसे में सिलेक्टर्स को लगता है कि उन्हें आराम की जरूरत है।

सिराज को दूसरे टेस्ट में ब्रेक दिया था

बुमराह की जगह तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को तीसरे मुकाबले में मौका मिल सकता है। उन्हें दूसरे टेस्ट में रेस्ट दिया गया था। वे सीरीज के आखिरी 2 टेस्ट में भारतीय आक्रमण को लीड करेंगे।

बेन स्टोक्स बोले- अंपायर्स कॉल को हटा देना चाहिए
डीआरएस पर क्रॉले के आउट पर कहा- हम थर्ड अंपायर के फैसले से आश्चर्यचकित थे

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट में हार के बाद इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने डिसीजन रिव्यू सिस्टम से अंपायर्स कॉल हटाने की मांग की है। स्टोक्स तीसरे टेस्ट की दूसरी पारी में जैक क्रॉले को एलबीडब्ल्यू आउट दिए जाने के फैसले से निराश थे। इसी वजह से उन्होंने डीआरएस नियम में बदलाव की मांग की है।

राजकोट में खेले गए इस मुकाबले को भारतीय टीम ने रिकॉर्ड 434 रनों से जीता और 5 मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है। चौथा मुकाबला रांची में 23 फरवरी से खेला जाएगा।

मुझे लगता है कि अंपायर्स कॉल को हटा देना चाहिए : स्टोक्स

मैच के बाद स्टोक्स और इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैक्कुलम को मैच रेफरी जेफ क्रो से बातचीत करते देखा गया था। स्टोक्स ने कहा, 'रिप्ले में बॉल साफ तौर पर स्टंप से बाहर जा रही थी। ऐसे में जब अंपायर्स कॉल का फैसला आया तो हम थोड़ा आश्चर्यचकित थे। इसलिए हम हॉक-आई के लोगों से स्पष्टता चाहते थे। इस पर रेफरी ने कहा कि नंबरों के अनुसार बॉल स्टंप हिट कर ही थी, लेकिन प्रोजेक्शन गलत था। मैं इसका मतलब नहीं जानता। ऐसा नहीं है कि इसके लिए किसी को दोष दे रहा हूं। मुझे नहीं पता कि यह सब क्या चल रहा है?'

स्टोक्स ने आगे कहा, 'मुझे लगता है कि अंपायर्स कॉल फैसले को हटा देना चाहिए। अगर गेंद स्टंप से टकरा रही है, तो आउट दे देना चाहिए।'

क्रॉले 11 रन बनाकर आउट हुए

राजकोट टेस्ट में इंग्लैंड के ओपनर जैक क्रॉले LBW हो गए थे। उन्हें जसप्रीत बुमराह ने 9वें ओवर की दूसरी बॉल पर पवेलियन भेजा। क्रॉले 26 बॉल पर 11 रन बना सके।

जब क्रॉले 11 ही रन बनाकर खेल रहे थे, तब बुमराह की बॉल पर LBW की जोरदार अपील हुई। फील्ड अंपायर कुमार धर्मसेना ने क्रॉली को आउट करार दिया था। इसके बाद इंग्लिश ओपनर ने DRS ले लिया, बॉल-ट्रैकिंग के दौरान दिखा गेंद लेग स्टंप को छूकर जा रही है। इसके बाद अंपायर्स कॉल के कारण उन्हें पवेलियन लौटना पड़ा, जिससे वो काफी नाराज दिखे।

इंग्लैंड टीम चौथी पारी में 122 रन ही बना सकी

टीम इंडिया ने राजकोट टेस्ट रिकॉर्ड 434 रन से जीत लिया। मैच के चौथे दिन 557 रन के टारगेट के सामने इंग्लैंड टीम चौथी पारी में 122 रन ही बना सकी।

रन के अंतर से टीम इंडिया की यह सबसे बड़ी जीत रही। इससे पहले टीम ने 2021 में मुंबई के वानखेड़े मैदान पर न्यूजीलैंड को 372 रन से हराया था।

निरंजन शाह स्टेडियम में पहली पारी में भारत ने 445 और इंग्लैंड ने 319 रन बनाए थे। भारत ने दूसरी पारी 430/4 पर डिक्लेयर की थी।

परणीति नायक ने जिम्नास्टिक विश्व कप में कांस्य जीता
दीपा कर्माकर नहीं जीत सकीं कोई पदक

काहिरा, 19 फरवरी (एजेंसियां)। परणीति नायक ने पेरिस ओलंपिक क्वालिफाइंग एफआईजी अपारेटस विश्व कप में कांस्य पदक जीत लिया। 28 वर्षीय जिम्नास्ट ने वॉल्ट पर 13.616 का स्कोर किया। फाइनल में पहुंचीं राष्ट्रमंडल खेलों की पदक विजेता दीपा कर्माकर पांचवें स्थान पर रहीं। उनका स्कोर 13.383 रहा।

उत्तर कोरिया की एन चांग ओक (14.233) ने स्वर्ण और बुल्गारिया की वेलेंटीना जॉर्जिएवा (13.616) ने रजत जीता। वेलेंटीना और परणीति के अंक समान रहे, लेकिन तकनीकि दक्षता पर उन्हें रजत मिला।

यह विश्व कप में अरुणा बुद्धा रेड्डी (2018) और दीपा कर्माकर (2018) के बाद भारतीय जिम्नास्ट का तीसरा पदक रहा। क्वालिफाइंग दौर में दीपा 13.449 के साथ तीसरे और परणीति 13.166 के स्कोर के साथ सातवें स्थान पर रही थीं।

मनिका की बदौलत भारत ने विश्व चैंपियनशिप में जीत हासिल की, हंगरी को 3-2 से हराया

बुसान, 19 फरवरी (एजेंसियां)। पुरुष वर्ग में पोलैंड के खिलाफ सिर्फ हरमीत देसाई भारतीयों में जीत दर्ज कर सके। उन्होंने दूसरे एकल में मैकी कुबिक को 12-10, 13-11, 9-11, 11-5 से हराया। शरत कमल और मानव ठक्कर अपने-अपने एकल हार गए।

मनिका बत्रा ने अपने दोनों एकल मैच जीते जिससे भारतीय महिला टीम ने विश्व टेबल टेनिस (डब्ल्यूटीटी) चैंपियनशिप में हंगरी को 3-2 से हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की। भारतीय पुरुष टीम को हालांकि ग्रुप चरण के अपने दूसरे मैच में पोलैंड से 1-3 से हार का सामना करना पड़ा।

मनिका ने इससे पहले शुक्रवार को चीन के खिलाफ भी दोहरी सफलता हासिल की थी लेकिन भारतीय टीम को वह मुकाबला 2-3 से गंवाना पड़ा था। भारत की शीर्ष महिला खिलाड़ी मनिका को शुरुआती एकल मुकाबले में डोरा मदारास के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा लेकिन विश्व रैंकिंग में 36वें स्थान पर काबिज मनिका ने 8-11, 11-5, 12-10, 8-11, 11-4 से जीत दर्ज की। इसके बाद हंगरी की जॉर्जिना पोटा ने दूसरे एकल में श्रीजा अकुला को 11-3, 11-7, 9-11, 9-11, 11-8 से हराकर बराबरी कर ली।

शुक्रवार को दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी सन यिंगसा को हराने वाली अयहिका मुखर्जी ने बर्नाडेट बालिंट को 7-11, 11-6, 11-7, 11-8 से हराकर भारत को 2-1 से आगे कर दिया। चौथे एकल में मदारास ने श्रीजा को 11-4, 11-6, 5-11, 11-7 से हराकर मुकाबले को रोचक बना दिया। मनिका ने पोटा के खिलाफ अपना धैर्य बरकरार रखते हुए 11-5, 14-12, 13-11 से जीत हासिल की। भारत को ग्रुप के अन्य मैचों में स्पेन और उज्बेकिस्तान का सामना करना है।

पुरुष वर्ग में पोलैंड के खिलाफ सिर्फ हरमीत देसाई भारतीयों में जीत दर्ज कर सके। उन्होंने दूसरे एकल में मैकी कुबिक को 12-10, 13-11, 9-11, 11-5 से हराया। शरत कमल और मानव ठक्कर अपने-अपने एकल हार गए। हरमीत चौथा एकल खेलने के लिए लौटे लेकिन जैकब डायजस के खिलाफ 7-11, 7-11, 11-8, 12-14 से पराजित हो गए।

एआईएफएफ ने तुर्की महिला कप के लिए 23 सदस्यीय टीम घोषित की
आशालता देवी को मिली कमान

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ ने 21 से 27 फरवरी तक अलान्या में होने वाले तुर्की महिला कप 2024 के लिए 23 सदस्यीय महिला सीनियर टीम की घोषणा की। भारतीय टीम सोमवार को तुर्की रवाना होगी। इससे पहले भारत ने 2019 और 2021 में इस प्रतियोगिता में भाग लिया था।

भारत चार देशों के इस टूर्नामेंट में अपना पहला मैच 21 फरवरी को एस्तोनिया के खिलाफ खेलेगा। राउंड रोबिन आधार पर होने वाले टूर्नामेंट में भारत इसके बाद 24 फरवरी को हांगकांग और 27 फरवरी को कोसोवा से भिड़ेगा। तालिका में शीर्ष पर रहने वाली टीम चैंपियन बनेगी।

भारतीय टीम इस प्रकार है:

गोलकीपरः श्रेया हुडा, इलांगबाम पंथोई चानू, मोनालिसा देवी मोइरांगथेम

डिफेंडरः आशालता देवी लोइटोंगबीएम, रंजना चानू सोरोखैबम, डालिमा छिब्बर, जूली किशन, अस्तम ओरांव, शिल्की देवी हेमम।

मिडफील्डरः अंजू तमांग, संगीता बासफोर, कार्तिका अंगमुथु, मनीषा, काजोल डिसूजा, इंदुमथी कथिरेसन।

फॉरवर्डः ग्रेस डांगमेई, सौम्या गुगलोथ, करिश्मा पुरूषोत्तम शिरवोइकर, संध्या रंगनाथन, संजू, प्यारी ज़ाक्सा, काव्या पक्किरसामी, ज्योति।

मुख्य कोचः लैंगम चाओबा देवी।

निलंबित भारतीय पैरालंपिक समिति के चुनाव नौ मार्च को
पीसीआई ने की घोषणा

नई दिल्ली, 19 फरवरी (एजेंसियां)। भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के चुनाव नौ मार्च को होंगे। समिति ने घोषणा की। खेल मंत्रालय ने सही समय पर चुनाव नहीं करने के कारण पीसीआई को चार फरवरी को निलंबित कर दिया था। पीसीआई कार्यकारी समिति का चार साल का कार्यकाल 31 जनवरी को समाप्त हो गया था।

मंत्रालय ने इस खेल संस्था के दैनिक कार्यों के संचालन के लिए तदर्थ पैनल गठित करने का सुझाव दिया था लेकिन विश्व संचालन संस्था आईपीसी ने इसकी मंजूरी नहीं दी। पीसीआई की अध्यक्ष दीपा मलिक और महासचिव गुरशरण सिंह ने चुनाव के लिए नोटिस जारी किया है जिसमें उन्होंने सभी राज्य इकाइयों से अपने प्रतिनिधियों का नाम भेजने के लिए कहा है जो चुनाव में मतदान करने के पात्र होंगे।

नोटिस के अनुसार चुनाव राष्ट्रीय खेल विकास संहिता और पीसीआई नियमों के दिशानिर्देशों के अनुसार आयोजित किए जाएंगे। पीसीआई चुनाव अधिकारी के बारे में अलग से जानकारी देगी। पीसीआई एक अध्यक्ष, दो उपाध्यक्ष, एक महासचिव, एक कोषाध्यक्ष, दो संयुक्त सचिव और पांच कार्यकारी सदस्यों का चुनाव करेगी।

मुस्तफिजुर रहमान के सिर पर लगी बॉल
हॉस्पिटल में एडमिट, बीपीएल फ्रेंचाइजी विक्टोरियन्स के साथ प्रैक्टिस कर रहे थे

चटगांव, 19 फरवरी (एजेंसियां)। तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान बांग्लादेश प्रीमियर लीग-2024 के एक ट्रेनिंग सेशन के दौरान चोटिल हो गए। इसके बाद उन्हें हास्पिटल में एडमिट कराया गया।

कोमिला विक्टोरियन्स की टीम जोहुर अहमद चौधरी स्टेडियम में प्री मैच ट्रेनिंग कर रही थी। रहमान बॉलिंग के लिए तैयार हो रहे थे, तभी दूसरे नेट्स में बैटिंग कर रहे लिट्टन दास का एक तेज शॉट उनके सिर के पिछले हिस्से में लगा और वे गिर पड़े। उनके सिर से खून बहने लगा। ऐसे में उन्हें आनन-फानन में इंपीरियल अस्पताल की इमरजेंसी यूनिट में भर्ती कराया गया।

टीम के फिजियो एसएम जाहिदुल इस्लाम सजल ने बयान जारी कर कहा- 'ट्रेनिंग के दौरान एक गेंद सीधे मुस्तफिजुर रहमान के सिर के बाएं हिस्से में लगी। वहां एक खुला घाव हो गया और हमने ब्लीडिंग रोकने के लिए कंप्रेशन बैंडेज बांधी और उन्हें तुरंत इंपीरियल अस्पताल में भर्ती कराया।'

क्रिकबज के अनुसार, सिटी स्कैन से पता चला कि रहमान को इंटरनल ब्लीडिंग नहीं हुई है। उनकी चोट गंभीर नहीं है। उनके सिर के बाहरी हिस्से में चोट है। ऐसे में रहमान की इंजरी सीरियस नहीं है और वे कुछ दिनों में ठीक हो जाएंगे।

कोमिला विक्टोरियन्स को सोमवार 19 फरवरी को सिलहट स्ट्राइकर्स से मैच खेलना है। ऐसे में रहमान का उस मुकाबले में खेलना मुश्किल है। टीम को इस तेज गेंदबाज के बिना ही उतरना होगा। रहमान लीग के इस सीजन के 9 मैचों में 11 विकेट ले चुके हैं।

पांइट्स टेबल के दूसरे नंबर पर है टीम

कोमिला विक्टोरियन्स की टीम लीग के मौजूदा सीजन में 9 मैचों में से 7 जीतकर 14 अंक के साथ पॉइंट्स टेबल के दूसरे स्थान पर है। रंगपुर राइडर्स 16 अंकों के साथ टॉप पर है।

मुख्यमंत्री ने मुसी नदी के विकास को लेकर समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुसी नदी बेसिन के विकास पर नानक राम गुडा एचएमडीए कार्यालय में अधिकारियों के साथ सीएम रेवंत रेड्डी की समीक्षा। अधिकारियों ने सीएम को मुसी नदी की सीमाओं का लोकेशन स्केच समेत कई जानकारियां दीं। सीएम ने अधिकारियों को मुसी के विकास की प्रक्रिया जल्द से जल्द शुरू करने की कवायद पूरी करने का निर्देश दिया। इससे पहले सीएम ने अधिकारियों को माऊस की सफाई प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री को मुसी के विकास के लिए शहर की ऐतिहासिक इमारतों को शामिल करने की योजना बनानी चाहिए। सीएम ने अधिकारियों को काम बांटने और मुसी नदी बेसिन के विकास में तेजी लाने का सुझाव दिया।

तेलंगाना में किसी के साथ गठबंधन नहीं : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने हैदराबाद के नामपल्ली में पार्टी कार्यालय में विजय संकल्प यात्रा पोस्टर का अनावरण किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि बीआरएस ने दस साल तक तेलंगाना के लोगों को धोखा दिया है। तेलंगाना को अब बीआरएस पार्टी की जरूरत नहीं है। किशन रेड्डी ने कहा कि संसद चुनाव में किसी भी हालत में बीआरएस के साथ गठबंधन नहीं होगा। इस बीच, वे पिछले कुछ दिनों से अफवाह थी कि बीजेपी और बीआरएस संसदीय चुनावों के लिए तेलंगाना में गठबंधन बनाएंगे।

मंत्री कोंडा सुरेखा डेंगू बुखार से पीड़ित

घर से कर रही है कामकाज

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण और देवदया धर्मार्थ मंत्री कोंडा सुरेखा डेंगू बुखार से पीड़ित हैं। विधानसभा की बजट बैठकों में भाग लेने के दौरान उन्हें बुखार हो गया और वह घर से ही अपने मंत्रालयों के तहत कार्यक्रमों की निगरानी कर रहे हैं। जब पांच दिनों तक बुखार नहीं उतरा तो डॉक्टरों ने कई चिकित्सीय परीक्षण किए और पुष्टि की कि यह डेंगू पॉजिटिव है।

फिलहाल मंत्री हैदराबाद स्थित अपने आवास पर डॉक्टरों की निगरानी में इलाज करा रहे हैं और रोजमर्रा की गतिविधियों पर नजर रख रहे हैं। मेडारम मेले के कार्यों की प्रगति एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा अधिकारियों को आवश्यक सुझाव दिये। अगले दो या तीन दिनों में, मंत्री स्वस्थ और तरोताजा होकर मेडारम सम्मक्का सरक्का मेले में भाग लेंगे।

डीसीए ने मानव प्लाज्मा की अवैध बिक्री के लिए दो ब्लड बैंकों के लाइसेंस रद्द किए

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मदीनागुडा, मियापुर में ब्लड बैंक 'श्रीकारा हॉस्पिटल ब्लड सेंटर' और हैदराबाद के दारुलशिफा में 'न्यू लाइफ एजुकेशनल सोसाइटी ब्लड सेंटर' के लाइसेंस ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा रद्द कर दिए गए हैं। अवैध प्लाज्मा संग्रह रैकेट के संबंध में, जिसे 2 फरवरी, 2024 को मूसापेट में भंडाफोड़ किया गया था। ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन के महानिदेशक वी.बी. के अनुसार्। कमलासन रेड्डी, आईपीएस, ने 2 फरवरी को अपने अधिकारियों के साथ एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक आवासीय भवन दरवाजा नंबर 11-5-176, भवानी नगर, मूसापेट, हैदराबाद में संचालित 'हेमो सर्विस लेबोरेटरीज' पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान डीसीए अधिकारियों को फ्रीजर में रखे मानव प्लाज्मा बैग के विशाल भंडार का पता चला. आर. राघवेंद्र नाइक अपार्टमेंट के भीतर फर्म का संचालन कर रहे हैं, अवैध रूप से विभिन्न ब्लड बैंकों से प्लाज्मा एकत्र कर रहे हैं और उन्हें अनधिकृत रूप से बिक्री के लिए जमा कर रहे हैं। डीसीए अधिकारियों ने पाया कि 'श्रीकारा हॉस्पिटल ब्लड बैंक' मैत्री नगर, मदीनागुडा, मियापुर, रंगा रेड्डी जिले में है। आबिद अली खान लायंस आई हॉस्पिटल, दारुलशिफा में 'न्यू लाइफ एजुकेशनल सोसाइटी ब्लड सेंटर' ने नियमों का पालन न करते हुए हेमो सर्विस लेबोरेटरीज के आर. राघवेंद्र नाइक को अवैध रूप से प्लाज्मा बेचा, डीसीए अधिकारियों ने तुरंत श्रीकारा हॉस्पिटल ब्लड सेंटर (वेंकटेश्वर की एक इकाई) पर छापा मारा ऑर्थो हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड), डी.नं.222 और 223, 5वीं मंजिल, माइथ्री नगर, फेज़-2, मदीनागुडा, मियापुर में स्थित है, और न्यू लाइफ एजुकेशनल सोसाइटी ब्लड सेंटर, डी.नं. 22-1 पर स्थित है। -1038, प्रथम तल, आबिद अली खान लायन आई हॉस्पिटल, दारुलशिफा, और सत्यापन के बाद 'हेमो सर्विस लेबोरेटरीज' को प्लाज्मा की अवैध बिक्री की पुष्टि हुई। रक्त बैंकों में, 'प्लाज्माफेरेसिस' नामक प्रक्रिया के माध्यम से, दाताओं से एकत्र किए गए पूरे रक्त से प्लाज्मा को अलग किया जाता है। संग्रह के बाद, इसकी अखंडता को बनाए रखने के लिए इसे छह घंटे के भीतर जमाया जाना चाहिए। इसकी स्थिरता बनाए रखने और गिरावट को रोकने के लिए प्लाज्मा को माइनस 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे के तापमान पर फ्रीजर में संग्रहित किया जाना चाहिए। मानव प्लाज्मा विभिन्न चिकित्सा उपचारों और उपचारों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हेमोफिलिया जैसे क्लॉटिंग विकारों वाले मरीजों के इलाज में प्लाज्मा ट्रांसफ्यूजन आवश्यक है, और जो बड़े पैमाने पर रक्त हानि या आघात से गुज़र चुके हैं और इम्यूनोडेफिशियेंसी विकारों और ऑटोइम्यून बीमारियों के इलाज में भी इसका उपयोग किया जाता है। गंभीर रूप से जलने जैसी गंभीर स्थिति वाले मरीजों को भी प्लाज्मा दिया जाता है, ताकि उनकी स्थिति को स्थिर किया जा सके और जटिलताओं को रोका जा सके। डीसीए तेलंगाना ने ब्लड बैंकों के निरीक्षण के बाद मदीनागुडा, मियापुर में 'श्रीकारा हॉस्पिटल ब्लड सेंटर' और दारुलशिफा में 'न्यू लाइफ एजुकेशनल सोसाइटी ब्लड सेंटर' को कारण बताओ नोटिस जारी किया। नोटिस ब्लड बैंक से प्लाज्मा की अवैध बिक्री और ब्लड बैंक मानदंडों के अनुरूप न होने के संबंध में डीसीए अधिकारियों द्वारा रिपोर्ट किए गए कुछ उल्लंघनों के संबंध में जारी किए गए थे। चूंकि ब्लड बैंकों द्वारा प्लाज्मा की अवैध बिक्री से सार्वजनिक स्वास्थ्य पर हानिकारक परिणाम हो सकते हैं, इसलिए लाइसेंस जारी किए गए हैं। व्यापक जनहित में दोनों ब्लड बैंकों को रद्द कर दिया गया है। औषधि नियंत्रण प्रशासन महानिदेशक वी.बी. कमलासन रेड्डी ने कहा कि ब्लड बैंक केंद्रों को ऐसी गतिविधियों को रोकने और ब्लड बैंकिंग प्रथाओं की अखंडता सुनिश्चित करने के लिए कड़े उपाय लागू करने चाहिए। उन्होंने कहा कि उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री ने सम्मक्का और सरलम्मा को तुलाभारम भेंट किया

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्रत वार्ता)। राज्य के सूचना, राजस्व और आवास मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने मेडारम जातरा के दौरान सम्मक्का और सरलम्मा को तुलाभारम भेंट किया। मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के साथ मंत्री सीताक्का, सूचना आयुक्त हनुमंत राव, जिला कलेक्टर इला त्रिपाठी भी। मंत्री पोंगुलेटी ने मेडारम जतारा में दस लाख की अनुमानित लागत से मीडिया प्वाइंट का शुभारंभ किया।

हलीम की कीमत में बढ़ोतरी

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जब रमज़ान का महीना आता है तो हर गली में हलीम की दुकान लग जाती है। रमज़ान का महीना आने में एक महीना बाकी है। हैदराबाद की सड़कों पर अभी से ही हलचल शुरू हो गई है, लेकिन इस साल हलीम की कीमतें उपभोक्ताओं को झटका देंगी।

हलीम निर्माताओं का कहना है कि हलीम की कीमतें बढ़ेंगी। होटल व्यवसायियों का अनुमान है कि यह बढ़कर 40 प्रतिशत तक पहुंच जायेगा। व्यापारियों का कहना है कि विशेष हलीम में सूखे मेवे, मटन, अंडे और घी जैसी आवश्यक सामग्री की कीमतें बढ़ने से हलीम की कीमतें भी बढ़ेंगी। पिछले साल क्लासिक हलीम की कीमत रु. 200 से 250 रुपये के बीच था लेकिन संभावना है कि इस साल यह बढ़कर 300 तक पहुंच जाएगी। मालूम हो कि बाजार में लहसुन और अदरक के दाम भी बढ़ गये हैं।

चार दिनों के लिए बस यात्राएं स्थगित करें

आरटीसी अधिकारियों की सलाह

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। आरटीसी अधिकारियों ने इस महीने की 21 से 24 तारीख तक सिटी बसों में यात्रा करने वालों को अपनी यात्रा स्थगित करने या वैकल्पिक मार्गों की तलाश करने की सलाह दी। क्योंकि मेडारम मेले के दौरान बसें जाने से शहर में बसों की संख्या कम हो जाती है। ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र में चलने वाली 2,850 सिटी बसों में से लगभग 2,000 मेडारम मेले में जाएंगी। आरटीसी अधिकारियों ने मेले के लिए पहले ही कुछ बसें आवंटित कर दी हैं। इस महीने की 21 तारीख से मेडारम तक बसें जाएंगी। जिसमें से 250 बसें शहर से रवाना होंगी। बाकी बसें तेलंगाना के अलग-अलग हिस्सों में जाएंगी। तेलंगाना में महालक्ष्मी योजना लागू होने के बाद शहर में महिला यात्रियों की संख्या 11 लाख से बढ़कर 18 लाख हो गई। फिलहाल पूरे प्रदेश में यही स्थिति है। टीएसआरटीसी का अनुमान है कि ऐसे समय में लाखों यात्री मेडारम जतारा आएंगे। इसीलिए शहर में मेले के लिए 2 हजार तक बसें आवंटित की गई हैं। शहरवासियों के लिए सिर्फ 850 बसें ही उपलब्ध रहेंगी।

मंदिर पर्यटन को सरकार दे प्राथमिकता : जुपल्ली

आलमपुर, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यटन मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने कहा कि राज्य सरकार मंदिर पर्यटन को प्राथमिकता दे रही है, जिसका उद्देश्य एमएलसी कुचुकुल्ला के साथ तेलंगाना राज्य के विभिन्न स्थलों पर बड़ी संख्या में लोगों को आकर्षित करना है। दामोदर रेड्डी, विधायक मेघा रेड्डी, वामशी कृष्णा और राजेश रेड्डी, नई दिल्ली में तेलंगाना सरकार के विशेष प्रतिनिधि डॉ. मल्लु रवि, पूर्व विधायक संपत कुमार, अन्य निर्वाचित प्रतिनिधियों और अधिकारियों ने सोमवार को जोगुलम्बा जिले के आलमपुर में श्री जोगुलम्बा अम्मावारी मंदिर का दौरा किया। इस अवसर पर मंदिर कर्मचारियों द्वारा मंत्री का भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने देवी जोगुलाम्बा के दर्शन किये और पुजारियों से आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर के अधिकारियों ने मंत्री को तीर्थ प्रसादम भेंट किया। बाद में मीडिया से बात करते हुए, जुपल्ली कृष्ण राव ने कहा कि जोगुलाम्बा मंदिर के साथ-साथ, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार राज्य भर में कई प्राचीन मंदिरों के जीर्णोद्धार के लिए काम कर रही है और विभिन्न उपाय शुरू करके मंदिर पर्यटन को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि किए गए कुछ कार्य संभव हैं। केंद्र सरकार की प्रसाद योजना के तहत कार्य अभी भी लंबित हैं और केंद्र सरकार को सभी कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए

चुनाव से पहले हार मान ली कांग्रेस ने : डॉ. लक्ष्मण

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीजेपी सांसद डॉ.के. लक्ष्मण ने कहा कि चुनाव से पहले ही कांग्रेस अपनी हार मान चुकी है और मोदी तीसरी बार फिर प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व ने आगामी चुनाव को ध्यान में रखते हुए यह निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि अगले सौ दिनों में बीजेपी की गतिविधियां स्पष्ट हो गयी हैं। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव में बीजेपी 370 सीटें जीतेगी। एनडीए के साथ मिलकर 400 से ज्यादा सीटें जीतना तय है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने चुनाव से पहले ही कमर कस ली है। मोदी तीसरी बार फिर प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। आगामी लोकसभा चुनाव को महाभारत युद्ध कहा जा रहा है। उन्होंने कहा कि पार्टियां आईएनडी गठबंधन से बाहर हो रही हैं। उन्होंने कहा कि जनता मोदी के विकास को ताज पहनाएगी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में बीआरएस के बदलाव से कांग्रेस को जीत मिली। उन्होंने कहा कि सरकार कांग्रेस द्वारा दिये गये बजट के अनुरूप नहीं है। उन्होंने कहा कि छह गारंटी का क्रियान्वयन भ्रमित करने वाला है। कांग्रेस संसदीय चुनाव में जुगाड़ लगाकर जीतने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस और बीआरएस के बीच भाजपा से मुकाबला करने के लिए एक गुप्त समझौता है। उन्होंने गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि वे ऐसे व्यवहार कर रहे हैं जैसे वे कट्टर दुश्मन हो। रेवंत भले ही बीआरएस से टकराना चाहते थे, लेकिन उन्होंने कहा कि दिल्ली के बुजुर्गों ने गुप्त समझौता किया है। सभी चीजें जनता तक पहुंचायी जायेंगी। मौजूदा सांसदों ने भी सनसनीखेज टिप्पणी करते हुए कहा कि वे हमारे संपर्क में हैं। उन्होंने कहा कि शराब मामले की जांच ईडी कर रही है। गलत काम करने वालों पर कार्रवाई की जायेगी।

उन्होंने कहा कि कविता मामले में जांच चल रही है। इस बात के सबूत हैं कि शराब के मामले में गिरफ्तार लोगों को अदालतें जमानत नहीं देगी। कालेश्वरम मामले की जांच अगर सीबीआई करे तो तथ्य सामने आ जायेंगे। उन्होंने कहा कि बीजेपी 17 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने पार्लियामेंट बोर्ड के सदस्य के तौर पर कहा, बीआरएस के साथ कोई गठबंधन नहीं है। अगर वे सौदेबाजी पर भी आते हैं तो कोई गठबंधन नहीं होगा। उन्होंने कहा कि आंध्र में गठबंधन पर फैसला नेतृत्व करेगा। आंध्र प्रदेश में जनसेना के साथ गठबंधन है। बीजेपी 17 सीटों पर चुनाव

बीजेपी की विजय संकल्प यात्रा आज से

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा राज्य में आगामी संसदीय चुनावों में घाटे की भरपाई के लिए पूरी तरह तैयार है। इसी के तहत इस आज 20 फरवरी से मैदानी स्तर पर व्यापक अभियान चलाया जा रहा है।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किशन रेड्डी चारमीनार भाग्यलक्ष्मी मंदिर में विशेष पूजा करने के बाद प्रचार रथों का शुभारंभ करेंगे। पार्टी नेतृत्व का लक्ष्य अगले चुनाव में कम से कम 10 लोकसभा सीटें और 35 प्रतिशत वोट हासिल करना है।

उन्होंने कहा कि दस साल में केंद्र ने राज्य को लेकर जो सहयोग किया, उसके बारे में वह जनता को बताएंगे। लोकसभा चुनाव में अपनी ताकत दिखाने के इरादे से भाजपा राज्य की 17 लोकसभा सीटों और 119 विधानसभा क्षेत्रों पर कब्जा करने की योजना तैयार की है। 17 संसदीय सीटों को पांच समूहों में विभाजित किया गया है। उन 5 क्लस्टरों में कुल 4 हजार 238 किलोमीटर की रथ यात्राएं आयोजित की जाएंगी। यात्रा की अंतिम बैठक में प्रधानमंत्री मोदी शामिल होंगे। विजय संकल्प यात्रा का नेतृत्व राज्य के गणमान्य लोग करेंगे। केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी, सांसद बंडी संजय, सांसद लक्ष्मण, डीके अरुणा, ईटेला राजेंदर और अन्य वरिष्ठ नेता संबंधित समूहों में भाग लेंगे।

विजय संकल्प यात्राओं के जरिए प्रधानमंत्री मोदी की सरकार की दस साल की उपलब्धियां और विपक्ष की नाकामियां लोगों को बताई जाएंगी।

भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय दलों के नेता बस यात्रा के तहत आयोजित नुक्कड़ सभाओं में शामिल होंगे। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा आदिलाबाद जिले के मुधोल से क्लस्टर यात्रा शुरू करेंगे। यात्रा 21 विधानसभा क्षेत्रों और 3 संसद क्षेत्रों को कवर करेगी और निज़ामाबाद जिले के बोधन में समाप्त होगी। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत विकाराबाद जिले के तंदूर में राजेश्वरी क्लस्टर का उद्घाटन करेंगे। यात्रा 28 विधानसभा क्षेत्रों और 4 संसद क्षेत्रों को कवर करेगी और करीमनगर में समाप्त होगी। भाग्यलक्ष्मी क्लस्टर यात्रा भुवनगिरी से शुरू होगी और तीन संसदीय क्षेत्रों के तहत 21 विधानसभा क्षेत्रों को कवर करेगी और हैदराबाद में समाप्त होगी।

भद्राचलम से शुरू होने वाली काकतीय-भद्रकाली क्लस्टर बस यात्रा तीन संसदीय क्षेत्रों और 21 विधानसभा सीटों को कवर करेगी और मुलुगु जिले में समाप्त होगी। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी कृष्णा नदी मख्तल में कृष्णम्मा क्लस्टर यात्रा का शुभारंभ करेंगी। पार्टी के सूत्रों ने कहा कि बस यात्रा तीन संसदीय क्षेत्रों और 21 विधानसभा सीटों से होकर गुजरेगी और नलगोंडा में समाप्त होगी।

एमएलसी कविता ने सीएम रेवंत रेड्डी द्वारा नया जीओ जारी करने पर कड़ी आपत्ति जताई है

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एमएलसी कविता ने एआईसीसी अध्यक्ष खड़गे को पत्र लिखकर टीएसपीएससी को लेकर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वार नये सिरे से जीओ जारी करने पर कडी आपत्ति जताई है। उसने अपने पत्र में कहा है कि इस साल वेबसाइट पर करीब 2 लाख 50 हजार लोग रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। यानी 33.3 फीसदी आरक्षण के हिसाब से कम से कम 66 हजार लड़कियों को नौकरी मिलनी चाहिए। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा एक नया जीओ लाने का कड़ा विरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि वह मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से अपील कर रहे हैं कि वह इस मामले में हस्तक्षेप करें और इस जीओ को तुरंत वापस लेने के आदेश जारी करें। तेलंगाना के लोगों, विशेषकर छात्रों ने पिछले चुनाव अभियान में कांग्रेस पार्टी द्वारा दी गई गारंटी पर विश्वास किया और बड़ी संख्या में मतदान करके आपकी पार्टी को सरकार में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1996 में, कई संघर्षों के परिणामस्वरूप, महिलाओं के लिए रोजगार के अवसरों में 33.3 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करते हुए जीओ नंबर 41 और 56 जारी किए गए। 1992 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए इंदिरा साहनी फैसले से भी काफी मदद मिली। उसके बाद महिलाओं को संवैधानिक रूप से रोस्टर प्वाइंट के साथ क्षैतिज आरक्षण प्रदान किया गया। जहां तक हमारे देश में सामाजिक आरक्षण की बात है तो महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को सख्ती से लागू किया जा रहा है। भले ही अवसरों की कमी और शैक्षिक मानकों की कमी के कारण महिलाओं ने कुछ साल गंवा दिए।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा राजस्थान लोक सेवा आयोग के मामले में दिए गए फैसले को ध्यान में रखते हुए, आपकी गारंटी से तेलंगाना में बनी कांग्रेस सरकार ने जीओ 41 और 56 को रद्द कर दिया है और नई जीओ 3 लेकर आई है। 10 जनवरी 2023 में, केसीआर सरकार ने तेलंगाना उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर कहा कि राजस्थान लोक सेवा आयोग मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले को लागू करने के आदेश जारी किए हैं। हम इसे वापस नहीं लेंगे। लेकिन आपकी कांग्रेस सरकार आते ही राज्य सरकार ने महिलाओं के अधिकारों का हनन करते हुए बिना किसी से सलाह किये इसी महीने की 6 तारीख को हाई कोर्ट में याचिका वापस ले ली। इस प्रकार, सरकार ने महिलाओं को उनके अधिकारों से पूरी तरह और स्थायी रूप से वंचित करते हुए, बिना रोस्टर बिंदु के क्षैतिज आरक्षण प्रदान करने के लिए जीओ 3 जारी किया है। यह महिलाओं के रोजगार के अवसरों में बाधक होगा।

जिला कलेक्टर ने संसदीय चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले कलेक्टर शशांक ने सोमवार को एकीकृत जिला कार्यालय के सभाकक्ष में ईआरओ, ईईआरओ एवं नोडल अधिकारियों के साथ संसदीय चुनाव की समीक्षा की। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए कि मतदाता सूची सही ढंग से तैयार की गई है, सभी स्तरों पर बारीकी से जांच करने का आदेश दिया। विशेषकर 18-19 वर्ष के युवाओं को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मतदाता सूची में नाम दर्ज हो और एक भी नाम छूटे नहीं। 01 अप्रैल, 2024 तक 18 वर्ष की आयु पूरी करने वालों से आवेदन प्राप्त करने का सुझाव दिया गया है। चुनाव कराने के लिए आवश्यक कार्मिकों की पहचान करने के लिए यह सुनिश्चित करने के उपाय किये जाने चाहिए कि अतिरिक्त कार्मिक भी उपलब्ध (रिजर्व) हों, विशेषकर 10 प्रतिशत अतिरिक्त क्षेत्रीय अधिकारी उपलब्ध होने चाहिए। मतदाता सूची में परिवर्तन-परिवर्धन एवं विलोपन से संबंधित लंबित आवेदनों की जांच युद्धस्तर पर पूरी की जाये.श। कलेक्टर ने सुझाव दिया कि मृत मतदाताओं के नाम हटाने के मामले में सभी सावधानियां बरती जाएं तथा मैदानी स्तर पर निरीक्षण एवं मृत्यु प्रमाण पत्रों की जांच के बाद ही मतदाता सूची से नाम हटाया जाए। बैठक में ईआरओ, एईआर, नोडल अधिकारी और अन्य ने भाग लिया।

इंटर बोर्ड की सैद्धांतिक परीक्षा इसी महीने की 28 तारीख से होगी

हैदराबाद, 19 फरवरी (स्वतंत्र वार्ता)। इंटरमीडिएट की सैद्धांतिक परीक्षा इसी महीने की 28 तारीख से शुरू होगी। इसमें 9 लाख से ज्यादा छात्र शामिल हो रहे हैं। अगले महीने की 18 तारीख से शुरू होने वाली 10वीं कक्षा की परीक्षा में लगभग 5 लाख लोग शामिल होंगे। सरकार इन दोनों परीक्षाओं को महत्वपूर्ण मान रही है। उच्च अधिकारी पहले ही कई चरणों में परीक्षाओं के संचालन की समीक्षा कर चुके हैं। मुख्यमंत्री ने परीक्षा के पैटर्न पर भी स्पष्ट निर्देश दिये। परीक्षाओं का संचालन पहले से अलग होना चाहिए। सरकार का आदेश है कि कहीं भी पेपर लीक नहीं होना चाहिए। इस पृष्ठभूमि में अधिकारियों में तनाव है। हर बात को गंभीरता से लिया जा रहा है। प्रश्नपत्रों को डिजाइन करने से लेकर उनकी डिलीवरी तक, परीक्षा के बाद उत्तर पुस्तिकाओं को मूल्यांकन केंद्रों तक ले जाना, मूल्यांकन करना, परिणामों का मिलान और प्रकाशन करना, कर्मचारियों को और अधिक सतर्क कर दिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि प्राथमिकता उन लोगों को दी गई है, जिनकी पहले से कोई शिकायत नहीं रही है। सरकार ने 10वीं और इंटर परीक्षा के हॉल टिकट में देरी पर विशेष ध्यान देने का फैसला किया है। इस उद्देश्य के लिए एक विशेष तंत्र नियुक्त किया जाएगा। परीक्षा के दौरान फीस नहीं देने वाले छात्रों पर निजी स्कूल और कॉलेज काफी दबाव बना रहे हैं। आरोप है कि डाउनलोड किए गए हॉल टिकट पर कॉलेज प्रिंसिपल और स्कूल एचएम के हस्ताक्षर की आवश्यकता होती है। ऐसी समस्याओं से बचने के लिए अधिकारी सावधानी बरत रहे हैं। हॉल टिकटों का वितरण पहले से करने का निर्णय लिया गया है। पिछले कुछ वर्षों में इंटर और दसवीं परीक्षा का प्रबंधन अधिकारियों के लिए एक चुनौती बन गया है। हॉल टिकट से लेकर नतीजों तक, कुछ न कुछ गलत हो जाता है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.